CivilsTap

Quality & Affordable Education

करंट अफेयर्स मासिक मैगजीन

OCTOBER 2023

By CivilsTap Himachal

For HPAS & Other Competitive Exam in Himachal Pradesh

Prelims

+91 7814622609

www.civilstaphimachal.com

1. राजनीति

1.1 नागालैंड ने आधार से जुड़े जन्म पंजीकरण की शुरुआत की

- **नागालैंड आधार-लिंक जन्म पंजीकरण (ALBR) प्रणाली शुरू करने वाला** उत्तर **पूर्वी क्षेत्र का पहला राज्य बन गया** है ।
- यह **0 से 5 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए जन्म पंजीकरण और आधार नामांकन की प्रक्रियाओं को सरल बनाने पर केंद्रित है।**

1.2 एक राष्ट्र-एक चुनाव पर समिति

- कानून मंत्रालय ने **'एक राष्ट्र एक चुनाव' समिति पर एक अधिसूचना जारी की** ।
- समिति में **भारत के पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद अध्यक्ष** और **सात अन्य सदस्य हैं** - **गृह मंत्री** अमित शाह, **अधीर रंजन चौधरी (हालांकि बाद में इसका हिस्सा बनने से इनकार कर दिया गया), गुलाम नबी आजाद, एनके सिंह, सुभाष सी,कश्यप, हरीश साल्वे** और **संजय कोठारी**
- पैनल **तुरंत काम करना शुरू कर देगा** और **जल्द से जल्द सिफारिशें करेगा** ।
- **शासनादेश**
  - ✓ समिति **संविधान** , **जन प्रतिनिधित्व अधिनियम** और **किसी भी अन्य कानून और नियमों की जांच करेगी और विशिष्ट संशोधनों की सिफारिश करेगी** , जिनमें **एक साथ चुनाव कराने के उद्देश्य से संशोधन की आवश्यकता होगी।**
  - ✓ यह **भी जांच करेगा और अनुशंसा करेगा** , **यदि** संविधान में संशोधन **के लिए राज्यों द्वारा अनुसमर्थन की आवश्यकता होगी।**
  - ✓ समिति त्रिशंकु **सदन** , **अविश्वास प्रस्ताव को अपनाने** , या **एक साथ चुनाव के मामले में दलबदल या ऐसी किसी अन्य घटना जैसे परिदृश्यों** का **विश्लेषण और संभावित समाधान भी सुझाएगी** ।
  - ✓ समिति **उन सभी व्यक्तियों , अभ्यावेदनों और संचारों को सुनेगी और उनका मनोरंजन करेगी** जो उसकी राय में उसके काम को सुविधाजनक बना सकते हैं और उसे अपनी सिफारिशों को अंतिम रूप देने में सक्षम बना सकते हैं।

संक्षिप्त इतिहास

- **1967 तक एक साथ चुनाव कराना आम बात** थी ।
- हालाँकि **1968-1969 में कुछ विधानसभाओं** और **1970 में लोकसभा के विघटन** के बाद , **राज्य विधानसभाओं और संसद के चुनाव अलग-अलग आयोजित किए गए हैं** ।

पूर्व प्रयास

- चुनाव **आयोग ने 1983 में एक साथ चुनाव कराने का** सुझाव दिया था ।
- न्यायमूर्ति **बी.पी. जीवन रेड्डी की अध्यक्षता वाले विधि आयोग ने मई 1999 में** अपनी **170 वीं रिपोर्ट में** कहा, **"हमें उस स्थिति में वापस जाना चाहिए जहां लोकसभा और सभी विधानसभाओं के चुनाव एक साथ होते हैं"।**

पेशेवरों

- **चुनाव कराने की लागत कम करने** और **सभी चुनावों को एक ही सीज़न तक सीमित करने** जैसी चिंताओं का समाधान होगा ।
- **आदर्श आचार संहिता सरकार** द्वारा **परियोजनाओं या नीतिगत योजनाओं की घोषणा करने में बाधक बनती है** ।

दोष

- ऐसे अभ्यास की **जटिलता**
- एक साथ चुनाव कराने से **क्षेत्रीय खिलाड़ियों की कीमत पर राष्ट्रीय स्तर पर प्रमुख पार्टी को फायदा** होगा
- **यदि कोई सरकार अपना कार्यकाल पूरा करने** से पहले गिर जाए तो क्या जटिलताएँ पैदा होंगी?
- **तार्किक** मुद्दे **-ईवीएम** और **वीवीपैट** की **उपलब्धता ।**

1.3 मिताक्षरा कानून

- सुप्रीम **कोर्ट ने हाल ही में** माना कि **अमान्य विवाह से पैदा हुआ बच्चा मिताक्षरा कानून** द्वारा शासित संयुक्त हिंदू परिवार की संपत्ति में माता-पिता का हिस्सा प्राप्त कर सकता है ।
- भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली तीन-न्यायाधीशों की पीठ ने हालांकि स्पष्ट किया कि ऐसा बच्चा **परिवार में किसी अन्य व्यक्ति की संपत्ति में या उसके अधिकार का हकदार नहीं होगा** ।

एक **अमान्य विवाह** वह है **जिसे पति या पत्नी द्वारा डिक्री के माध्यम से अमान्य कर दिया जाता है**।

एक **अमान्य विवाह शुरुआत में ही अमान्य है।**

मिताक्षरा कानून के बारे में

- मिताक्षरा शब्द **याज्ञवल्क्य स्मृति** पर **विज्ञानेश्वर द्वारा लिखी गई एक टिप्पणी** के नाम से लिया गया है ।
- यह **एक हिंदू लॉ स्कूल है** जो **हिंदू अविभाजित परिवारों (एचयूएफ) में संपत्ति के उत्तराधिकार को नियंत्रित करता है** ।
- मिताक्षरा विचारधारा का मानना है कि बेटे, पोते और पोते के बेटे को **जन्म से ही पारिवारिक संपत्ति** पर **अधिकार होता है** ।
- **एचयूएफ को** नियंत्रित करने वाला उत्तराधिकार का **मिताक्षरा कानून पश्चिम बंगाल और असम को छोड़कर पूरे भारत** में लागू होता है ।

1.4 पंथनिरपेक्षता(लैसीटे)

- फ्रांसीसी **सरकार ने** घोषणा की कि **सरकारी स्कूलों में अबाया पहनने की प्रथा पर प्रतिबंध लगा दिया जाएगा** क्योंकि यह **लैसिटे के सिद्धांत का उल्लंघन करता है** , जो **धर्मनिरपेक्षता का फ्रांसीसी विचार है।**

लैसीटे का अर्थ

- **19वीं शताब्दी में गढ़ा गया , लैसिटे एक जटिल और राजनीतिक रूप से आरोपित शब्द है** ।
- इसे **राज्य और चर्च के औपचारिक अलगाव के रूप में समझा जाता है।**
- इसमें **सार्वजनिक क्षेत्र से धार्मिक मूल्यों को पूरी तरह से हटाना और उनके स्थान पर स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व जैसे धर्मनिरपेक्ष मूल्यों को शामिल करना शामिल है।**

- लैसिटे का **अंतर्निहित लक्ष्य** सहिष्णुता **को विकसित करना** और **लोगों को आत्मसात करना** है ।
- सिद्धांत के अनुसार, **धर्म को निजी क्षेत्र तक ही सीमित रखना है** ।

1.5 संसदीय सत्र

- **संसद को बुलाना संविधान के** अनुच्छेद **85** में निर्दिष्ट है, जो **भारत सरकार अधिनियम, 1935 के एक प्रावधान पर आधारित है** , जो **निर्दिष्ट करता है कि केंद्रीय विधायिका को वर्ष में कम से कम एक बार बुलाया जाना चाहिए, और दो सत्रों के बीच 12 महीने से अधिक अतंर नहीं होना चाहिए ।**
- डॉ. **बीआर अंबेडकर ने** कहा कि **उस प्रावधान का उद्देश्य केवल राजस्व इकट्ठा करने के लिए विधायिका को बुलाना था** , और **साल में एक बार बैठक का उद्देश्य विधायिका द्वारा सरकार की जांच से बचना था।**
  - ✓ **प्रावधान के** उनके प्रारूपण ने सत्रों के बीच के अंतर को छह **महीने तक कम कर दिया** , और **निर्दिष्ट किया गया कि संसद को वर्ष में कम से कम दो बार मिलना चाहिए।**

सत्र

- भारत में कोई **निश्चित संसदीय कैलेंडर नहीं है** ।
- परंपरा के अनुसार, **संसद की बैठक एक वर्ष में तीन सत्रों के लिए होती है।**
- सबसे **लंबा, बजट सत्र** , जनवरी के अंत में शुरू होता है, और अप्रैल के अंत या मई के पहले सप्ताह तक समाप्त होता है।
  - ✓ सत्र **में अवकाश है ताकि संसदीय समितियां** बजटीय प्रस्तावों पर चर्चा कर सकें।
- दूसरा **सत्र तीन सप्ताह का मानसून सत्र है** , जो **आमतौर पर जुलाई में शुरू होता है और अगस्त में समाप्त होता है** ।
- संसदीय **वर्ष का समापन तीन सप्ताह लंबे शीतकालीन सत्र के साथ होता है** , जो **नवंबर से दिसंबर तक आयोजित होता है** ।
- शक्ति **सरकार के पास है** ।
  - ✓ यह **निर्णय संसदीय मामलों की कैबिनेट समिति द्वारा लिया जाता है** , और **राष्ट्रपति द्वारा औपचारिक रूप दिया जाता है** , **जिनके नाम पर सांसदों को एक सत्र के लिए बुलाया जाता है।**

1.6 ई-कोर्ट परियोजना

- **केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 7,210 करोड़ रुपये** के बजट आवंटन के साथ **ई-कोर्ट परियोजनाओं** के तीसरे चरण को मंजूरी दे दी है ।

बारे में

- ई **-कोर्ट मिशन मोड प्रोजेक्ट** प्रौद्योगिकी का उपयोग करके **न्याय** तक पहुंच में सुधार के लिए प्रमुख प्रस्तावक है ।
- **राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस योजना** के हिस्से के रूप में , भारतीय न्यायपालिका की आईसीटी सक्षमता के लिए **ई-कोर्ट परियोजना 2007** से कार्यान्वयन के अधीन है , जिसका चरण ॥ **2023 में समाप्त हो गया है।**
- **भारत में ई-कोर्ट परियोजना का तीसरा चरण** "पहुंच और समावेशन" के दर्शन पर आधारित है और इसका उद्देश्य एक एकीकृत प्रौद्योगिकी मंच बनाना है, जो अदालतों, वादियों और अन्य हितधारकों के बीच एक सहज और कागज रहित इंटरफेस प्रदान करेगा।

- **चरण- I और चरण- II** के लाभ को अगले स्तर पर ले जाते हुए, **ई-कोर्ट चरण- III का लक्ष्य डिजिटल,** ऑनलाइन और पेपरलेस अदालतों की ओर बढ़ते हुए न्याय में अधिकतम आसानी की व्यवस्था शुरू करना है।
- इसमें विरासत रिकॉर्ड सहित संपूर्ण अदालती रिकॉर्ड का डिजिटलीकरण और ई **-सेवा केंद्रों के साथ सभी अदालत परिसरों को संतृप्त करके ई-फाइलिंग/ई-भुगतान का सार्वभौमिकरण शामिल है ।**
- यह मामलों को शेड्यूल या प्राथमिकता देते समय न्यायाधीशों और रजिस्ट्रियों के लिए डेटा-आधारित निर्णय लेने में सक्षम बनाने वाले बुद्धिमान स्मार्ट सिस्टम स्थापित करेगा।
- इसे **न्याय विभाग और भारत के सर्वोच्च न्यायालय की** ई **-कमेटी की** संयुक्त साझेदारी के तहत संबंधित **उच्च न्यायालयों के माध्यम से विकेन्द्रीकृत तरीके** से एक न्यायिक प्रणाली विकसित करने के लिए कार्यान्वित किया जा रहा है जो न्याय में आसानी को बढ़ावा देगी।

1.7 राष्ट्रीय न्यायिक डेटा ग्रिड

- **सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में अपने केस डेटा को राष्ट्रीय न्यायिक डेटा ग्रिड पर शामिल किया है।**

राष्ट्रीय न्यायिक डेटा ग्रिड के बारे में:

- एनजेडीजी **पोर्टल** देश भर की अदालतों द्वारा शुरू किए गए, लंबित और निपटाए गए मामलों से संबंधित डेटा का एक राष्ट्रीय भंडार है ।
- **18,735 जिला और अधीनस्थ न्यायालयों और उच्च न्यायालयों** के केस विवरण शामिल हैं ।
- इसे एक ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के तौर पर तैयार किया गया है **ई-न्यायालय परियोजना।**
- इसकी मुख्य विशेषता यह है कि डेटा वास्तविक समय में अपडेट किया जाता है और इसमें तालुका स्तर तक विस्तृत डेटा होता है।
- एनजेडीजी **को ई-कोर्ट परियोजना के चरण II** के हिस्से के रूप में बनाया गया था , जो एक **केंद्र प्रायोजित योजना है।**
- **राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी)** द्वारा विकसित किया गया है ।

महत्त्व :

- **एनजेडीजी** मामलों की पहचान, प्रबंधन और लंबित मामलों को कम करने के लिए एक निगरानी उपकरण के रूप में काम करता है।
- उदाहरण के लिए, वर्ष **2023 के लिए, SC में पंजीकृत मामलों की कुल लंबितता 64,854 है।**
- लेकिन पिछले महीने स्थापित मामले **5,412 थे जबकि पिछले महीने निपटाए गए मामले 5,033 थे** ।
- इससे पता चलता है कि सुप्रीम कोर्ट में लंबित **मामले बड़े पैमाने पर विरासती मामलों के कारण हैं क्योंकि न्यायालय** वर्तमान में वार्षिक आधार पर दायर लगभग इतनी ही संख्या में मामलों का निपटारा कर रहा है।

न्यायपालिका में सीमाओं की पहचान:

- यह **न्यायिक प्रक्रियाओं में विशिष्ट बाधाओं की पहचान करने में भी मदद करता है।**
- उदाहरण के लिए, यदि किसी विशेष राज्य में भूमि विवादों की संख्या बढ़ जाती है, तो इससे नीति निर्माताओं को यह देखने में मदद मिलती है कि क्या कानून को मजबूत करने की आवश्यकता है।

- **2000 से पहले के** सौ से भी कम मामले लंबित हैं और यह काम को फिर से व्यवस्थित करने और सबसे पुराने मामलों को निपटाने के लिए मुख्य न्यायाधीश को डेटा टूल देता है।

विशिष्ट कानूनों के लिए इनपुट:

- **कानून** के विशेष क्षेत्रों से संबंधित इनपुट उत्पन्न करने में भी मदद करता है ।
- **उदाहरण के लिए, भूमि विवाद से संबंधित मामलों को ट्रैक करने के लिए, 26 राज्यों के भूमि रिकॉर्ड डेटा को एनजेडीजी के साथ जोड़ा गया है।**

1.8 परिसीमन

- संविधान **(एक सौ अट्ठाईसवां संशोधन) विधेयक, 2023** या **महिला आरक्षण विधेयक महिला आरक्षण को विवादास्पद परिसीमन प्रक्रिया से** जोड़ता है ।
- इसमें कहा गया है कि **महिला आरक्षण "इस उद्देश्य के लिए परिसीमन की प्रक्रिया शुरू होने के बाद ली गई पहली जनगणना के प्रासंगिक आंकड़ों के बाद लागू होगा..." यह विधेयक।**

परिसीमन के बारे में

- **परिसीमन** का अर्थ है **किसी देश या विधायी निकाय वाले प्रांत में क्षेत्रीय निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाएं तय करने का कार्य या प्रक्रिया।**
- संविधान का **अनुच्छेद 82 प्रत्येक जनगणना के बाद लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के निर्वाचन क्षेत्रों** (संख्या और सीमाओं) के पुन: समायोजन का प्रावधान करता है।
  - ✓ **अनुच्छेद 170 के तहत , राज्यों को** भी **प्रत्येक जनगणना के बाद परिसीमन अधिनियम के अनुसार क्षेत्रीय निर्वाचन क्षेत्रों में विभाजित किया जाता है।**
- 42 **वें संशोधन ने 2000 के बाद पहली जनगणना प्रकाशित होने** तक **इस परिसीमन प्रक्रिया को रोक दिया** ।
- 2001 में **इसे 25 साल के लिए और बढ़ा दिया गया** । इसलिए अब **2026 के बाद पहली जनगणना के नतीजों पर परिसीमन होगा।**
- परिसीमन प्रक्रिया के लिए **राज्यों के बीच आम सहमति की आवश्यकता होगी।**
- **संविधान के अनुच्छेद 368(2)** के अनुसार **संसद में राज्यों के प्रतिनिधित्व में किसी भी बदलाव को** उस सदन के **उपस्थित और मतदान करने वाले कम से कम दो-तिहाई सदस्यों के विशेष बहुमत** से मंजूरी देनी होगी , और **इसे कम से कम आधे राज्यों द्वारा अनुमोदित किया जाना आवश्यक है।**

परिसीमन आयोग

- आयोग की **नियुक्ति भारत के राष्ट्रपति द्वारा की जाती है** और **यह भारत के चुनाव आयोग के सहयोग से काम करता है।**
- **संघटन:**
  - ✓ **सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश**
  - ✓ **मुख्य चुनाव आयुक्त**
  - ✓ **संबंधित राज्य चुनाव आयुक्त**

❖ भारत में परिसीमन आयोग एक उच्च-शक्ति निकाय है जिसके **आदेशों में कानून की शक्ति होती है** और **किसी भी अदालत के समक्ष उस पर सवाल नहीं उठाया जा सकता है।**

1.9 ईवीएम- इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन

❖ सुप्रीम कोर्ट ने **संपूर्ण इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) प्रणाली को** नियंत्रित करने वाले **स्रोत कोड के स्वतंत्र ऑडिट की मांग करने वाली एक रिट याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया** ।

- ✓ सोर्स **कोड' मशीन के हार्डवेयर के लिए लिखित निर्देशों का** एक सेट है ।
- ✓ यह **एक इलेक्ट्रॉनिक उपकरण की आंतरिक कार्यप्रणाली और प्रक्रियाओं में एक आभासी विंडो प्रदान करता है।**

❖ याचिकाकर्ता ने प्रस्तुत किया था कि **आईईई 1028 मानक को लागू करके स्वतंत्र ऑडिट किया जाना चाहिए** ।

- ✓ यह दुनिया **के सबसे बड़े तकनीकी पेशेवर संगठन (मुख्यालय: पिस्काटावे, न्यू जर्सी, यूएसए) इंस्टीट्यूट ऑफ इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियर्स** द्वारा तय **सॉफ्टवेयर समीक्षा और ऑडिट के लिए एक अच्छी तरह से स्थापित मानक है।**

❖ हालाँकि, सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि **भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) को संवैधानिक रूप से चुनावों की देखरेख और नियंत्रण सौंपा गया** था और यह दिखाने के लिए **कोई सामग्री प्रदान नहीं की गई है कि ईसीआई अपने संवैधानिक जनादेश का उल्लंघन कर रहा था।**

ईवीएम के बारे में तथ्य

❖ ईवीएम **एक माइक्रोकंट्रोलर-आधारित पोर्टेबल उपकरण है** और **इसे बिजली की आवश्यकता नहीं होती है और यह साधारण बैटरी पर चलता है** ।

❖ **एमबी हनीफा ने 1980 में पहली भारतीय वोटिंग मशीन का** आविष्कार किया था ।

❖ इसका **प्रयोग पहली बार 1981 में केरल के उत्तरी परवूर विधानसभा क्षेत्र के 50 मतदान केंद्रों** पर **उपचुनाव** में किया गया था।

❖ ईवीएम **को 1989 में भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड** और **इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के** सहयोग से **भारत के चुनाव आयोग** द्वारा कमीशन किया गया था।

❖ **दिसंबर, 1988 में संसद द्वारा** कानून में संशोधन किया गया और **लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 में एक नई धारा 61ए जोड़ी गई, जो** आयोग को वोटिंग मशीनों का उपयोग करने का अधिकार देती है।

- ✓ संशोधित प्रावधान 15 **मार्च, 1989 से लागू हुआ ।**

1.10 व्यक्तित्व अधिकार

❖ दिल्ली उच्च न्यायालय ने **तीसरे पक्ष द्वारा अपने व्यक्तित्व अधिकारों के दुरुपयोग से सुरक्षा के लिए अनिल कपूर की याचिका को स्वीकार कर लिया।**

व्यक्तित्व अधिकारों के बारे में

❖ नाम , **आवाज़, हस्ताक्षर, चित्र या जनता द्वारा आसानी से पहचानी जाने वाली कोई अन्य विशेषता किसी सेलिब्रिटी के व्यक्तित्व के मार्कर हैं** और इन्हें **"व्यक्तित्व अधिकार** " के रूप में संदर्भित किया जाता है।

- इनमें **एक मुद्रा, एक व्यवहार या उनके व्यक्तित्व का कोई भी पहलू शामिल हो सकता है।**
  - ✓ उदाहरण के लिए, **उसेन बोल्ट का "बोल्टिंग" या लाइटनिंग पोज़ एक पंजीकृत ट्रेडमार्क है।**
- व्यक्तित्व अधिकार या उनकी सुरक्षा का **भारत में किसी क़ानून में स्पष्ट रूप से उल्लेख नहीं किया गया है,** लेकिन **यह निजता के अधिकार और संपत्ति के अधिकार के अंतर्गत आता है।**
- विचार यह है कि **केवल इन विशिष्ट विशेषताओं के स्वामी या निर्माता को ही** इससे कोई व्यावसायिक लाभ प्राप्त करने का अधिकार है।
  - ✓ मशहूर हस्तियों के लिए **व्यावसायिक लाभांश आकर्षित करने में विशिष्टता** एक बड़ा कारक है । इसलिए **अनधिकृत उपयोग से राजस्व की भारी हानि होती है।**
- **जब कोई अनधिकृत तृतीय पक्ष व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए उनके व्यक्तित्व अधिकारों का उपयोग करता है, तो सेलिब्रिटी अदालत में जा सकते हैं** और निषेधाज्ञा की मांग कर सकते हैं।

1.11 गीता मित्तल समिति

- **याचिकाकर्ताओं की असंख्य शिकायतों और शिकायतों का** सामना करते हुए , सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह **राज्य प्रशासन नहीं चला सकता** , और **याचिकाकर्ताओं को अपना काम करने के लिए न्यायमूर्ति गीता मित्तल समिति पर भरोसा करना होगा।**
- **विभिन्न याचिकाकर्ताओं** और सबसे पहले समिति द्वारा उठाए गए मुद्दों **में राज्य के विस्थापित लोगों को आधार कार्ड और विकलांगता प्रमाण पत्र का वितरण** , **मृतकों के परिवारों को मुआवजा वितरण** , **नष्ट हुए धार्मिक भवनों और घरों का पुनर्निर्माण शामिल था। राज्य में झड़पों** , शवों के निपटान से लेकर अदालतों के कामकाज तक।
- **मणिपुर में राहत और पुनर्वास, घरों, धार्मिक स्थलों की बहाली आदि में हस्तक्षेप करने और निगरानी करने के लिए शीर्ष अदालत द्वारा** न्यायमूर्ति **मित्तल समिति का गठन किया गया** था ।
  - ✓ सीजेआई ने कहा था कि **समिति अपने काम के जरिए मणिपुर के लोगों में कानून के शासन के प्रति विश्वास फिर से पैदा करने का प्रयास करेगी।**

1.12 अफस्पा बढ़ाया गया

- **गृह मंत्रालय** (एमएचए) **ने नागालैंड और अरुणाचल प्रदेश के कुछ हिस्सों में सशस्त्र बल (विशेष शक्तियां) अधिनियम (एएफएसपीए) को 1 अक्टूबर से अगले छह महीने** के लिए बढ़ा दिया है ।
- मणिपुर सरकार ने **मौजूदा कानून व्यवस्था की स्थिति** के मद्देनजर **पूरे राज्य को सशस्त्र बल विशेष अधिकार अधिनियम (एएफएसपीए) के तहत छह महीने की अवधि** के लिए 'अशांत क्षेत्र' घोषित कर दिया है।
  - ✓ हालाँकि, यह स्थिति **राजधानी इंफाल** सहित **19 पुलिस स्टेशनों के अधिकार क्षेत्र वाले क्षेत्रों में लागू नहीं की जाएगी ।**

अफस्पा के बारे में

- यह **सशस्त्र बलों को विशेष अधिकार प्रदान करता है अशांत क्षेत्रों** में **व्यवस्था वापस लाने के लिए ।**
- यह अधिनियम **"अशांत क्षेत्रों** " में तैनात **सशस्त्र बलों और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों को बेलगाम शक्ति देता है।**
  - ✓ **कानून का उल्लंघन करने वाले किसी भी व्यक्ति को मार डालो** ,

- ✓ **किसी भी परिसर को गिरफ़्तार करना और तलाशी लेना बिना** किसी **वारंट** के और
- ✓ **अभियोजन और कानूनी मुकदमों से सुरक्षा केंद्र सरकार की मंजूरी के बिना.**

❖ धारा 3 के तहत, **केंद्र सरकार** या **राज्य के राज्यपाल** या **केंद्र शासित प्रदेश के प्रशासक पूरे राज्य या केंद्र शासित प्रदेश को अशांत क्षेत्र घोषित** कर **सकते** हैं ।

2. अर्थव्यवस्था

2.1 काकरापार परमाणु ऊर्जा संयंत्र

❖ भारत की **पहली स्वदेशी रूप से विकसित परमाणु ऊर्जा संयंत्र इकाई, 700 मेगावाट की काकरापार परमाणु ऊर्जा संयंत्र इकाई -3, गुजरात में पूरी क्षमता से परिचालन शुरू कर चुकी** है ।

❖ काकरापार **यूनिट-3 मौजूदा परमाणु ऊर्जा संयंत्र का विस्तार** है , जिसमें पहले से ही दो परिचालन **इकाइयां , केएपीएस -1 और केएपीएस-2 थीं, प्रत्येक की क्षमता लगभग 220 मेगावाट (मेगावाट विद्युत) है** ।

❖ KAPP-3 **देश की पहली 700 MWe इकाई है** और **दबावयुक्त भारी जल रिएक्टर (PHWR) का सबसे बड़ा स्वदेशी रूप से विकसित संस्करण है ।**पीएचडब्ल्यूआर **ईंधन के रूप में प्राकृतिक यूरेनियम** और **मॉडरेटर के रूप में भारी पानी का उपयोग करते हैं।**

❖ अब तक, **स्वदेशी डिजाइन का सबसे बड़ा रिएक्टर 540 मेगावाट पीएचडब्ल्यूआर था, जिनमें से दो को महाराष्ट्र के तारापुर में तैनात किया गया है।**

❖ पीएचडब्ल्यूआर **ईंधन के रूप में प्राकृतिक यूरेनियम** और **मॉडरेटर के रूप में भारी पानी का उपयोग करते हैं।**

पीएचडब्ल्यूआर प्राकृतिक यूरेनियम को ईंधन के रूप में और भारी पानी को मॉडरेटर के रूप में उपयोग करते हैं।

अब तक, स्वदेशी डिजाइन का सबसे बड़ा रिएक्टर 540 मेगावाट PHWR था, जिनमें से दो को तारापुर, महाराष्ट्र में तैनात किया गया है।

❖ अब तक, **स्वदेशी डिजाइन का सबसे बड़ा रिएक्टर 540 मेगावाट पीएचडब्ल्यूआर था, जिनमें से दो को महाराष्ट्र के तारापुर में तैनात किया गया है।**

❖ तीसरी **इकाई पहली दो की तुलना में बड़ी और अधिक उन्नत है** ।

- ✓ **एक अन्य इकाई (केएपीपी 4) का भी निर्माण किया गया है और यहां परिचालन मार्च 2024 तक शुरू होने की उम्मीद है।**

❖ **न्यूक्लियर पावर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड या एनपीसीआईएल** के अनुसार , जो **देश में परमाणु संयंत्रों का संचालन करता है , केएपीपी-3 और 4 उन्नत सुरक्षा सुविधाओं के साथ 700 मेगावाट इकाई आकार के भारत के स्वदेशी रूप से डिजाइन किए गए दबावयुक्त भारी पानी रिएक्टर (पीएचडब्ल्यूआर) की पहली जोड़ी** हैं ।

2.2 अफस्पा बढ़ाया गया

❖ **भद्रवाह राजमा** और **सुलाई शहद** , दोनों **जम्मू और कश्मीर के डोडा और रामबन जिलों से हैं** , को **भौगोलिक संकेत (जीआई) टैग दिए गए हैं** ।

- भद्रवाह राजमाश , **लाल राजमा की एक किस्म है जो** अपने **छोटे आकार और विशिष्ट बनावट की विशेषता है** , इसमें **मीठा और पौष्टिक स्वाद होता है जो विभिन्न पाक कृतियों में एक आनंददायक स्पर्श जोड़ता है।**
- **रामबन के मनमोहक परिदृश्यों से उत्पन्न एक प्रीमियम और विदेशी शहद किस्म के रूप में** सामने आता है ।
  - ✓ **असाधारण स्वाद** के लिए प्रतिष्ठित , यह शहद **रामबन और डोडा के हिमालयी इलाके में पनपने वाले सुलाई पौधों से सावधानीपूर्वक निकाला जाता है ।**

2.3 शहरी बुनियादी ढांचा विकास निधि

- **शहरी बुनियादी ढांचा विकास निधि (यूआईडीएफ)** के तहत **टियर-2 और टियर-3 शहरों में चल रही परियोजनाओं को वित्तपोषित करने** के लिए **ऋण की पहली किश्त** जल्द ही वितरित की जाएगी।
- इस फंड की **घोषणा FY24 बजट में की गई थी।**
- यह फंड 2011 की जनगणना के अनुसार **1 लाख से 9,99,999 की आबादी वाले** 459 टियर-2 शहरों और **50,000 से 99,999 की आबादी वाले 580 टियर-3 शहरों को कम लागत वाले ऋण उपलब्ध कराता है।**
- राष्ट्रीय **आवास बैंक (एनएचबी) यूआईडीएफ को क्रियान्वित करने का प्रभारी** है ।
- यूआईडीएफ फंडिंग को **मंत्रालय की अन्य योजनाओं जैसे स्वच्छ भारत मिशन और अमृत के तहत फंडिंग के साथ जोड़ा जा सकता है।**
- **अनुदान**
  - ✓ शहरों को **1.5% की दर पर ऋण मिल सकता है प्रचलित बैंक ब्याज दर से कम** . उन्हें **निकासी की तारीख से सात साल के भीतर पांच समान किस्तों में राशि चुकानी होगी** , जिसमें **दो साल की अधिस्थगन अवधि भी शामिल है, जहां प्रत्येक तिमाही के अंत में ब्याज का भुगतान करना होगा।**
  - ✓ की राशि 90%, 85% और 75 **% होगी परियोजना लागत क्रमशः 5-10 करोड़ रुपये, 10-50 करोड़ रुपये और 50-100 करोड़ रुपये है।**
- **जिन परियोजनाओं को** यूआईडीएफ के तहत वित्त पोषित किया जा सकता है वे हैं **जल आपूर्ति, स्वच्छता, सड़कों का निर्माण, व्यापक क्षेत्र विकास, भीड़भाड़ कम करने के लिए स्थानीय क्षेत्र की योजना, विरासत संरक्षण, शहर-नियोजन योजनाएं** और **खुले जिम वाले पार्क** जिनमें बड़े निर्माण शामिल नहीं हैं।
  - ✓ फंड का **उपयोग रखरखाव कार्य, प्रशासनिक व्यय, आवास, बिजली, दूरसंचार, शहरी परिवहन, स्वास्थ्य और शिक्षा परियोजनाओं** के लिए नहीं किया जा सकता है।

2.4 असंभव त्रिमूर्ति

- **"असंभव त्रिमूर्ति" , जिसे " ट्रिलम्मा"** के रूप में बेहतर जाना जाता है **, एक** अवधारणा है जो यह निर्धारित करती है कि एक देश में **ऐसा नहीं हो सकता है** -
  1. **मुक्त पूंजी प्रवाह** (कोई पूंजी नियंत्रण नहीं),
  2. **एक निश्चित/स्थिर विनिमय दर** , और
  3. **स्वतंत्र मौद्रिक नीति** , **सब एक ही समय में** ।
- **एक सक्षम नीति निर्माता** किसी **भी समय इन तीन उद्देश्यों में से दो को प्राप्त कर** सकता है ।

- **जॉन मार्कस फ्लेमिंग** और **रॉबर्ट अलेक्जेंडर मुंडेल ने** इस अवधारणा को विकसित किया।

2.5 भारत का पहला यूपीआई-एटीएम

- हाल ही में देश का **पहला UPI एटीएम लॉन्च किया गया ।**
- **हिताची पेमेंट सर्विसेज ने नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) के सहयोग से व्हाइट लेबल एटीएम (डब्ल्यूएलए) के रूप** में **देश का पहला यूपीआई-एटीएम** पेश किया है ।

गैर-बैंकों द्वारा स्थापित, स्वामित्व वाले और संचालित **एटीएम को** डब्ल्यूएलए **कहा जाता है**।

- यूपीआई-एटीएम **भौतिक कार्ड की आवश्यकता** के **बिना एक सहज और सुरक्षित नकद निकासी प्रक्रिया प्रदान करता है ।**
- यूपीआई-एटीएम **क्यूआर-आधारित यूपीआई नकद निकासी के माध्यम से संचालित होता है** ।
- यूपीआई-एटीएम **उन यूपीआई उपयोगकर्ताओं के लिए सुलभ है** जिनके **एंड्रॉइड या आईओएस डिवाइस पर यूपीआई एप्लिकेशन इंस्टॉल है** ।

2.6 गति शक्ति विश्वविद्यालय

- भारतीय रेलवे के गति शक्ति विश्वविद्यालय और एयरबस ने **एयरोस्पेस क्षेत्र से संबंधित वैज्ञानिक, तकनीकी और प्रबंधन विषयों की समझ को** गहरा करने के लिए **छात्रों के अनुसंधान, शिक्षण और प्रशिक्षण के** क्षेत्र में **सहयोग करने के लिए एक समझौता किया।**

गति शक्ति विश्वविद्यालय के बारे में

- गति शक्ति विश्वविद्यालय (जीएसवी) **एक केंद्रीय विश्वविद्यालय है, जो गुजरात के वडोदरा में स्थित है और 2022 में संसद के एक अधिनियम के माध्यम से** स्थापित किया गया है ।
- यह **परिवहन और लॉजिस्टिक्स क्षेत्र** में **भारत का पहला विश्वविद्यालय है।**
- यह पहले से विद्यमान को **सम्मिलित करता है राष्ट्रीय रेल और परिवहन संस्थान (एनआरटीआई)।**
- **अधिदेश** : **संपूर्ण परिवहन और लॉजिस्टिक्स क्षेत्रों के लिए सर्वोत्तम श्रेणी की जनशक्ति** और प्रतिभा तैयार करना।
- प्रायोजित: रेल मंत्रालय, भारत सरकार। भारत की।
- मिलन **रेल मंत्री कुलाधिपति** हैं ।

2.7 सलेम सागो को जीआई टैग मिला

- **तमिलनाडु के सलेम साबूदाना को जीआई टैग प्राप्त हुआ है।**
- **सेलम साबूदाना** या **साबूदाना** , जिसे स्थानीय तौर पर **जाव्वारिसी के नाम से जाना जाता है , टैपिओका जड़ों से निकाले गए गीले स्टार्च पाउडर से प्राप्त होता है** ।
- **भारतीय टैपिओका जड़ों में लगभग 30-35% स्टार्च सामग्री पाई जाती है।**
- **वर्तमान में, भारत में 80% से अधिक साबूदाना का उत्पादन सेलम क्षेत्र में किया जाता है।**

2.8 वृद्धिशील नकद आरक्षित अनुपात (आई-सीआरआर)

- **भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने** घोषणा की कि वह चरणबद्ध तरीके से **वृद्धिशील नकद आरक्षित अनुपात (I-CRR) को बंद कर देगा।**
- अगस्त 2023 में, RBI ने बैंकों को 19 मई, 2023 और 28 जुलाई, 2023 के बीच उनकी शुद्ध मांग और समय देनदारियों (NDTL) में वृद्धि पर **10 प्रतिशत का वृद्धिशील नकद आरक्षित अनुपात (I-CRR) बनाए रखने का आदेश दिया।**

(आई-सीआरआर) के बारे में

- RBI ने बैंकिंग प्रणाली से अतिरिक्त तरलता को अवशोषित करने के लिए एक अस्थायी उपाय के रूप में I-CRR की घोषणा की।
- बैंकिंग प्रणाली में **2,000 रुपये** के बैंक नोटों की वापसी, आरबीआई द्वारा सरकार को अधिशेष हस्तांतरण, सरकारी खर्च में बढ़ोतरी और पूंजी प्रवाह के कारण सिस्टम में अधिशेष नकद का स्तर बढ़ गया ।
- जुलाई में आरबीआई द्वारा नकद का दैनिक अवशोषण **1.8 लाख करोड़ रुपये था।**
- अत्यधिक नकद मूल्य स्थिरता और वित्तीय स्थिरता के लिए भी जोखिम पैदा कर सकती है।
- इसलिए, कुशल नकद प्रबंधन के लिए अधिशेष तरलता के स्तर के निरंतर मूल्यांकन की आवश्यकता होती है ताकि अतिरिक्त नकद के तत्व को जब्त करने के लिए आवश्यक होने पर अतिरिक्त उपाय किए जा सकें।

नकदी की स्थिति पर आई-सीआरआर का प्रभाव

- आरबीआई के आई-सीआरआर आदेश के बाद चालू वित्त वर्ष में पहली बार बैंकिंग प्रणाली की नकद घाटे में आ गई।
- नकदी की तंग स्थिति में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के कारण निकासी और रुपये की गिरावट को रोकने के लिए केंद्रीय बैंक द्वारा डॉलर की बिक्री का भी योगदान था।
- नकदी, जैसा कि आरबीआई द्वारा सिस्टम में डाली गई धनराशि से पता चलता है, **21 अगस्त को 23,644.43 करोड़ रुपये थी।**
- हालाँकि, 24 अगस्त से बैंकिंग प्रणाली की तरलता फिर से अधिशेष में बदल गई। 8 सितंबर को, RBI ने सिस्टम से **76,047 करोड़ रुपये की अधिशेष नकदी को अवशोषित कर लिया।**
- RBI ने I-CRR के तहत ऋणदाताओं द्वारा रखी गई धनराशि जारी करने के लिए एक कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की है:
  - ✓ **25% धनराशि 9 सितंबर को जारी की जाएगी।**
  - ✓ **अन्य 25% 23 सितंबर को जारी किया जाएगा।**
  - ✓ **बाकी 50% 7 अक्टूबर को रिलीज होगी।**
- धनराशि को चरणबद्ध तरीके से जारी करने का उद्देश्य आगामी त्योहारी सीजन के दौरान उच्च ऋण मांग को पूरा करने के लिए बैंकों को पर्याप्त तरलता प्रदान करना है।

2.9 ग्लोबल फिनटेक फेस्ट 2023

- **ग्लोबल फिनटेक फेस्ट (जीएफएफ)** सबसे बड़ा फिनटेक सम्मेलन है, जो **नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई), पेमेंट्स काउंसिल ऑफ इंडिया (पीसीआई) और फिनटेक कन्वर्जेंस काउंसिल (एफसीसी) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया जाता है।**

- **सहयोग को बढ़ावा देने और** उद्योग के भविष्य के लिए एक खाका विकसित करने के लिए एक अद्वितीय मंच प्रदान करना है ।
- जीएफएफ एक ऐसा मंच है जहां **नीति निर्माता, नियामक, उद्योग के नेता, शिक्षाविद और सभी प्रमुख फिनटेक** पारिस्थितिकी तंत्र हितधारक विचारों का आदान-प्रदान करने, अंतर्दृष्टि साझा करने और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए वर्ष में एक बार एकत्रित होते हैं।
- **GFF'23 थीम: एक जिम्मेदार वित्तीय पारिस्थितिकी तंत्र के लिए वैश्विक सहयोग।**
- जीएफएफ 2023 की थीम एक समावेशी, लचीला और टिकाऊ वित्तीय पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए वैश्विक सहयोग की महत्त्वपूर्ण आवश्यकता पर प्रकाश डालती है।

फिनटेक:

- **फिनटेक (वित्तीय प्रौद्योगिकी) का** उपयोग नई तकनीक का वर्णन करने के लिए किया जाता है जो वित्तीय सेवाओं के वितरण और उपयोग को बेहतर बनाने और स्वचालित करने का प्रयास करती है।
- फिनटेक क्षेत्र के प्रमुख खंडों में डिजिटल भुगतान, डिजिटल ऋण, बैंकटेक और क्रिप्टोकरेंसी शामिल हैं।
- फिनटेक शिक्षा, खुदरा बैंकिंग, धन उगाहने, गैर-लाभकारी और निवेश प्रबंधन सहित विभिन्न क्षेत्रों तक फैला हुआ है, जो इसे महत् व्यवसाय विस्तार और रोजगार सृजन के साथ तेजी से बढ़ने वाला उद्योग बनाता है।

2.10 'राष्ट्र प्रथम ट्रांजिट कार्ड'

- देश के सबसे बड़े बैंक **भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने** आवागमन के अनुभवों को बेहतर बनाने और डिजिटल भुगतान के उपयोग को प्रोत्साहित करने के लिए **'नेशन फर्स्ट ट्रांजिट कार्ड' लॉन्च किया।**
- नवोन्मेषी **'नेशन फर्स्ट ट्रांजिट कार्ड' का उद्देश्य मेट्रो, बसों, वॉटर फ़ेरी, पार्किंग और अन्य** सहित विभिन्न परिवहन साधनों के लिए एक ही कार्ड के भीतर डिजिटल टिकट किराया भुगतान को सरल बनाना है।
- परिवहन भुगतान के अलावा, कार्ड का उपयोग खुदरा और ई-कॉमर्स लेनदेन के लिए भी किया जा सकता है।
- 'नेशन फर्स्ट ट्रांजिट कार्ड' **RuPay और नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड (NCMC) तकनीक द्वारा संचालित है** , जो इसे लाखों भारतीयों के लिए उनके दैनिक आवागमन में एक संभावित बदलाव लाने योग्य बनाता है।

2.11 इंटरबैंक कॉल मनी मार्केट

- आरबीआई इंटरबैंक उधार **या** कॉल मनी मार्केट के लेनदेन के लिए **केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्रा (सीबीडीसी)** का पायलट लॉन्च करने की संभावना है ।

मुद्रा बाजार

- **मुद्रा बाजार** मूल रूप से वित्तीय बाजार के एक हिस्से को संदर्भित करता है जहां उच्च तरलता और अल्पकालिक परिपक्वता वाले वित्तीय साधनों का कारोबार किया जाता है।
- **अल्पकालिक परिपक्वता** वाली प्रतिभूतियों की खरीद और बिक्री शामिल है , जैसे कि ट्रेजरी बिल और वाणिज्यिक पत्र।
- इसका उपयोग कंपनियों सहित कई प्रतिभागियों द्वारा धन जुटाने के लिए किया जाता है।
- **प्रतिभूतियों की उच्च तरलता** के कारण मुद्रा बाजार को निवेश के लिए एक सुरक्षित स्थान माना जाता है ।

कॉल मनी

- **कॉल मनी को कॉल पर पैसा भी कहा जाता है।**
- यह **एक अल्पकालिक ऋण है** जिसे ऋणदाता द्वारा मांगे जाने पर तुरंत पूरा भुगतान करना होता है।
- सावधि ऋणों के विपरीत, कॉल मनी ऋण में भुगतान और परिपक्वता का कोई निर्धारित कार्यक्रम नहीं होता है।
- **कॉल मनी** के ऋणदाता को पुनर्भुगतान के बारे में उधारकर्ता को पूर्व सूचना देने की आवश्यकता नहीं है।

इंटरबैंक कॉल मनी मार्केट के बारे में:

- यह एक **अल्पकालिक मुद्रा बाजार** है जो बड़े वित्तीय संस्थानों को अंतरबैंक दरों पर पैसा उधार लेने और उधार देने की अनुमति देता है, ब्याज की दर जो बैंक एक दूसरे से धन उधार लेने पर लेते हैं।
- कॉल मनी मार्केट में ऋण **बहुत कम होते हैं, आमतौर पर एक सप्ताह से अधिक नहीं चलते हैं।**
- इन ऋणों का उपयोग अक्सर बैंकों को आरक्षित आवश्यकताओं को पूरा करने में मदद करने के लिए किया जाता है।
- इसका उपयोग विशेष रूप से बैंकों द्वारा नहीं किया जाता है। इंटरबैंक कॉल मनी मार्केट ग्राहकों में अन्य **वित्तीय संस्थान, म्यूचुअल फंड, बड़े निगम और बीमा कंपनियां शामिल हो सकती हैं।**

2.12 फिनटेक संस्थाओं के लिए स्व-नियामक संगठन (एसआरओ)।

- भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने एक स्व-नियामक स्थापित करने का प्रस्ताव दिया है फिनटेक उद्योग के भीतर कई प्रमुख उद्देश्यों और चिंताओं को संबोधित करने के लिए फिनटेक के लिए संगठन (एसआरओ) ।

स्व-नियामक संगठन के बारे में:

- यह एक **गैर-सरकारी संगठन है** जो उद्योग में संस्थाओं (सदस्यों) के आचरण से संबंधित नियमों और मानकों को निर्धारित और लागू करता है।
- **उद्देश्य:** ग्राहक की सुरक्षा करना और नैतिकता, समानता और व्यावसायिकता को बढ़ावा देना।
- ये आम तौर पर नियम और विनियम तैयार करने में सभी हितधारकों के साथ सहयोग करते हैं।

एसआरओ के कार्य क्या हैं?

- मान्यता प्राप्त एसआरओ अपने **सदस्यों और आरबीआई के बीच दो** - तरफा संचार चैनल के रूप में काम करेगा ।
- यह न्यूनतम मानक और मानक स्थापित करने की दिशा में काम करेगा और अपने सदस्यों के बीच पेशेवर और स्वस्थ बाजार व्यवहार विकसित करने में मदद करेगा।
- ये अपने सदस्यों और अन्य लोगों के स्टाफ को प्रशिक्षण देंगे और जागरूकता कार्यक्रम चलाएंगे ।
- यह अपने सदस्यों के बीच एक समान शिकायत निवारण और विवाद प्रबंधन ढांचा स्थापित करेगा।

2.13 सॉवरेन स्वर्ण बांड योजना

- **भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने हाल ही में आगामी सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड (SGB) किश्त 2 के लिए निर्गम मूल्य की घोषणा की।**

स्वर्ण मुद्रीकरण योजना के बारे में:

- एसजीबी को भारत सरकार द्वारा **2015 में स्वर्ण मुद्रीकरण योजना के तहत पेश किया गया था।**
- इन्हें आरबीआई द्वारा एक वित्तीय वर्ष के दौरान विभिन्न किश्तों में जारी किया जाता है।
- ये प्रतिभूतियाँ बैंकों, दलालों, डाकघरों और ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म के माध्यम से उपलब्ध कराई जाती हैं।

- ऑनलाइन एसजीबी खरीदने को बढ़ावा देने के लिए डिजिटल रूप से खरीदारी करने वाले निवेशकों को **प्रति ग्राम 50 रुपये की** छूट की पेशकश की जाती है।
- निवेशक बांड को भौतिक, डिजिटल या डीमटेरियलाइज्ड प्रारूप में खरीद सकते हैं।
- एसजीबी की अवधि आठ वर्ष है और **अर्ध-वार्षिक आधार पर 2.5% प्रति वर्ष की ब्याज दर का भुगतान किया जाता है।**
- परिपक्वता पर यानी 8 साल के बाद, गोल्ड बॉन्ड को भारतीय रुपये में भुनाया जाएगा और मोचन मूल्य पिछले **3 व्यावसायिक दिनों के सोने के समापन मूल्य के साधारण औसत पर आधारित होगा।**
- बांड के शीघ्र नकदीकरण/मोचन की अनुमति जारी होने की तारीख से पांचवें वर्ष के बाद कूपन भुगतान तिथियों पर दी जाती है।
- प्रत्येक व्यक्तिगत खरीद प्रति वित्तीय वर्ष अधिकतम **4 किलोग्राम तक सीमित है** और ट्रस्ट के मामले में, यह **20 किलोग्राम तक सीमित है।**
- एसजीबी की खरीद के लिए अनिवार्य एकमात्र दस्तावेज पैन कार्ड है जिसके बिना इन बांडों में किसी भी निवेश की अनुमति नहीं है।

2.14 व्यावसायिक उत्तरदायित्व और स्थिरता रिपोर्टिंग

- **भारतीय कॉर्पोरेट मामले संस्थान (आईआईसीए)** ने मुंबई में एनएसई परिसर में **यूनिसेफ और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के** सहयोग से **बिजनेस रिस्पॉन्सिबिलिटी एंड सस्टेनेबिलिटी रिपोर्टिंग (बीआरएसआर)** पर एक कार्यशाला का आयोजन किया ।

व्यावसायिक उत्तरदायित्व और स्थिरता रिपोर्टिंग (बीआरएसआर) ढांचे के बारे में

- सेबी द्वारा 2021 में **बिजनेस रिस्पॉन्सिबिलिटी एंड सस्टेनेबिलिटी रिपोर्टिंग (बीआरएसआर) फ्रेमवर्क पेश किया गया था।**
- यह ढांचा शीर्ष **1000 सूचीबद्ध कंपनियों** या व्यवसायों के लिए पर्यावरण, सामाजिक और शासन (ईएसजी) पहलुओं पर अपने प्रदर्शन की रिपोर्ट करने और जिम्मेदार व्यावसायिक प्रथाओं के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित करने के लिए एक अनिवार्य प्रकटीकरण तंत्र है।
- यह रूपरेखा **राष्ट्रीय जिम्मेदार व्यवसाय आचरण दिशानिर्देशों (एनजीआरबीसी) के नौ सिद्धांतों पर आधारित है** जो हैं:
  - ✓ **सिद्धांत 1.** व्यवसायों को ईमानदारी से और नैतिक, पारदर्शी और जवाबदेह तरीके से आचरण और शासन करना चाहिए
  - ✓ **सिद्धांत 2** . व्यवसायों को सामान और सेवाएँ ऐसे तरीके से प्रदान करनी चाहिए जो टिकाऊ और सुरक्षित हो
  - ✓ **सिद्धांत 3** . व्यवसायों को अपने मूल्य श्रृंखला के कर्मचारियों सहित सभी कर्मचारियों की भलाई का सम्मान करना चाहिए और उन्हें बढ़ावा देना चाहिए
  - ✓ **सिद्धांत 4** . व्यवसायों को अपने सभी हितधारकों के हितों का सम्मान करना चाहिए और उनके प्रति उत्तरदायी होना चाहिए
  - ✓ **सिद्धांत 5. व्यवसायों को** मानवाधिकारों का सम्मान करना चाहिए और उन्हें बढ़ावा देना चाहिए

- ✓ **सिद्धांत 6** . व्यवसायों को पर्यावरण का सम्मान करना चाहिए और उसकी रक्षा और उसे बहाल करने के प्रयास करने चाहिए
- ✓ **सिद्धांत 7.** व्यवसायों को, जब सार्वजनिक और नियामक नीति को प्रभावित करने में शामिल किया जाता है, तो उन्हें ऐसा जिम्मेदार और पारदर्शी तरीके से करना चाहिए।
- ✓ **सिद्धांत 8.** व्यवसायों को समावेशी विकास और न्यायसंगत विकास को बढ़ावा देना चाहिए
- ✓ **सिद्धांत 9** . व्यवसायों को जिम्मेदार तरीके से अपने उपभोक्ताओं के साथ जुड़ना चाहिए और उन्हें मूल्य प्रदान करना चाहिए।

2.15 आवक और जावक एफडीआई रुझान 2023

- ❖ **भारतीय रिज़र्व बैंक** की हालिया जनगणना से पता चलता है कि वित्त वर्ष 2023 में भारतीय फर्मों द्वारा कुल जावक प्रत्यक्ष निवेश **19.46% बढ़ गया।**
- ❖ यह जनगणना **विदेशी देनदारियों और परिसंपत्तियों (एफएलए) डेटा** पर निर्भर थी, जिसमें कंपनियों, सीमित देयता भागीदारी, वैकल्पिक निवेश फंड और आवक और जावक प्रत्यक्ष निवेश (डीआई) में लगी साझेदारी फर्मों जैसी विभिन्न संस्थाओं की सीमा पार संपत्ति और देनदारियां शामिल थीं।
- ❖ **जावक प्रत्यक्ष निवेश (ओडीआई)** - यह एक व्यावसायिक रणनीति है जिसमें एक घरेलू फर्म अपने परिचालन का विस्तार किसी विदेशी देश में करती है।
- ❖ यह **विदेशी पोर्टफोलियो निवेश** से अलग है ।
- ❖ **सिंगापुर** भारतीय कंपनियों द्वारा प्रत्यक्ष जावक निवेश (ODI) का सबसे बड़ा लाभार्थी था।
- ❖ इसके अलावा, 3 देश **बरमूडा, जर्सी और साइप्रस** जो अपने कर लाभों के लिए जाने जाते हैं, भारतीय वनडे प्राप्त करने वाले शीर्ष 10 देशों में हैं।

> ❖ **विदेशी पोर्टफोलियो निवेश (एफपीआई)** - इसमें किसी अन्य देश में निवेशकों द्वारा आयोजित प्रतिभूतियां और अन्य वित्तीय संपत्तियां शामिल हैं।
> ❖ यह निवेशक को किसी कंपनी की संपत्ति का प्रत्यक्ष स्वामित्व प्रदान नहीं करता है ।

- ❖ **आवक एफडीआई रुझान - अमेरिका** आवक विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (एफडीआई) का सबसे बड़ा स्रोत था, इसके बाद मॉरीशस, **यूके** और **सिंगापुर** थे, जो सामूहिक रूप से देश में आने वाले एफडीआई का 60% हिस्सा थे।
- ❖ **क्षेत्रवार** - विनिर्माण क्षेत्र ने बाजार मूल्य के साथ-साथ अंकित मूल्य दोनों पर, एफडीआई इक्विटी का सबसे बड़ा हिस्सा आकर्षित करना जारी रखा।
- ❖ **सेवाएँ** - सेवाओं में, सूचना एवं संचार और वित्तीय एवं बीमा गतिविधियाँ प्रमुख एफडीआई प्राप्तकर्ता क्षेत्र थे।
- ❖ **बाजार मूल्य** - बाजार मूल्य के संदर्भ में, ओडीआई वृद्धि ने एफडीआई में वृद्धि को पीछे छोड़ दिया और परिणामस्वरूप, आवक और जावक प्रत्यक्ष निवेश का अनुपात 2023 **में 5.5 गुना हो गया, जबकि 2022 में यह 6.1 गुना था।**

2.16 वस्तु एवं सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण (जीएसटीएटी)

- ❖ वित्त मंत्रालय ने **जीएसटी अपीलीय न्यायाधिकरण (जीएसटीएटी) की 31 पीठों को अधिसूचित किया है** जो **सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में स्थापित की जाएंगी।**

वितरण

- अधिसूचना के अनुसार-
- **गुजरात और केंद्र शासित प्रदेशों - दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव में जीएसटीएटी** की **दो पीठें** होंगी ;
- **गोवा और महाराष्ट्र एक साथ तीन बेंच होंगी** ।
- **कर्नाटक और राजस्थान में दो-दो बेंच** होंगी , जबकि **उत्तर प्रदेश में तीन बेंच होंगी।**
- **पश्चिम बंगाल, सिक्किम और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह** ; और **तमिलनाडु और पुदुचेरी में एक साथ दो जीएसटीएटी बेंच होंगी** , जबकि **केरल और लक्षद्वीप में एक बेंच होगी।**
- सात **पूर्वोत्तर राज्यों** - अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड और त्रिपुरा - **में एक पीठ होगी।**
- **अन्य सभी राज्यों में जीएसटीएटी की एक पीठ होगी** ।

महत्त्व-

- **जीएसटीएटी की राज्य-स्तरीय पीठों की स्थापना से व्यवसायों को तेजी से विवाद समाधान में मदद मिलेगी।**
- वर्तमान में, कर अधिकारियों के फैसले से **असंतुष्ट करदाताओं को संबंधित उच्च न्यायालयों में जाने की आवश्यकता होती है।**
- समाधान प्रक्रिया में लंबा समय लगता है क्योंकि **उच्च न्यायालय पहले से ही लंबित मामलों के बोझ से दबे हुए हैं** और उनके पास **जीएसटी मामलों से निपटने के लिए कोई विशेष पीठ नहीं है ।**

2.17 कृषि सांख्यिकी के लिए एकीकृत पोर्टल

- **एकीकृत पोर्टल (UPag पोर्टल** - www.upag.gov.in) हाल ही में लॉन्च किया गया था।
- पोर्टल **कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा लॉन्च किया गया था** ।
- यूपीएग पोर्टल **कृषि के लिए डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे का एक महत्त्वपूर्ण घटक है,** जिसका उद्देश्य कृषि क्षेत्र की विविधता का उपयोग करना और विकास के लिए उत्प्रेरक के रूप में डेटा का उपयोग करना है।
- यह **कृषि क्षेत्र में डेटा प्रबंधन को सुव्यवस्थित करने** के लिए **कृषि और किसान कल्याण विभाग** की **एक अग्रणी पहल है।**

यूपीएग पोर्टल की मुख्य विशेषताएं:

- **डेटा मानकीकरण** : पोर्टल कीमतों, उत्पादन, क्षेत्र, उपज और व्यापार पर डेटा का मानकीकरण करता है, जिससे यह एक ही स्थान पर पहुंच योग्य हो जाता है, जिससे कई स्रोतों से डेटा संकलित करने की आवश्यकता समाप्त हो जाती है।
- **डेटा विश्लेषण** : यूपीएजी पोर्टल उन्नत विश्लेषण करेगा, जो उत्पादन रुझान, व्यापार सहसंबंध और उपभोग पैटर्न जैसी अंतर्दृष्टि प्रदान करेगा, नीति निर्माताओं को सूचित निर्णय लेने में सहायता करेगा।
- **दानेदार उत्पादन अनुमान** : पोर्टल बढ़ी हुई आवृत्ति के साथ दानेदार उत्पादन अनुमान उत्पन्न करेगा, जिससे सरकार की कृषि संकटों पर तेजी से प्रतिक्रिया करने की क्षमता बढ़ेगी।
- **कमोडिटी प्रोफ़ाइल रिपोर्ट** : कमोडिटी प्रोफ़ाइल रिपोर्ट एल्गोरिदम का उपयोग करके तैयार की जाएंगी, व्यक्तिपरकता को कम किया जाएगा और उपयोगकर्ताओं को व्यापक अंतर्दृष्टि प्रदान की जाएगी।
- **प्लग एंड प्ले** : उपयोगकर्ताओं को अपनी रिपोर्ट तैयार करने के लिए पोर्टल के डेटा का उपयोग करने की सुविधा होगी, जिससे डेटा-संचालित निर्णय लेने को बढ़ावा मिलेगा।

2.18 वित्तीय समावेशन सूचकांक

- **भारतीय रिजर्व बैंक** (आरबीआई) द्वारा जारी एक बयान के अनुसार **, मार्च 2023 के लिए वित्तीय समावेशन सूचकांक (एफआई इंडेक्स)** का मूल्य 60.1 है , जबकि मार्च 2022 में यह 56.4 था ।

सूचकांक के बारे में

- एफआई-इंडेक्स का **निर्माण बिना किसी 'आधार वर्ष' के किया गया है** और यह **वित्तीय समावेशन की दिशा में वर्षों से सभी हितधारकों के संचयी प्रयासों को दर्शाता है।**
- यह **0 (पूर्ण वित्तीय बहिष्करण)** और **100 (पूर्ण वित्तीय समावेशन) के बीच होता है।**
- एफआई-इंडेक्स **हर साल जुलाई में प्रकाशित होता है** ।
- आरबीआई ने देश भर में वित्तीय समावेशन की सीमा पर कब्जा करने के उद्देश्य से **2021 में** एफआई-इंडेक्स की **शुरुआत की थी।**
- इसमें **तीन व्यापक पैरामीटर शामिल हैं** - **पहुंच (35 प्रतिशत)** , **उपयोग (45 प्रतिशत)** , और **गुणवत्ता (20 प्रतिशत)** जिसमें **97 संकेतक ट्रैक किए गए हैं।**
- सूचकांक **सेवाओं की पहुंच, उपलब्धता और उपयोग में आसानी और सेवाओं की गुणवत्ता के प्रति उत्तरदायी है।**

टिप्पणी-

- **वित्तीय समावेशन से** तात्पर्य **समाज के विभिन्न वर्गों तक वित्तीय उपकरणों और उत्पादों तक पहुंच प्रदान करने के प्रयासों से है।**
- भारत में, कई **बैंक, गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां (एनबीएफसी), माइक्रो-फाइनेंस संस्थान (एमएफआई) और फिनटेक कंपनियां** इस क्षेत्र में सक्रिय हैं।

2.19 न्युकमाडुंग डेयरी

- एक **ऊंचाई वाले गांव , जो 1962 के युद्ध स्मारक** के लिए जाना जाता है , ने **एक गोजातीय जानवर के दूध के लिए अपनी तरह का पहला पार्लर खोला है** , जिसे अक्सर **'हिमालय का जहाज' कहा जाता है।**
- **समुद्र तल से** लगभग **2,800 मीटर की ऊंचाई पर स्थित यह गांव** अब **भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-याक पर राष्ट्रीय अनुसंधान केंद्र या एनआरसी-वाई के फार्म में न्युकमाडुंग डेयरी चलाता है** ।
- याक **(पोएफैगस ग्रुनिएन्स) हिमालय और ट्रांस-हिमालयी क्षेत्रों में किसी भी प्रकार की कृषि गतिविधियों के लिए अनुकूल परिस्थितियों में** रहने वाले **उच्चभूमि जातीय समुदायों की जीवन रेखा** है ।
- यह जानवर **परिवहन के अलावा दूध, मांस, फाइबर , खाल और गोबर** पैदा करके **पर्वतारोहियों की आजीविका को बनाए रखता है ।**
- याक का दूध **मलाईदार सफेद, गाढ़ा, मीठा, सुगंधित और गाय के दूध की तुलना में प्रोटीन, वसा, लैक्टोज, खनिज और कुल ठोस पदार्थों से भरपूर होता है** ।
- सामान्य तौर पर, **याक के दूध को प्राकृतिक रूप से केंद्रित दूध माना जाता है जो उच्च पोषक तत्व घनत्व से समृद्ध होता है और ओमेगा -3 फैटी एसिड** , अमीनो एसिड और एंटीऑक्सिडेंट से भरपूर होता है।
  - ✓ **विटामिन और खनिज** भी होते हैं।

2.20 मिथुन

- **भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (FSSAI) ने** 1 **सितंबर से** गोजातीय **मिथुन को 'खाद्य पशु'** के रूप में मान्यता दे दी है ।
- इसका उद्देश्य किसानों और आदिवासी ग्रामीण समुदायों को **मिथुन मांस की बिक्री और प्रसंस्करण से व्यावसायिक रूप से लाभान्वित करने में मदद करना है।**

खाद्य पशु वे हैं जिन्हें मनुष्यों **द्वारा खाद्य उत्पादन या खपत के लिए उठाया और उपयोग किया जाता** है।

मिथुन के बारे में

- मिथुन **बोविडे परिवार की जुगाली करने वाली प्रजाति** है जो **अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड,** मणिपुर **और मिजोरम** में पाई जाती है ।
- वैज्ञानिक नाम- **बोस फ्रंटलिस**
- **यह अरुणाचल प्रदेश और नागालैंड दोनों का** राज्य पशु है।
- यह **गौर (भारतीय बाइसन) के समान है** लेकिन **आकार में छोटा है।**
- **मिथुनों का वध** परंपरागत **रूप से विशेष अवसरों के लिए आरक्षित है।**
- औसतन , **एक वयस्क मिथुन का वजन 400 से 650 किलोग्राम के बीच होता है** ।
- परंपरागत रूप से, मिथुन **यह अर्ध-पालतू है** और **मुक्त-श्रेणी वन पारिस्थितिकी तंत्र में पाला जाता है** ।
- जानवर को आम तौर पर सामुदायिक जंगल में खुला छोड़ दिया जाता है और नमक **के अलावा उसे शायद ही कभी आश्रय या पूरक आहार की आवश्यकता होती है** ।
  - ✓ चूँकि इन भागों की मिट्टी अम्लीय है और नमक की मात्रा कम है, इसलिए **मिथुन राशि वालों को नमक के प्रति आकर्षण होता है।**
- **सुरक्षा की स्थिति**
  - ✓ IUCN लाल सूची स्थिति- **असुरक्षित**
  - ✓ उद्धरण- **परिशिष्ट I**

2.21 सीमेंट के रसायन विज्ञान पर अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस

- भारत ने **2027 में सीमेंट के रसायन विज्ञान पर प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस (आईसीसीसी) की मेजबानी** के लिए **अपनी बोली जीत ली है** , एक सभा जो **वैश्विक नेताओं, विद्वानों और उद्योग के पेशेवरों को सीमेंट अनुसंधान में प्रगति पर चर्चा करने के लिए एक साथ लाती है** ।
- **नेशनल काउंसिल फॉर सीमेंट एंड बिल्डिंग मैटेरियल्स (एनसीसीबीएम)** और **आईआईटी दिल्ली ने** प्रभावी ढंग से भारत की बोली प्रस्तुत की।
- **प्रतिस्पर्धी देशों संयुक्त अरब अमीरात और स्विट्जरलैंड पर बोली** लगायी ।
  - ✓ **भारत में अंतिम सम्मेलन 1992 में** राष्ट्रीय **राजधानी** में हुआ था ।

आईसीसीसी के बारे में

- ICCC एक **प्रमुख कार्यक्रम है** जो सीमेंट और कंक्रीट **अनुसंधान में प्रगति का गंभीर मूल्यांकन करता है**

- यह **1918 से लगभग हर चार से छह साल में आयोजित किया जाता है** ।
- **स्थायी सचिवालय - डसेलडोर्फ, जर्मनी**

राष्ट्रीय सीमेंट एवं भवन निर्माण सामग्री परिषद के बारे में

- एनसीसीबीएम एक **प्रमुख अनुसंधान और विकास संगठन है** जो सीमेंट, संबद्ध निर्माण सामग्री और निर्माण उद्योगों के लिए अनुसंधान, प्रौद्योगिकी विकास, शिक्षा और औद्योगिक सेवाओं के लिए समर्पित है।
- यह **वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग के अंतर्गत संचालित होता है ।**
- भारत 600 मिलियन **टन की स्थापित क्षमता** के साथ **दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा सीमेंट उद्योग होने का दावा करता है ।**

2.22 भारत का पहला हरित हाइड्रोजन-रन

- इंडियन ऑयल ने **भारत की पहली हरित हाइड्रोजन से चलने वाली बस का अनावरण किया** है जो **सिर्फ पानी उत्सर्जित करती है** ।
- IOCL नवीकरणीय स्रोतों से बिजली का उपयोग करके पानी को विभाजित करके लगभग **75 किलोग्राम हाइड्रोजन का उत्पादन करेगा।**
- इस हाइड्रोजन का **उपयोग दो बसों को बिजली देने के लिए किया जाएगा जो परीक्षण के लिए राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में चलेंगी ।**
- IOC का **R&D केंद्र पायलट रन के लिए हरित हाइड्रोजन का उत्पादन कर रहा है** ।
- **30 किलो की क्षमता वाले चार सिलेंडर बसों को 350 किमी तक चला सकते हैं।**
- **चारों टंकियों को भरने में 10-12 मिनट का समय लगता है** ।

ईंधन के रूप में हाइड्रोजन

- जलने पर हाइड्रोजन **उप-उत्पाद के रूप में केवल जलवाष्प उत्सर्जित करता है।**
- **तीन गुना ऊर्जा घनत्व** और **हानिकारक उत्सर्जन की अनुपस्थिति** के साथ , हाइड्रोजन ऊर्जा की आवश्यकता को पूरा करने के लिए एक स्वच्छ, अधिक कुशल विकल्प के रूप में चमकता है।
- लगभग **50 यूनिट नवीकरणीय बिजली** और **9 किलोग्राम विआयनीकृत पानी की आवश्यकता होती है एक किलो हरित हाइड्रोजन के उत्पादन** के लिए ।
- हाइड्रोजन का **उपयोग ईंधन कोशिकाओं के लिए ईंधन के रूप में किया जा सकता है।**
- **2050 तक हाइड्रोजन की वैश्विक मांग** चार **से सात गुना बढ़कर 500-800 टन होने की** उम्मीद है ।

2.23 एंजल टैक्स

- केंद्र सरकार. हाल ही में **निवासी और अनिवासी निवेशकों को स्टार्टअप** द्वारा जारी **इक्विटी और अनिवार्य रूप से परिवर्तनीय अधिमान्य शेयरों के मूल्यांकन के लिए एंजेल टैक्स नियमों को अधिसूचित किया गया है।**
- **ओवरवैल्यूएशन पर अंकुश लगाने और पूंजीगत लेनदेन में पारदर्शिता बनाए रखने** के लिए , **अपने उचित बाजार मूल्य से अधिक कीमत पर शेयर जारी करने वाली गैर-सूचीबद्ध कंपनियां 30.6% एंजेल टैक्स के अधीन होंगी** ।

- जबकि पहले **केवल एक निवासी निवेशक द्वारा किए गए निवेश पर एंजेल टैक्स लगता था , 2023-24 के बजट ने गैर-निवासी निवेशकों को शामिल करने के लिए इसका दायरा बढ़ा दिया है।**
- बजट के अनुसार, **अतिरिक्त प्रीमियम को 'स्रोतों से आय' माना जाएगा** और **30 प्रतिशत से अधिक की दर से कर लगाया जाएगा** ।
  - ✓ हालाँकि, **DPIIT** (उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग) द्वारा पंजीकृत स्टार्टअप को **नए मानदंडों से छूट दी गई है।**
- आयकर (इक्कीसवां संशोधन), नियम, 2023 संशोधित **नियम 11यूए** निर्दिष्ट करता है कि **शेयरों का उचित मूल्य प्रदान की गई विधियों के अनुसार निर्धारित किया जाएगा।**
  - ✓ नियम 11UA **एंजेल टैक्स लगाने के उद्देश्य से** शेयरों **के मूल्यांकन से संबंधित है।**

एंजेल टैक्स तब लगाया जाता है जब कोई गैर-सूचीबद्ध कंपनी अपने उचित बाजार मूल्य से अधिक कीमत पर किसी निवेशक को शेयर जारी करती **है।**

2.24 पीएफआरडीए ने एपीवाई के तहत पेंशन राशि बढ़ाने का आग्रह किया

- पेंशन **फंड नियामक और विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) ने सरकार से अटल पेंशन योजना (एपीवाई)** के तहत **गारंटीकृत पेंशन राशि बढ़ाने का** आग्रह किया है ।
- वर्तमान **राशि संभावित ग्राहकों को योजना में शामिल होने के लिए आकर्षित नहीं कर सकती है।**

अटल पेंशन योजना (एपीवाई) के बारे में

- APY **एक अंशदायी योजना है** जिसका उद्देश्य **असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए एक सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा प्रणाली स्थापित करना है ।**
- एपीवाई **को प्रतिस्थापित किया गया स्वावलंबन योजना.**
- **राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली के तहत पीएफआरडीए** द्वारा प्रशासित ।
- **नोडल मंत्रालय - वित्त मंत्रालय**
- वर्तमान में, **18 वर्ष से 40 वर्ष के बीच के ग्राहक योगदान करते हैं** और **60 वर्ष की आयु के बाद 1,000 रुपये से 5,000 रुपये तक की निश्चित पेंशन राशि प्राप्त करते हैं** ।
- 16 सितंबर तक, **एपीवाई के पास 50 मिलियन ग्राहक हैं** और **प्रबंधन के तहत संपत्ति (एयूएम) 30,694 करोड़ रुपये है।**

2.25 हरा अमोनिया

- **तमिलनाडु के थूथुकुडी जिले** में स्थित राज्य संचालित **वीओ चिदंबरनार (वीओसी) बंदरगाह , मिस्र के डेमिएटा बंदरगाह** से **ईंधन से भरे तीन 20-इंच टैंक कंटेनरों के आगमन के** साथ **हरित अमोनिया को संभालने वाला भारत का पहला बंदरगाह** बन गया है। **तूतीकोरिन अल्कली केमिकल्स एंड फर्टिलाइजर्स लिमिटेड**
  - ✓ वीओसी पोर्ट **केंद्र सरकार के स्वामित्व वाले 12 बंदरगाहों में से एक है।**

ग्रीन अमोनिया के बारे में

- ग्रीन अमोनिया, जिसे **'भविष्य का ईंधन' कहा जाता है** , ने पारंपरिक जीवाश्म ईंधन के **स्वच्छ और हरित विकल्प के रूप में प्रसिद्धि प्राप्त की है ।**
- यह **एक ऐसी प्रक्रिया के माध्यम से उत्पादित किया जाता है जो हाइड्रोजन उत्पन्न करने के लिए** पवन और सौर ऊर्जा जैसे नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों का उपयोग करती है , जिसे **फिर अमोनिया बनाने के लिए नाइट्रोजन के साथ जोड़ा जाता है** ।
- यह प्रक्रिया **पारंपरिक अमोनिया उत्पादन विधियों की तुलना में ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को काफी कम कर देती है।**
- **अनुप्रयोग - जहाजों** , **बिजली उत्पादन** और **यहां तक कि उर्वरक के लिए एक स्वच्छ ऊर्जा स्रोत ।**

2.26 हीरा उद्योग

- **निर्यात में भारी गिरावट के कारण पॉलिश किए गए हीरों की सूची में भारी वृद्धि के** बीच, रत्न **और आभूषण निर्यात संवर्धन परिषद** और अन्य प्रमुख संघों ने **सदस्यों को 15 अक्टूबर से दो महीने के लिए कच्चे हीरे के आयात को रोकने का निर्देश दिया है।**
- **इस वर्ष अप्रैल से अगस्त के** बीच **भारत द्वारा रत्न और आभूषणों का निर्यात मूल्य के हिसाब से लगभग 4.4%** गिरकर 12.4 बिलियन डॉलर हो गया।
- इसका मुख्य कारण प्रमुख उपभोक्ताओं, **संयुक्त राज्य अमेरिका और चीन से पॉलिश किए गए हीरों की कम मांग है** ।

रफ डायमंड उन हीरे को संदर्भित करता **है जो पृथ्वी से हटाए जाने के बाद भी अपनी प्राकृतिक अवस्था में हैं।**

स्थिति

- **दुनिया के 10 कच्चे हीरों में से नौ को** भारत काटता और पॉलिश करता है
- यह इंडस्ट्री **20 लाख भारतीयों को रोजगार मुहैया करा रही है।**
- **गुजरात का सूरत हीरा विनिर्माण का वैश्विक केंद्र** है ।
- **विश्व के कुल हीरा निर्यात में** भारत का योगदान 19% है।

CivilsTap HImachal

3. भूगोल

3.1 सुपर ब्लू मून

- हाल ही में अगस्त में सुपर ब्लू मून देखा गया **।**
- **नासा** के अनुसार, **सुपर ब्लू मून औसतन हर 10 साल में होते हैं** ।
- अगला **सुपर ब्लू मून जनवरी 2037 में होगा** ।
- एक **सुपर ब्लू मून 3 चंद्र घटनाओं के अभिसरण** के साथ होता है - **एक पूर्णिमा, एक सुपरमून और एक नीला चंद्रमा।**
- **ब्लू मून एक ही महीने के भीतर दूसरी पूर्णिमा को संदर्भित करता है - एक दुर्लभ घटना क्योंकि पूर्णिमा आम तौर पर महीने में एक बार होती है । जब एक मौसम में चार पूर्ण चंद्रमा होते हैं** , तो **तीसरे पूर्ण चंद्रमा को नीला चंद्रमा माना जाता है।**
- **सुपरमून तब** घटित होता है **जब चंद्रमा अपनी उपभू** या उस **बिंदु से होकर गुजरता है जो उसे अपनी अण्डाकार कक्षा के दौरान पृथ्वी के सबसे करीब ले जाता है** ।
- इससे यह लगभग 14% बड़ा और **30% अधिक चमकीला दिखता है इसकी तुलना में जब यह अपने सबसे दूरस्थ बिंदु (अपोजी) पर होता है** और थोड़ा अधिक चमकीला होता है।

3.2 उमियाम झील

- मेघालय सरकार ने **अपने पर्यटन स्थल उमियाम झील को** प्रदूषकों से मुक्त **रखने के लिए एआई-सक्षम रोबोटिक तकनीक को अपनाया है।**
- एआई -संचालित नाव में **प्रतिदिन 15 लीटर तेल** और 200 किलोग्राम तैरता हुआ कचरा इकट्ठा करने की क्षमता है , जिससे यह कचरे को प्रभावी ढंग से हटाने का एक किफायती तरीका बन गया है।

उमियाम झील के बारे में

- उमियाम झील भारत के मेघालय राज्य में **शिलांग से 15 किमी उत्तर में पहाड़ियों में एक जलाशय है** ।
- यह **एक कृत्रिम झील है 1960 के दशक की शुरुआत में उमियम नदी पर बाँध बनाकर बनाया गया ।**
- इसे **बारा पानी** के रूप में अधिक आसानी से पहचाना जाता है , और **यह लगभग 220 वर्ग किमी के क्षेत्र को कवर करता है।**
- मूल उद्देश्य **पनबिजली उत्पादन के लिए पानी का भंडारण करना था** ।
- आज, यह **जल क्रीड़ा और साहसिक सुविधाओं** के लिए **राज्य में एक प्रमुख पर्यटक आकर्षण के रूप में भी कार्य करता है** ।

3.3 हेलमंद नदी

- **हेलमंद नदी के पानी के बंटवारे** के खिलाफ **ईरान और अफगानिस्तान** एक बार फिर **आमने-सामने हो गए हैं।**
- हेलमंद नदी **अफगानिस्तान की सबसे लंबी नदी है** ।

- **ईरान और अफगानिस्तान ने 1973 में हेलमंद के जल संसाधनों को साझा करने पर एक संधि पर हस्ताक्षर किए** ।
- यह **पूर्व-मध्य अफ़ग़ानिस्तान** में **हिंदू कुश पर्वतों से होकर देश की आधी से अधिक लंबाई में दक्षिण-पश्चिम की ओर** बहती **है** ।
- ईरान **कृषि भूमि की सिंचाई के लिए इस पानी पर बहुत अधिक निर्भर है** और हाल ही में उसने आरोप लगाया है कि **अफगानिस्तान आपूर्ति को सीमित कर रहा है** ।

3.4 द्वारपाल

- यूरोपीय **आयोग ने हाल ही में अपने नए डिजिटल मार्केट अधिनियम के तहत छह तकनीकी दिग्गजों - अल्फाबेट, अमेज़ॅन, ऐप्पल, मेटा, माइक्रोसॉफ्ट और बाइटडांस को द्वारपाल** के रूप में सूचीबद्ध किया है ।
- **'गेटकीपर्स'** शब्द बड़े पैमाने पर इंटरनेट प्लेटफ़ॉर्म को संदर्भित करता है **, जिसके बारे में यूरोपीय संघ का विचार है कि यह मुख्य प्लेटफ़ॉर्म सेवाओं** , जैसे **ऑनलाइन खोज, विज्ञापन और संदेश और संचार तक पहुंच को प्रतिबंधित कर रहा है।**
- डिजिटल **बाजार अधिनियम** एक अभूतपूर्व **कानून है** जिसका **उद्देश्य डिजिटल बाजारों में अधिक प्रतिस्पर्धा को प्रोत्साहित करना और उपभोक्ताओं के लिए अधिक विकल्प सुनिश्चित करना है।**
  - ✓ इसका **उद्देश्य बड़े तकनीकी खिलाड़ियों की प्रतिस्पर्धा-विरोधी प्रथाओं पर रोक लगाना** है ।
- नियमों से **बिग टेक कंपनियों के प्लेटफॉर्म के लिए कुछ बड़े बदलाव हो सकते हैं।**

3.5 'राष्ट्रीय आपदा' टैग

- **हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से** राज्य में भारी बारिश से हुई तबाही को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने का अनुरोध किया है ।
- मानसून के दौरान बारिश संबंधी घटनाओं से राज्य को **10,000 करोड़ रुपये का नुकसान होता है।**
- राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार, 24 जून को मानसून की शुरुआत से लेकर 9 सितंबर तक **418 लोगों की** मौत हो गई है (**बारिश से संबंधित घटनाओं में 265 और सड़क दुर्घटनाओं में 153), जबकि 39 लापता हैं।**

राष्ट्रीय आपदा के बारे में

- **"राष्ट्रीय आपदाओं"** का कोई आधिकारिक या सुपरिभाषित वर्गीकरण नहीं है ।
- 2005 **आपदा प्रबंधन अधिनियम "आपदा"** को "किसी भी क्षेत्र में प्राकृतिक या मानव निर्मित कारणों से, या दुर्घटना या लापरवाही से उत्पन्न होने वाली **आपदा, दुर्घटना , आपदा या गंभीर घटना** के रूप में परिभाषित करता है , जिसके परिणामस्वरूप जीवन या मानव पीड़ा का पर्याप्त नुकसान होता है।" , या संपत्ति को नुकसान और उसका विनाश, या पर्यावरण को नुकसान, या उसका क्षरण, और ऐसी प्रकृति या परिमाण का है कि समुदाय की मुकाबला करने की क्षमता से परे है।"
- अधिनियम ने **राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) की स्थापना की, जिसका नेतृत्व प्रधान मंत्री** करेंगे , साथ ही **राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एसडीएमए) की स्थापना की जाएगी,** जिसका नेतृत्व संबंधित **मुख्यमंत्रियों द्वारा किया जाएगा।**

- भारत में, जिला-स्तरीय अधिकारियों के सहयोग से एक एकीकृत **आपदा प्रबंधन सेटअप** बनाया जाना था।
- **राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल** का गठन भी हुआ ।

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए):

- **राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए)** भारत में आपदा प्रबंधन के लिए सर्वोच्च वैधानिक निकाय है।
- एनडीएमए का औपचारिक गठन **27 सितंबर 2006 को** आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 के अनुसार किया गया था, जिसमें प्रधान मंत्री इसके अध्यक्ष और नौ अन्य सदस्य थे, और ऐसे एक सदस्य को उपाध्यक्ष के रूप में नामित किया गया था।

3.6 खंभात की खाड़ी में वैनेडियम पाया जाता है

- **वैनेडियम** , जो **कई औद्योगिक अनुप्रयोगों के लिए एक महत्त्वपूर्ण कच्चा माल है** , **खंभात की खाड़ी से एकत्र किए गए तलछट के नमूनों में पाया गया है** , जो **गुजरात में अलंग के पास अरब सागर में खुलती है** ।
- **भारत में** युद्ध **खनिज दुर्लभ** है ।
- **भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई)** के अनुसार , यह **भारत के अपतटीय तलछट में वैनेडियम की उपस्थिति की पहली रिपोर्ट है।**
- प्राकृतिक रूप से अपने शुद्ध रूप में दुर्लभ रूप से पाया जाने वाला **वैनेडियम 55 से अधिक विभिन्न खनिजों में मौजूद होता है** , जिससे **इसका उत्पादन महंगा हो जाता है** ।
- **खंभात की खाड़ी** में , यह **टिटानोमैग्नेटाइट नामक खनिज में पाया गया है** , जो **पिघले हुए लावा के तेजी से ठंडा होने पर बनता है** ।
- खंभात की खाड़ी में वैनैडीफेरस **टाइटैनोमैग्नेटाइट जमा संभवतः दक्कन बेसाल्ट से मुख्य रूप से नर्मदा और तापी नदियों के माध्यम से निकाला गया था ।**
- धातु के **निशान अब तक अरुणाचल प्रदेश, कर्नाटक, ओडिशा और महाराष्ट्र में पाए गए हैं।**
- **अनुप्रयोग**
  - ✓ वैनेडियम **रक्षा और एयरोस्पेस** जैसे **रणनीतिक क्षेत्रों के लिए एक महत्वपूर्ण कच्चा माल है** ।
    - ➢ उदाहरण के लिए, **टाइटेनियम और एल्यूमीनियम के मिश्र धातु वाले वैनेडियम का उपयोग जेट इंजन घटकों और उच्च गति वाले एयरफ्रेम में किया जाता** है ।
  - ✓ धातु का **उपयोग ऊर्जा भंडारण और महत्वपूर्ण इलेक्ट्रॉनिक घटकों को बनाने में भी किया जाता है।**
  - ✓ इसका उपयोग ऐसी **मिश्र धातुएँ बनाने के लिए किया जाता है** जो **संक्षारण, घिसाव और उच्च तापमान के प्रति प्रतिरोधी होती हैं।**
  - ✓ **वैनेडियम रेडॉक्स फ्लो बैटरी** बनाने के लिए भी किया जाता है , जो **बड़े पैमाने पर ऊर्जा भंडारण के लिए आशाजनक हैं।**

3.7 नौखाई जौहर

- **नुआखाई के शुभ अवसर पर** लोगों को शुभकामनाएं दीं ।
- नुआखाई ओडिशा राज्य और **झारखंड में सिमडेगा के आसपास के क्षेत्रों में** एक **वार्षिक फसल उत्सव है।**

- **' नुआ '** शब्द का **अर्थ है नया** और **' खाई ' का अर्थ है भोजन** - त्योहार का नाम **अन्न भंडार में नए चावल के कब्जे का प्रतीक है।**

3.8 माउंट सेमेरू में विस्फोट

- **इंडोनेशिया के पूर्वी जावा प्रांत** में **माउंट सेमेरू ज्वालामुखी** हाल ही में फट गया, जिससे गर्म राख उगलने लगी। स्थानीय अधिकारियों ने लोगों को इलाके से दूर रहने की चेतावनी दी है।
- यह **जावा द्वीप का सबसे ऊँचा पर्वत है** ।
- यह **सुंडा प्लेट (यूरेशियन प्लेट का हिस्सा)** के नीचे **इंडो-ऑस्ट्रेलियाई प्लेट के सबडक्शन** द्वारा गठित **द्वीप आर्क का हिस्सा है।**
- **विश्व में सबसे अधिक सक्रिय ज्वालामुखी** इंडोनेशिया में हैं ।
- **पैसिफिक रिंग ऑफ फायर** पर स्थित है ।

3.9 निएंडरथल

- हाल के वैज्ञानिक अनुसंधान से पता चला है कि निएंडरथल और डेनिसोवन्स , एक अन्य **विलुप्त होमिनिन प्रजाति , से विरासत में मिले लक्षण हमारे स्वास्थ्य, जीव विज्ञान और यहां तक कि कोविड-19 जैसी बीमारियों के प्रति हमारी प्रतिक्रिया को भी प्रभावित करते हैं।**
- हाल के अध्ययनों ने **निएंडरथल डीएनए को विभिन्न मानव लक्षणों और बीमारियों से जोड़ा है** । उदाहरण के लिए, शोधकर्ताओं **ने निएंडरथल जीन और हाथ की गंभीर बीमारी, लोगों की नाक के आकार और यहां तक कि रोगजनकों के प्रति हमारी प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया के बीच संबंध** पाया है ।
- **आधुनिक मनुष्यों में मौजूद निएंडरथल** या डेनिसोवन डीएनए की मात्रा **भौगोलिक स्थिति और पैतृक वंश के आधार पर** भिन्न होती है ।
  - ✓ जबकि कुछ **अफ्रीकी आबादी में लगभग कोई निएंडरथल डीएनए नहीं है , यूरोपीय या एशियाई पृष्ठभूमि वाले लोगों में लगभग 1% से 2% है।**
  - ✓ **डेनिसोवन डीएनए दुनिया के अधिकांश हिस्सों में मुश्किल से पता लगाया जा सकता** है **, लेकिन न्यू गिनी से फिजी द्वीप समूह तक फैले मेलानेशिया में लोगों के डीएनए का 4% से 6% हिस्सा** बनता है ।
- ये आनुवंशिक अवशेष **हमारे स्वास्थ्य पर लाभकारी और हानिकारक दोनों प्रभाव डाल सकते हैं** ।
  - ✓ उदाहरण के लिए, **निएंडरथल डीएनए को ग्रेव्स रोग और रुमेटीइड गठिया जैसी ऑटोइम्यून बीमारियों** से जोड़ा गया है ।
  - ✓ दूसरी ओर, **निएंडरथल और डेनिसोवन्स के साथ अंतःप्रजनन ने संभवतः हमारे पूर्वजों की प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत किया, जिससे यूरोप और एशिया में प्रचलित बीमारियों का त्वरित समाधान मिल गया।**

निएंडरथल (होमो निएंडरथेलेंसिस) के बारे में

- निएंडरथल **हमारे निकटतम विलुप्त मानव रिश्तेदार हैं।**
- वे **लगभग 400,000** से लेकर लगभग 40,000 साल पहले तक **पूरे यूरोप और एशिया के कुछ हिस्सों में रहते थे।**

- **भौतिक विशेषताएं** शामिल हैं **उनकी आंखों के ऊपर एक विशिष्ट उभरी हुई भौंह के साथ** लंबी, नीची खोपड़ी , अपेक्षाकृत **छोटा और गठीला शरीर।**
- वे लंबे समय तक **आधुनिक मनुष्यों के साथ सह-अस्तित्व में रहे ।**

डेनिसोवन्स के बारे में

- डेनिसोवन्स भी **होमिनिड की एक विलुप्त प्रजाति है** और **निएंडरथल के करीबी रिश्तेदार थे।**
- वे **लाखों साल पहले रहते थे** , कुछ क्षेत्रों में **निएंडरथल के साथ रहते थे** , और कुछ मामलों में **शुरुआती आधुनिक मनुष्यों के साथ प्रजनन करते थे ।**
- डेनिसोवन्स मानव परिवार वृक्ष में हाल ही में शामिल हुए हैं।
- **साइबेरिया में डेनिसोवन गुफा** में लगभग 40,000 साल पहले की एक उंगली की हड्डी और दो दांतों के टुकड़े की खोज के बाद, उन्हें **पहली बार 2010 में एक अलग प्रजाति के रूप में पहचाना गया था।**
- डेनिसोवन जीवाश्म इतने दुर्लभ हैं क्योंकि **उनकी आबादी निएंडरथल की तुलना में कम थी।**

4. कला और संस्कृति

4.1 कोकबोरोक

- **राज्य की स्वदेशी भाषा कोकबोरोक के लिए रोमन लिपि की शुरूआत के लिए दबाव डालने के लिए** द्विप्रा **स्टूडेंट्स फेडरेशन (टीएसएफ**) द्वारा बुलाए गए **12 घंटे की राज्यव्यापी हड़ताल** के दौरान 260 से अधिक लोगों को हिरासत में लिया गया था ।
- **केन्द्रित** त्रिपुरा की **लिपि बहस कई दशक पुरानी है** ।

कोकबोरोक भाषा के बारे में

- **तिब्बती-बर्मन भाषा परिवार** से संबंधित है और अन्य **भाषा परिवार जैसे बोडो, गारो, दिमासा आदि के साथ** इसका **घनिष्ठ संबंध है।**
- कोकबोरोक को **पहली बार 1979 में राज्य की आधिकारिक राज्य भाषा के रूप में मान्यता दी गई थी** ।
- इसे **त्रिपुरा जनजातीय क्षेत्र स्वायत्त जिला परिषद की आधिकारिक** भाषा **भी घोषित किया गया है** ।
- यह भाषा **त्रिपुरा के 19 आदिवासी समुदायों में से कई द्वारा अपनी पहली भाषा के रूप में बोली जाती है** ।
  - ✓ त्रिपुरा की **37 लाख आबादी में से लगभग 30 प्रतिशत आदिवासी समुदायों से हैं।**
- यह मान्यता प्राप्त है **अपनी त्रिभाषा नीति के तहत राज्य में एक आधिकारिक भाषा के रूप में** और राज्य के अन्य आदिवासी समुदायों द्वारा **संचार के माध्यम के रूप में स्वीकार किया जाता है, लेकिन इसकी कोई लिपि नहीं है** ।
- सरकार ने इसकी पटकथा तय करने के लिए पूर्व विधायक श्यामा चरण त्रिपुरा और **भाषाविद् पबित्रा सरकार के तहत दो आयोगों का गठन किया** ।

4.2 पुलिकली नृत्य

- **ओणम उत्सव के समापन पर** केरल **के त्रिशूर में** एक **विशाल पुलिकाली नृत्य उत्सव** आयोजित किया गया था ।

पुलिकली नृत्य के बारे में

- स्थानीय लोगों के अनुसार, पुलिकाली , या **तेंदुओं का नृत्य , का इतिहास 200 साल से भी अधिक पुराना है।**
- इसे मूल रूप से **ओणम उत्सव के दौरान स्थानीय आबादी** , विशेषकर **किसानों और मजदूरों के मनोरंजन के रूप में शुरू किया गया था।**
- कला **का रूप समय के साथ विकसित हुआ है** , जिसमें नए विषयों और डिज़ाइनों को शामिल किया गया है, जबकि अभी भी इसका सांस्कृतिक महत्त्व बरकरार है
- **तैयारी**
  - ✓ कलाकार बाघों की तरह दिखने के लिए **जीवंत रंगों** का उपयोग करके **अपने शरीर पर जटिल विस्तृत डिज़ाइन बनाते हैं , जिसमें कई घंटे या पूरी रात भी लग सकती है।**
  - ✓ वेशभूषा **में आम तौर पर मुखौटे और सहायक उपकरण शामिल होते हैं** जो **जानवर की उपस्थिति को पूरा करते हैं।**
- कोरियोग्राफी **मूलतः एक बाघ की नकल है** जो **अपने पिछले पैरों पर चलता है** ।
- **केरल की मार्शल आर्ट कलारीपयट्टू का प्रभाव** स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है ।
- **हाथों और शरीर की** सभी गतिविधियाँ **लयबद्ध संगत के साथ पूर्ण सामंजस्य में हैं** ।
- प्रदर्शन पारंपरिक ताल वाद्ययंत्रों जैसे ***चेंडा*** (एक बेलनाकार ड्रम) और ***थाकिल*** (झांझ की एक जोड़ी) **के साथ होते हैं ।**
- लयबद्ध **थाप प्रदर्शन की ऊर्जा को बढ़ा देती है।**

4.3 जी20 शिखर सम्मेलन में सांस्कृतिक उपहार

- देश की समृद्ध पारंपरिक कला संस्कृति का प्रतिनिधित्व करने वाली **तीन उपहार वस्तुएं जी20 नेताओं के जीवनसाथियों को एक विशेष रूप से तैयार किए गए गुडी बैग** में भेंट की जाएंगी।
- **इसमे शामिल है-**
  - ✓ एक **चेरियाल स्क्रॉल पेंटिंग** ,
  - ✓ एक **हाथ से बुना हुआ टसर सिल्क स्टोल** ,
  - ✓ और **छत्तीसगढ़ के कारीगरों द्वारा बनाई गई एक महिला की हस्तनिर्मित बेल धातु की मूर्ति।**

विवरण

1. चेरियल **स्क्रॉल पेंटिंग कथा स्क्रॉल में मिथकों और किंवदंतियों को दर्शाया गया है** ।
   - ✓ स्थानीय और कलात्मक रूपांकनों में निहित, **ये पेंटिंग इस क्षेत्र के सबसे पुराने कला रूपों में से एक हैं , जो इसकी समृद्ध कहानी कहने की परंपराओं का प्रतीक हैं** ।
   - ✓ यह **नकाशी कला का एक आधुनिक और शैलीबद्ध संस्करण है।**
   - ✓ **पौराणिक कथाओं और लोककथाओं** से **कथा प्रारूप के स्क्रॉल को चित्रित करने के लिए रंगों की** एक **समृद्ध योजना का** उपयोग किया जाता है ।
   - ✓ यह **कहानी सुनाने वाले समुदाय काकी पदागोल्लु के पेशे** का **एक अनिवार्य और अविभाज्य हिस्सा है** ।
   - ✓ चेरियाल स्क्रॉल को **तेलंगाना से भौगोलिक संकेत (जीआई) टैग प्राप्त है**

2. **हाथ से बुने हुए हेरिटेज स्टोल को** छत्तीसगढ़ **के साल जंगलों से प्राप्त टसर रेशम से सावधानीपूर्वक तैयार किया गया है** ।
3. **भोजन** तैयार कर रही एक **महिला की हस्तनिर्मित बेल धातु की मूर्ति को छत्तीसगढ़ के कारीगरों ने प्राचीन खोई-मोम तकनीक का उपयोग करके** अपने परिवेश से प्रेरणा लेते हुए तैयार किया है ।

4.4 कोणार्क पहिया

- ओडिशा के सूर्य मंदिर से **कोणार्क व्हील** की प्रतिकृति ने प्रधान मंत्री श्री की पृष्ठभूमि के रूप में कार्य किया। जी-20 नेताओं से हाथ मिलाते हुए नरेंद्र मोदी का स्वागत।

व्हील के बारे में

- **कोणार्क व्हील का** निर्माण **13 वीं शताब्दी में राजा नरसिम्हादेव -प्रथम** के शासनकाल में किया गया था।
- **24 तीलियों** वाला पहिया भगवान सूर्य के सूर्य रथ के पहियों का प्रतिनिधित्व करता है।
- पहिये को **भारतीय राष्ट्रीय ध्वज में भी रूपांतरित किया गया है** ।
- इसकी घूमती गति समय, **कालचक्र** , साथ ही प्रगति और निरंतर परिवर्तन का प्रतीक है ।
- यह भारत के प्राचीन ज्ञान, **उन्नत सभ्यता और वास्तुशिल्प उत्कृष्टता का भी प्रतीक है** ।
- प्रतिष्ठित पहिया धूपघड़ी के रूप में भी काम करता है।

कोणार्क सूर्य मंदिर

- **कोणार्क** का सूर्य **मंदिर ,** भारतीय उपमहाद्वीप के पूर्वी तट, ओडिशा में स्थित है।
- यह मंदिर हिंदू **सूर्य देवता, सूर्य को समर्पित है।**
- इसे सी बनाया गया था। 1250 ई. **पूर्वी गंगा राजवंश के राजा नरसिम्हदेव प्रथम** (1238-1264 ई.) द्वारा ।
- यह एक **यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल है** जो अपनी उत्कृष्ट वास्तुकला और जटिल पत्थर की नक्काशी के लिए जाना जाता है।
- यह मंदिर एक रथ के आकार का है, जिसमें 12 उत्कृष्ट नक्काशीदार पहिए और सरपट दौड़ते घोड़े हैं।
- मंदिर की वास्तुकला **कलिंग शैली की वास्तुकला** (नागर शैली का उपसमूह) का एक उत्कृष्ट उदाहरण है।
- मंदिर में **हिंदू पौराणिक कथाओं के दृश्यों को दर्शाने वाली विस्तृत पत्थर की नक्काशी भी है।**

4.5 चेरियाल स्क्रॉल पेंटिंग

- **एक चेरियल स्क्रॉल पेंटिंग उन उपहारों में से एक थी जो जी20 शिखर सम्मेलन** के लिए एकत्र हुए दुनिया भर के राष्ट्राध्यक्षों की प्रथम महिलाओं या उनके जीवनसाथियों को **पूसा परिसर में भारतीय कृषि अनुसंधान (आईएआरआई) की** यात्रा के दौरान मिली थी ।

पेंटिंग के बारे में:

- **चेरियाल स्क्रॉल पेंटिंग नाकाशी कला** का एक लोकप्रिय और संशोधित संस्करण है , जिसे स्थानीय रूपांकनों में अत्यधिक समृद्ध माना जाता है।
- इस पेंटिंग को वर्ष **2007 में भौगोलिक संकेत (जीआई) टैग भी मिला।**

- नाम **चेरियाल पेंटिंग चेरियाल गांव** से ली गई है , जो **तेलंगाना के वारंगल जिले में हैदराबाद से लगभग 90 किमी दूर स्थित है।**
- चेरियाल पेंटिंग में अनिवार्य रूप से स्क्रॉल शामिल होते हैं जो **महाकाव्यों, पुराणों और लोककथाओं** की कहानियों को दर्शाते हैं , और यह एक समय **तेलंगाना के गांवों के धार्मिक, सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन** का एक अभिन्न अंग था ।
- स्क्रॉल पर चित्रित कहानियाँ मुख्य रूप से **महाभारत, रामायण, मार्कंडेय पुराण, गरुड़ पुराण** और कृष्ण लीला श्रृंखला की विभिन्न कहानियों से थीं, जिनमें स्थानीय नायकों को भी चित्रित किया गया था।
- इस पारंपरिक कला रूप को पेशे का एक अविभाज्य हिस्सा माना जाता है जिसमें कहानी कहने और गाथागीत समुदाय शामिल है जिसे **काकी पदागोलु कहा जाता है ।**
- उन्होंने इन स्क्रॉलों को प्रदर्शित किया है जिनमें संगीत और नृत्य भी शामिल है। स्क्रॉल एक फिल्म रोल की तरह बह रहे होंगे, जो **कहानी के आधार पर** आमतौर पर लगभग तीन फीट चौड़ा और लगभग 40 से 45 फीट लंबा होता है।

4.6 'भारत: लोकतंत्र की जननी' पोर्टल

- G20 नेतृत्व शिखर सम्मेलन की पूर्व संध्या पर, संस्कृति मंत्रालय ने मेगा प्रदर्शनी - **' भारत: द मदर ऑफ डेमोक्रेसी' का एक पोर्टल लॉन्च किया।**
- **"भारत: लोकतंत्र की जननी" पोर्टल भारत में लोकतंत्र** के इतिहास पर सामग्री प्रदर्शित करता है , जो **सिंधु-सरस्वती सभ्यता से लेकर 2019 तक के** 7,000 वर्षों के लोकतांत्रिक लोकाचार को प्रदर्शित करता है ।
- **अंग्रेजी और हिंदी के अलावा जर्मन, फ्रेंच, स्पेनिश, अरबी, पुर्तगाली, इतालवी, तुर्की और रूसी सहित 16 भाषाओं में** उपलब्ध है ।
- पोर्टल को **पांच खंडों** और **22 उप-खंडों में विभाजित किया गया है,** जो **सिंधु-सरस्वती सभ्यता (6000-2000 ईसा पूर्व), महाजनपद और गणतंत्र (7-8 ईसा पूर्व), विजयनगर साम्राज्य (14-16 शताब्दी) और मुगल सम्राट अकबर शासनकाल (1556) से शुरू होता है। -1605) से लेकर भारत के संविधान (1947) और आधुनिक भारत में चुनाव (1952 से आगे)।**

4.7 दिव्या कालमेला

- **दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग (दिव्यांगजन)** ने देश भर के नियमित दिव्यांग उद्यमियों/कारीगरों के उत्पादों और शिल्प कौशल को प्रदर्शित करने के लिए एक अनूठा कार्यक्रम आयोजित किया है। प्रयासों को जारी रखने के लिए **'दिव्य कला मेला'** 15-24 सितंबर 2023 तक वाराणसी में दिव्यकला मेला आयोजित किया जाएगा।

मुख्य विवरण:

- यह देश भर के दिव्यांग उद्यमियों/कारीगरों के उत्पादों और शिल्प कौशल को प्रदर्शित करता है।
- PwD / दिव्यांगजनों के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में DEPwD की एक अनूठी पहल है ।
- **दिव्य कला मेला दिव्यांगजनों (पीडब्ल्यूडी)** के उत्पादों और कौशल के विपणन और प्रदर्शन के लिए एक बड़ा मंच प्रस्तुत करता है ।
- **दिव्य कला मेला, वाराणसी** 2022 से शुरू होने वाली श्रृंखला का सातवां मेला है।

4.8 शांतिनिकेतन संयुक्त राष्ट्र-डब्ल्यूएचएस है

- रबींद्रनाथ टैगोर का **"शांति का निवास" शांतिनिकेतन** , जो **धार्मिक और क्षेत्रीय सीमाओं से परे सीखने की जगह के कवि के दृष्टिकोण का प्रतीक है** , को **आधिकारिक तौर पर यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल के रूप में मान्यता दी गई थी - भारत में 41वां और बंगाल में तीसरा** ।
- **शांतिनिकेतन को** इस प्रतिष्ठित सूची में शामिल करने का निर्णय **इंटरनेशनल काउंसिल ऑन मॉन्यूमेंट्स एंड साइट्स (ICOMOS) के सदस्यों द्वारा रियाद** में आयोजित विश्व धरोहर समिति के 45वें सत्र में किया गया था।

स्मारकों और स्थलों पर अंतर्राष्ट्रीय परिषद (ICOMOS) एक फ्रांस स्थित अंतरराष्ट्रीय निकाय **है जो** वैश्विक वास्तुकला और विरासत के संरक्षण और वृद्धि के लिए समर्पित है।
सचिवालय- **पेरिस**

शांतिनिकेतन के बारे में

- यह **पश्चिम बंगाल** के **बीरभूम जिले में स्थित एक शहर है।**
- इसकी स्थापना नोबेल पुरस्कार विजेता रवीन्द्रनाथ टैगोर के पिता **महर्षि देवेन्द्रनाथ टैगोर ने 1862 में की थी ।** बाद में, **रवीन्द्रनाथ टैगोर ने इसे एक विश्वविद्यालय शहर के रूप में देखा** और **एक स्कूल की स्थापना की** ।
- इसकी स्थापना 1901 में की गई थी और इसे **ब्रह्मचर्य आश्रम कहा जाता था (जिसे बाद में पाठ भवन कहा गया)।**
- शांतिनिकेतन में **श्रीनिकेतन** (ग्रामीण पुनर्निर्माण के लिए) **कला भवन, संगीत भवन** (सांस्कृतिक संस्थान) और **विश्व भारती विश्वविद्यालय (1921) की** भी स्थापना की।
  - ✓ शांतिनिकेतन में विश्वभारती **बंगाल का एकमात्र केंद्रीय विश्वविद्यालय है** जिसके **चांसलर प्रधान मंत्री हैं।**
- शांतिनिकेतन की **स्थापना प्राचीन भारतीय गुरुकुल प्रणाली के सिद्धांतों पर की गई थी** , जहां **शिक्षा प्राकृतिक सेटिंग में प्रदान की जाती थी** , जिससे **छात्रों और उनके पर्यावरण के बीच एक मजबूत संबंध को बढ़ावा मिलता था।**

4.9 होयसाल मंदिर

- **कर्नाटक** में **12 वीं सदी के होयसला युग के मंदिरों** के अद्वितीय वास्तुशिल्प चमत्कारों को **यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल के रूप में मान्यता दी गई** : विश्व **धरोहर टैग प्राप्त करने वाला यह भारत में 42वां** और कर्नाटक में चौथा स्थल है।
  - ✓ अन्य 3 हैं- **पारिस्थितिक हॉटस्पॉट पश्चिमी घाट (2012)** के साथ **हम्पी (1986)** और **पत्तदकल (1987) में स्मारक** ।
- **रियाद, सऊदी अरब में हुई** विश्व **धरोहर समिति के 45वें सत्र में** तीन **मंदिरों को शामिल** करते हुए ' **होयसल्स के पवित्र समूह ' की भारत की सिफारिश को** मंजूरी दे दी गई -
  - ✓ **बेलूर में चन्नकेशव मंदिर ,**
  - ✓ **हासन जिले के हलेबिदु में होयसलेश्वर मंदिर और**
  - ✓ **मैसूरु जिले के सोमनाथपुर में केसव मंदिर को** विश्व धरोहर स्थलों की सूची में नवीनतम शामिल किया गया है।
- तीनों मंदिर **भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) द्वारा संरक्षित हैं** और नामांकन ' **होयसलस के पवित्र समूह '** के रूप में **दर्ज किए गए थे** ।

मंदिरों के बारे में

- **बेलूर और हलेबिदु के मंदिर** 2014 **से यूनेस्को की विश्व धरोहर अस्थायी सूची** में हैं ।
- **पत्थरों पर नक्काशी से** समृद्ध **मंदिरों, मंदिरों और संबंधित संरचनाओं से युक्त होयसलों का समूह** कर्नाटक **के दक्षिण आंतरिक जिलों में फैला हुआ** है और कर्नाटक में विश्व स्तर पर प्रशंसित पर्यटन स्थल है ।
- होयसला **-शैली की वास्तुकला को पड़ोसी राज्यों** से **अलग पहचान बनाने के लिए समकालीन मंदिर विशेषताओं और अतीत की विशेषताओं के सावधानीपूर्वक चयन** के माध्यम से बनाया गया था ।
- होयसला मंदिर **एक विशिष्ट शैली विकसित करने के लिए जाने जाते हैं जो एक ऊंचे मंच पर निर्मित** एक तारकीय योजना के बाद मंदिर वास्तुकला से अलंकृत है ।
- मंदिर निर्माण में **प्रयुक्त सामग्री** कोलोरिटिक **शिस्ट है जिसे सोपस्टोन के रूप में भी जाना जाता है** जो **नक्काशी के लिए नरम और अनुकूल है** ।
- **तीर्थों की विशेषता** है-
  - ✓ **अति-वास्तविक मूर्तियां** और **पत्थर की नक्काशी जो संपूर्ण वास्तुशिल्प सतह को कवर करती है** ,
  - ✓ **एक परिक्रमा मंच** ,
  - ✓ एक **बड़े पैमाने पर मूर्तिकला गैलरी** ,
  - ✓ **एक बहु-स्तरीय फ्रिज़** और
  - ✓ **साला किंवदंती की** मूर्तियां ।
- होयसल शासकों ने 11वीं शताब्दी से **14वीं शताब्दी तक दक्षिणी भारत के कुछ हिस्सों पर शासन किया, जिनकी राजधानी हलेबिदु (द्वारसमुद्र) थी।**
  - ✓ होयसल **युग को दक्षिण भारतीय कला, वास्तुकला और धर्म के विकास में** एक महत्वपूर्ण काल माना जाता था ।
  - ✓ **आज तक पूरे कर्नाटक में** लगभग 100 से अधिक जीवित मंदिर बिखरे हुए हैं।
- **बेलूर में चेन्नाकेशव मंदिर** का निर्माण **1117 ई. में राजा विष्णुवर्धन के शासनकाल** के दौरान शुरू हुआ था और इसे पूरा होने में 103 साल लगे , **होयसलेश्वर मंदिर का निर्माण 1121 ई. में हुआ था ,** जबकि मैसूर जिले के **सोमनाथपुर में केशव मंदिर का** निर्माण **सोमनाथ दंडनायक द्वारा करवाया गया था।** 1268 ई. में नरसिम्हा तृतीय का शासनकाल।

4.10 चौसठ योगिनी मंदिर

- 19 सितंबर से **चल रहे विशेष सदन सत्र को नए संसद भवन में स्थानांतरित कर दिया गया** ।
  - ✓ पुरानी **संसद को संग्रहालय में बदल दिया जाएगा और इसे ' संविधान सदन' कहा जाएगा।**

संसद भवन के बारे में

- जब अंग्रेजों ने अपनी राजधानी को नई दिल्ली में स्थानांतरित करने का फैसला किया, तो **ब्रिटिश आर्किटेक्ट एडविन लुटियंस और हर्बर्ट बेकर** द्वारा डिजाइन किया गया , **164-स्तंभों वाली इमारत में पहली बार इंपीरियल लेजिस्लेटिव काउंसिल** (18 जनवरी, 1927 से 15 अगस्त, 1947 तक) थी।
- स्वतंत्रता के बाद, इसने **भारत की संविधान सभा के रूप में कार्य किया** , और **एक बार संविधान को अपनाने** के बाद भारत एक गणतंत्र बन गया, **भारत की संसद के रूप में, जिसमें लोकसभा और राज्यसभा शामिल थीं।**

चौसठ योगिनी मंदिर के बारे में

- एक **गोल और स्तंभों वाली संरचना** संसद से कई शताब्दियों पहले की है, और कई लोग मानते हैं कि इसने 20 वीं शताब्दी के **गोलाकार, स्तंभों वाले संसद भवन को प्रेरित किया।**
- यह संरचना **मध्य प्रदेश** के मुरैना जिले के मितौली **में चौसठ योगिनी मंदिर है ।**
- इसका **निर्माण 1323 के आसपास कच्छपघात वंश के राजा देवपाल** ने करवाया था।
- मितावली **मंदिर गोलाकार है** , जिसमें 64 कक्ष हैं **जो 64 योगिनियों को समर्पित हैं** , और **एक केंद्रीय मंदिर शिव को समर्पित है।**
- 64 **योगिनियाँ शक्तिशाली योद्धा और जादूगरनी थीं** ।
- जबकि अधिकांश **हिंदू मंदिरों में एक शिखर, या उभरा हुआ गुंबद होता है** , **मितावली मंदिर, अन्य चौसठ योगिनी मंदिरों की तरह, हाइपेथ्रल है , जिसका अर्थ है कि इसमें कोई छत नहीं है।**
- **पत्थर के मंदिर परिसर के अंदर संसद जैसे स्तंभ हैं** ।
- केंद्रीय **मंदिर में छिद्रयुक्त एक स्लैब है** ।
- मंदिर **का व्यास 125 फीट है।**

4.11 संवत्सरी

- **संवत्सरी** 20 सितंबर 2023 को मनाया गया।
- संवत्सरी को **जैन समुदाय के लोगों के लिए सबसे शुभ दिनों में से एक माना जाता** है ।
- इस दिन को जैन समुदाय के लोग बहुत खुशी और खुशी के साथ मनाते हैं।
- **संवत्सरी** या **क्षमावाणी पर्युषण पर्व का अंतिम दिन** है ।
- ये लोग कहते हैं **" मिचामी दुक्कदम "** अपने सभी प्रिय लोगों को और **उनसे क्षमा मांगें** ।
  - ✓ **दूसरे लोगों को क्षमा करना और क्षमा मांगना ही** इस त्यौहार को मनाने का **मुख्य उद्देश्य** है ।

पर्युषण पर्व के बारे में

- श्वेतांबर इस त्योहार को **आठ दिनों** तक मनाते हैं जबकि **दिगंबर इसे 10 दिनों तक मनाते हैं** ।
- दिगंबर **जैन** इसे **दस लक्षण पर्व भी कहते हैं** ।
- इसे दैनिक उपवास, **स्वीकारोक्ति और आंतरिक चिंतन की अवधि के रूप में मनाया जाता है।**
- इस दौरान पांच मुख्य व्रतों पर जोर दिया जाता है- अहिंसा **(अहिंसा**) , **सत्य** (सत्य), **अस्तेय** (चोरी न करना), **ब्रह्मचर्य** (शुद्धता), **अपरिग्रह** (गैर-कब्जा)।

4.12 एकता की प्रतिमा

- मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री ने हाल ही में **ओंकारेश्वर शहर** में **8वीं शताब्दी के आध्यात्मिक नेता आदि शंकराचार्य की 108 फुट ऊंची प्रतिमा का अनावरण किया** ।
- **'अद्वैत लोक'** की आधारशिला भी रखी गई, जिसमें **एक संग्रहालय होगा** , जो ओंकारेश्वर मांधाता पहाड़ी पर स्थित है, जहां से **नर्मदा नदी दिखाई देगी ।**

स्टैच्यू ऑफ वननेस के बारे में

- लगभग छह साल पहले संकल्पित ' स्टैच्यू **ऑफ वननेस' में शंकराचार्य को 12 साल के बच्चे के रूप में दर्शाया गया है, जब कहा जाता है कि उन्होंने ओंकारेश्वर का दौरा किया था** , जो **बारह ज्योतिर्लिंग मंदिरों में से एक है - जिसे शिव का सबसे पवित्र निवास स्थान** माना जाता है। **.**
  - ✓ कहा जाता है कि आदि शंकराचार्य, जो **अब केरल में पैदा हुए थे , एक युवा भिक्षु के रूप में ओंकारेश्वर पहुंचे थे** , जहां उन्होंने **अपने गुरु गोविंद भगवद्पाद से मुलाकात की** , चार साल तक पवित्र शहर में रहे और अपनी शिक्षा प्राप्त की।
- **100 टन** वजनी इस प्रतिमा की परिकल्पना कलाकारों, मूर्तिकार और इंजीनियरों की एक भारतीय टीम ने की थी।
- धातु **की ढलाई चीन के नानचांग शहर में की गई** और कई बैचों में मुंबई भेजी गई।
- **75 फुट के मंच पर स्थापित** यह मूर्ति कांस्य से बनी है **जिसमें 88% तांबा, 4% जस्ता और 8% टिन है**।
  - ✓ इसकी **आंतरिक संरचना उच्च गुणवत्ता वाले स्टील से बनी है** ।

अन्य मूर्तियां

11 वीं शताब्दी के भक्ति संत श्री रामानुजाचार्य को उनकी 1,000 वीं जयंती पर **मनाने के लिए** हैदराबाद के बाहरी इलाके **में** समानता की मूर्ति।

2018 में, **गुजरात के केवड़िया में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी** का उद्घाटन पूर्व उप प्रधान मंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल **की याद में किया गया था**।

- मूर्ति के डिजाइन की परिकल्पना चित्रकार वासुदेव कामथ ने की थी , **जिन्हें राजा रवि वर्मा के शंकराचार्य के चित्रण** से प्रेरणा मिली थी ।

4.13 श्रीमंत शंकरदेव

- 575 वाँ हाल ही में **मध्यकालीन संत श्रीमंत शंकरदेव** की **जयंती मनाई** गई ।

श्रीमंत शंकरदेव के बारे में

- वह एक **असमिया संत-विद्वान, सामाजिक-धार्मिक सुधारक, कवि, नाटककार** और **असम में 15वीं-16वीं शताब्दी के सांस्कृतिक और धार्मिक इतिहास के** एक **महान व्यक्ति थे।**
- वह **एक वासिनव -संत थे** और उन्होंने **एक- शरण -नाम- धर्म** नामक भक्ति के एक रूप का **प्रचार किया** , और **जाति भेद, रूढ़िवादी ब्राह्मण अनुष्ठानों और बलिदानों से मुक्त , समानता और भाईचारे पर आधारित समाज का समर्थन किया** ।
  - ✓ यह **भगवान कृष्ण** को एक, शाश्वत और पूर्ण मानता था।
- उन्हें व्यापक रूप से **अतीत के सांस्कृतिक अवशेषों के निर्माण और नए रूपों को तैयार करने का श्रेय दिया जाता है**
  - ✓ **नाट्य प्रदर्शन** (**अंकिया नाट, भाओना**),
  - ✓ **संगीत** (**बोर्गीट**),
  - ✓ **साहित्यिक भाषा** (**ब्रजावली**) और
  - ✓ **नृत्य** (**सत्रिया**)।
- उनकी शिक्षा मूर्ति पूजा के बजाय **प्रार्थना और नाम जप पर केंद्रित थी।**

- उनका धर्म देव (**भगवान), नाम (प्रार्थना), भक्त (भक्त), और गुरु (शिक्षक) के चार घटकों पर आधारित था।**
- असम में दो मध्ययुगीन साम्राज्यों- **कोच और अहोम साम्राज्यों को भी प्रभावित किया**
- जिस **भक्तों की सभा की स्थापना की** , वह समय के साथ **मठ केंद्रों** में विकसित हो गई, जिन्हें **सत्र के नाम से जाना जाता है ।**

4.14 भारत का अब तक का पहला प्रकाशस्तंभ उत्सव

- देश **का पहला प्रकाशस्तंभ उत्सव गोवा राज्य** में मनाया गया ।
- इसका **आयोजन केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय** द्वारा किया गया था।
- यह **पूरे भारत में 75 प्रकाशस्तंभों को संपन्न पर्यटन केंद्रों में बदलने की एक भव्य दृष्टि का हिस्सा है** ।

4.15 सरना कोड

- हाल ही में झारखंड के सीएम ने पीएम को पत्र लिखकर **आदिवासी समुदायों के बीच 'सरना' धार्मिक प्रथाओं को मान्यता देने का आग्रह किया।**
- उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि **पिछले आठ दशकों में राज्य में आदिवासी आबादी 38 प्रतिशत से घटकर 26 प्रतिशत हो गई है।**

सरना आस्था के बारे में

- सरना आस्था के अनुयायी खुद को **एक विशिष्ट धार्मिक समूह से संबंधित मानते हैं** , और **प्रकृति पूजक हैं.**
- **सरना आस्था का पवित्र आधार " जल, जंगल, ज़मीन"** है और इसके **अनुयायी वन क्षेत्रों की रक्षा में विश्वास करते हुए पेड़ों और पहाड़ियों की पूजा करते हैं।**
- सरना धर्म के अनुयायी **मूर्ति पूजा नहीं करते** , **न ही** वे **वर्ण व्यवस्था, स्वर्ग-नर्क आदि की अवधारणा का पालन करते हैं।**
- अनुयायी बड़े पैमाने **पर ओडिशा, झारखंड, बिहार, पश्चिम बंगाल और असम के आदिवासी बेल्ट राज्यों** में **केंद्रित हैं ।**
- कई सर्वेक्षणों और रिपोर्टों से पता चला है कि **पूरे देश में 50 लाख से अधिक आदिवासियों ने 2011 की जनगणना में अपना धर्म 'सरना' बताया था** , हालांकि यह कोई कोड नहीं था।

4.16 टोटो भाषा

- एक **शब्दकोश** जल्द ही जारी किया जाएगा।
- **त्रिभाषी शब्दकोश** , **टोटो शब्द संग्रह** में , टोटो शब्दों का **बंगाली और अंग्रेजी में अनुवाद किया जाएगा** , और **बंगाली लिपि में लिखा जाएगा।**
- यह शब्दकोष एक बैंक कर्मचारी-सह-कवि **भक्त टोटो द्वारा संकलित किया गया है।**

टोटो भाषा के बारे में

- यह **भूटान की सीमा से लगे पश्चिम बंगाल के कुछ हिस्सों** में रहने वाले **बमुश्किल 1,600 लोगों द्वारा बोली जाने वाली भाषा है।**

- टोटो **एक चीन-तिब्बती भाषा है जो आदिवासी टोटो लोगों द्वारा बोली जाती है** और **बंगाली लिपि में लिखी जाती है।**
- हालांकि **समुदाय के प्रमुख सदस्य धनीराम टोटो ने हाल ही में 2015 में एक लिपि विकसित की** , **लेकिन ज्यादातर लोग इसे या तो बंगाली लिपि में लिखते हैं** या **बंगाली भाषा में लिखते हैं** ।
  - ✓ **धनीराम टोटो** , जो **टोटो के सांस्कृतिक पिता की तरह हैं** , को **2023 में पद्म श्री मिला** ।

4.17 भारत का पहला मानचित्रकला संग्रहालय

- भारत का **पहला मानचित्रकला संग्रहालय** , **सर जॉर्ज एवरेस्ट मानचित्रकला संग्रहालय , का उद्घाटन हाल ही में मसूरी, उत्तराखंड** में किया गया ।
- लाख रुपये की लागत से बनाया गया है **सर जॉर्ज एवरेस्ट हाउस में** और **इसे महान गणितज्ञ राधानाथ सिकदर और पंडित नैन सिंह रावत को समर्पित किया।**
- **जॉर्ज एवरेस्ट और उनके सहयोगियों** द्वारा की गई विभिन्न खोजें और एवरेस्ट की ऊंचाई मापने के लिए इस्तेमाल किए गए **उपकरण प्रदर्शन पर हैं।**

5. विज्ञान और प्रौद्योगिकी

5.1 दुनिया का पहला बीएस-6 चरण-II, विद्युतीकृत फ्लेक्स ईंधन वाहन

- **टोयोटा किर्लोस्कर मोटर** द्वारा विकसित **दुनिया के पहले बीएस-6 स्टेज-II** , **विद्युतीकृत फ्लेक्स ईंधन वाहन** का प्रोटोटाइप हाल ही में लॉन्च किया गया था।
- यह **इनोवा हाइक्रॉस पर आधारित है** और **इसे भारत के सख्त उत्सर्जन मानकों का पालन करने के लिए इंजीनियर किया गया है।**

इलेक्ट्रिक फ्लेक्स ईंधन वाहन के बारे में

- **एक विद्युतीकृत फ्लेक्स ईंधन वाहन में एक फ्लेक्सी ईंधन इंजन** और **एक इलेक्ट्रिक पावरट्रेन दोनों** होते हैं ।
- यह इसे **उच्च इथेनॉल उपयोग** और **बहुत अधिक ईंधन दक्षता का दोहरा लाभ प्रदान करने की क्षमता देता** है जैसा कि एक मजबूत हाइब्रिड इलेक्ट्रिक वाहन (एसएचईवी) के मामले में होता है, जो **30-50% अधिक ईंधन दक्षता प्रदान कर सकता है क्योंकि यह 40-60% तक चल सकता है। इंजन बंद के साथ ईवी मोड** ।

5.2 लिगो-इंडिया

- अंतरिक्ष के गहरे रहस्यों को उजागर करने के लिए भारत में होने वाली अगली बड़ी चीज़ लेजर **इंटरफेरोमीटर ग्रेविटेशनल वेव ऑब्ज़र्वेटरी परियोजना या एलआईजीओ-इंडिया है** ।
- गुरुत्वाकर्षण तरंगें **अंतरिक्ष-समय के ताने-बाने में तरंगें हैं** , **जो चलती हुई खगोलीय वस्तुओं के कारण होती हैं।**
- पृथ्वी जैसा गोलाकार पिंड, जब **एक तरफ से दबाया जाता है तो दूसरी तरफ लंबा हो जाता है** , ठीक उसी तरह जैसे रबर की गेंद दबाने पर व्यवहार करती है। यह **वह व्यवहार** है **जिसका उपयोग LIGO गुरुत्वाकर्षण तरंगों का पता लगाने के लिए करता है।**

LIGO-इंडिया के बारे में

- यह **महाराष्ट्र के हिंगोली जिले में सामने आ रहा है।**
  - ✓ **यह क्षेत्र महाराष्ट्र के अविकसित मराठवाड़ा क्षेत्र का हिस्सा है।**
- **अमेरिका में LIGO प्रयोगशाला का तीसरा नोड** होगा , जिसकी **हनफोर्ड (वाशिंगटन) और लिविंगस्टन (लुइसियाना) में वेधशालाएँ हैं।**
- डिज़ाइन **बिल्कुल संयुक्त राज्य अमेरिका** में **दो मौजूदा LIGO सुविधाओं के समान है** ।
  - ✓ वेधशाला में **एक कॉर्नर स्टेशन** और **दो 4-किमी लंबे हथियार होंगे, अनिवार्य रूप से वैक्यूम कक्ष** , प्रत्येक का **व्यास 1.2 मीटर होगा और एक पाइप आवरण में होगा जो एल-गठन में फैला होगा।**
- एक बार पूरा होने पर, **LIGO-इंडिया गुरुत्वाकर्षण-तरंग वेधशालाओं के वैश्विक नेटवर्क में शामिल हो जाएगा** जिसमें **इटली में विर्गो** और **जापान में KAGRA शामिल हैं।**
- LIGO वेधशाला **के 30 वर्षों के अपेक्षित जीवन** के साथ **2030 तक परिचालन शुरू करने की उम्मीद है ।**
- इसका **निर्माण परमाणु ऊर्जा विभाग** और **विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा किया जाएगा** ।

लिखित

- अल्बर्ट आइंस्टीन ने **1915** में अपने **जनरल थ्योरी ऑफ रिलेटिविटी में गुरुत्वाकर्षण** तरंगों की भविष्यवाणी की थी।
- उन्होंने प्रस्तावित किया कि **खुला स्थान, या बल्कि अंतरिक्ष-समय** , कुछ ऐसा **नहीं था जो स्थिर, निष्क्रिय या पारदर्शी था** , बल्कि **ग्रहों और सितारों जैसे आकाशीय पिंडों की उपस्थिति और गति से प्रभावित था।**

खोज

- **दो निर्वात कक्षों के अंत** में **अत्यधिक परावर्तक दर्पण रखे गए हैं । दोनों निर्वात कक्षों में छोड़ी गई प्रकाश किरणें दर्पणों से टकराती हैं , परावर्तित होती हैं और वापस पकड़ ली जाती हैं** ।
  - ✓ **सामान्य परिस्थितियों में** , दोनों कक्षों में **प्रकाश किरणें एक साथ लौट आएंगी।**
  - ✓ लेकिन **जब गुरुत्वाकर्षण तरंग आती है** , तो एक कक्ष थोड़ा लंबा हो जाता है, जबकि दूसरा थोड़ा सिकुड़ जाता है।
  - ✓ इस स्थिति में, **प्रकाश किरणें एक साथ वापस नहीं लौटती हैं और चरण अंतर होता है । चरण अंतर की उपस्थिति गुरुत्वाकर्षण तरंग का पता लगाने का प्रतीक** है ।

आवेदन

- **ब्रह्मांड का** एक बड़ा हिस्सा पूरी तरह से 'अंधेरा' माना जाता है , **इन क्षेत्रों से कोई विद्युत चुम्बकीय विकिरण नहीं आता है** । ये क्षेत्र मनुष्यों के लिए अदृश्य रहते हैं।
- गुरुत्वाकर्षण तरंगें वैज्ञानिकों को **ब्रह्मांड को देखने के लिए एक पूरी तरह से नई खिड़की प्रदान करती हैं** ।

5.3 सैंड्स ऐप

- **दिल्ली पुलिस** है **G20 पर सुरक्षित संचार** के लिए **Sandes ऐप का उपयोग करना** ।
- Sandes का उपयोग पुलिस निरीक्षकों और आयुक्तों द्वारा किया जा रहा है।

SANDES ऐप के बारे में

- **राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी)** द्वारा विकसित मोबाइल एप्लिकेशन **अगस्त, 2020 में लॉन्च किया गया** था ।
- ऐप **एंड्रॉइड, आईओएस पर उपलब्ध है** और **इसका एक डेस्कटॉप संस्करण भी है।**

- ऐप **सुरक्षित रूप से सूचनाओं के आदान-प्रदान की अनुमति देता है** । **उपयोगकर्ताओं द्वारा साझा किए जा रहे दस्तावेज़** एक **सुरक्षित इंटरनेट प्रोटोकॉल का पालन करते हैं** और **केवल ऐप पर ही देखे जा सकते हैं** ।
- Sandes प्लेटफ़ॉर्म किसी संदेश को गोपनीय , **प्राथमिकता पर** या **ऑटो डिलीट के रूप में चिह्नित करने की कार्यक्षमता प्रदान करता है** ।
- **Sandes ऐप को हैक करना मुश्किल है** और भेजे गए दस्तावेज़ों को किसी अन्य उपयोगकर्ता द्वारा **कॉपी नहीं किया जा सकता है क्योंकि व्यक्तिगत** और **समूह चैट संदेश एंड-टू-एंड एन्क्रिप्टेड हैं।**
- इसे **पुलिस अधिकारियों के सरकार द्वारा जारी फोन पर डाउनलोड किया गया है** , **न कि उनके निजी उपकरणों पर।**

एनआईसी के बारे में

- **इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY)** के तहत **राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (NIC) भारत सरकार का प्रौद्योगिकी भागीदार** है ।
- इसकी **स्थापना 1976 में विकास के विभिन्न पहलुओं में केंद्र और राज्य सरकारों को प्रौद्योगिकी-संचालित समाधान** प्रदान करने के **उद्देश्य** से की गई थी।
- एनआईसी ने **केंद्र सरकार को सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी)** और **ई-गवर्नेंस सहायता अपनाने और प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है ।**

5.4 यूरेनियम संवर्धन

- **सदस्य देशों को दी गई गोपनीय त्रैमासिक रिपोर्टों में से** एक के अनुसार , **अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी** ने कहा कि **ईरान का यूरेनियम का भंडार 60% शुद्धता तक समृद्ध है , जो हथियार** ग्रेड के लगभग 90% के करीब है , इसके बावजूद **धीमी गति से वृद्धि जारी रही।** इसमें से कुछ को पतला कर दिया गया है।
- **प्राकृतिक यूरेनियम** में **दो अलग-अलग आइसोटोप होते हैं** - लगभग **99% U-238** और **केवल लगभग 0.7% U-235।**
  - ✓ **U-235** एक **विखंडनीय पदार्थ है** जो **परमाणु रिएक्टर में श्रृंखला प्रतिक्रिया को बनाए रख सकता है।**
- संवर्धन प्रक्रिया **आइसोटोप पृथक्करण की प्रक्रिया के** माध्यम से **U-235 के अनुपात को बढ़ाती है (U-238 को U-235 से अलग किया जाता है)।**

संवर्धित यूरेनियम का उपयोग

- **परमाणु रिएक्टरों** के लिए संवर्धन की आवश्यकता होती है **3-4%** जिसे **निम्न समृद्ध यूरेनियम/रिएक्टर-ग्रेड यूरेनियम के रूप में जाना जाता है।**
- **अत्यधिक समृद्ध यूरेनियम की शुद्धता 20% या उससे अधिक** होती है और इसका **उपयोग अनुसंधान रिएक्टरों में किया जाता है।**
- **परमाणु हथियारों** के लिए **90% या उससे अधिक तक संवर्धन की आवश्यकता होती है** जिसे **हथियार-ग्रेड यूरेनियम** के रूप में जाना जाता है।

5.5 G20 सैटेलाइट मिशन

- **भारत ने G20 सैटेलाइट मिशन** लॉन्च करने का प्रस्ताव रखा है हाल ही में आयोजित G20 शिखर सम्मेलन में **पर्यावरण और जलवायु अवलोकन के लिए ।**
- **पर्यावरण और जलवायु अवलोकन के लिए ग्लोबल साउथ** के देशों की मदद करना था ।
- इससे प्राप्त जलवायु और मौसम के आंकड़ों को सभी देशों, विशेषकर ग्लोबल साउथ के देशों के साथ साझा किया जाएगा।
- भारत सभी जी-20 देशों को इस पहल में शामिल होने के लिए आमंत्रित करता है।
- **अन्य मिशन - भारत ने इससे पहले** 2017 में अपनी ' पड़ोसी पहले नीति' के एक हिस्से के रूप में सार्क देशों के लाभ के लिए एक उपग्रह लॉन्च किया था, जिसे लोकप्रिय रूप से **सार्क सैटेलाइट कहा जाता है।**
- **NASA-ISRO सैटेलाइट (NISAR)** पर भी अमेरिका के साथ काम कर रहा है।
- भारत और अमेरिका ने **2024 में अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए संयुक्त प्रयासों पर चर्चा शुरू की।**

5.6 स्ट्रिंग प्रौद्योगिकी के माध्यम से लिथियम उत्पादन

- वर्तमान में, लिथियम उत्पादन **एक अत्यंत संसाधन-गहन और समय लेने वाली प्रक्रिया है** ।
- दुनिया में उत्पादित लिथियम का एक बड़ा हिस्सा **नमक के मैदानों में स्थित "नमकीन जलाशयों" से निकाला जाता है** ।
- उत्पादन की इस पद्धति के **लिए सैकड़ों वर्ग किलोमीटर की आवश्यकता हो सकती है ,** और **लिथियम का उत्पादन करने में अक्सर महीनों या वर्षों का समय लगता है जिसका उपयोग बैटरी में किया जा सकता है।**
- **प्रिंसटन विश्वविद्यालय के इंजीनियरों ने एक नई स्ट्रिंग-आधारित तकनीक** विकसित की है जो इसे बदल सकती है।

मांग का पूर्वानुमान-

मैकिन्से के अनुसार, **लिथियम की कुल मांग 2021 में 500,000 मीट्रिक टन लिथियम कार्बोनेट के बराबर थी** और **2030 में इसके दो से तीन मिलियन टन के बीच बढ़ने की उम्मीद है**।

नई तकनीक

- शोधकर्ताओं ने **झरझरा फाइबर के एक सेट का उपयोग किया जो तारों में मुड़ा हुआ था और उन्हें पानी-प्रेमी (हाइड्रोफिलिक) कोर और पानी-विकर्षक सतह के लिए इंजीनियर किया।**
- जब एक **सिरे को नमक-पानी के घोल में डुबोया जाता है** , तो **केशिका क्रिया के कारण पानी डोरी के ऊपर चला जाता है** ।
  - ✓ यह वही प्रक्रिया है जिसका उपयोग पेड़ों द्वारा जड़ों से पत्तियों तक पानी बढ़ाने के लिए किया जाता है।
- फिर, **स्ट्रिंग की सतह से पानी तेजी से वाष्पित हो जाता है** । यह **सोडियम और लिथियम जैसे नमक आयनों को पीछे छोड़ देता है** ।
- पानी इसी तरह वाष्पित होता रहेगा क्योंकि लवण अधिकाधिक सांद्रित हो जाएंगे, **अंततः सोडियम क्लोराइड और लिथियम क्लोराइड क्रिस्टल बनेंगे** ।

लिथियम त्रिकोण अर्जेंटीना, बोलीविया और चिली **की सीमाओं के आसपास लिथियम भंडार में समृद्ध एंडीज का एक क्षेत्र है।**

- ✓ इसकी **कटाई अपेक्षाकृत आसानी से की जा सकती है।**

❖ चूंकि **लिथियम और सोडियम** में अलग-अलग भौतिक गुण होते हैं, इसलिए वे **तारों पर विभिन्न स्थानों पर क्रिस्टलीकृत हो जाते हैं** ।

- ✓ **सोडियम** , अपनी कम घुलनशीलता के साथ, **निचले हिस्से पर क्रिस्टलीकृत होता है** , जबकि **अत्यधिक घुलनशील लिथियम लवण शीर्ष के पास क्रिस्टलीकृत होता है ।**

फ़ायदा

❖ शोधकर्ताओं का अनुमान है कि यह **वाष्पीकरण तकनीक को 20 गुना से अधिक तेज करते हुए** आवश्यक **भूमि की मात्रा में 90 प्रतिशत की कटौती कर सकता है ।**

❖ यह हमें **लिथियम निकालने के लिए नए क्षेत्रों पर गौर करने की भी अनुमति देगा** । उदाहरण के लिए, **निष्क्रिय तेल और गैस कुएं और भूतापीय ब्राइन जिन्हें वर्तमान में** लिथियम निष्कर्षण के लिए बहुत छोटा या बहुत पतला माना जाता है **, व्यवहार्य स्रोत बन सकते हैं** ।

5.7 miRNA LET-7

❖ वैज्ञानिकों ने माइक्रोआरएनए या एमआईआरएनए के एक **छोटे से स्ट्रैंड की पहचान की है, जो कैंसर से लड़ने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है।**

❖ **अमेरिका में मैसाचुसेट्स-एमहर्स्ट विश्वविद्यालय** की टीम ने पाया कि लेट-7 नामक **माइक्रोआरएनए में भी क्षमता** है **टी-कोशिकाओं जैसी ट्यूमर कोशिकाओं को पहचानें और याद रखें ।**

- ✓ यह सेलुलर मेमोरी इस **बात का आधार है कि टीके कैसे काम करते हैं।**

MIRNA के बारे में

❖ ये **छोटे गैर-कोडिंग राइबोन्यूक्लिक एसिड (आरएनए) हैं** जिनमें **20-24 न्यूक्लियोटाइड होते हैं।**

❖ **यह एक एकल-फंसे हुए छोटे आरएनए अणु है।**

❖ **जीन अभिव्यक्ति और जीन साइलेंसिंग के नियमन** में भूमिका निभाता है ।

❖ यह **पौधों, जानवरों और कुछ विषाणुओं** में **प्राकृतिक रूप से मौजूद होता है।**

तंत्र

❖ **टी-कोशिकाएं** , जो **श्वेत रक्त कोशिकाएं हैं जो दोनों रोगजनकों से लड़ने में माहिर हैं** , **सामान्य सर्दी** और **ट्यूमर कोशिकाओं की तरह जीव की परिवर्तित कोशिकाओं के बारे में सोचें।**

❖ जब **टी-कोशिकाएं हमारे शरीर में विदेशी एंटीजन को पहचानती हैं** , तो वे **हत्यारी टी-कोशिकाओं में बदल जाती हैं** और **किसी भी रोगज़नक़ पर हमला करती हैं, स्निफ़ल्स से लेकर कोविड या यहां तक कि कैंसर तक।**

- ✓ **हत्यारे टी-कोशिकाओं द्वारा अपनी लड़ाई जीतने** के बाद , **उनमें से अधिकांश मर जाते हैं** ।

मेमोरी कोशिकाओं में **स्टेम-सेल जैसी विशेषताएं होती हैं** और **वे 70 साल तक जीवित रह सकती हैं।**

❖ तथापि **कुछ जीवित रहते हैं और मेमोरी कोशिकाओं** में बदल जाते हैं और **एक विशिष्ट टास्क फोर्स बनाते हैं जिसे 'मेमोरी पूल' कहा जाता है।**

- ✓ उन्हें याद रहता है कि वह विशेष एंटीजन कैसा दिखता था, ताकि अगली बार जब वह शरीर पर आक्रमण करे तो वे सतर्क रह सकें।
- ✓ लेकिन, **कैंसरग्रस्त ट्यूमर कोशिकाएं हत्यारी टी-कोशिकाओं को चकमा देकर काम करती हैं** , उनके हमला करने से पहले **उन्हें बंद कर देती हैं** और एक मेमोरी पूल बनाती हैं, **जिससे कैंसर अनियंत्रित रूप से मेटास्टेसाइज हो जाता है।**

LET-7 के बारे में

- ❖ एक **छोटा सा टुकड़ा, लेट-7 स्मृति कोशिकाओं में अत्यधिक अभिव्यक्त होता** है ।
- ❖ **किसी कोशिका में** जितना **अधिक लेट-7 होगा** , कैंसरग्रस्त **ट्यूमर कोशिकाओं द्वारा उसे धोखा दिए जाने की संभावना उतनी ही कम होगी** , और **उसके मेमोरी सेल में बदलने की संभावना उतनी ही अधिक होगी।**
- ❖ Let-7 miRNA को **पशु जीवन की शुरुआत से ही विकासवादी वृक्ष सौंपा गया है ।**

5.8 सेल प्रसारण चेतावनी प्रणाली

- ❖ **दूरसंचार विभाग (DoT)** राष्ट्रीय **आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (NDMA) के** सहयोग से **आने वाले दिनों में विभिन्न राज्यों में सेल ब्रॉडकास्ट अलर्ट सिस्टम** का **व्यापक परीक्षण करेगा** ।
- ❖ सेल **ब्रॉडकास्ट अलर्ट सिस्टम** एक **अत्याधुनिक तकनीक का प्रतिनिधित्व करता है** जो **सरकार को निर्दिष्ट भौगोलिक क्षेत्रों के भीतर सभी मोबाइल उपकरणों पर महत्त्वपूर्ण और समय-संवेदनशील आपदा प्रबंधन संदेशों को प्रसारित करने का अधिकार देता है , भले ही प्राप्तकर्ता निवासी हों या आगंतुक।**
  - ✓ यह सुनिश्चित करता है कि **महत्वपूर्ण आपातकालीन जानकारी यथासंभव अधिक से अधिक व्यक्तियों तक तुरंत पहुंचे** ।
- ❖ कथित तौर पर आपातकालीन अलर्ट का परीक्षण **भारत संचार निगम लिमिटेड और रिलायंस जियो के नेटवर्क के साथ-साथ भारती एयरटेल और वोडाफोन आइडिया के नेटवर्क पर भी किया गया है।**
- ❖ यह तकनीक **सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ टेलीमैटिक्स या सी-डॉट द्वारा विकसित की गई है।**
- ❖ इस पहल का उद्देश्य **आपदाओं के दौरान आपातकालीन संचार को मजबूत करना और हमारे सम्मानित नागरिकों की सुरक्षा और भलाई को प्राथमिकता देना है ।**
- ❖ सेल प्रसारण **के सामान्य अनुप्रयोगों में गंभीर मौसम की चेतावनी (जैसे सुनामी, बाढ़, भूकंप), सार्वजनिक सुरक्षा संदेश, निकासी नोटिस और अन्य महत्त्वपूर्ण जानकारी जैसे आपातकालीन अलर्ट देना शामिल है।**

6. रक्षा

6.1 स्पैमोफ्लैज

- फेसबुक की मूल कंपनी मेटा ने **अपने प्लेटफॉर्म पर चीन की छवि को गुप्त रूप से बढ़ावा देने** के लिए तथाकथित **"स्पैमौफ्लेज" अभियान को बंद कर दिया है ।**
- मेटा ने कहा कि उसने **लगभग 7,700 फेसबुक खातों** और **सैकड़ों अन्य पेजों, समूहों और इंस्टाग्राम खातों को हटा दिया है** , जो **चीन समर्थक कहानियों को ऑनलाइन प्रसारित करते थे।**
- खातों **में आम तौर पर चीन और शिनजियांग में उसकी नीतियों की प्रशंसा की जाती है** , और संयुक्त **राज्य अमेरिका, पश्चिमी विदेश नीति और पत्रकारों सहित बीजिंग की आलोचना करने वाले व्यक्तियों की आलोचना की जाती है ।**
- **रूसी नेटवर्क के साथ समानताएं पाई गईं** जिसे मेटा ने **पहली बार 2019 में उजागर किया था** जिसे बाद में **"माध्यमिक संक्रमण " करार दिया गया था।**

6.2 एमक्यू-9 रीपर्स

- भारत की योजना **जनरल एटॉमिक्स खरीदने की है MQ-9B हाई एल्टीट्यूड लॉन्ग एंड्योरेंस (HALE) मानव रहित हवाई वाहन (UAV)।**
- 31 सशस्त्र यूएवी का अधिग्रहण किया जाएगा, जिनमें से **15 सीगार्जियन भारतीय नौसेना के लिए होंगे** और **16 स्काईगार्जियन (आठ प्रत्येक) भारतीय सेना और वायु सेना के लिए** होंगे ।

रीपर ड्रोन के बारे में

- रीपर ड्रोन को **मुख्य रूप से खुफिया-संग्रह संपत्ति के रूप में** और **गतिशील निष्पादन लक्ष्यों के विरुद्ध तैनात किया जाता है** ।
- एमक्यू-9 रीपर को डिकोड करते हुए, **'एम' मल्टी-रोल के लिए डीओडी पदनाम है** , **'क्यू' का मतलब दूर से संचालित विमान प्रणाली है** , और **'9' से पता चलता है कि यह श्रृंखला में नौवां है।**
- ड्रोन **समय-संवेदनशील लक्ष्यों के खिलाफ हमला करने और टोह लेने की क्षमता प्रदान करता है** ।
- एमक्यू-9 **निगरानी, युद्ध खोज और बचाव, खुफिया जानकारी, सटीक हमला और टर्मिनल हवाई मार्गदर्शन** सहित **कई मिशनों को अंजाम दे सकता है ।**
- ड्रोन के बेसलाइन सिस्टम में मल्टी-स्पेक्ट्रल टारगेटिंग सिस्टम (एमटीएस-बी) है जिसमें **एक इंफ्रारेड** सेंसर **, शॉर्टवेव इंफ्रारेड कैमरा, लेजर डिज़ाइनर, लक्ष्य करने के लिए विजुअल सेंसर और लेजर इल्यूमिनेटर लगा होता है ।**
- उच्च **ऊंचाई वाले लॉन्ग-एंड्योरेंस (HALE) ड्रोन 35 घंटे से अधिक समय तक हवा में रहने में सक्षम हैं और चार हेलफायर मिसाइल और लगभग 450 किलोग्राम बम ले जा सकते हैं** ।
- ड्रोन आठ लेजर-निर्देशित मिसाइलों , **हवा से जमीन पर मार करने वाली मिसाइल-114 हेलफायर तक ले जा सकता है** जो **कम-संपार्श्विक क्षति, एंटी- कवच और एंटी-कार्मिक जुड़ाव क्षमताएं देता है।**
- ड्रोन **को अलग किया जा सकता है और एक कंटेनर में फिट किया जा सकता है।**

6.3 ब्राइट स्टार व्यायाम

- भारतीय नौसेना का **आईएनएस सुमेधा 'एक्सरसाइज ब्राइट स्टार-23' में हिस्सा लेने** के लिए **मिस्र के पोर्ट अलेक्जेंड्रिया** पहुंचा ।
  - ✓ **भारत पहली बार** इस अभ्यास में हिस्सा ले रहा है .
- यह **बहुराष्ट्रीय त्रि-सेवा सैन्य अभ्यास** एक ऐतिहासिक अवसर है, **जिसमें 34 देश भाग ले रहे हैं** , जो इसे **मध्य पूर्व और उत्तरी अफ्रीका क्षेत्र में अब तक आयोजित सबसे बड़ा संयुक्त सैन्य अभ्यास बनाता है।**
- इसमें 2 चरण शामिल हैं **- बंदरगाह चरण और समुद्री चरण।**

6.4 सी-295 मेगावाट विमान

- **भारतीय वायु सेना को स्पेन के सेविले में एयरबस से पहला C-295MW परिवहन विमान प्राप्त हुआ।**

C-295 MW विमान के बारे में:

- **5-10 टन** का परिवहन विमान है क्षमता।
- 1960 के दशक में खरीदे गए **भारतीय वायु सेना (IAF)** के पुराने एवरो विमान की जगह लेगा ।
- यह एक बहुमुखी और कुशल सामरिक परिवहन विमान है जो कई अलग-अलग मिशनों को अंजाम दे सकता है।
- अनुबंध के तहत **, 16 विमान** सेविले से उड़ान भरने की स्थिति में आएंगे, जबकि 40 का निर्माण एयरबस द्वारा **टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड (टीएएसएल) के साथ संयुक्त रूप से किया जाएगा।**

विशेषताएँ

- **11 घंटे** तक की उड़ान क्षमता वाला यह विमान सभी मौसम की परिस्थितियों में बहुउद्देश्यीय संचालन कर सकता है।
- **रेगिस्तान से लेकर समुद्री वातावरण तक** नियमित रूप से दिन के साथ-साथ रात के युद्ध अभियानों को भी संचालित कर सकता है ।
- **शॉर्ट टेक-ऑफ और लैंडिंग (एसटीओएल)** में सक्षम है।
- इसमें त्वरित प्रतिक्रिया और सैनिकों और कार्गो के पैरा ड्रॉपिंग के लिए एक पिछला रैंप दरवाजा है। अर्ध-तैयार सतहों से शॉर्ट टेक-ऑफ/लैंड इसकी अन्य विशेषताओं में से एक है।
- एक अलग करने योग्य ईंधन भरने वाली किट जोड़कर फिक्स्ड और रोटरी विंग रिसीवर्स को **6,000 किलोग्राम तक गैसोलीन** पहुंचा सकता है।
- **एयरबोर्न अर्ली वार्निंग (AEW):** इसके एयरबोर्न अर्ली वार्निंग संस्करण में हवाई क्षेत्र की पूरी तस्वीर देने के लिए 360-डिग्री कवरेज वाला एक अत्याधुनिक रडार है।
- **वॉटर-बॉम्बर** : **सी-295 को एक शक्तिशाली वॉटर बॉम्बर में बदला जा सकता है जो** लचीले रोल-ऑन/रोल-ऑफ सिस्टम के कारण **7,000 लीटर** तक पानी से जंगल की आग बुझा सकता है।
- यह एक क्लोज-एयर-सपोर्ट ऑपरेशन से लैस है जो **मल्टी** -मिशन रडार के साथ इंटेलिजेंस सर्विलांस एंड रिकोनिसेंस (आईएसआर) का उपयोग करता है जिसे हथियार भी बनाया जा **सकता** है ।
- विमान का उपयोग **हताहत या चिकित्सा निकासी** के साथ-साथ हवाई भार और पैराट्रूपर्स को गिराने के लिए किया जा सकता है।
- यह विशेष अभियानों, आपदा राहत कार्यों और समुद्री गश्ती जिम्मेदारियों को संभालने के लिए सुसज्जित है।

6.5 समुद्र प्रहरी

- **भारतीय तटरक्षक (आईसीजी) जहाज समुद्र प्रहरी** , **एक विशेष प्रदूषण नियंत्रण जहाज** , वर्तमान में आसियान देशों में विदेशी तैनाती पर है।
- यह तैनाती **समुद्री प्रदूषण प्रतिक्रिया के लिए भारत की आसियान पहल का हिस्सा है** , जो आईसीजी की प्रदूषण प्रतिक्रिया क्षमताओं और समुद्री प्रदूषण के मुद्दों को संबोधित करने और क्षेत्र में क्षमता बढ़ाने की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करती है।
- जहाज **प्रदूषण प्रतिक्रिया विन्यास में चेतक हेलीकॉप्टर से सुसज्जित है** , जो क्षेत्र में इसकी क्षमताओं को बढ़ाता है।

6.6 धनुष तोपखाना बंदूकें

- सेना, जिसने **114 धनुष तोपों का ऑर्डर दिया है** , और **एक रेजिमेंट पहले से ही चालू है** , **2026 तक सभी बंदूकें प्राप्त करने की उम्मीद कर रही है।**

धनुष तोपों के बारे में

- धनुष **155 मिमी** , 45-कैलिबर **की 36 किमी की रेंज** वाली **तोपखाना बंदूक है , और इसने** विशेष गोला-बारूद के साथ 38 किमी की रेंज का प्रदर्शन किया है ।
- यह मौजूदा 155 मिमी, 39-कैलिबर **बोफोर्स एफएच 77 बंदूक का अपग्रेड है** ।
- ऑर्डिनेंस फैक्ट्री बोर्ड के निगमीकरण के बाद बनी एडवांस्ड **वेपंस एंड इक्विपमेंट इंडिया लिमिटेड अब धनुष तोपों का निर्माण करती है।**
- यह **पहली स्वदेश निर्मित लंबी दूरी की तोप है।**
- विशेषताएं शामिल हैं
  - ✓ **ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम के साथ जड़त्वीय नेविगेशन प्रणाली- (जीपीएस)** आधारित **बंदूक रिकॉर्डिंग और ऑटो-झूठ** ,
  - ✓ **ऑनबोर्ड बैलिस्टिक गणनाओं** और **ऑनबोर्ड थूथन वेग रिकॉर्डिंग के लिए** एक उन्नत सामरिक कंप्यूटर।
  - ✓ **कैमरा, थर्मल इमेजिंग और लेजर रेंज फाइंडर** से सुसज्जित **स्वचालित बंदूक दृष्टि प्रणाली ।**

6.7 प्रलय मिसाइल

- रक्षा मंत्रालय ने **भारतीय सेना** के लिए **प्रलय सामरिक बैलिस्टिक मिसाइलों की एक रेजिमेंट खरीदने के प्रस्ताव को** मंजूरी दे दी है।
- यह **पहली बार है कि किसी बैलिस्टिक मिसाइल को पारंपरिक अभियानों के लिए सेवाओं में शामिल किया** जाएगा ।

प्रले मिसाइल के बारे में

- आईटी **150-500 किलोमीटर तक लक्ष्य पर हमला कर सकता है।**
- यह एक **ठोस-प्रणोदक रॉकेट मोटर** द्वारा **संचालित होता है।**
- गति- **मैक 1 से 1.6**

- यह **लगभग 350 किलोग्राम से 700 किलोग्राम तक के पारंपरिक हथियार ले जाने में सक्षम** है ।
- यह एक **उच्च विस्फोटक पूर्वनिर्मित विखंडन वारहेड , पेनेट्रेशन-कम-ब्लास्ट (पीसीबी)** और रनवे **डिनायल पेनेट्रेशन सबमुनिशन (आरडीपीएस) भी ले जा सकता है।**
- यह अपनी मार्गदर्शन प्रणाली में अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों को शामिल करता है, जिसमें **अत्याधुनिक नेविगेशन और एकीकृत एवियोनिक्स शामिल हैं।**
- यह **एक निश्चित दूरी तय करने** के बाद **उड़ान के बीच में अपने प्रक्षेप पथ को बदलने की क्षमता प्रदर्शित करता है** ।
- 'प्रलय' को **अर्ध-बैलिस्टिक सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइल के रूप में वर्गीकृत किया गया है** , जिसमें **इंटरसेप्टर मिसाइलों को विफल करने के लिए डिज़ाइन की गई उन्नत क्षमताएं हैं।**
- प्रलय मिसाइलों का **वर्तमान में बड़े पैमाने पर उत्पादन किया जा रहा है और जल्द ही परिचालन सेवा के लिए तैयार होने की उम्मीद है।**

6.8 स्प्रिंट चुनौती

- 'स्प्रिंट चुनौतियां' का उद्देश्य **भारतीय नौसेना** में **स्वदेशी प्रौद्योगिकी के उपयोग को बढ़ावा देना है** और नौसेना **'आजादी का अमृत महोत्सव' के हिस्से के रूप में कम से कम 75 प्रौद्योगिकियों/उत्पादों को विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है।**
  - ✓ इसके लिए **स्टार्टअप्स और एमएसएमई के सामने 75 चुनौतियां पेश की गईं।**
- स्प्रिंट **एक सहयोगी पहल है जो डिफेंस इनोवेशन ऑर्गनाइजेशन (डीआईओ)** के साथ मिलकर की जा रही है और इसका उद्देश्य **डिफेंस एक्सीलेंस (आईडीईएक्स), एनआईआईओ और टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट एक्सेलेरेशन सेल (टीडीएसी) के लिए नवाचारों के माध्यम से आर एंड डी में पोल-वॉल्टिंग का समर्थन करना है।**

6.9 ऑपरेशन सजग

- **भारतीय तट रक्षक (ICG)** द्वारा **पश्चिमी तट** पर **'ऑपरेशन सजग' चलाया गया था** ।
- 'ऑपरेशन सजग' एक **मासिक, दिन भर चलने वाली ड्रिल है** जो **निरंतर फीडबैक लूप के रूप में कार्य करती है** ।
- ड्रिल का **प्राथमिक लक्ष्य तटीय सुरक्षा तंत्र को फिर से वैध बनाना** और **समुद्र में जाने वाले मछुआरों के बीच जागरूकता बढ़ाना है।**

6.10 SIMBEX-2023

- **भारत और सिंगापुर की नौसेनाओं ने दक्षिण चीन सागर के दक्षिणी हिस्सों** में **एक सप्ताह तक चलने वाला द्विपक्षीय समुद्री अभ्यास, SIMBEX** शुरू किया है , जिसके लिए दोनों देशों ने एक-एक पनडुब्बी तैनात की है।
- **भारतीय नौसेना का राजपूत श्रेणी का विध्वंसक आईएनएस रणविजय , कामोर्टा श्रेणी का कार्वेट आईएनएस कावारत्ती, तीन दशक पुराने वार्षिक अभ्यास** में **पनडुब्बी आईएनएस सिंधुकेसरी** और एक **पी-8आई समुद्री गश्ती विमान हिस्सा ले रहे हैं ।**
  - ✓ यह **पहली बार 1994 में आयोजित किया गया था।**

- SIMBEX **दो चरणों में आयोजित किया जाता है** ।
  - ✓ अभ्यास के भूमि चरण में टेबल-टॉप अभ्यास और योजना संबंधी चर्चाएँ शामिल होंगी **,**
  - ✓ समुद्री **चरण में** नौसेनाएं पनडुब्बी रोधी युद्ध और लाइव हथियार फायरिंग सहित विभिन्न नौसैनिक अभ्यासों में शामिल होंगी।

6.11 युद्ध अभ्यास

- **युद्ध अभ्यास** का 19 **वां संस्करण अमेरिका के अलास्का में शुरू होने वाला** है **।**
- **भारतीय सेना और अमेरिकी सेना** के बीच एक वार्षिक अभ्यास है ।
- इसका **उद्देश्य सैन्य सहयोग और तत्परता को मजबूत करना है।**
- इस अभ्यास में **लड़ाकू इंजीनियरिंग, बाधा निवारण और तात्कालिक विस्फोटक उपकरण युद्ध सहित सैन्य कौशल के व्यापक स्पेक्ट्रम पर अभ्यास में विचारों और सर्वोत्तम प्रथाओं का आदान-प्रदान भी शामिल होगा।**

7. अंतरिक्ष

7.1 सीई-20 इंजन

- **भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के महेंद्रगिरि में तरल प्रणोदन अनुसंधान केंद्र (आईपीआरसी) ने सीई-20 क्रायोजेनिक रॉकेट इंजन का सफलतापूर्वक परीक्षण किया** है ।
- इसका इस्तेमाल इसरो के **'मिशन गगनयान ' में किया जाएगा** ।
- क्रायोजेनिक इंजन CE-20 का **उपयोग लॉन्च व्हीकल मार्क-3 के ऊपरी चरण में किया जाना है।**
- यह **गैस-जनरेटर चक्र की सुविधा वाला पहला भारतीय क्रायोजेनिक इंजन है।**
- यह **जोर पैदा करने के लिए तरल हाइड्रोजन और तरल ऑक्सीजन का उपयोग करता है।**

मिशन गगनयान के बारे में

- इसमें प्रदर्शन की **परिकल्पना की गई है 3 दिनों के मिशन के लिए 3 सदस्यों के चालक दल को 400 किमी की कक्षा** में **लॉन्च करके और भारतीय समुद्री जल में उतरकर उन्हें सुरक्षित रूप से पृथ्वी पर वापस लाकर मानव अंतरिक्ष उड़ान क्षमता** का विकास किया गया।

7.2 धूमकेतु निशिमुरा

- नासा के अनुसार, **धूमकेतु निशिमुरा सितंबर के दूसरे सप्ताह** में **नग्न आंखों को दिखाई दे** सकता है ।
- धूमकेतु की **खोज** अगस्त के मध्य में **शौकिया अंतरिक्ष यात्री हिदेओ निशिमुरा ने की थी।**
- तब से, **धूमकेतु, जिसे आधिकारिक तौर पर C/2023 P1 निशिमुरा कहा जाता है , आंतरिक सौर मंडल में अपने पथ पर आगे बढ़ने के साथ-साथ चमक में वृद्धि हुई है।**
- धूमकेतु **कोणीय रूप से सूर्य के निकट है, इसलिए यदि यह दिखाई भी देता है, तो भी आप इसे सूर्योदय से पहले या सूर्यास्त से देर से पहले** ही देख पाएंगे ।
- धूमकेतु **प्रत्येक 435 वर्ष में एक बार सूर्य की** परिक्रमा **पूरी करता है** ।

धूमकेतु क्या हैं?

- धूमकेतु **जमी हुई गैसों, चट्टान और धूल के ब्रह्मांडीय स्नोबॉल हैं** जो **सूर्य की परिक्रमा करते हैं** ।
- वे **सौर मंडल के निर्माण से बचे हुए हैं** ।
- आमतौर पर, इनकी **चौड़ाई कुछ किलोमीटर से लेकर दसियों किलोमीटर तक होती है।**
- लेकिन **जैसे ही वे सूर्य के करीब परिक्रमा करते हैं** , वे **गैस और धूल उगलते हैं** , जिससे उनकी **पूंछ बनती है** जिसके लिए वे प्रसिद्ध हैं।

7.3 आकाशगंगाओं का बुलबुला

- हाल ही में पहला **"आकाशगंगाओं का बुलबुला" खोजा है।**
- **आकाशगंगा का बुलबुला** एक अकल्पनीय रूप से विशाल ब्रह्मांडीय संरचना है जिसकी लंबाई एक अरब प्रकाश वर्ष है, ऐसा माना जाता है कि यह बिग बैंग के ठीक बाद का जीवाश्म अवशेष है।
- यह बुलबुला आकाशगंगा से **820 मिलियन प्रकाश वर्ष दूर तक फैला है** ।
- बुलबुले का हृदय आकाशगंगाओं का बूट्स सुपरक्लस्टर है, जो एक विशाल शून्य से घिरा हुआ है जिसे कभी-कभी **"द ग्रेट नथिंग" कहा जाता है।**
- बुलबुले में कई अन्य आकाशगंगा सुपरक्लस्टर शामिल हैं, जिनमें **स्लोअन ग्रेट वॉल के नाम से जानी जाने वाली विशाल संरचना भी शामिल है।**
- गठन - यह खोज उस घटना की पुष्टि करती है जिसका वर्णन पहली बार **1970 में अमेरिकी ब्रह्मांड विज्ञानी जिम पीबल्स ने किया था** ।
- उन्होंने सिद्धांत दिया कि आदिम ब्रह्मांड में गुरुत्वाकर्षण और विकिरण के मंथन से ध्वनि तरंगें पैदा हुईं जिन्हें **बैरियन ध्वनिक दोलन (बीएओ) कहा जाता है।**
- जैसे ही ध्वनि तरंगें प्लाज्मा के माध्यम से तरंगित हुईं, उन्होंने बुलबुले बनाए।
- **बिग बैंग के लगभग 380,000 साल बाद** यह प्रक्रिया रुक गई क्योंकि ब्रह्मांड ठंडा हो गया, जिससे बुलबुले का आकार जम गया।
- जैसे-जैसे ब्रह्मांड का विस्तार हुआ, बुलबुले बड़े होते गए, **बिग बैंग के बाद के समय के** अन्य जीवाश्म अवशेषों के समान ।

7.4 मंगल ऑक्सीजन इन-सीटू संसाधन उपयोग प्रयोग (मोक्सी)

- **पर्सिवरेंस मार्स रोवर पर** अपने मार्स ऑक्सीजन इन-सीटू रिसोर्स यूटिलाइजेशन एक्सपेरिमेंट (MOXIE) के सफल समापन की घोषणा की ।

मोक्सी के बारे में:

- इसे **नासा द्वारा** पर्सीवरेंस पर भेजा गया था और **मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमआईटी) द्वारा बनाया गया था।**
- यह एक पेड़ की तरह काम करता है, जो शुद्ध ऑक्सीजन का उत्पादन करने के लिए वातावरण से अवशोषित कार्बन डाइऑक्साइड को विभाजित करता है।

- एक मध्यम आकार के पेड़ के समान , प्रति घंटे 6 ग्राम ऑक्सीजन का उत्पादन करता है ।
- मोक्सी के अंदर, मंगल ग्रह की हवा को पहले फ़िल्टर किया जाता है और दबाव डाला जाता है ।
- फिर इसे **सॉलिड ऑक्साइड के माध्यम से भेजा जाता है इलेक्ट्रोलाइज़र (SOXE)** , जो विद्युत रासायनिक रूप से कार्बन डाइऑक्साइड युक्त हवा को ऑक्सीजन आयनों और कार्बन मोनोऑक्साइड में विभाजित करता है।
- ऑक्सीजन आयनों को अलग किया जाता है और सांस लेने योग्य, **आणविक ऑक्सीजन (O2) बनाने के लिए पुन: संयोजित किया जाता है।**

7.5 जूनो मिशन

- हाल ही में, खगोलीय सुंदरता के एक मनोरम प्रदर्शन में, **नासा के जूनो मिशन ने** अंतरिक्ष **उत्साही लोगों को बृहस्पति और उसके ज्वालामुखीय चंद्रमा, आयो की एक असाधारण तस्वीर दिखाई है।**
- यह लुभावनी छवि **नासा के जूनो मिशन द्वारा 31 जुलाई, 2023 को बृहस्पति के करीब 53वीं उड़ान पूरी करने से कुछ घंटे पहले ली गई थी।**

बृहस्पति के बारे में

- यह हमारे सौर मंडल का **पांचवां और सबसे बड़ा ग्रह है।**
- बृहस्पति का आकार **अन्य सभी ग्रहों की तुलना में दोगुने से भी अधिक विशाल है।**
- **बृहस्पति की** धारियाँ **और भंवर अमोनिया और पानी के** ठंडे, हवादार बादल हैं ।
- ये **हाइड्रोजन और हीलियम के वातावरण में तैर रहे हैं** ।
- ग्रह के **भी कई वलय हैं** , लेकिन शनि के प्रसिद्ध वलय के विपरीत, बृहस्पति के वलय **बहुत फीके हैं और धूल से बने हैं।**

बृहस्पति चंद्रमा

- बृहस्पति के 80 से अधिक चंद्रमा हैं और **इनमें से 4 सबसे बड़े चंद्रमा** हैं- **आयो, यूरोपा, गेनीमेड और कैलिस्टो** ।
- इनकी **खोज सबसे पहले 1610 में खगोलशास्त्री गैलीलियो गैलीली ने की थी** ।
- **Io की सतह** सौर **मंडल में सबसे अधिक ज्वालामुखीय रूप से सक्रिय** है ।
  - ✓ **पिघले हुए लावा और सल्फ्यूरस गैसों के साथ नियमित रूप से फूटने वाले सैकड़ों ज्वालामुखियों** द्वारा चिह्नित किया गया है ।

जूनो मिशन के बारे में

- इसे **नासा द्वारा 2011 में लॉन्च किया गया था** और ग्रह की वैज्ञानिक जांच शुरू करने के लिए **5 जुलाई 2016 को बृहस्पति की ध्रुवीय कक्षा में प्रवेश किया गया था।**
- उद्देश्य: बृहस्पति के घने बादलों के नीचे और बृहस्पति , **सौर मंडल और ब्रह्मांड में विशाल ग्रहों की उत्पत्ति और विकास की जांच करना ।**
- अपना मिशन पूरा करने के बाद, **जूनो को जानबूझकर बृहस्पति के वायुमंडल में ले जाया जाएगा** ।

7.6 एक्सपोसैट

- भारत की अंतरिक्ष एजेंसी, **इसरो , साल के अंत तक** अपना **पहला पोलारिमेट्री मिशन, XPoSat लॉन्च करने की तैयारी कर रही है।**
- मिशन **चमकीले खगोलीय एक्स-रे स्रोतों का अध्ययन करेगा** और **आकाशीय पिंडों की प्रकृति और व्यवहार पर महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करेगा।**
- XPoSat प्रकाश के **ध्रुवीकरण को मापने वाला भारत का पहला अंतरिक्ष मिशन** है **और यह वैज्ञानिकों को ब्लैक होल, न्यूट्रॉन सितारों और अन्य चुनौतीपूर्ण खगोलीय स्रोतों से उत्सर्जन को समझने में मदद करेगा।**
  - ✓ **नासा के IXPE मिशन के बाद यह दुनिया का दूसरा पोलारिमेट्री मिशन** होगा ।
- **मिशन दो पेलोड ले जाएगा -**
  - ✓ **POLIX (एक्स-रे में पोलारिमीटर उपकरण) जो खगोलीय मूल के 8-30 केवी फोटॉनों की मध्यम एक्स-रे ऊर्जा रेंज में** ध्रुवीकरण की डिग्री और कोण सहित पोलारिमेट्री मापदंडों को मापेगा , और
  - ✓ **XSPECT (एक्स-रे स्पेक्ट्रोस्कोपी और टाइमिंग) पेलोड जो 0.8-15 केवी की ऊर्जा सीमा में स्पेक्ट्रोस्कोपिक जानकारी** देगा ।

पोलारिमेट्री के बारे में

- **पोलारिमेट्री** एक शक्तिशाली **उपकरण है** जो **खगोलविदों को धूमकेतुओं से लेकर दूर की आकाशगंगाओं तक, खगोलीय पिंडों के बारे में जानकारी प्राप्त करने की अनुमति देता है।**
- पोलारिमेट्री माप **हमारी समझ में दो और आयाम जोड़ते हैं** ,
  - ✓ **ध्रुवीकरण की डिग्री** एक विद्युत चुम्बकीय तरंग का अनुपात है जो ध्रुवीकृत होती है
  - ✓ **ध्रुवीकरण का कोण** वह कोण है जिस पर एक निश्चित ध्रुवीकरण का प्रकाश एक पारदर्शी सतह के माध्यम से पूरी तरह से प्रसारित होता है।
  - ✓ यह खगोलीय **स्रोतों से उत्सर्जन प्रक्रियाओं को समझने के लिए एक उत्कृष्ट निदान उपकरण है**

7.7 ओसीरसि-रेक्स

- **क्षुद्रग्रह बेन्नु तक पहुंचने** और फिर **घर की यात्रा करने** के लिए **4 अरब मील (6.2 अरब किलोमीटर) से अधिक की** यात्रा करने के बाद , **ओएसआईआरआईएस- आरईएक्स जांच ने अपना नमूना रिटर्न कैप्सूल जारी किया ,** जबकि यह **पृथ्वी से लगभग 63,000 मील (101,000 किमी) ऊपर था।**
- कैप्सूल में बेन्नू की **लगभग 250 ग्राम (8.8 औंस) चट्टानें** और **अन्य सामग्री शामिल है** ।
- यह सामग्री **पृथ्वी पर जीवन की उत्पत्ति और हमारे सौर मंडल के शुरुआती दिनों के बारे में वैज्ञानिकों के कुछ सबसे ज्वलंत सवालों का जवाब देने में मदद कर सकती है।**

ओएसआईआरआईएस-रेक्स के बारे में

- **ओएसआईआरआईएस-रेक्स** का अर्थ है **(उत्पत्ति, स्पेक्ट्रल व्याख्या, संसाधन पहचान, सुरक्षा- रेगोलिथ एक्सप्लोरर)।**
- **क्षुद्रग्रह का नमूना एकत्र करने वाला यह नासा का पहला मिशन है।**
- **समय**
  - ✓ **2016** में **लॉन्च किया गया ,**

- ✓ में **बेन्नू पहुंचे और**
- ✓ **2020** में क्षुद्रग्रह के **नमूने एकत्र किए ।**

❖ **लॉकहीड मार्टिन स्पेस सिस्टम** द्वारा **निर्मित ।**

जाक्सा के पास इस तरह के दो मिशन हैं।

उस एजेंसी के हायाबुसा 1 ने क्षुद्रग्रह इटोकावा से सामग्री एकत्र की **और उन्हें 2010 में वापस कर दिया, और हायाबुसा 2 ने 2020 में क्षुद्रग्रह** रयुगु **का नमूना लौटाया।**

बेन्नू क्षुद्रग्रह के बारे में

❖ **यह पृथ्वी से लगभग 200 मिलियन मील दूर स्थित है और इसका निर्माण सौर मंडल के निर्माण के पहले 10 मिलियन वर्षों में हुआ** था ।

❖ इसमें **बहुत अधिक संरचना-परिवर्तनकारी परिवर्तन नहीं हुआ है** , जिसका अर्थ है कि **इसकी सतह के नीचे सौर मंडल के जन्म से रसायन और चट्टानें हैं।**

❖ **इसकी खोज 1999 में नासा द्वारा वित्त पोषित लिंकन नियर-अर्थ एस्टेरॉयड रिसर्च टीम की एक टीम ने की थी।**

❖ बेन्नू **एक बी-प्रकार का क्षुद्रग्रह है** , यानी इसमें **महत्वपूर्ण मात्रा में कार्बन और कई अन्य खनिज शामिल हैं।**

7.8 गांगेय ज्वार

❖ पृथ्वी के महासागरों के किनारों की तरह, **ब्रह्मांड की आकाशगंगाएँ भी ज्वार का अनुभव करती हैं** , लेकिन बहुत बड़े पैमाने पर।

❖ गैलेक्टिक ज्वार **एक आकाशगंगा के भीतर गुरुत्वाकर्षण बलों के कारण होते हैं** , जो **सितारों और गैस बादलों जैसी आकाशीय वस्तुओं के बीच परस्पर क्रिया से उत्पन्न होते हैं** ।

एंड्रोमेडा आकाशगंगा **मिल्की वे के निकटतम आकाशगंगा है।**

यह **110 किमी / सेकंड की गति से मिल्की वे की ओर बढ़ रहा** है और **चार अरब वर्षों में टकराएगा।**

❖ ये **ज्वारीय बल आकाशगंगा के विकास के विभिन्न पहलुओं को प्रभावित करते हैं** । वे **ज्वारीय पूंछ और पुल** बनाकर , **तारा निर्माण को बढ़ावा देकर और छोटे तारा प्रणालियों को बाधित करके आकाशगंगा संरचना को नया आकार दे सकते हैं ।**

❖ युगों में , आकाशगंगा के ज्वार **तारों की कक्षाओं को भी बाधित करते हैं** , जिससे **आकाशगंगा की संरचना में दीर्घकालिक परिवर्तन होते हैं** ।

❖ **निकटवर्ती आकाशगंगाएँ जिस तरह से परस्पर क्रिया करती हैं और नहीं करती हैं, उसमें** गैलेक्टिक ज्वार का भी प्रभाव होता है।

❖ गैलेक्टिक ज्वार आकाशगंगा **केंद्रों पर सुपरमैसिव ब्लैक होल को भी प्रभावित करते हैं** , जिससे **ऐसी घटनाएं होती हैं जो इन ब्रह्मांडीय जानवरों के पास के सितारों के साथ बातचीत करने के तरीकों को बदल देती हैं** ।

- ✓ वास्तव में, शोधकर्ताओं ने पाया है कि **एंड्रोमेडा गैलेक्सी के किनारों के पास ज्वारीय धाराएँ बौनी आकाशगंगाओं के हस्ताक्षर** हो सकती हैं **जो बाद में निगल गईं।**

7.9 CE20 इंजन

❖ इसरो ने **गगनयान योग्यता और 22-टन थ्रस्ट योग्यता** के लिए **CE20 E13 इंजन हॉट टेस्ट सफलतापूर्वक पूरा किया ।**

- यह **इंजन लिक्विड प्रोपल्शन सिस्टम सेंटर द्वारा विकसित किया गया है (एलपीएससी), वलियामाला का परीक्षण इसरो प्रोपल्शन कॉम्प्लेक्स (आईपीआरसी), महेंद्रगिरि , तमिलनाडु** में किया गया था ।
- CE20 **इंजन एक महत्वपूर्ण घटक है, जो लॉन्च व्हीकल मार्क-3 या LVM3 वाहन के ऊपरी चरण (C25) को आगे बढ़ाने के लिए** जिम्मेदार **क्रायोजेनिक अपर स्टेज (CUS)** के पावरहाउस के रूप में कार्य करता है ।

एलवीएम 3 को दो ठोस स्ट्रैप-ऑन मोटर्स (एस 200), **एक** तरल कोर स्टेज (एल 110) **और** एक उच्च थ्रस्ट क्रायोजेनिक ऊपरी चरण (सी 25) **के साथ** तीन चरण वाहन के **रूप में कॉन्फ़िगर किया गया है**।

- इसने **चंद्रयान-2, चंद्रयान-3 और दो वाणिज्यिक वनवेब मिशन** सहित **लगातार छह एलवीएम3 मिशनों में 19 टन के थ्रस्ट स्तर पर सफलतापूर्वक संचालन करके अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया है।**
- CE20 इंजन हार्डवेयर **जिसे E13 कहा जाता है, को गगनयान योग्यता** और **22-टन थ्रस्ट लेवल ऑपरेशन दोनों** के लिए चुना गया था ।

8. पर्यावरण

8.1 चलते हुए पत्ते

- एक **अंतरराष्ट्रीय शोध दल ने पत्ती कीटों की सात पूर्व अज्ञात प्रजातियों का वर्णन किया** है , **जिन्हें चलती पत्तियां भी कहा जाता है** ।

वॉकिंग लीव्स के बारे में

- वे **चपटे, आम तौर पर हरे रंग के कीड़ों** (**फास्मिडा या फास्माटोडिया क्रम**) की 50 से अधिक प्रजातियों में से एक हैं, जिनकी एक अलग **पत्ती जैसी उपस्थिति होती है** ।
- वे **आम तौर पर भूरे या हरे रंग के होते हैं** , **कुछ कुछ हद तक धब्बेदार** या **दांतेदार किनारों वाले होते हैं, जो कुतरने वाली पत्तियों के समान होते हैं ।**
- **वैश्विक वितरण-** उनकी **मूल सीमा हिंद महासागर के द्वीपों से लेकर** मुख्य **भूमि दक्षिण एशिया और दक्षिण पूर्व एशिया के क्षेत्रों के** साथ-साथ **पश्चिमी प्रशांत क्षेत्र में पापुआ न्यू गिनी और ऑस्ट्रेलिया तक फैली हुई है।**
- वे **वनस्पति का शिकार करते हैं** और **अत्यधिक वन वाले स्थानों को पसंद करते हैं।**
- **नर मादाओं की तुलना में छोटे** होते हैं ।
- उनके **हाथ और पैर पुनर्जीवित हो सकते हैं** ।
- **नर अत्यधिक विकसित पिछले पैरों** के कारण **कम दूरी तक उड़ने में सक्षम होते हैं** जबकि **मादाएं उड़ नहीं सकतीं** ।
- वे **काफी हद तक रात्रिचर भी हैं जिसके परिणामस्वरूप दिन के दौरान गतिविधि में अपेक्षाकृत कमी हो जाती है।**

8.2 लाल रेत बोआ

- वन्यजीव **संरक्षण सोसायटी (डब्ल्यूसीएस)-भारत की** रिपोर्ट में वर्ष 2016-2021 के बीच **रेड सैंड बोआ की बरामदगी की 172 घटनाओं की ओर इशारा किया गया है ।**

रेड सैंड बोआ के बारे में

- वैज्ञानिक नाम- **एरिक्स जॉनी**
- यह **बोइडे परिवार** से संबंधित **एक गैर विषैले सांप की प्रजाति है** ।
- **इसकी गोल पूँछ जो सिर की तरह दिखती है,** के कारण **इसे "दो सिर वाला साँप"** भी कहा जाता है ।
- **वितरण- भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका और बांग्लादेश के कुछ हिस्सों सहित भारतीय उपमहाद्वीप में पाया जाता है।**
- ये सांप **मुख्यतः रात्रिचर होते हैं** ।
- वे **मुख्य रूप से छोटे स्तनधारियों जैसे कृंतकों, पक्षियों और उनके अंडों को खाते हैं।**
- **पालतू जानवरों के व्यापार में** इसकी मांग के साथ-साथ **काले जादू में उपयोग के कारण,** रेड सैंड बोआ को **अवैध व्यापार बाजार** में **सबसे अधिक कारोबार वाली सरीसृप प्रजातियों में से एक माना जाता है।**
- रेड सैंड बोआ को **इंटरनेशनल यूनियन फॉर कंजर्वेशन ऑफ नेचर (आईयूसीएन)** द्वारा **'खतरे के निकट' के रूप में वर्गीकृत किया गया है , उनके अधिकांश निवास क्षेत्रों में जनसंख्या की प्रवृत्ति 'घटती' जा रही है।**
- रेड सैंड बोआ **ओवोविविपेरस हैं** (जिसका अर्थ है कि वे **युवा रहने के लिए जन्म देते हैं अंडे देने के बजाय**)

8.3 नवीकरणीय ऊर्जा प्रौद्योगिकी कार्य मंच

- **नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई)** और **अमेरिकी ऊर्जा विभाग ने रणनीतिक स्वच्छ ऊर्जा साझेदारी** के तहत **नए यूएस-भारत नवीकरणीय ऊर्जा प्रौद्योगिकी एक्शन प्लेटफॉर्म (आरईटीएपी) को** लॉन्च करने के लिए हाल ही में एक बैठक की ।
- RETAP की स्थापना **परिणाम-उन्मुख, समयबद्ध प्रौद्योगिकी फोकस** के साथ **द्विपक्षीय सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए की गई थी ।**
- डीओई और एमएनआरई ने एक रूपरेखा तैयार की **नवीकरणीय ऊर्जा प्रौद्योगिकी एक्शन प्लेटफ़ॉर्म (RETAP)** । कार्य **पाँच विषयों द्वारा निर्देशित होता है** :
  - ✓ **अनुसंधान और विकास,**
  - ✓ **नवोन्मेषी प्रौद्योगिकियों का संचालन एवं परीक्षण,**
  - ✓ **उन्नत प्रशिक्षण और कौशल विकास,**
  - ✓ **आरईटी को आगे बढ़ाने के लिए नीति और** योजना
  - ✓ **प्रौद्योगिकियों, निवेश, ऊष्मायन और आउटरीच कार्यक्रमों को सक्षम करना ।**
- RETAP का **प्रारंभिक फोकस हरित/स्वच्छ हाइड्रोजन, पवन ऊर्जा, और अवधि ऊर्जा भंडारण** पर होना और **भविष्य में पारस्परिक रूप से निर्धारित भूतापीय ऊर्जा, महासागर/ज्वारीय ऊर्जा और अन्य उभरती प्रौद्योगिकियों का पता लगाना है।**

8.4 काकापो

- **काकापो** - **न्यूजीलैंड का एक अनोखा तोता** - की सुरक्षा के लिए **लगभग सभी शेष व्यक्तियों के जीनोम को अनुक्रमित किया गया है , जो संरक्षण प्रबंधन के लिए** महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करता है ।

काकापो के बारे में

- **वैज्ञानिक** नाम - **स्ट्राइगोप्स हैब्रोप्टिला**
- यह **दुनिया का सबसे भारी तोता है** , जिसके कुछ **नर तोते 3 किलोग्राम से अधिक के होते हैं** , और **माना जाता है कि इसका जीवनकाल सबसे लंबा होता है, 90 वर्ष तक** ।
- यह **तोते की एकमात्र ऐसी प्रजाति है जो उड़ नहीं सकती** , बल्कि **पेड़ों पर चढ़ सकती है या जमीन पर नट और बीज जैसे भोजन ढूंढ सकती है।**
- यह **दुनिया में लेक-प्रजनन करने वाली एकमात्र तोते की प्रजाति है।**
- हरे **रंग के पक्षी एक समय पूरे न्यूजीलैंड में फैले हुए थे** , लेकिन अब **केवल 250 पक्षी ही बचे** हैं जिनका **प्रबंधन न्यूजीलैंड के संरक्षण विभाग द्वारा पांच शिकारी-मुक्त द्वीपों पर माओरी समूहों** के साथ साझेदारी में किया जाता है ।
  - ✓ शिकारियों में **बिल्लियाँ और कुत्ते** आदि शामिल हैं।

एक लेक **पुरुषों का एक एकत्रीकरण है जो** प्रतिस्पर्धी प्रदर्शनों में संलग्न होने के लिए इकट्ठा होते **हैं जो आने वाली महिलाओं को लुभा सकते हैं जो संभोग के लिए संभावित भागीदारों का सर्वेक्षण कर रहे हैं।**

- वे **केवल तभी प्रजनन करते हैं** जब रिमू के पेड़ बड़े पैमाने पर फल (रिमू मस्त वर्ष) देते हैं - **हर दो से चार साल में।**
- **खतरे:** शिकारी, रोग, आनुवंशिक अंतर्प्रजनन, बांझपन
- IUCN लाल सूची स्थिति - **'गंभीर रूप से संकटग्रस्त'**

8.5 भोरमदेव वन्य जीव अभ्यारण्य

- छत्तीसगढ़ **उच्च न्यायालय ने एक जनहित याचिका (पीआईएल) को खारिज कर दिया** है , जिसका उद्देश्य **भोरमदेव वन्यजीव अभयारण्य (बीडब्ल्यूएस) को बाघ अभयारण्य** और **चिल्पी रेंज को बफर जोन के रूप में नामित करना था ।**
- अदालत का निर्णय मुख्य रूप से **कानूनी प्रक्रियाओं का पालन करने में विफलता पर आधारित था** , जिसमें **स्थानीय ग्राम सभाओं से परामर्श करना और प्रभावित समुदायों से सहमति प्राप्त करना शामिल था।**

भोरमदेव वन्यजीव अभयारण्य के बारे में

- यह **छत्तीसगढ़ के कवर्धा जिले** में **स्थित** है और **सतपुड़ा पहाड़ियों की मैकाल श्रेणी का हिस्सा है** ।
- इसकी **सीमा मध्य प्रदेश में कान्हा राष्ट्रीय उद्यान के साथ लगती है , जो इसे मध्य भारत** में बाघों का एक महत्वपूर्ण निवास स्थान बनाती है ।
- **क्षेत्रफल- 325 वर्ग किमी** (लगभग)
- यह अभयारण्य **फेन और संकरी नदियों के उद्गम स्थल के रूप में कार्य करता है।**
- भोरमदेव वन्यजीव अभयारण्य **पारिस्थितिक महत्व रखता है और विभिन्न आदिवासी समुदायों का घर है** ।
- **फ्लोरा** - साल , साजा , तिन्सा , कारा, और हल्दू ।

- **जीवों** में **जंगली कुत्ते, स्लॉथ भालू, सांभर हिरण, भौंकने वाले हिरण, बाघ, तेंदुए, चीतल (चित्तीदार हिरण), गौर (भारतीय बाइसन), और कई पक्षी और सरीसृप प्रजातियां शामिल हैं।**

8.6 जंगली कुत्ते

- कर्नाटक के **शिवमोग्गा जिले के थीर्थहल्ली तालुक के** ग्रामीणों को **हाल ही में एक एशियाई जंगली कुत्ते समूह, जिसे ढोल्स के नाम से भी जाना जाता है, के दुर्लभ दृश्य देखने को मिले।**

एशियाई जंगली कुत्ते के बारे में

- वैज्ञानिक नाम- **कुओन अल्पाइनस**
- एशियाई **जंगली कुत्ता , जिसे कडुनाई , सेलुनाई या लाल कुत्ता** भी कहा जाता है , **एक मायावी और भेड़िया जैसा जंगल में रहने वाला प्राणी है जो मानव संपर्क से बचता है** ।
- इसका नाम **' सीलुनाई ' इसके द्वारा पैदा की जाने वाली विशिष्ट सीटी की आवाज़ से लिया गया है** ।
- ये जीव **झुंड में यात्रा करने के लिए जाने जाते हैं** और इन्हें **अंग्रेजी में एशियाई जंगली कुत्ते (ढोल) कहा जाता है।**
- **वैश्विक वितरण- मुख्य रूप से मध्य, दक्षिण और दक्षिण पूर्व एशिया के जंगलों में पाया जाता है।**
  - ✓ भारत में, वे **पूरे भारत में तीन समूहों में पाए जाते हैं,** अर्थात् **पश्चिमी और पूर्वी घाट , मध्य भारतीय परिदृश्य** और **उत्तर पूर्व भारत** ।
- **खतरे** - निवास स्थान की हानि, शिकार के आधार में कमी, पशुधन के शिकार के कारण उत्पीड़न, घरेलू कुत्तों से होने वाली बीमारियाँ आदि।
- संरक्षण की स्थिति-
  - ✓ **IUCN लाल सूची - लुप्तप्राय**
  - ✓ **उद्धरण - परिशिष्ट II**

8.7 आक्रामक विदेशी प्रजातियों और उनके नियंत्रण पर मूल्यांकन रिपोर्ट

- **जैव विविधता और पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं पर अंतर सरकारी मंच** (आईपीबीईएस) ने अपने **नए प्रकाशन - "आक्रामक विदेशी प्रजातियों और उनके नियंत्रण पर मूल्यांकन रिपोर्ट'' में** पाया है कि **पौधों और जानवरों** सहित **37,000 विदेशी प्रजातियां हैं** , जिन्हें **कई मनुष्यों** द्वारा **पेश किया गया है। गतिविधियाँ** ।
  - ✓ इनमें **3,500 से अधिक आक्रामक विदेशी प्रजातियाँ शामिल हैं** और इन आक्रामक विदेशी प्रजातियों ने **दर्ज किए गए 60% वैश्विक पौधों और जानवरों के विलुप्त होने** में **महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है ।**

आईएएस पौधे, जानवर, रोगजनक और अन्य जीव **हैं जो एक पारिस्थितिकी तंत्र के लिए गैर-देशी हैं, और जो** आर्थिक, पर्यावरणीय नुकसान पहुंचा सकते हैं या मानव स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव **डाल सकते हैं।**

- रिपोर्ट में कहा गया है कि **भूमि और समुद्री उपयोग परिवर्तन , जीवों का प्रत्यक्ष शोषण , जलवायु परिवर्तन** और **प्रदूषण** के साथ-साथ **आक्रामक विदेशी प्रजातियां विश्व स्तर पर जैव विविधता के नुकसान के पांच प्रमुख प्रत्यक्ष चालकों में से एक हैं** ।

- अध्ययन , जो **चार वर्षों की अवधि में हुआ , 49 देशों के 86 प्रमुख विशेषज्ञों** द्वारा किया गया है , जिसमें **13,000 से अधिक संदर्भ शामिल हैं** ।
- लगभग 6 **% विदेशी पौधे** ; **22% विदेशी अकशेरुकी** ; **विदेशी कशेरुकियों का 14%** ; और **11% विदेशी रोगाणु आक्रामक माने जाते** हैं , जो **प्रकृति और लोगों के लिए बड़ा खतरा पैदा करते हैं।**
- **लोगों पर प्रकृति के योगदान** पर **आक्रामक प्रजातियों के** लगभग **80** % प्रलेखित प्रभाव नकारात्मक हैं।
- **उदाहरण**
  - ✓ जलकुंभी भूमि **पर दुनिया की सबसे व्यापक आक्रामक विदेशी प्रजाति** है **।**
  - ✓ **लैंटाना,** एक फूलदार झाड़ी और **काला चूहा विश्व स्तर पर दूसरे और तीसरे सबसे व्यापक रूप से फैले हुए हैं** ।
  - ✓ भूरा **चूहा** और **घरेलू चूहा** भी **व्यापक आक्रामक विदेशी प्रजातियाँ हैं।**

आईपीबीईएस के बारे में

- आईपीबीईएस **एक स्वतंत्र अंतरसरकारी निकाय है जो जैव विविधता और पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं के लिए विज्ञान-नीति इंटरफ़ेस को मजबूत करने** के लिए स्थापित किया गया है , **जो आईपीसीसी के समान काम करता है, जो संयुक्त राष्ट्र का जलवायु विज्ञान निकाय है।**
- **भारत** सहित इसके **143 सदस्य देश हैं** ।
- **2012 में स्थापित बुसान परिणाम दस्तावेज़ के आधार** पर ।
- **सचिवालय की सीट** इसमें स्थित है **बॉन, जर्मनी** ।

8.8 काइलिनक्सिया झांगी

- शोधकर्ताओं ने **काइलिनक्सिया के लगभग 520 मिलियन वर्ष पुराने जीवाश्म की जांच की है** एक **सीटी स्कैनर के साथ झांगी** और **जानवर का पुनः वर्णन किया।**
- जीवाश्म , जो **दक्षिणी चीन के युनान प्रांत के चेंगजियांग शहर के पास खोजा गया था** , में **पूरा जानवर संरक्षित है** ।
- काइलिनक्सिया इस क्षेत्र से वर्णित **250 या उससे अधिक अच्छी तरह से संरक्षित जीवाश्म जानवरों** में से एक है , जिन्हें **एक साथ कैंब्रियन चेंगजियांग बायोटा के रूप में जाना जाता है** ।
- काइलिनक्सिया **आर्थ्रोपोड्स से संबंधित** है , जिनके **शरीर को खंडों में विभाजित किया गया है, जिनमें से प्रत्येक में एक जोड़ी जुड़े हुए अंग हैं** , जिनमें **केकड़े, झींगा मछली, कीड़े और मकड़ियों शामिल हैं** ।
- नए निष्कर्षों से पता चला कि **काइलिनक्सिया के सिर पर तीन आंखें थीं** , साथ ही **पंजे की एक जोड़ी थी जिसका इस्तेमाल संभवतः शिकार को पकड़ने के लिए किया जाता था** ।

8.9 चिताला मछली का नदी पालन

- **गंगा** जैसे **प्राकृतिक जल स्रोतों में इसकी आबादी बढ़ाने के लिए उत्तर प्रदेश की राज्य मछली चीतला** का **नदी पालन किया** जाएगा ।

- इस **पहल का उद्देश्य जलीय पारिस्थितिकी तंत्र को संतुलित करना, मछली किसानों की आय में वृद्धि करना और जनता को प्रोटीन युक्त आहार प्रदान करना है।**
- नदी पशुपालन कार्यक्रम ने **चीतला संरक्षण और संवर्धन परियोजना के हिस्से के रूप में 1 लाख से अधिक चीताला मछलियों को गंगा** में छोड़ा।

रिवर रेंचिंग क्या है?

- यह **जलीय कृषि का एक रूप है** जिसमें **मछली प्रजातियों की आबादी को उनके जीवन के पहले चरण के लिए कैद में रखा जाता है।**
- **फिर** उन्हें छोड़ दिया जाता है , और **बाद में वयस्कों के रूप में काटा जाता है जब वे अंडे देने के लिए समुद्र से अपने मीठे पानी के जन्मस्थान पर लौटते हैं।**

चीताला मछली के बारे में

- चीताला मछली की एक **प्रजाति है जो अपने रात्रिचर शिकारी व्यवहार के लिए जानी जाती है** , जो मुख्य रूप से **छोटी मछलियों का शिकार करती है** ।
- **इंडियन फेदरबैक या इंडियन नाइफफिश के** नाम से भी जाना जाता है
- यह **ज्यादातर प्रमुख नदी चैनलों (सिंधु, गंगा-ब्रह्मपुत्र और महानदी नदी घाटियों) और मीठे पानी की झीलों** से जाना जाता है , लेकिन **दलदलों में भी देखा गया है।**
- **वितरण - यह भारतीय उपमहाद्वीप का मूल निवासी** है , जिसमें **पाकिस्तान, भारत, नेपाल और बांग्लादेश** के क्षेत्र शामिल हैं ।
- **IUCN लाल सूची** स्थिति **' खतरे के निकट '**

8.10 इकोसाइड

- **मेक्सिको की माया ट्रेन परियोजना को "मौत का मेगाप्रोजेक्ट"** के रूप में वर्णित किया गया है - यह **युकाटन प्रायद्वीप के समृद्ध जंगल , प्राचीन गुफा प्रणालियों** और **स्वदेशी समुदायों को खतरे में डालता है** ।
- प्रकृति के अधिकारों के लिए न्यायाधिकरण ने कहा कि यह परियोजना **"पारिस्थितिकी-संहार और जातीय-हत्या के अपराध" का कारण बनी।**

इकोसाइड के बारे में

- **इकोसाइड , ग्रीक और लैटिन** से लिया गया है , जिसका अनुवाद **'किसी के घर या 'पर्यावरण को मारना' है।**
- **इकोसाइड की कोई स्वीकृत कानूनी परिभाषा नहीं** है , लेकिन **स्टॉप इकोसाइड फाउंडेशन द्वारा परिभाषित इकोसाइड है** ।

वर्तमान में, आईसीसी का रोम संविधि चार अत्याचारों से संबंधित है: नरसंहार**, मानवता के खिलाफ** अपराध **, युद्ध अपराध और** आक्रामकता का अपराध**।**

युद्ध अपराधों पर प्रावधान एकमात्र क़ानून है जो एक अपराधी को पर्यावरणीय क्षति के लिए जिम्मेदार ठहरा सकता **है**, भले ही यह **जानबूझकर** और **युद्ध की स्थितियों के दौरान हो।**

- ✓ इकोसाइड **"गैरकानूनी या अनियंत्रित कृत्य हैं जो इस ज्ञान के साथ किए जाते हैं कि उन कृत्यों के कारण पर्यावरण को गंभीर और व्यापक या दीर्घकालिक क्षति होने की पर्याप्त संभावना है।"**

❖ **1970 में जीवविज्ञानी आर्थर गैलस्टन को वियतनाम युद्ध के दौरान अमेरिकी सेना द्वारा एजेंट ऑरेंज (एक शाकनाशी) के उपयोग का जिक्र करते हुए पर्यावरण विनाश को नरसंहार से जोड़ने का श्रेय दिया जाता** है , जिसे एक अंतरराष्ट्रीय अपराध के रूप में मान्यता दी गई है।

❖ **ब्रिटिश वकील पोली हिगिंस ने** प्रस्ताव दिया कि **प्रकृति के विरुद्ध अपराधों को लोगों के विरुद्ध अपराधों के समान मानने के लिए रोम क़ानून में संशोधन किया जाना चाहिए।**

❖ इकोसाइड **11 देशों में एक अपराध है** , जबकि **27 अन्य देश ऐसे कानूनों पर विचार कर रहे हैं,** जो जान-बूझकर किए गए **पर्यावरणीय नुकसान को अपराध की श्रेणी** में रखते हैं और मनुष्यों, जानवरों और पौधों की प्रजातियों को नुकसान पहुंचाते हैं।

8.11 भारत का पहला सौर शहर

❖ **मध्य प्रदेश के रायसेन जिले** में विश्व **धरोहर स्थल सांची भारत का पहला सौर शहर बन गया** है ।

❖ **सांची के पास नागौरी में** इसकी **क्षमता 3 मेगावाट है** , जिससे **वार्षिक कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में 13,747 टन की कमी आएगी ।**

❖ यह **2,38,000 से अधिक पेड़ों के बराबर है।**

8.12 सांभर हिरण

❖ **कर्नाटक में कावेरी वन्यजीव अभयारण्य की संगम रेंज में ल्यूसिस्टिक सांभर** की उपस्थिति दर्ज की गई है।

❖ यह **इस परिदृश्य से सांभर के सफेद रूप का पहला रिकॉर्ड किया गया फोटोग्राफिक रिकॉर्ड है** , हालांकि **सांभर हिरण का एक सफेद रूप इससे पहले 2014 में बांदीपुर टाइगर रिजर्व में दर्ज किया गया था।**

सांभर हिरण के बारे में

❖ वैज्ञानिक नाम- **रुसा यूनिकलर।**

❖ सांभर **एक बड़ी हिरण प्रजाति है** जो **भारतीय उपमहाद्वीप और दक्षिण पूर्व एशिया की मूल निवासी है।**

❖ **विशेषताएँ** -

- ✓ सांभर **अपने बड़े और ऊबड़-खाबड़ सींगों, झबरा बालों और छोटी लेकिन घनी अयाल के लिए जाना जाता है ।**
- ✓ सांभर **रात्रिचर या सांध्यकालीन जानवर हैं ।**
- ✓ नर **वर्ष के अधिकांश समय अकेले रहते हैं** , जबकि **मादाएँ 16 व्यक्तियों के छोटे झुंड में रहती हैं।**

❖ वितरण- दक्षिण **एशिया, नेपाल, भूटान और भारत में हिमालय की दक्षिण-मुखी ढलानों तक, और बर्मा, थाईलैंड, इंडोचीन, मलय प्रायद्वीप, इंडोनेशिया (सुमात्रा और बोर्नियो), ताइवान और मुख्य भूमि दक्षिण पूर्व एशिया में। दक्षिण चीन।**

❖ खतरे- **शिकार, स्थानीय विद्रोह, और निवास स्थान का औद्योगिक शोषण ।**

❖ **IUCN रेड लिस्ट के अनुसार** सांभर को एक संवेदनशील प्रजाति के रूप में सूचीबद्ध किया गया है ।

ल्यूसिज्म क्या है?

- **ल्यूसिज्म एक ऐसी स्थिति** है **जिसमें किसी जानवर की त्वचा का रंजकता गायब हो जाती है** , **जिससे त्वचा सफेद या पीली हो जाती है** ।
- यह स्थिति फेनोटाइप (किसी भी जीवित प्राणी का एक लक्षण) के **कारण जन्म से स्वाभाविक रूप से उत्पन्न हो सकती है जो कि जानवर के विकास में किसी दोष से बनी हो सकती है।**
- यह **ऐल्बिनिज़म से अलग है जो एक ऐसी स्थिति है जो जानवर की त्वचा में मेलाटोनिन की कमी के कारण उत्पन्न होती है** , लेकिन जानवर की आंखें गुलाबी या लाल रंग की होती हैं। **लेकिन ल्यूसिज्म में जानवर की आंखों में गुलाबी रंग की कमी होती है** ।

8.13 हरित जलवायु निधि

❖ **यूनाइटेड किंगडम के प्रधान मंत्री ऋषि सुनक ने** नई दिल्ली में दो दिवसीय जी20 शिखर सम्मेलन के आखिरी दिन **ग्रीन क्लाइमेट फंड** के लिए **2 बिलियन डॉलर** की रिकॉर्ड जलवायु सहायता प्रतिबद्धता की घोषणा की ।

जीसीएफ के बारे में:

❖ जीसीएफ **की स्थापना 2010 में यूएनएफसीसीसी के** वित्तीय तंत्र के तहत विकसित देशों से विकासशील देशों को वित्त पोषण देने के लिए की गई थी ताकि उन्हें जलवायु परिवर्तन को कम करने और बदलती जलवायु से उत्पन्न होने वाले व्यवधानों के अनुकूल होने की अनुमति मिल सके।

❖ **ग्रीन क्लाइमेट फंड** विषयगत फंडिंग विंडो का उपयोग करके विकासशील देश पार्टियों में परियोजनाओं, कार्यक्रमों , नीतियों और अन्य गतिविधियों का समर्थन करेगा।

❖ **2020 तक प्रति वर्ष 100 बिलियन डॉलर का जलवायु वित्त** जुटाने के प्रयासों का केंद्रबिंदु बनना है ।

❖ देशों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए **, उनके ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को सीमित करने या कम करने** और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को अनुकूलित करने के लिए विकासशील देशों को सहायता प्रदान करके कम उत्सर्जन और जलवायु-लचीले विकास मार्गों की दिशा में आदर्श बदलाव को बढ़ावा देगा। जलवायु परिवर्तन के प्रतिकूल प्रभावों के प्रति विशेष रूप से संवेदनशील।

❖ **पर्यावरण, सामाजिक, आर्थिक और विकास सह-लाभों को बढ़ावा देने और लिंग-संवेदनशील दृष्टिकोण अपनाते हुए,** दोनों के बीच संतुलन की तलाश करेगा।

8.14 एक सूर्य, एक विश्व, एक ग्रिड पहल

❖ हाल ही में नई दिल्ली में **"ट्रांसनेशनल ग्रिड इंटरकनेक्शन फॉर वन सन, वन वर्ल्ड, वन ग्रिड (OSOWOG)"** पर एक दिवसीय सम्मेलन आयोजित किया गया था।

❖ अक्टूबर 2018 में **अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (ISA)** की पहली असेंबली में रखा गया था।

❖ इस पहल का उद्देश्य ऊर्जा आपूर्ति को सीमाओं के पार जोड़ना है।

❖ इसका उद्देश्य विभिन्न क्षेत्रीय ग्रिडों को एक सामान्य ग्रिड के माध्यम से जोड़ना है जिसका उपयोग नवीकरणीय ऊर्जा शक्ति को स्थानांतरित करने के लिए किया जाएगा और इस प्रकार, नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों, विशेष रूप से सौर ऊर्जा की क्षमता का एहसास होगा ।

- इस परियोजना का नेतृत्व भारत और ब्रिटेन की सरकारें **अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए) और विश्व बैंक समूह के साथ साझेदारी में कर रही हैं।**

यह कब पूरा होगा?

- आईएसए द्वारा अगले कुछ वर्षों में ग्रिड स्थापित किए जाने की उम्मीद है। एक बार चालू होने पर, यह विभिन्न देशों में सौर ऊर्जा का परिवहन करेगा।

अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए):

- **आईएसए एक अंतरसरकारी है** संगठन जिसे **2015 में** पेरिस में आयोजित संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन में भारत के प्रधान मंत्री और फ्रांस के राष्ट्रपति द्वारा लॉन्च किया गया था।

8.15 भोज आर्द्रभूमि

- **नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने अपर लेक (भोज वेटलैंड जिसे अब रामसर साइट कहा जाता है) और अन्य वेटलैंड्स में क्रूज और अन्य मोटर चालित नौकाओं के संचालन पर रोक लगा दी है।**

के बारे में:

- भोज **वेटलैंड** भारतीय राज्य **मध्य प्रदेश में स्थित है** , विशेष रूप से राजधानी भोपाल में।
- **भोज वेटलैंड, जिसे भोपाल झील के नाम से भी जाना जाता है, एक रामसर साइट है , जिसे 1971 में हस्ताक्षरित वेटलैंड्स कन्वेंशन के** तहत अंतरराष्ट्रीय महत्व की वेटलैंड के रूप में नामित किया गया है ।
- भोज वेटलैंड को 2002 में रामसर साइट का दर्जा प्राप्त हुआ, जो संरक्षण के लिए इसके वैश्विक महत्व को उजागर करता है।
- **पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, 1986,** पर्यावरण की सुरक्षा के लिए और केंद्र सरकार को प्रदूषण को रोकने और पर्यावरणीय मुद्दों के समाधान के लिए सशक्त बनाने के लिए अधिनियमित किया गया।
- आर्द्रभूमि में दो प्रमुख झीलें शामिल हैं - **ऊपरी झील और निचली झील** । ये दोनों झीलें मिलकर भोज वेटलैंड का निर्माण करती हैं।
- आर्द्रभूमि जैव विविधता से समृद्ध है, जिसमें मैक्रोफाइट्स, फाइटोप्लांकटन, ज़ोप्लांकटन, विभिन्न मछली प्रजातियां, निवासी और प्रवासी पक्षी, कीड़े, सरीसृप और उभयचर शामिल हैं।

8.16 बांदीपुर टाइगर रिजर्व (बीटीआर)

- कर्नाटक **वन विभाग ने** हाल ही में **बांदीपुर टाइगर रिजर्व के पर्यावरण-संवेदनशील क्षेत्र (ईएसजेड)** निगरानी पैनल को रिजर्व के ईएसजेड के भीतर निर्मित अवैध कॉटेज के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

बांदीपुर टाइगर रिजर्व (बीटीआर) के बारे में:

- यह कर्नाटक के दो निकटवर्ती जिलों **(मैसूर और चामराजनगर) में स्थित है और कर्नाटक, तमिलनाडु और केरल** राज्यों के त्रि-जंक्शन क्षेत्र में स्थित है।
- भौगोलिक दृष्टि से, यह पश्चिमी और पूर्वी घाट का " **पारिस्थितिक संगम" है।**
- इसकी स्थापना **1931 में मैसूर के महाराजा द्वारा वेणुगोपाल वन्यजीव पार्क के रूप में की गई थी।**
- **1973 में प्रोजेक्ट टाइगर के तहत इसे बांदीपुर टाइगर रिजर्व** नाम से विस्तारित किया गया ।

- यह बड़े **नीलगिरि बायोस्फीयर रिजर्व का हिस्सा है** , जिसे **यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल** के रूप में मान्यता प्राप्त है।
- बीटीआर उत्तर पश्चिम में **नागरहोल टाइगर रिजर्व (तमिलनाडु) से घिरा हुआ है (काबिनी जलाशय दोनों को अलग करता है)।**
  - ✓ **मुदुमलाई टाइगर रिजर्व (तमिलनाडु)।**
  - ✓ **दक्षिण पश्चिम में वायनाड वन्यजीव अभयारण्य (केरल)।**
- यह **उत्तर में काबिनी नदी और दक्षिण में मोयार नदी से घिरा हुआ है।**
- बांदीपुर में विशिष्ट आर्द्र और शुष्क मौसम के साथ एक विशिष्ट उष्णकटिबंधीय जलवायु है।

वनस्पति:

- इसमें शुष्क पर्णपाती से लेकर उष्णकटिबंधीय मिश्रित पर्णपाती तक विविध वनस्पति शामिल हैं।
- इसमें शीशम, भारतीय कीनो पेड़, चंदन, भारतीय लॉरेल, क्लंपिंग बांस, विशाल क्लंपिंग बांस आदि शामिल हैं।

जीव-जंतु:

- यह दक्षिण एशिया में जंगली एशियाई हाथियों की सबसे बड़ी आबादी का आश्रय स्थल है।
- इसमें अन्य स्तनधारी जैसे बंगाल टाइगर, गौर, स्लॉथ भालू, गोल्डन सियार, ढोले, चार सींग वाले मृग आदि शामिल हैं।

8.17 'हरित रेलवे प्रमाणन

- **विजयवाड़ा रेलवे स्टेशन को** पर्यावरण मानकों में सुधार और यात्रियों को पर्यावरण-अनुकूल सेवाएं प्रदान करने के प्रयासों के लिए **भारतीय ग्रीन बिल्डिंग काउंसिल (आईजीबीसी)** द्वारा प्लेटिनम की उच्चतम रेटिंग के साथ **'ग्रीन रेलवे स्टेशन' प्रमाणन से** सम्मानित किया गया है ।
- यह स्टेशन की रेटिंग का अपग्रेड है, **2019 में गोल्ड से 2023 में प्लैटिनम तक।**
- **विजयवाड़ा रेलवे स्टेशन** के लिए गौरव का क्षण है , जो **सिकंदराबाद के बाद दक्षिण-मध्य रेलवे (एससीआर)** जोन में प्लैटिनम रेटिंग हासिल करने वाला दूसरा स्टेशन है।

8.18 वैश्विक स्टॉकटेक रिपोर्ट

- संयुक्त राष्ट्र जलवायु सचिवालय ने **2015 के पेरिस समझौते** के लक्ष्यों को प्राप्त करने में देशों द्वारा प्राप्त प्रगति पर चर्चा करने के लिए अब तक आयोजित तीन बैठकों के परिणामों पर एक **'संश्लेषण रिपोर्ट' सार्वजनिक की** ।

इसे 'ग्लोबल स्टॉकटेक' रिपोर्ट क्यों कहा जाता है?

- संश्लेषण रिपोर्ट **'ग्लोबल स्टॉकटेक ' नामक एक बड़े अभ्यास से जुड़ी है,** जिसके पांच साल में एक बार होने की उम्मीद है।
- में **, देशों ने पेरिस में** सदी के अंत तक वैश्विक तापमान को **2 डिग्री सेल्सियस से ऊपर बढ़ने से रोकने और "जहाँ तक संभव हो" 1.5 डिग्री सेल्सियस से नीचे रखने के लिए प्रतिबद्धता जताई थी।**
- यहां वे ग्रीनहाउस गैसों को नियंत्रित करने और अपने जीवाश्म-ईंधन पर निर्भर ऊर्जा प्रणालियों को **नवीकरणीय स्रोतों में परिवर्तित करने के लिए अलग-अलग देशों द्वारा किए गए प्रयासों की समय-समय पर समीक्षा करने या उनका जायजा लेने पर भी सहमत हुए।**

मुख्य निष्कर्ष

- रिपोर्ट में कहा गया है कि **पेरिस समझौते** ने देशों को लक्ष्य निर्धारित करने और जलवायु संकट की तात्कालिकता का संकेत देने के लिए प्रेरित किया है।
- **सरकारों को** अपनी अर्थव्यवस्थाओं को जीवाश्म ईंधन व्यवसायों से दूर करने के तरीकों का समर्थन करने की आवश्यकता है और राज्यों और समुदायों को प्रयासों को मजबूत करना चाहिए।
- जबकि तीव्र परिवर्तन विघटनकारी हो सकता है, देशों को यह सुनिश्चित करने पर काम करना चाहिए कि आर्थिक परिवर्तन न्यायसंगत और समावेशी हो ।
- **को 2030 तक 43% और 2035 में 60% तक** कम करने और वैश्विक स्तर पर 2050 तक शुद्ध शून्य CO2 उत्सर्जन तक पहुंचने के लिए बहुत अधिक महत्वाकांक्षा की आवश्यकता है।
- नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ाना होगा और सभी **'निरंतर जीवाश्म ईंधन'** (उदाहरण के लिए, कार्बन कैप्चर और भंडारण तंत्र के बिना कोयला संयंत्र) को तेजी से समाप्त करना होगा।
- **वनों की कटाई और भूमि-क्षरण** रोकना होगा और उलटना होगा।
- उत्सर्जन को कम करने और कार्बन सिंक को संरक्षित और बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण कृषि पद्धतियों को प्रोत्साहित करना होगा ।
- कार्यान्वयन और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को सुविधाजनक और बढ़ा सकती है ।
- **को रोकने, कम करने और संबोधित करने के लिए,** जोखिमों को व्यापक रूप से प्रबंधित करने और प्रभावित समुदायों को सहायता प्रदान करने के लिए जलवायु और विकास नीतियों पर तत्काल कार्रवाई की आवश्यकता है।
- तत्काल और बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए वित्तीय प्रवाह को जलवायु-लचीले विकास के अनुरूप बनाने की आवश्यकता है।
- विकासशील देशों में जलवायु वित्त तक पहुंच बढ़ाने की जरूरत है।

निष्कर्ष:

- यह दस्तावेज़ पहली बार औपचारिक रूप से दुनिया को नवीकरणीय ऊर्जा अर्थव्यवस्था में बदलने के लिए आवश्यक वित्त में भारी उछाल को मान्यता देता है ।
- घोषणापत्र में विकासशील देशों के लिए **2030 से पहले की अवधि में 5.8-5.9 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की** आवश्यकता के साथ-साथ **2050 तक शुद्ध शून्य तक पहुंचने के लिए 2030 तक स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकियों के लिए प्रति वर्ष 4 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की आवश्यकता का उल्लेख किया गया है।**

8.19 टोंगा ज्वालामुखी विस्फोट

- कुछ टिप्पणीकारों ने हाल के सप्ताहों में अनुमान लगाया है कि **जनवरी 2022** में **हंगा टोंगा-हंगा हाआपाई ज्वालामुखी विस्फोट** इस वर्ष **भीषण गर्मी के तापमान के लिए जिम्मेदार** है ।
- यह **इतिहास के सबसे बड़े ज्वालामुखी विस्फोटों में से एक था** ।
- के साथ **पानी के भीतर** विस्फोट करते हुए **, विस्फोट ने लाखों टन जलवाष्प को वायुमंडल में भेज दिया।**

प्रभाव

- **बड़े पैमाने पर ज्वालामुखी विस्फोट** आमतौर पर **तापमान को कम कर देते हैं क्योंकि वे भारी मात्रा में सल्फर डाइऑक्साइड उगलते हैं** , जो **सल्फेट एरोसोल बनाते हैं जो सूर्य के प्रकाश को वापस अंतरिक्ष में प्रतिबिंबित कर सकते हैं और पृथ्वी की सतह को अस्थायी रूप से ठंडा कर सकते हैं** ।
  - ✓ लेकिन **टोंगा विस्फोट का** एक और प्रभाव था **क्योंकि यह पानी के भीतर हुआ था।**
  - ✓ हंगा **टोंगा-हंगा हा'आपाई विस्फोट अजीब है** क्योंकि, दशकों में समतापमंडलीय एयरोसोल में सबसे बड़ी वृद्धि के अलावा, इसने **समतापमंडल में भारी मात्रा में जल वाष्प को भी इंजेक्ट किया।**
- **जल वाष्प एक प्राकृतिक ग्रीनहाउस गैस है** जो सौर विकिरण को अवशोषित करती है और वातावरण में गर्मी को रोकती है।
- कई अध्ययनों ने प्रस्तावित किया है कि, **इसके बड़े और अधिक लगातार जल वाष्प प्रवाह के कारण, विस्फोट का अस्थायी शुद्ध सतह वार्मिंग प्रभाव हो सकता है।**

भौगोलिक स्थिति

- यह ज्वालामुखी **दक्षिण प्रशांत महासागर के टोंगा द्वीप में स्थित** है ।
- यह **टोंगा- केरमाडेक द्वीप समूह ज्वालामुखी चाप का हिस्सा है जो इंडो-ऑस्ट्रेलियाई प्लेट के नीचे प्रशांत प्लेट के दबने के कारण** बना है।
- **यह रिंग ऑफ फायर के साथ होता है।**

8.20 प्रोजेक्ट चीता ने एक वर्ष पूरा किया

- से आठ चीतों का पहला **जत्था 17 सितंबर, 2022 को आया** , जिसने आधिकारिक तौर पर **भारत के चीता परिचय कार्यक्रम प्रोजेक्ट चीता की शुरुआत की** ।

प्रोजेक्ट चीता

- अफ्रीकी चीतों की शुरूआत का लक्ष्य "भारत में व्यवहार्य चीता आबादी स्थापित करना है जो **चीते को एक शीर्ष शिकारी के रूप में अपनी कार्यात्मक भूमिका निभाने की अनुमति देता है** और **अपनी ऐतिहासिक सीमा के भीतर चीता के विस्तार के लिए जगह प्रदान करता है जिससे** इसके वैश्विक संरक्षण प्रयासों में योगदान मिलता है।" ।"
- स्थानांतरित- **कूनो राष्ट्रीय उद्यान, मध्य प्रदेश**
- **लक्ष्य- पांच वर्षों** में विभिन्न राष्ट्रीय उद्यानों **में 50 चीते लाए जाएंगे** ।
- **परियोजना कार्यान्वयन: राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमओईएफसीसी) के तहत** एक वैधानिक निकाय ।

जनसंख्या स्थिति

- कुल मिलाकर, **अब तक 20 वयस्क अफ्रीकी चीते आयात किए गए हैं** - 8 नामीबिया से और **12 दक्षिण अफ्रीका से।**
  - ✓ **अफ्रीका से आए छह चीतों की मौत हो गई है** . चार अभी भी कैद में हैं और दो जंगल में हैं।
- मार्च 2023 के अंत में, **एक मादा ने चार शावकों को जन्म दिया, जिनकी कल्पना भारत में की गई थी।**
  - ✓ चार शावकों में से 3 की मौत हो चुकी है और बचे हुए एकमात्र शावक को हाथ से पाला जा रहा है क्योंकि उसकी मां ने उसे अस्वीकार कर दिया है।

चीतों के बारे में

- **शुष्क वनों, झाड़ियाँ वनों और सवाना की एक प्रमुख प्रजाति।**
- **चीता ज़मीन पर सबसे तेज़ चलने वाला जानवर है।**
- **वैश्विक वितरण**
  - अफ़्रीकी चीता - **पूरे अफ़्रीकी महाद्वीप में हज़ारों की संख्या में पाया जाता है।**
  - एशियाई चीता- **केवल ईरान में पाया जाता है जहां 100 से भी कम व्यक्ति बचे हैं।**
- **अफ़्रीकी चीता एशियाई चीता** से **थोड़ा बड़ा** है ।
- **सुरक्षा की स्थिति**
  - **IUCN लाल सूची स्थिति**
    - अफ़्रीकी चीता- **कमज़ोर**
    - एशियाई चीता- **गंभीर रूप से लुप्तप्राय**
- उद्धरण - **परिशिष्ट 1**

8.21 अनामुडी शोला राष्ट्रीय उद्यान

- **इडुक्की** में **मुन्नार** के पास **अनामुडी शोला राष्ट्रीय उद्यान में** पज़हथोट्टम **क्षेत्र** वन विभाग की एक पहल की बदौलत **जीवन से भरपूर हरे-भरे स्वर्ग** में बदल गया है **।**
- **मुन्नार वन्यजीव प्रभाग ने विदेशी प्रजातियों के पेड़ों से भरे एक पार्क को 50 हेक्टेयर वन भूमि** में बदल दिया ।
- यह परियोजना **संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम के माध्यम से कार्यान्वित की गई थी** (यूएनडीपी)। इसे 2019 में शुरू किया गया और 2022 में पूरा किया गया।

अनामुडी शोला राष्ट्रीय उद्यान के बारे में

- यह **केरल राज्य में इडुक्की जिले के पश्चिमी घाट** पर स्थित एक **संरक्षित क्षेत्र है।**
- यह **एराविकुलम राष्ट्रीय उद्यान, पम्पादुम शोला राष्ट्रीय उद्यान , चिन्नार वन्यजीव अभयारण्य और मथिकेट्टन शोला पार्क से घिरा हुआ है।**
- इसे **2003 में राष्ट्रीय उद्यान घोषित किया गया था ।**
- इसमें **तीन शोला रिजर्व वन शामिल हैं - पन्नवन शोला, पुल्लाराडी शोला और इंदिवारा शोला** ।
- वनस्पति में **दक्षिणी उपोष्णकटिबंधीय पहाड़ी वन, दक्षिणी पर्वतीय आर्द्र शीतोष्ण वन** और **नम पर्णपाती वन शामिल हैं।**
- **जीव-जंतुओं में हाथी, बाघ, पैंथर, भारतीय बाइसन, नीलगिरि** शामिल हैं **तहर , गौर, चित्तीदार हिरण, सांभर, विशाल ग्रिजल्ड गिलहरी, सामान्य लंगूर, सुस्त भालू, उड़ने वाली गिलहरी आदि।**

शोलास के बारे में

- **शोला वन उष्णकटिबंधीय पर्वतीय वन** हैं जो घुमावदार घास के मैदानों से अलग **घाटियों में और केवल उच्च ऊंचाई पर पाए जाते हैं** ।
- ये **केवल उन घाटियों में होते हैं जहां कोहरे और धुंध की पहुंच सबसे कम होती है।**

- वे केवल दक्षिण भारत में दक्षिणी पश्चिमी घाट के **कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु** राज्यों में **ऊंचाई वाले पहाड़ों में पाए जाते हैं** ।
  - ✓ **विश्व में** कहीं भी इस प्रकार के **वन नहीं हैं ।**

8.22 2030 तक वनों के लिए कार्रवाई का संयुक्त आह्वान

- सहयोगात्मक **भागीदारी (सीपीएफ) ने 2030 तक वनों के लिए कार्रवाई के लिए संयुक्त आह्वान** शुरू किया है ।
- उनका उद्देश्य **संयुक्त राष्ट्र-अनिवार्य सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) की** खोज में **वन समाधानों को** लागू करने के **लिए बढ़ी हुई कार्रवाई और राजनीतिक प्रतिबद्धता की आवश्यकता को उजागर करना है ।**
- 2030 की ओर वनों के लिए कार्रवाई के आह्वान के **चार केंद्र बिंदु हैं** :
  - ✓ **कार्यान्वयन और कार्रवाई** ;
  - ✓ **डेटा, विज्ञान और नवाचार** ;
  - ✓ **वनों के लिए वित्त** ; और
  - ✓ **संचार और जागरूकता बढ़ाना।**

वनों पर सहयोगात्मक साझेदारी के बारे में

- **वनों पर सहयोगात्मक साझेदारी संयुक्त राष्ट्र खाद्य और कृषि संगठन (एफएओ) की** अध्यक्षता वाले **16 वैश्विक संगठनों की** एक **अभिनव स्वैच्छिक अंतरएजेंसी** साझेदारी है।
- **संयुक्त राष्ट्र की आर्थिक और सामाजिक परिषद (ECOSOC)** द्वारा **2001 में स्थापित**
- **मिशन** - सतत विकास लक्ष्यों, वैश्विक वन **लक्ष्यों और अन्य अंतर्राष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं में वनों के योगदान को बढ़ाना ।**
- सीपीएफ के मुख्य **कार्य हैं:**
  - ✓ (यूएनएफएफ) और उसके सदस्य देशों **के काम का समर्थन करना ;**
  - ✓ फोरम और अन्य सीपीएफ सदस्यों के शासी निकायों को उनके अनुरोध पर **वैज्ञानिक और तकनीकी सलाह प्रदान करना ;**
  - ✓ **सभी स्तरों पर सुसंगतता, सहयोग के साथ-साथ नीति और कार्यक्रम समन्वय को** बढ़ाना
  - ✓ **संयुक्त राष्ट्र वन उपकरण और वनों के लिए संयुक्त राष्ट्र रणनीतिक योजना के कार्यान्वयन को** बढ़ावा देने के साथ-साथ सतत विकास के लिए 2030 एजेंडा और अन्य प्रमुख वन-संबंधी समझौतों में वनों और पेड़ों के योगदान को बढ़ावा देना।

8.23 पवन पोर्टल

- सरकार ने हाल ही में **मौसम सूचना नेटवर्क डेटा सिस्टम (WINDS)** पोर्टल के एक मैनुअल का अनावरण किया।
  - ✓ यह पोर्टल जुलाई 2023 में **कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा लॉन्च किया गया था** ।
  - ✓ यह **कृषि में सूचित निर्णय लेने** के लिए मौसम पर **कार्रवाई योग्य अंतर्दृष्टि के साथ हितधारकों को** प्रदान करने के लिए **उन्नत मौसम डेटा विश्लेषण का लाभ उठाता है ।**

- यह **व्यापक मैनुअल हितधारकों को पोर्टल की कार्यप्रणाली, डेटा व्याख्या और प्रभावी उपयोग की गहन समझ** प्रदान करता है **, किसानों, नीति निर्माताओं और विभिन्न कृषि संस्थाओं को अच्छी तरह से सूचित विकल्प चुनने के लिए सशक्त बनाता है।**
- पोर्टल ने **बीमा उद्योग द्वारा चलाए जा रहे फसल जोखिम शमन और आपदा जोखिम न्यूनीकरण और शमन के** लिए **गैर-योजना पैरामीट्रिक बीमा कार्यक्रमों** के अलावा, मंत्रालय की **पैरामीट्रिक फसल बीमा योजना की आवश्यकता को** भी **संबोधित किया ।**

8.24 बैटिलिप्स कलामी

- शोधकर्ताओं ने **समुद्री टार्डिग्रेड की एक नई प्रजाति की पहचान की है** और इसका नाम **दिवंगत पूर्व राष्ट्रपति और वैज्ञानिक एपीजे अब्दुल कलाम के नाम पर रखा है।**

टार्डिग्रेड्स के बारे में

- **टार्डिग्रेड्स बेहद छोटे जानवर** हैं जिनका आकार **माइक्रोमीटर में मापा जाता है ।**
- वे **अपनी असाधारण लचीलापन और जीवित रहने की प्रवृत्ति के लिए जाने जाते हैं** ।
- पानी में रहने वाले ये जानवर असंभावित उपनाम **'जल भालू' से भी जाने जाते हैं।**
- समुद्री **प्रजातियाँ अपने स्थलीय समकक्षों की तुलना में छोटी होती हैं** और भी y **को पहचानना कठिन है ।**

बैटिलिप्स कलामी के बारे में

- **दक्षिण-पूर्व तमिलनाडु में मंडपम (** डॉ. कलाम के पैतृक स्थान रामेश्वरम के करीब) से खोजी गई नई **प्रजाति , जीनस बैटिलिप्स** से संबंधित है और इसे **बैटिलिप्स नाम दिया गया है। कलामी .**
- बैटिलिप्स कालामी **भारतीय जल क्षेत्र में खोजा जाने वाला दूसरा** और **पूर्वी तट पर खोजा जाने वाला पहला समुद्री टार्डिग्रेड** है ।
- यह **भारत की जीनस बैटिलिप्स से संबंधित पहली वर्गीकरणीय रूप से वर्णित प्रजाति भी है**
- बैटिलिप्स कलामी की औसत **लंबाई 170 माइक्रोमीटर (0.17 मिमी) और चौड़ाई लगभग 50 माइक्रोमीटर (0.05 मिमी) है।**
- इसमें **एक समलम्बाकार आकार का सिर होता है,** जिसमें **नुकीले सिरे वाले फिलामेंट जैसे उपांग (सिर्री) फैले होते हैं** ।
- **पैरों के सभी चार जोड़े में अलग-अलग** लंबाई की संवेदी रीढ़ होती है ।
- मादाएं **नर की तुलना में थोड़ी बड़ी होती हैं।**
- बैटिलिप्स कलामी **जीनस बैटिलिप्स की 37वीं प्रजाति** है ।
  - ✓ हालाँकि बैटिलिप्स एक विश्व स्तर पर वितरित प्रजाति है, पिछली रिपोर्टें और अध्ययन **मुख्य रूप से यूरोसेंट्रिक हैं** ।

> 2021 में, **भारत की पहली समुद्री टार्डिग्रेड प्रजातियों की खोज केरल के वडकरा में की गई थी।**
>
> इसे स्टाइगार्टस केरालेंसिस **नाम दिया गया था।**

8.25 तुंगारेश्वर वन्यजीव अभयारण्य

- **तुंगारेश्वर वन्यजीव अभयारण्य** को पार करने के लिए **4.6 किमी लंबी भूमिगत सुरंग** अब समाप्त हो गई है।
  - ✓ यह **सूर्या क्षेत्रीय जल आपूर्ति परियोजना का एक हिस्सा है।**

तुंगारेश्वर वन्यजीव अभयारण्य के बारे में

- **महाराष्ट्र** के **ठाणे जिले के वसई-विरार क्षेत्र** में स्थित है ।
- क्षेत्रफल- 85 वर्ग कि.मी
- यह **संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान (जिसे बोरीवली राष्ट्रीय उद्यान भी कहा जाता है)** और **तानसा वन्यजीव अभयारण्य** के बीच **एक गलियारा बनाता है ।**
- **शिव को समर्पित** प्रसिद्ध **तुंगारेश्वर मंदिर** यहीं स्थित है ।
- अभयारण्य के विविध आवास जिनमें तटीय वन और पहाड़ियाँ शामिल हैं, का घर है
- वनस्पति **शुष्क पर्णपाती, नम पर्णपाती** और **अर्ध सदाबहार प्रकार की है जिसमें सागौन, आम, बांस** आदि प्रजातियां शामिल हैं ।
- **जीव-जंतुओं** में शामिल हैं- **तेंदुए, जंगली सूअर, भौंकने वाले हिरण, लंगूर, बोनट और रीसस मकाक, अन्य जानवर।**
  - ✓ **क्रेस्टेड सर्पेंट-ईगल, जंगल ओवलेट, व्हाइट-आइड बज़र्ड, ओरिएंटल हनी-बज़र्ड, एमराल्ड डव और हार्ट-स्पॉटेड वुडपेकर** जैसे **पक्षी** भी यहां पाए जाते हैं।

8.26 फ़ेलीन पैनल्यूकोपेनिया वायरस

- पिछले एक महीने में, बेंगलुरु के बन्नेरघट्टा बायोलॉजिकल पार्क में **सात तेंदुए शावकों की एक संक्रामक वायरस** , **फ़ेलीन पैनेलुकोपेनिया** से संक्रमित होने के बाद **मौत हो गई है ।**
- यह **बिल्लियों की एक वायरल बीमारी है जो फ़ेलीन पार्वोवायरस** के कारण होती है ।
- यह **पहली बार है जब बन्नेरघट्टा बायोलॉजिकल पार्क में फेलिन पैनेलुकोपेनिया का प्रकोप हुआ है।**
- संक्रमण के परिणामस्वरूप सभी प्रकार की **श्वेत रक्त कोशिकाएं अचानक कम हो जाती हैं** और **अस्थि मज्जा प्रभावित होती है** ।
- यह **गैस्ट्रो-इंटेस्टाइनल लाइन पर भी हमला करता है** । दिखाई देने वाले लक्षणों में उल्टी, गंभीर दस्त, नाक से स्राव और निर्जलीकरण शामिल हैं।

8.27 इंडियन स्किमर

- लुप्तप्राय **इंडियन स्कीमर को दुधवा टाइगर रिजर्व** में **घाघरा नदी के किनारे** देखा गया ।

इंडियन स्कीमर के बारे में

- इंडियन स्कीमर **एक असामान्य दिखने वाला पक्षी है** जिसकी **चोंच आकर्षक लाल, नारंगी रंग की होती है, जिसकी निचली चोंच ऊपरी चोंच से लंबी होती है।**
- **इसे भारतीय कैंची बिल के** नाम से **भी जाना जाता है।**
- **विशेषताएँ**
  - ✓ इसकी **लंबाई 40 से 43 सेमी** और **पंखों का फैलाव 110 सेमी होता है।**

- ✓ यह **अपना मुंह खोलकर और निचली चोंच से नदी के पानी के ऊपरी हिस्से में तैरकर मछली, लार्वा और झींगा को खाता है।**
- ✓ वे **फरवरी से जून के बीच प्रजनन करते हैं और प्रति क्लच एक से तीन चूज़े पालते हैं।**

❖ **6,500 से भी कम भारतीय स्कीमर** बचे हैं।

❖ **वैश्विक वितरण- उत्तर भारतीय नदियाँ, पाकिस्तान, नेपाल, बांग्लादेश, म्यांमार, चीन, कंबोडिया, लाओस और वियतनाम।**

❖ **कुल जनसंख्या का** लगभग 20% **चम्बल नदी के किनारे** निवास करता है ।

❖ IUCN लाल सूची स्थिति- **लुप्तप्राय** ।

घाघरा- एक सुरक्षित ठिकाना

❖ **घाघरा** , जो **कई संकटग्रस्त प्रजातियों का अभयारण्य है** , **उत्तर प्रदेश में गंभीर रूप से लुप्तप्राय घड़ियाल और गंगा डॉल्फिन के लिए अंतिम गढ़ों में से एक है** ।

❖ दोनों **को घोंसले के लिए उपयुक्त सैंडबार की आवश्यकता होती है** ।

❖ घाघरा की **पूरी लंबाई में कई रेत के द्वीप** हैं ।

❖ इंडियन स्कीमर्स **अत्यधिक संकटग्रस्त प्रजातियाँ हैं** और **निवास स्थान के नुकसान के प्रति बेहद संवेदनशील हैं।**

❖ **खतरे** - **रेत खनन, कृषि गतिविधियाँ, मवेशियों की आवाजाही और मानव अशांति** पक्षियों के **रेतीले आवासों** के लिए प्रमुख खतरे हैं , जो **गर्मियों के दौरान मौसमी रूप से बनते हैं** ।

8.28 कृत्रिम चट्टान

❖ टिकाऊ प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए, मत्स्य पालन विभाग ने **प्रधान मंत्री मत्स्य संपदा योजना (पीएमएमएसवाई)** के **"एकीकृत आधुनिक तटीय मत्स्य पालन गांवों"** के तहत **एक उप-गतिविधि के रूप में 126 करोड़ रुपये के कुल निवेश के साथ 10 तटीय राज्यों के लिए 732 कृत्रिम रीफ इकाइयों को मंजूरी दी है।**

❖ परियोजनाओं को **भारतीय मत्स्य सर्वेक्षण (एफएसआई)** और **आईसीएआर-केंद्रीय समुद्री मत्स्य अनुसंधान संस्थान (सीएमएफआरआई)** के **तकनीकी सहयोग से कार्यान्वित किया जा रहा है।**

❖ इस प्रकार सभी परियोजनाएं **जनवरी 2024 तक पूरी होने की उम्मीद है** ।

कृत्रिम चट्टानों के बारे में

❖ कृत्रिम चट्टानें **इंजीनियरिंग प्रौद्योगिकी हस्तक्षेप हैं** जिनका उपयोग **प्राकृतिक आवासों के पुनर्वास और/या सुधार** , **उत्पादकता बढ़ाने** और **आवास सहित जलीय संसाधनों का प्रबंधन करने के लिए किया जाता है। वृद्धि।**

❖ वे **विभिन्न प्रकार की प्राकृतिक या सिंथेटिक सामग्रियों से बने होते हैं** , और **अनंत संख्या में आकृतियों और शैलियों में आते हैं।**

❖ **लाभ**

- ✓ एआर का उपयोग मछलियों को **एकत्र करने और मछलियों को रहने और बढ़ने के लिए घर प्रदान करने** , **तटों पर लहर से होने वाले नुकसान को कम करने** , **समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र के पुनर्जनन में मदद करने और कार्बन सिंक के रूप में कार्य करने के लिए किया जाता है।**

- ✓ **मछली पकड़ने की दर और दक्षता में** दो से तीन गुना वृद्धि हुई है जिससे **ईंधन और ऊर्जा लागत में बचत हुई है** जिससे आय में वृद्धि हुई है।
- ✓ **मूंगा, शैवाल और प्लवक जैसे समुद्री जीवन को** जुड़ने और बढ़ने के लिए एक मजबूत सब्सट्रेट प्रदान करें
- ✓ **समुद्री पशुपालन के लिए अनुकूल परिस्थितियाँ** प्रदान करें और **मछली के लिए अंडे देने और नर्सरी के मैदान के रूप में काम करें ।**
- ✓ बढ़ाना **, गोताखोरी के लिए उपयुक्त क्षेत्र बनाना और संघर्षों को कम करना।**

प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (पीएमएमएसवाई) के बारे में

- ❖ PMMSY को **मई 2020 में अब तक के सबसे अधिक निवेश** के साथ लॉन्च किया गया था। **मत्स्य पालन क्षेत्र के सतत और जिम्मेदार विकास** के माध्यम से **नीली क्रांति** लाने के लिए **20,050 करोड़** ।
- ❖ **वित्त वर्ष 2020-21 से वित्त वर्ष 2024-25 तक 5 वर्षों की अवधि** के लिए **सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों** में लागू किया गया ।
- ❖ **केंद्रीय क्षेत्र योजना** और **केंद्र प्रायोजित योजना घटकों** के साथ अंब्रेला योजना - जिसका अर्थ है कि केंद्र सरकार परियोजना लागत वहन करती है और राज्य/केंद्र शासित प्रदेश उप-घटकों/गतिविधियों की लागत साझा करते हैं।
- ❖ **आदर्श वाक्य - मत्स्य पालन क्षेत्र** में " **सुधार, प्रदर्शन और परिवर्तन" ।**

8.29 पेट्रीगोट्रिग्ला इंटरमेडिका

- ❖ **भारतीय प्राणी सर्वेक्षण (जेडएसआई) के वैज्ञानिकों ने** पश्चिम **बंगाल के दीघा मोहना** से गहरे पानी में जीवंत नारंगी **रंग की समुद्री मछली की एक नई प्रजाति की** खोज की है ।
- ❖ नई **प्रजाति** , जिसे आमतौर पर **गर्नार्ड या सी-रॉबिन्स के नाम से जाना जाता है , ट्राइग्लिडे** परिवार से संबंधित है ।
- ❖ जिसका नाम **टेरीगोट्रिग्ला रखा गया इंटरमेडिका** , इसके **लक्षण टेरीगोट्रिग्ला जैसी प्रजातियों से काफी मिलते-जुलते हैं hemisticta .**
- ❖ यह **भारत में अब तक रिपोर्ट की गई टेरीगोट्रिग्ला जीनस की चौथी प्रजाति है।**
  - ✓ **ट्राइग्लिडे परिवार की कुल 178 प्रजातियाँ** हैं ।
- ❖ **थूथन की लंबाई, आंतरिक स्थान का आकार और क्लिथ्रल रीढ़ के आकार जैसी** विशेषताओं में अन्य गर्नार्ड मछली से **अलग ।**
- ❖ वैज्ञानिकों को **आंतरिक सतह पर काली झिल्लियों** , **पीछे के सफेद किनारे** और **पंख के मूल में तीन छोटे सफेद धब्बों के साथ एक विशिष्ट पेक्टोरल-पंख मिला।**
- ❖ **लंबी ऑपेरकुलर स्पाइन और बहुत छोटी क्लिथ्रल स्पाइन** जैसे **लक्षणों** का संयोजन था ।

8.30 वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व

- ❖ **मध्य प्रदेश** , जो **देश में सबसे अधिक बाघों का घर है** , को **बड़ी बिल्लियों के लिए ' वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व' नामक एक नया संरक्षित क्षेत्र मिला है।**
- ❖ यह **राज्य का सातवां** और **देश का 54** **वां बाघ अभयारण्य है।**
  - ✓ अन्य छह बाघ अभयारण्य हैं- **कान्हा, बांधवगढ़, सतपुड़ा , पेंच , पन्ना और संजय- डुबरी** ।

- केन-बेतवा नदी लिंक परियोजना को मंजूरी देते समय **केंद्र द्वारा लगाई गई शर्तों** के अनुपालन में , सागर, **दमोह और नरसिंहपुर जिलों में फैले नए बाघ अभयारण्य को अधिसूचित किया गया है।**
- लगभग **1,414 वर्ग किलोमीटर को कोर क्षेत्र में** और **925.12 वर्ग किलोमीटर को बफर ज़ोन में शामिल किया गया है** ।
- पूर्व में **अधिसूचित पर्यावरण-संवेदनशील क्षेत्र नौरादेही एवं वीरांगना दुर्गावती अभ्यारण्य** एवं **आसपास के वन क्षेत्रों को सम्मिलित किया गया है** ।
- चूँकि इस बाघ अभ्यारण्य के अंतर्गत **कोई नया राजस्व क्षेत्र शामिल नहीं किया गया है , इसलिए इसके आसपास रहने वाले स्थानीय लोगों पर कोई अतिरिक्त प्रतिबंध नहीं लगाया जाएगा।**

अन्य तथ्य

- **राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण और भारतीय वन्यजीव संस्थान** द्वारा जारी रिपोर्ट **'भारत में बाघों की स्थिति: सह-शिकारी और शिकार -2022' के** अनुसार , देश में **बाघों की सबसे अधिक संख्या मध्य प्रदेश (785) में** है , **इसके बाद कर्नाटक का स्थान है। (563) और उत्तराखंड (560)।**
- 2022 की जनगणना में **"बाघ राज्य" का दर्जा** बरकरार रखा और राज्य में बड़ी बिल्लियों की संख्या **2018 में 526 से बढ़कर 785 हो गई** ।

8.31 नीलगिरि तहर

- **नीलगिरि तहर की जनसंख्या की** संयुक्त रूप से गणना करने के लिए **तमिलनाडु केरल के साथ सहयोग करेगा** ।
- **तमिलनाडु ने राज्य पशु** के संरक्षण के लिए पिछले साल **नीलगिरि तहर परियोजना** शुरू की थी ।

नीलगिरि तहर के बारे में

- यह **दक्षिणी भारत का एकमात्र पर्वतीय पर्वत है।**
- यह जानवर केवल दो राज्यों **केरल और तमिलनाडु के चुनिंदा आवासों में पाया जाता है** ।
- यह **समुद्र तल से 300 से 2,600 मीटर की ऊंचाई पर खड़ी और चट्टानी इलाकों** वाले **पर्वतीय घास के मैदानों को पसंद करता है।**
- ऐसा माना जाता है कि **तमिलनाडु और केरल के पश्चिमी घाटों , उत्तर में नीलगिरि** और **दक्षिण में कन्नियाकुमारी पहाड़ियों** के बीच अत्यधिक खंडित आवासों में **3,100 से अधिक जानवर रहते हैं।**
- **एराविकुलम राष्ट्रीय उद्यान इस जानवर का सबसे बड़ा निवास स्थान** है, इसके बाद **अनामलाई टाइगर रिजर्व है।**
- **वॉटल्स, पाइंस और यूकेलिप्टस** जैसे **आक्रामक पौधों के प्रसार** के रूप में **निवास स्थान के खतरे ; शिकार करना; पशु आदि में गांठदार त्वचा रोग भी देखा गया है।**
- **सुरक्षा की स्थिति**
  - ✓ **IUCN लाल सूची स्थिति - लुप्तप्राय**
  - ✓ **डब्ल्यूपीए 1972 - अनुसूची 1**

8.32 मुन्नार में खिले बाल्सम

- एक **दृश्य दावत प्रस्तुत करते हुए , मुन्नार में बाल्सम (जीनस इम्पेतिन्स) पूरी तरह से खिले हुए हैं** ।

बाल्सम के बारे में

- **स्थानीय रूप से इसे कासिथुम्बा और ओनाप्पोवु** कहा जाता है , इसके **छोटे, गुलाबी फूल एक प्रमुख आकर्षण हैं।**
- **परिपक्व बीजों के फूटने और बीज वितरण** के कारण बाल्सम को **'टच-मी-नॉट' के नाम से भी जाना जाता है** ।
- **भारत में 220 बाल्सम प्रजातियों** में से **135 दक्षिणी पश्चिमी घाट में पाई जाती हैं** ।
- **अनामुडी** , पश्चिमी घाट का सबसे ऊँचा पर्वत, और **आसपास की ऊँची पर्वतमालाएँ जंगली बाल्सम की विविधता के लिए जानी जाती हैं।**
- **मुन्नार की ऊंचाई पर बाल्सम की 46 प्रजातियाँ खोजी गई हैं** ।
  - ✓ दुनिया में किसी अन्य स्थान पर इतनी विविधता नहीं है।
- बाल्सम का सामान्य **जीवनचक्र जून से दिसंबर तक होता है।**
- यह **पौधा मुख्य रूप से वन क्षेत्रों के अंदर उगता है** ।
- विशिष्ट आवासों के नष्ट होने से, **कई प्रजातियाँ दुर्लभ, संकटग्रस्त या विलुप्त हो गई हैं।**
- यह **मांसल ओरोफाइटिक जड़ी-बूटी आमतौर पर आर्द्र आवास पसंद करती है** और **बरसात के मौसम में अपना जीवनचक्र पूरा करती है।**
- बाल्सम **जलवायु परिवर्तन की एक प्रमुख संकेतक प्रजाति है** ।

8.33 चिंचोली वन्यजीव अभयारण्य

- **कल्याण कर्नाटक** , एक विशाल **शुष्क क्षेत्र जिसमें राज्य के सात उत्तर-पूर्वी जिले, बीदर, कालाबुरागी, यादगीर , रायचूर, कोप्पल , बल्लारी और विजयनगर शामिल** हैं, में **कुछ हिस्से हैं जो घने पश्चिमी घाट के बीच में होने का एहसास कराते हैं।**
- **ऐसी ही एक जगह है चिंचोली वन्यजीव अभयारण्य , जो** कर्नाटक के कालाबुरागी जिले के **चिंचोली तालुक** में **चंद्रमपल्ली बांध** के आसपास स्थित है ।
- **चिंचोली वन्यजीव अभयारण्य** , जिसे **2011 में घोषित किया गया था** , 134.88 वर्ग **किलोमीटर का एक विशाल जंगल है जो पांच ब्लॉकों, चिंचोली , संगापुरा , भोंसापुर , मगदुमपुर और शादीपुर में फैला हुआ है ।**
- अभयारण्य में **चार बांध हैं** , जिनमें से **चंद्रमपल्ली प्रमुख है।**
- यह **दक्षिण भारत का पहला शुष्क भूमि वन्यजीव अभयारण्य है** और **समृद्ध जैव विविधता वाला क्षेत्र का एकमात्र अभयारण्य है।**
- **वनस्पति** - अभयारण्य में **कई औषधीय जड़ी-बूटियाँ और लाल चंदन और चंदन जैसे दुर्लभ पेड़ हैं** ।
  - ✓ इसके **केंद्र में अच्छे शुष्क पर्णपाती और नम पर्णपाती वन हैं और** किनारे **पर बबूल और सागौन के बागान हैं।**
- **जीवों में काला हिरण, आम लोमड़ी, चार सींग वाला मृग, फल चमगादड़, लकड़बग्घा और भारतीय भेड़िया** शामिल हैं ।
  - ✓ **पक्षियों की 35** से अधिक प्रजातियाँ , जिनमें **ब्लैक ड्रोंगो , ब्लैक-विंग्ड काइट, ब्लॉसम-हेडेड तोता, ब्लू पिजन, ब्लैक-हेडेड ओरिओल और ग्रे पार्ट्रिज शामिल हैं।**

8.34 कोनोकार्पस के पेड़

- **गुजरात ने "पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव" को रेखांकित करते हुए, वन या गैर-वन क्षेत्र में आक्रामक वृक्ष प्रजातियों- ' कोनोकार्पस ' के रोपण पर प्रतिबंध लगा दिया** है ।
- इससे पहले, **तेलंगाना ने भी पौधों की प्रजातियों पर प्रतिबंध लगा दिया था** , जो **अपने सजावटी रूप के लिए सार्वजनिक स्थानों पर व्यापक रूप से उपयोग की जाती हैं,** लेकिन **स्थानीय जैव विविधता पर प्रतिकूल प्रभाव डालने के लिए जानी जाती हैं।**

कोनोकार्पस के बारे में

- कोनोकार्पस **गहरे हरे रंग की चमकदार पत्तियों वाली एक सदाबहार प्रजाति** है ।
- यह **एक विदेशी मैंग्रोव प्रजाति है जो उत्तर और दक्षिण अमेरिका के** साथ-साथ **अफ्रीका के कुछ हिस्सों की** मूल निवासी है ।
- यह **तेजी से बढ़ने वाली प्रजाति है** जिसके बारे में बताया जाता है कि यह **जंगली शाकाहारी या पालतू जानवरों के लिए स्वादिष्ट नहीं है।**
- इस प्रजाति के पेड़ **सर्दियों में फूलते हैं** और **आस-पास के क्षेत्रों में पराग फैलाते हैं** । पता चला है कि इससे **सर्दी, खांसी, अस्थमा, एलर्जी आदि बीमारियां हो रही हैं।**
- **इस प्रजाति की जड़ें मिट्टी के अंदर गहराई तक जाती हैं** और **बड़े पैमाने पर विकसित होती हैं** , जिससे **दूरसंचार लाइनों, जल निकासी लाइनों और मीठे पानी की प्रणालियों को नुकसान पहुंचता है।**

8.35 मनीस मिस्टीरिया

- वैज्ञानिकों ने **लुप्तप्राय स्तनपायी पैंगोलिन की नौवीं किस्म की खोज की है** ।
- पहले, **वैज्ञानिक समुदाय ने एशिया और अफ्रीका में प्रत्येक में चार प्रजातियों को स्वीकार किया था।**
  - ✓ अफ्रीका में चार प्रजातियाँ रहती हैं **: ब्लैक-बेलिड पैंगोलिन, व्हाइट-बेलिड पैंगोलिन, जाइंट ग्राउंड पैंगोलिन और टेम्मिनक ग्राउंड पैंगोलिन।**
  - ✓ एशिया में चार प्रजातियाँ पाई जाती हैं **: भारतीय पैंगोलिन, फिलीपीन पैंगोलिन, सुंडा पैंगोलिन और चीनी पैंगोलिन।**
- यह **नई प्रजाति** , जिसे अस्थायी रूप से **"मैनिस मिस्टीरिया " नाम दिया गया है, लगभग पाँच मिलियन वर्ष पहले अपने फिलीपीन और मलायन रिश्तेदारों से अलग हो गई थी।**
- नई पहचानी गई पैंगोलिन प्रजाति **2015 और 2019 में चीन के युन्नान प्रांत में जब्त किए गए तराजू के विस्तृत अध्ययन से सामने आई।**
- रोमांचक खोज के बावजूद, **मैनिस मिस्टीरिया का सटीक निवास स्थान एक रहस्य बना हुआ है।**

पैंगोलिन के बारे में

- केवल स्तनधारी ही **पूरी तरह से केराटिन से बने शल्कों से ढके होते हैं।**
- उन्हें अक्सर उनके **विशिष्ट शल्कों और उनके आहार** के कारण **"स्कैली एंटईटर" कहा जाता है** , जिसमें **मुख्य रूप से चींटियाँ और दीमक होते हैं** ।
- ख़तरा होने पर, **पैंगोलिन एक तंग गेंद की तरह मुड़ सकते हैं** , और **उनके शल्क एक सुरक्षात्मक अवरोध बनाते हैं।**

- पैंगोलिन के **दाँत नहीं होते।**
- वे **रात में सबसे अधिक सक्रिय होते हैं और एकान्त प्राणी होते हैं।**
- पैंगोलिन प्रजाति भारत में पाई जाती है
  - ✓ **भारतीय पैंगोलिन** -आईयूसीएन लाल सूची स्थिति - **लुप्तप्राय** , डब्ल्यूपीए 1972- **अनुसूची 1**
  - ✓ **चीनी पैंगोलिन** -आईयूसीएन लाल सूची स्थिति - **गंभीर रूप से लुप्तप्राय** , डब्ल्यूपीए 1972- **अनुसूची 1**
- **धमकी**
  - ✓ कुछ क्षेत्रों में स्वादिष्ट माने जाने वाले **उनके मांस के कारण** पैंगोलिन खतरे में है ।
  - ✓ है कि 2004 से 2014 तक **दस लाख से अधिक पैंगोलिन का अवैध शिकार किया गया, जिसके कारण 2016 में इस प्रजाति पर अंतर्राष्ट्रीय व्यापार प्रतिबंध लगा दिया गया।**
  - ✓ वे **दुनिया में सबसे अधिक तस्करी किये जाने वाले स्तनधारी हैं।**
  - ✓ **पैंगोलिन की सभी प्रजातियाँ लुप्तप्राय प्रजातियों के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पर कन्वेंशन (CITES) परिशिष्ट I** में सूचीबद्ध हैं।

8.36 कमलांग टाइगर रिजर्व

- **कमलांग टाइगर रिजर्व ने विकी लव्स बटरफ्लाइज और अम्या (एनजीओ) के सहयोग से** पहली बार **बटरफ्लाई वॉक और नेचर ट्रेल कार्यक्रम का** आयोजन किया ।
- आयोजन का मुख्य **लक्ष्य अनदेखे तितलियों की विविधता को उजागर करना और सभी प्रतिभागियों को व्यापक दर्शकों के सामने लाना था।**

कमलांग टाइगर रिजर्व के बारे में

- यह **अरुणाचल प्रदेश के लोहित जिले में स्थित है** और इसका नाम **यहां से बहने वाली कमलांग नदी के नाम पर रखा गया है ।**
- कमलांग वन्यजीव अभयारण्य **भारत का 50वां बाघ अभयारण्य है** ।
- कमलांग **टाइगर रिजर्व 60 से अधिक स्तनधारियों, 105 पक्षी प्रजातियों और 20 सरीसृपों का घर** है । **उदाहरण के लिए स्नो लेपर्ड, क्लाउडेड लेपर्ड, टाइगर, हिमालयन पाम सिवेट, हॉर्नबिल आदि।**
- वनस्पति- **रिजर्व की ऊपरी पहुंच में अल्पाइन वनस्पति है** , जबकि **निचली पहुंच में उष्णकटिबंधीय और सदाबहार वन हैं** । **कैनेरियम रेजिनिफेरम , अमूरा** जैसे पेड़ **वाललिची , गमेलिना आर्बोरिया और टर्मिनलिया चेबुला पाए जाते हैं।**
- पार्क में **ग्लो लेक** सहित **कई ऊंचे जल निकाय हैं।**

9. नीति और कार्यक्रम

9.1 ग्रामोद्योग विकास योजना

- **सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय के** तहत **खादी और ग्रामोद्योग आयोग (KVIC) ने हाल ही में ग्रामोद्योग विकास योजना के तहत भुवनेश्वर (** ओडिशा) में एक वितरण समारोह में कारीगरों को **टूल-किट और मशीनरी** वितरित की ।

ग्रामोद्योग विकास योजना के बारे में

- **मार्च 2020** में **लॉन्च की गई** , यह **खादी ग्रामोद्योग विकास योजना के दो घटकों में से एक है** जो एक **केंद्रीय क्षेत्र योजना** (सीएसएस) है।
  - ✓ दूसरा घटक **खादी विकास योजना (KVY) है।**
- इसका **उद्देश्य सामान्य सुविधाओं** , **तकनीकी आधुनिकीकरण, प्रशिक्षण** आदि के माध्यम से **ग्रामीण उद्योगों को बढ़ावा देना और विकसित करना है** ।
- यह योजना **खादी और ग्रामोद्योग आयोग (KVIC) द्वारा कार्यान्वित की जाती है।**
- घटकों में शामिल हैं- **अनुसंधान एवं विकास और उत्पाद नवाचार, क्षमता निर्माण और विपणन एवं प्रचार**
- **गतिविधियाँ**
  - ✓ **कृषि आधारित एवं खाद्य प्रसंस्करण उद्योग (एबीएफपीआई)**
  - ✓ **खनिज आधारित उद्योग (एमबीआई)**
  - ✓ **कल्याण एवं सौंदर्य प्रसाधन उद्योग (डब्ल्यूसीआई)**
  - ✓ **हस्तनिर्मित कागज, चमड़ा और प्लास्टिक उद्योग (एचपीएलपीआई)**
  - ✓ **ग्रामीण इंजीनियरिंग और नई प्रौद्योगिकी उद्योग (RENTI)**
  - ✓ **सेवा उद्योग**

9.2 पीएम-दक्ष योजना

- पीएम-दक्ष योजना के तहत, **अगले तीन वर्षों के दौरान 2023-24 से 2025-26 तक 1,69,300 उम्मीदवारों को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य 286.42 करोड़ रुपये के बजटीय परिव्यय के साथ होगा।**

पीएम-दक्ष योजना के बारे में

- प्रधानमंत्री **दक्षता और कुशलता सम्पन्न हितग्रही (पीएम-दक्ष) योजना** , एक **केंद्रीय क्षेत्र की योजना** , **2020-21 के दौरान शुरू की गई थी** ।
- योजना का मुख्य उद्देश्य लक्षित समूहों के योग्यता स्तर को बढ़ाना है ताकि **उन्हें उनके सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए स्व-रोजगार और मजदूरी-रोज़गार दोनों में रोजगार योग्य बनाया जा सके** ।
- **नोडल** मंत्रालय - **सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय** ।
- **लक्षित समूह - एससी, ओबीसी, ईबीसी, डीएनटी सफाई कर्मचारी जिनमें कचरा बीनने वाले आदि शामिल हैं** ।
  - ✓ योजना का आयु **मानदंड 18-45 वर्ष के बीच** है

- ✓ **आय मानदंड अनुसूचित जाति , कचरा बीनने वाले और डीएनटी सहित सफाई कर्मचारियों के लिए कोई आय सीमा नहीं** है ।
- ✓ **ओबीसी के लिए वार्षिक पारिवारिक आय 3 लाख रुपये से कम** होनी **चाहिए** और ईबीसी **(आर्थिक रूप से पिछड़ा वर्ग) के लिए वार्षिक पारिवारिक आय 1 लाख रुपये से कम होनी चाहिए।**

❖ **प्रशिक्षण के प्रकार , अवधि और प्रति उम्मीदवार औसत लागत-**

- ✓ **अप-स्किलिंग/रीस्किलिंग** (35 से 60 घंटे/5 दिन से 35 दिन):-रु.3000/- से रु.8000/-
- ✓ **अल्पावधि प्रशिक्षण** (300 घंटे/3 महीने): -रु.22,000/-
- ✓ **उद्यमिता विकास कार्यक्रम** (90 घंटे/15 दिन): रु.7000/-
- ✓ **दीर्घकालिक प्रशिक्षण** (650 घंटे/7 महीने):- 45,000/- रु.

❖ **वजीफा** : **अल्पकालिक और दीर्घकालिक प्रशिक्षण में 80% और उससे अधिक उपस्थिति वाले प्रशिक्षुओं के लिए** प्रति प्रशिक्षु **1,000/- रुपये से 1,500/- रुपये प्रति माह।**

9.3 विरासत 2.0 योजना अपनाएं

❖ भारतीय **पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने हाल ही में एक भारतीय विरासत ऐप और एक ई-अनुमति पोर्टल** के अलावा **'एडॉप्ट ए हेरिटेज' कार्यक्रम** का एक नया संस्करण लॉन्च किया है ।

❖ **'एडॉप्ट ए हेरिटेज 2.0'** , **'एडॉप्ट ए हेरिटेज' कार्यक्रम** का **उन्नत संस्करण है ।**

- ✓ **शुरुआत में पर्यटन मंत्रालय** के तहत 2017 में **एएसआई के सहयोग से लॉन्च किया गया** , इसने कॉर्पोरेट हितधारकों को **देश भर में फैले 3,000 से अधिक संरक्षित स्मारकों को** अपनाने के लिए आमंत्रित किया ।

❖ यह **कार्यक्रम कॉर्पोरेट हितधारकों को ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण स्मारकों पर सुविधाएं बढ़ाने** के लिए अपने **कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) फंड का** उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करता है।

❖ एडॉप्ट **ए हेरिटेज 2.0 में साझेदार एजेंसियों के लिए एक आसान प्रबंधन और पर्यवेक्षण संरचना , अर्ध-व्यावसायिक गतिविधियों के लिए स्पष्ट दिशानिर्देश** और **स्मारकों के लिए आवश्यक कार्य और सुविधाओं के विस्तृत दायरे को** पहले संस्करण में प्रस्तावित किए जाने के बाद **कार्यक्रम में कई बदलाव शामिल किए गए** हैं । **गोद लेने के लिए सूची में 1,000 अतिरिक्त स्मारक भी जोड़े गए हैं।**

❖ अद्यतन कार्यक्रम में , **कंपनियों को अधिक स्वतंत्रता दी** गई है जैसे कि **या तो किसी स्मारक को पूरा अपनाना** और उसके पर्यटन बुनियादी ढांचे को विकसित करना, या **एक या कई साइटों के लिए पीने के पानी की सुविधा या सफाई सेवाएँ जैसी विशेष सुविधा प्रदान करना** ।

ऐप और पोर्टल के बारे में

❖ दूसरी ओर, ऐप एएसआई के दायरे में आने **वाले स्मारकों के लिए एक व्यापक गाइड प्रदान करता है** ।

❖ इसमें **चित्रों, साइट पर उपलब्ध सार्वजनिक सुविधाओं और भू-टैग किए गए स्थानों** के साथ **ऐतिहासिक संरचनाओं को सूचीबद्ध किया गया है ।**

❖ ई **-अनुमति पोर्टल को अनुमति देने की प्रक्रिया में तेजी लाने के लक्ष्य के** साथ, **विरासत स्मारकों** से संबंधित फोटोग्राफी , **फिल्मांकन और विकासात्मक पहल के लिए अनुमोदन प्राप्त करने की प्रक्रिया को सरल और तेज करने के लिए डिज़ाइन किया गया है** ।

9.4 जल जीवन मिशन

- जल **जीवन मिशन (जेजेएम) ने 13 करोड़ ग्रामीण परिवारों** को नल का पानी कनेक्शन प्रदान करके एक **उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है** ।
- नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, **गोवा, तेलंगाना, हरियाणा, गुजरात, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, पुदुचेरी, दमन और दीव, दादरा और नगर हवेली और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह** सहित **कई राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने 100% कवरेज हासिल कर लिया है** ।

जल जीवन मिशन के बारे में

- इसे **भारत के 73वें स्वतंत्रता दिवस, 15 अगस्त, 2019 को लॉन्च किया गया था।**
- **गति और पैमाने के सिद्धांतों** द्वारा संचालित है ।
- यह **जल शक्ति मंत्रालय** द्वारा **एक केंद्र प्रायोजित योजना है।**
- **केंद्र और राज्य** के बीच **साझा की गई धनराशि का** अनुपात -
  - ✓ **हिमालय (उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश) और उत्तर-पूर्वी राज्यों** के **लिए 90:10** है ;
  - ✓ **केंद्रशासित प्रदेशों** के लिए - यह **100:0 है** ; और
  - ✓ **बाकी राज्यों** के लिए यह **50:50 है** ।
- इसका लक्ष्य **प्रति व्यक्ति प्रति दिन 55 लीटर पानी उपलब्ध कराना है** 2024 तक **प्रत्येक ग्रामीण घर में कार्यात्मक घरेलू नल कनेक्शन (एफएचटीसी)** यानी **हर घर नल से जल (एचजीएनएसजे) के माध्यम से।**
- जल जीवन मिशन **विकास भागीदारों सहित विभिन्न हितधारकों के संयुक्त प्रयासों का** लाभ उठाते हुए, **राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के सहयोग से संचालित होता है ।**
- पानी **समितियाँ** ग्राम जल आपूर्ति प्रणालियों **की योजना बनाना, कार्यान्वयन करना, प्रबंधन करना, संचालन करना और रखरखाव करना** ।
  - ✓ इन समितियों **में 10-15 सदस्य होते हैं** , जिनमें **कम से कम 50% महिला सदस्य और स्वयं सहायता समूहों, मान्यता प्राप्त सामाजिक और स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं, आंगनवाड़ी शिक्षकों आदि के अन्य सदस्य होते हैं।**

9.5 बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली

- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने **बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम (बीईएसएस) के विकास के लिए व्यवहार्यता अंतर वित्तपोषण (वीजीएफ) योजना को मंजूरी दे दी है।**
- अनुमोदित **योजना में 2030-31 तक 4,000 मेगावाट की बीईएसएस परियोजनाओं के विकास की परिकल्पना की गई है** , जिसमें **व्यवहार्यता गैप फंडिंग (वीजीएफ) के रूप में** बजटीय **सहायता के रूप में पूंजीगत लागत का 40% तक वित्तीय सहायता शामिल है।**
- इस कदम से बैटरी भंडारण **प्रणालियों की व्यवहार्यता बढ़ने की लागत में कमी आने की उम्मीद है।**
- सौर और पवन ऊर्जा जैसे नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों की क्षमता का दोहन करने के लिए बनाई गई इस **योजना का उद्देश्य नागरिकों को स्वच्छ, विश्वसनीय और सस्ती बिजली प्रदान करना है।**
- सहित **9,400 करोड़ रुपये के प्रारंभिक परिव्यय** के साथ **बीईएसएस योजना के विकास के लिए वीजीएफ,** टिकाऊ **ऊर्जा समाधानों के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है** ।

- वीजीएफ समर्थन की पेशकश करके, **योजना का लक्ष्य भंडारण की एक स्तरीय लागत (एलसीओएस) रुपये से लेकर प्राप्त करना है। 5.50-6.60 प्रति किलोवाट-घंटा (kWh) , जो देश भर में अधिकतम बिजली मांग के प्रबंधन के लिए** संग्रहीत नवीकरणीय ऊर्जा को एक व्यवहार्य विकल्प बनाता है ।
- वीजीएफ को बीईएसएस परियोजनाओं के कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों से जुड़े **पांच किश्तों में वितरित किया जाएगा ।**
- **बीईएसएस परियोजना क्षमता का न्यूनतम 85% वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) को उपलब्ध कराया** जाएगा ।
- के लिए बीईएसएस डेवलपर्स का चयन **एक पारदर्शी प्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया के माध्यम से किया जाएगा।**

9.6 स्वच्छ वायु सर्वेक्षण 2023 रैंकिंग

- स्वच्छ **वायु सर्वेक्षण 2023 (स्वच्छ वायु सर्वेक्षण) रिपोर्ट भोपाल, मध्य प्रदेश में जारी की गई** ।
- यह सर्वेक्षण **केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा किया गया था** ।
- इस वर्ष, **नीले आसमान के लिए स्वच्छ वायु का चौथा अंतर्राष्ट्रीय दिवस (स्वच्छ वायु दिवस 2023) वैश्विक थीम "स्वच्छ वायु के लिए एक साथ"** के साथ मजबूत साझेदारी बनाने **, निवेश बढ़ाने और वायु प्रदूषण पर काबू पाने के लिए जिम्मेदारी साझा करने के लिए है।**
- स्वच्छ वायु सर्वेक्षण **पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमओईएफ एंड सीसी) द्वारा राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एनसीएपी)** के तहत **131 गैर-प्राप्ति शहरों में शहरी कार्य योजना और वायु गुणवत्ता के तहत अनुमोदित गतिविधियों के कार्यान्वयन के आधार पर शहरों को रैंक करने की** एक पहल है । **).**
  - ✓ केंद्र सरकार ने **2017 के संदर्भ आधार वर्ष के साथ, 2024 तक कण प्रदूषण को 30% तक कम करने के लक्ष्य के** साथ **2019 में एनसीएपी लॉन्च किया** था ।
- **131 शहरों को तीन समूहों** में **वर्गीकृत किया गया** है ।
  - ✓ **लाख से ज्यादा .**
  - ✓ **3 से 10 लाख के बीच .**
  - ✓ **लाख से कम .**
- यह **विभिन्न डोमेन में वायु गुणवत्ता में सुधार** के लिए **शहरों द्वारा की गई कार्रवाइयों पर आधारित है** , **न कि वायु गुणवत्ता मापदंडों के माप पर।**

प्रमुख निष्कर्ष

- **दस लाख से अधिक आबादी वाले शहरों** में **इंदौर ने पहला स्थान हासिल किया** , उसके बाद आगरा और ठाणे का स्थान रहा । **मदुरै, हावड़ा और जमशेदपुर क्रमशः 46वें, 45वें और 44वें स्थान पर हैं।**
- **दूसरी श्रेणी** में , **300,000 से दस लाख के बीच की आबादी** के साथ , **अमरावती ने पहला स्थान हासिल किया, उसके बाद मोरादाबाद और गुंटूर का स्थान रहा । जम्मू, गुवाहाटी और जालंधर** क्रमशः 38वें, 37वें और 36वें स्थान पर रहे।
- इसी तरह, **तीसरी श्रेणी के लिए** , **300,000 से कम आबादी के साथ** , हिमाचल प्रदेश के **परवाणू ने पहला स्थान हासिल किया,** उसके बाद **काला अंब और अंगुल रहे** , जबकि **कोहिमा अंतिम स्थान पर था - 39।**

9.7 नैरोबी घोषणा

- पहला **अफ्रीका जलवायु शिखर सम्मेलन विश्व नेताओं से जलवायु कार्रवाई के वित्तपोषण के लिए वैश्विक करों का समर्थन करने के आह्वान के** साथ समाप्त हुआ ।
- घोषणा **" अफ्रीकी देशों की मदद के लिए वित्तीय सुधारों का भी आह्वान करती है।**
- घोषणापत्र में दुनिया के ग्रीनहाउस गैसों के सबसे बड़े उत्सर्जकों और इसके सबसे अमीर देशों से अपने वादे निभाने का आह्वान किया गया है - विशेष रूप से 14 **साल पहले विकासशील देशों को वार्षिक जलवायु वित्त में $ 100 बिलियन की अधूरी प्रतिज्ञा को ध्यान में रखते हुए** - और **आज के विश्व नेताओं को इसके पीछे एकजुट होने के लिए कहा गया है । जीवाश्म ईंधन, विमानन और समुद्री परिवहन पर वैश्विक कार्बन टैक्स।**

9.8 प्रधानमंत्री की विश्वकर्मा योजना

- **'विश्वकर्मा दिवस'** पर दिल्ली से वस्तुतः **'पीएम विश्वकर्मा योजना' का** शुभारंभ करेंगे, जिसमें देश भर के **70 विभिन्न स्थानों** से **70 मंत्री** भाग लेंगे ।

पीएम विश्वकर्मा योजना के बारे में:

- वित्त मंत्री **श्रीमती द्वारा पीएम विश्वकर्मा योजना की घोषणा की गई।** अपने **2023-2024 के** बजट भाषण के दौरान **निर्मला सीतारमण ।**
- पीएम विश्वकर्मा योजना का पूरा नाम **पीएम विश्वकर्मा कौशल सम्मान योजना है।**
- इसे दूसरे से भी जाना जाता है नाम यानि **"पीएम विकास योजना" या "पीएम विश्वकर्मा योजना"।**
- **पीएम विश्वकर्मा योजना को** पूरे भारत में लागू करने की मंजूरी दे दी ।
- तारीख 17 सितंबर 2023 तय की है।
- **पीएम विश्वकर्मा योजना** 17-08-2023 को विश्वकर्मा जयंती के अवसर पर शुरू होने जा रही है ।
- **पीएम विश्वकर्मा कौशल सम्मान योजना** शुरू करने के पीछे मुख्य उद्देश्य कलाकार , शिल्पकार और छोटे व्यवसाय के मालिकों को आर्थिक रूप से समर्थन देना और उन्हें पूंजी सहायता प्रदान करके उनके व्यवसाय को बढ़ाने में मदद करना है।
- **रुपये** का बजट आरक्षित रखती है । पीएम विश्वकर्मा योजना के सुचारू कार्यान्वयन के लिए **13,000/- करोड़ ।**
- **सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय** पीएम विश्वकर्मा योजना का नोडल मंत्रालय है।
- **रुपये तक का ऋण. सभी पात्र कलाकारों और शिल्पकारों को उनके व्यवसाय के लिए केवल 5% ब्याज पर 1,00,000/-** रुपये प्रदान किए जाएंगे।
- **रुपये** तक का ऋण लेते हैं। **2,00,000/** - पर **ब्याज दर 5%.**
- पीएम विश्वकर्मा योजना के तहत **कलाकारों और शिल्पकारों** को पूंजीगत ऋण के अलावा **कौशल प्रशिक्षण** भी प्रदान किया जाएगा ।
- **रुपये का वजीफा।** प्रधानमंत्री विश्वकर्मा कौशल सम्मान योजना के तहत प्रशिक्षण के लिए चयनित प्रशिक्षु को **500/- रूपये प्रतिदिन** प्रदान किये जायेंगे ।
- **रुपये की वित्तीय सहायता.** सभी शिल्पकारों और कारीगरों को उनके व्यवसाय के लिए अग्रिम उपकरण खरीदने के लिए **15,000/- रुपये** भी प्रदान किए जाएंगे।

- भारत सरकार लाभार्थियों को उनकी आसान पहचान के लिए पीएम विश्वकर्मा प्रमाणपत्र और पहचान पत्र भी प्रदान करेगी।
- भारत सरकार द्वारा पीएम विश्वकर्मा योजना के अंतर्गत **18 पारंपरिक व्यापारों को शामिल किया गया है।**
- से अधिक **पिछड़े वर्गों से संबंधित 30 लाख परिवारों को** कवर किए जाने की उम्मीद है और वे पीएम विश्वकर्मा योजना का लाभ लेने जा रहे हैं।
- इसके लिए थोड़ा और इंतजार करना होगा पीएम विश्वकर्मा कौशल सम्मान योजना का लाभ उठाएं ।

9.9 विद्या समीक्षा केंद्र

- राष्ट्रीय डिजिटल शिक्षा वास्तुकला (एनडीईएआर) के तहत, शिक्षा मंत्रालय राज्यों को विद्या समीक्षा केंद्र (वीएसके) खोलने के लिए प्रेरित कर रहा है।

पहल के बारे में:

- **विद्या समीक्षा केंद्र (वीएसके)** शिक्षा मंत्रालय (एमओई) द्वारा संचालित सभी योजनाओं से डेटा एकत्र करने के लिए **सी- क्यूब सॉफ्टवेयर** पर चलने वाला एक ओपन-सोर्स प्लेटफॉर्म है ।
- वीएसके नियंत्रण कक्ष प्रमुख प्रदर्शन संकेतकों को ट्रैक करने के लिए डेटा एकत्र करेंगे और साथ ही ' **एआई और मशीन-लर्निंग का उपयोग करके**' सरकारी योजनाओं से एकत्रित डेटा का विश्लेषण करेंगे ।
- **वीएसके केंद्रों** का संचालन सी- क्यूब सॉफ्टवेयर पर चलने वाले एक ओपन-सोर्स प्लेटफॉर्म द्वारा प्रबंधित किया जाता है ।
- **सलाहकार की भूमिका** - ' **एकस्टेप फाउंडेशन**' , एक गैर-लाभकारी संगठन वीएसके परियोजना को लागू करने के लिए एक सलाहकार की भूमिका में है।
- केंद्र ने वीएसके को अपनाने और स्थापित करने के लिए प्रत्येक राज्य को **2 से 5 करोड़ रुपये तक की धनराशि आवंटित की है।**
- रिपॉजिटरी में नियमित रूप से अद्यतन डेटा शामिल होगा
  - ✓ **पीएम-पोषण मध्याह्न भोजन कार्यक्रम ;**
  - ✓ **पोर्टल के लिए राष्ट्रीय पहल से शिक्षक प्रशिक्षण डेटा ;**
  - ✓ **डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर फॉर नॉलेज शेयरिंग (दीक्षा) से पाठ्यपुस्तक सामग्री;**
  - ✓ **) पर स्कूल छोड़ने वालों और उपस्थिति से संबंधित डेटा ;**
  - ✓ **राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण से छात्रों के सीखने के परिणाम ;**
  - ✓ **प्रदर्शन ग्रेडिंग सूचकांक जो राज्य/केंद्र शासित प्रदेश स्तर पर स्कूली शिक्षा प्रणाली का मूल्यांकन करता है।**
- **कार्य-** केंद्र, राज्य और जिला स्तर पर कई प्लेटफ़ॉर्म प्लेटफ़ॉर्म पर सभी स्तरों पर डेटा को निर्बाध रूप से एकीकृत करने के लिए अनुरोधों और प्रतिक्रियाओं का उपयोग करके एक-दूसरे के साथ संवाद कर सकते हैं।
- **राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020** के अनुरूप है जो डेटा को खुला स्रोत बनाने के लिए परिचालन मानकों को विकसित करने की बात करता है।

राष्ट्रीय डिजिटल शिक्षा वास्तुकला (NDEAR):

- **एनडीईएआर** देश में शैक्षिक पारिस्थितिकी तंत्र के लिए एक **वास्तुशिल्प खाका है जो** शिक्षा के लिए डिजिटल बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए सिद्धांतों, मानकों और विशिष्टताओं, दिशानिर्देशों और नीतियों के एक सेट को परिभाषित करता है।
- यह **इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सहयोग से शिक्षा मंत्रालय के अधीन है।**
- इसके तहत, सरकार शिक्षा क्षेत्र के लिए प्रौद्योगिकी समाधान का निर्माण नहीं करेगी, बल्कि एक सक्षमकर्ता के रूप में कार्य करेगी, एक रूपरेखा पेश करेगी जिसमें प्रौद्योगिकी को किसी के द्वारा भी विकसित और निर्मित किया जा सकता है।
- यह **'डिजिटल प्रथम'** दृष्टिकोण को बढ़ावा देता है, शिक्षण और सीखने की गतिविधियों का समर्थन करता है, और शैक्षिक योजना के साथ-साथ शासन और प्रशासनिक गतिविधियों को सुविधाजनक बनाता है।

9.10 आयुष्मान भव अभियान

- **राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राजभवन गांधीनगर, गुजरात से** वस्तुतः **'आयुष्मान भव'** अभियान के साथ-साथ आयुष्मान भव पोर्टल का शुभारंभ किया।

'आयुष्मान भव' अभियान के बारे में

- यह एक व्यापक राष्ट्रव्यापी स्वास्थ्य सेवा पहल है जिसका उद्देश्य देश के हर गांव और कस्बे तक स्वास्थ्य सेवाओं की संतृप्ति कवरेज प्रदान करना है।
- यह भारत सरकार के **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा शुरू किया गया है।**
- **'सेवा पखवाड़ा '** के दौरान लागू किया जाएगा , पूरे देश और पूरे समाज के दृष्टिकोण का प्रतीक है। यह सरकारी क्षेत्रों, नागरिक समाज संगठनों और समुदायों को एक साझा मिशन के तहत एकजुट करता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि प्रत्येक व्यक्ति को बिना किसी असमानता या बहिष्कार के आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं प्राप्त हों।

'आयुष्मान भव' अभियान के घटक:

आयुष्मान भव एक व्यापक अभियान है जिसमें तीन प्रमुख घटक शामिल हैं:

- **आयुष्मान आपके द्वार 3.0:** इस पहल का उद्देश्य पीएम-जेएवाई योजना के तहत नामांकित शेष पात्र लाभार्थियों को आयुष्मान कार्ड प्रदान करना है, यह सुनिश्चित करना कि अधिक व्यक्तियों को आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच हो।
- **आयुष्मान मेले:** आयुष्मान भारत- एचडब्ल्यूसी और सीएचसी पर ये मेले एबीएचए आईडी (स्वास्थ्य आईडी) बनाने और आयुष्मान भारत कार्ड जारी करने की सुविधा प्रदान करेंगे। वे शीघ्र निदान, व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल सेवाएं, विशेषज्ञों के साथ टेली-परामर्श और उचित रेफरल भी प्रदान करेंगे।
- **आयुष्मान सभाएँ:** प्रत्येक गाँव और पंचायत में ये सभाएँ आयुष्मान कार्ड वितरित करने, एबीएचए आईडी बनाने और महत्वपूर्ण स्वास्थ्य योजनाओं और गैर-संचारी रोगों, तपेदिक (निक्षय मित्र), सिकल सेल जैसी बीमारियों के बारे में जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। बीमारी, साथ ही रक्तदान और अंग दान अभियान।

9.11 मुझे कर्मयोगी मंच मिल गया

- एस्पिरेशनल ब्लॉक्स प्रोग्राम मॉड्यूल आईजीओटी पर लाइव है कर्मयोगी मंच.

कर्मयोगी के बारे में:

- **मुझे मिल गया कर्मयोगी भारत ने एस्पिरेशनल ब्लॉक्स प्रोग्राम (एबीपी)** को समर्पित एक नया क्यूरेटेड संग्रह लॉन्च किया है ।
- **मुझे मिल गया कर्मयोगी** सरकारी अधिकारियों के लिए क्षमता विकास पारिस्थितिकी तंत्र है, जिसका प्रबंधन **नीति आयोग** के साथ साझेदारी में **कर्मयोगी भारत एसपीवी द्वारा किया जाता है।**
- नया मॉड्यूल शिक्षार्थियों को उनके कर्तव्यों और जिम्मेदारियों को प्रभावी ढंग से निभाने के लिए महत्वपूर्ण विषयों से परिचित कराकर **500 पहचाने गए ब्लॉकों में 5000 ब्लॉक-स्तरीय अधिकारियों की कार्यात्मक, डोमेन और** व्यवहारिक दक्षताओं का निर्माण करना चाहता है।
- **मिशन लाइफ** पर ऑपरेशन मॉड्यूल, **एसडीजी, समस्या-समाधान और निर्णय लेने आदि जैसे विषयों पर हैं।**
- **मुझे मिल गया कर्मयोगी** सरकारी अधिकारियों को उनकी क्षमता-निर्माण यात्रा में मार्गदर्शन करने के लिए एक व्यापक ऑनलाइन पोर्टल है।

मिशन कर्मयोगी

- **मिशन कर्मयोगी** सिविल सेवा क्षमता निर्माण के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम (एनपीसीएससीबी) है। यह भारतीय नौकरशाही में एक सुधार है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने इसे 2 सितंबर 2020 को लॉन्च किया। इस मिशन का उद्देश्य भारतीय सिविल सेवकों की क्षमता निर्माण के लिए नींव रखना है और शासन को बढ़ाना है।

मिशन कर्मयोगी के छह स्तंभ

मिशन कर्मयोगी के निम्नलिखित छह स्तंभ हैं:

- नीतिगत ढांचा
- संस्थागत ढांचा
- योग्यता ढांचा
- डिजिटल लर्निंग फ्रेमवर्क
- इलेक्ट्रॉनिक मानव संसाधन प्रबंधन प्रणाली (ई-एचआरएमएस)
- निगरानी और मूल्यांकन ढांचा

आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम

- **नीति आयोग ने** आकांक्षी जिला कार्यक्रम की सफलता के आधार पर **आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम** शुरू किया है । कार्यक्रम का उद्देश्य उन क्षेत्रों के प्रदर्शन में सुधार करना है जो विभिन्न विकास मानकों पर पिछड़े हुए हैं। इसकी घोषणा **केंद्रीय बजट 2022-23** में की गई थी ।

9.12 पीएम उज्ज्वला योजना

- केंद्रीय कैबिनेट ने इसे बढ़ाने का फैसला किया है **प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) 75 लाख तक** तीन वर्षों में अधिक उपभोक्ताओं को एलपीजी कनेक्शन प्रदान करके **2023-24 से 2025- 26.**
- लागत **1,650 करोड़ रुपये,** इस विस्तार से पीएमयूवाई लाभार्थियों की कुल संख्या बढ़ जाएगी **103.5 मिलियन.**
- सरकार ने रसोई गैस की कीमत में कटौती के बाद इस विस्तार की घोषणा की **200 रु** पिछले महीने सभी बाज़ारों में।

उज्जवला योजना के बारे में

- गरीबी रेखा से नीचे (बीपीएल) परिवारों की महिलाओं को एलपीजी कनेक्शन प्रदान करने के लिए **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय** की एक योजना है ।
- यह योजना मूल रूप से **1 मई 2016 को उत्तर प्रदेश के बलिया में** भारत के प्रधान मंत्री द्वारा **मार्च 2020 तक 8 करोड़** कनेक्शन जारी करने के लक्ष्य के साथ शुरू की गई थी।
- **उज्ज्वला 1.0 के दौरान** बीपीएल परिवारों की **5 करोड़ महिला सदस्यों** को एलपीजी कनेक्शन उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया था ।
- **अप्रैल 2018** में सात और श्रेणियों **(एससी/एसटी, पीएमएवाई, एएवाई, सर्वाधिक पिछड़ा वर्ग, चाय बागान, वनवासी, द्वीप समूह) की महिला लाभार्थियों को शामिल करने के लिए इस योजना का विस्तार किया गया।**
- PMUY **2.0 को** वित्तीय वर्ष **2021-22 में** अतिरिक्त एक करोड़ कनेक्शन जारी करने का प्रावधान करते हुए लॉन्च किया गया था।

9.13 प्रधान मंत्री मत्स्य सम्पदा योजना

- **प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (पीएमएमएसवाई) ने** कार्यान्वयन के **तीन सफल वर्ष** पूरे कर लिए हैं ।
- सरकार ने हाल ही में **रुपये के निवेश की घोषणा की है। पीएमएमएसवाई** के तहत एक उपयोजना के रूप में **6,000 करोड़ रुपये , जिससे** पिछले नौ वर्षों में मत्स्य पालन में कुल निवेश **38,500 करोड़ रुपये** से अधिक हो गया है ।

पीएमएमएसवाई के बारे में

- केंद्र सरकार ने भारत में मत्स्य पालन क्षेत्र के सतत और जिम्मेदार विकास के माध्यम से **नीली क्रांति** लाने के लिए **2020 में प्रधान मंत्री मत्स्य संपदा योजना (पीएमएमएसवाई) शुरू की।**
- इसे **मत्स्य पालन विभाग, मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय द्वारा कार्यान्वित किया जाता है।**

उद्देश्य

- यह देश में समुद्री और अंतर्देशीय मत्स्य पालन क्षेत्र के एकीकृत, टिकाऊ, समावेशी विकास के लिए एक प्रमुख योजना है, जिसमें अनुमानित निवेश **रु।** सभी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में **वित्त वर्ष 2020-21 से वित्त वर्ष 2024-25 तक 5 वर्षों** की अवधि के दौरान इसके कार्यान्वयन के लिए **20,000 करोड़ रुपये ।**
- **2024-25 तक** मछली उत्पादन को अतिरिक्त **70 लाख टन तक बढ़ाना** , मत्स्य निर्यात आय को **2024-25 तक 1,00,000 करोड़ रुपये तक बढ़ाना** , मछुआरों और मछली किसानों की आय को दोगुना करना, फसल के बाद के नुकसान को **20 से कम करना है। 25% से लगभग 10%।**
- इसे मछली उत्पादन और उत्पादकता, गुणवत्ता, प्रौद्योगिकी, फसल कटाई के बाद के बुनियादी ढांचे और प्रबंधन, मूल्य श्रृंखला के आधुनिकीकरण और मजबूती, पता लगाने की क्षमता और एक मजबूत मत्स्य प्रबंधन ढांचे की स्थापना और मछुआरों के कल्याण में महत्वपूर्ण अंतराल को संबोधित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।
- **'क्लस्टर या क्षेत्र आधारित दृष्टिकोण'** अपनाने और पिछड़े और आगे के लिंकेज के माध्यम से मत्स्य पालन समूहों के निर्माण पर केंद्रित है।
- इस योजना का लक्ष्य अतिरिक्त उत्पादन करना भी है मत्स्य पालन क्षेत्र और संबद्ध गतिविधियों में **55 लाख प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष लाभकारी रोजगार के अवसर।**

9.14 कलइगनर मगलिर उरीमाई थिट्टम योजना

- तमिलनाडु के सीएम स्टालिन ने लॉन्च किया **कलैगनार मगलिर उरीमाई** कांचीपुरम में **थिट्टम ।**
- योजना के तहत, **तमिलनाडु में परिवारों की 1.06 करोड़ महिला मुखियाओं** को **हर महीने अधिकार अनुदान के रूप में ₹1,000 दिए जाएंगे ।**
- **इस योजना को लागू करने के लिए तमिलनाडु सरकार को सालाना 12,000 करोड़ रुपये का खर्च आएगा।**

9.15 मुख्यमंत्री सम्पूर्ण पुष्टि योजना

- **ओडिशा के** मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने माताओं, किशोरियों और बच्चों के बीच पोषण संबंधी जरूरतों को पूरा करने के लिए राज्य में **' मुख्यमंत्री संपूर्ण पुष्टि योजना' शुरू की।**
- योजना के तहत **पूरक पोषण आहार उपलब्ध कराने का प्रावधान** किया गया है **15 से 19 वर्ष की सभी किशोरियों एवं गर्भवती महिलाओं एवं गर्भवती माताओं को अतिरिक्त सूखा भोजन** , इसके अतिरिक्त **गंभीर कुपोषित बच्चों को विटामिन युक्त संपूर्ण भोजन उपलब्ध कराने का प्रावधान किया गया है। मध्यम कुपोषित** और **गंभीर रूप से कम वजन वाले बच्चों के लिए छटुआ** (भुना हुआ चना) और **अंडे** ।
- सीएम ने **पद पुष्टि योजना की भी शुरुआत की** .
  - ✓ **'पद पुष्टि योजना'** के तहत **सुदूर और आदिवासी क्षेत्रों** के **बच्चों को उनके परिक्षेत्रों और गांवों में उच्च गुणवत्ता वाला पका हुआ भोजन** उपलब्ध कराया जाएगा ।

9.16 श्रेयस योजना

- **2014 से एससी और ओबीसी छात्रों की शिक्षा के लिए 2300 करोड़ रुपये** से अधिक आवंटित किए गए हैं ।

श्रेयस योजना के बारे में

- नोडल मंत्रालय- **सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय**
- **"श्रेयस" की छत्र योजना में** 4 केंद्रीय **क्षेत्र की उप-योजनाएँ** शामिल हैं-
  - ✓ **"अनुसूचित जाति के लिए शीर्ष श्रेणी की शिक्षा",**
    - इसका उद्देश्य **पूर्ण वित्तीय सहायता प्रदान करके** अनुसूचित जाति **के छात्रों के बीच गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को पहचानना और बढ़ावा देना है** ।
    - यह योजना **12वीं कक्षा से आगे की पढ़ाई के लिए अनुसूचित जाति के छात्रों को कवर करेगी** ।
  - ✓ **"अनुसूचित जाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए निःशुल्क कोचिंग योजना",**
    - योजना का **उद्देश्य आर्थिक रूप से वंचित अनुसूचित जाति (एससी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के** उम्मीदवारों को **प्रतिस्पर्धी और प्रवेश परीक्षाओं में उपस्थित होने में सक्षम बनाने के लिए अच्छी गुणवत्ता की कोचिंग प्रदान करना है।**
    - **योजना के तहत कुल पारिवारिक आय की सीमा 8 लाख प्रति वर्ष** है ।
    - प्रति वर्ष 3500 स्लॉट आवंटित किए जाते हैं। **एससी: ओबीसी छात्रों का अनुपात 70:30 है** और प्रत्येक **श्रेणी में महिलाओं के लिए 30% स्लॉट आरक्षित हैं** ।
  - ✓ **"अनुसूचित जाति के लिए राष्ट्रीय प्रवासी योजना"**

- चयनित छात्रों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है **; गैर-अधिसूचित, घुमंतू और अर्ध-घुमंतू जनजातियाँ; भूमिहीन खेतिहर मजदूरों और पारंपरिक कारीगर श्रेणियों** , **परास्नातक और पीएच.डी. की पढ़ाई के लिए। विदेश में स्तरीय पाठ्यक्रम** ।
- वर्तमान में, **योजना के तहत 125 स्लॉट आवंटित किए गए हैं।**

✓ **"अनुसूचित जाति के लिए राष्ट्रीय फैलोशिप"**

- **विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा मान्यता प्राप्त भारतीय विश्वविद्यालयों/संस्थानों/कॉलेजों में विज्ञान, मानविकी और सामाजिक विज्ञान में एम.फिल / पीएचडी डिग्री के लिए उच्च शिक्षा प्राप्त करने** के लिए **अनुसूचित जाति के छात्रों को फेलोशिप** प्रदान की जाती है ।

9.17 पीएम-किसान योजना के लिए एआई चैटबॉट

- **कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय ने** पीएम **-किसान योजना के लिए एक एआई चैटबॉट** लॉन्च किया - जो केंद्र सरकार की **एक प्रमुख फ्लैगशिप योजना के साथ एकीकृत होने वाला अपनी तरह का पहला है** ।
- इसे **एकस्टेप फाउंडेशन और भाषिनी** के **सहयोग से विकसित और बेहतर बनाया गया है।**
- पीएम-किसान शिकायत प्रबंधन प्रणाली में एआई चैटबॉट की शुरूआत का **उद्देश्य किसानों को उपयोगकर्ता के अनुकूल और सुलभ मंच के साथ सशक्त बनाना है।**
- चैटबॉट **वर्तमान में अंग्रेजी, हिंदी, बंगाली, उड़िया और तमिल में उपलब्ध है** और **जल्द ही देश की सभी 22 आधिकारिक भाषाओं में उपलब्ध होगा।**

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) योजना के बारे में

- पीएम-किसान **भारत में भूमि धारक किसानों की वित्तीय जरूरतों का** समर्थन करने के लिए **फरवरी 2019** में शुरू की गई एक **केंद्रीय क्षेत्र की योजना है।**
- यह योजना **पात्र किसान परिवारों को प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) मोड के माध्यम से** तीन **समान किस्तों में 6,000/- रुपये का वार्षिक वित्तीय लाभ प्रदान करती है।**
- इसकी स्थापना के बाद से, **रु. अब तक 11 करोड़ से अधिक किसानों को 2.61 लाख करोड़ रुपये वितरित किए जा चुके हैं** , यह विश्व स्तर पर सबसे बड़ी डीबीटी योजनाओं में से एक है।
- इस योजना ने **देश भर में खेती योग्य भूमि वाले भूमिधारक किसान परिवारों को आय सहायता प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है** ।

9.18 सामान्य फसल अनुमान सर्वेक्षण ऐप लॉन्च किया गया

- सामान्य फसल अनुमान सर्वेक्षण (जीसीईएस) के लिए मोबाइल एप्लिकेशन और वेब पोर्टल हाल ही में लॉन्च किया गया था **।**
- इसे **कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा विकसित किया गया है।**
- पोर्टल और ऐप **गांववार जीसीईएस योजनाओं** सहित **उपज अनुमान का एक व्यापक भंडार प्रदान करते हैं।**

- मोबाइल एप्लिकेशन की प्रमुख विशेषताओं में से एक **जियो रेफरेंसिंग है** - यह **प्राथमिक कार्यकर्ता को प्रायोगिक भूखंड की सीमा खींचने और** इसके माध्यम से **भूखंड** के साथ-साथ **फसलों** की तस्वीरें अपलोड करने में सक्षम बनाता है।

9.19 असोला भट्टी वन्यजीव अभयारण्य

- **भारतीय वन्यजीव संस्थान (डब्ल्यूआईआई), देहरादून , दिल्ली में असोला भट्टी वन्यजीव अभयारण्य की जैव विविधता पर एक अध्ययन करने** और **एक प्रबंधन योजना तैयार करने** की संभावना है ।
- अध्ययन का एक **उद्देश्य "सामान्य पारिस्थितिक वस्तुओं और सेवाओं के बुद्धिमानीपूर्ण उपयोग को सुनिश्चित करने के लिए पारिस्थितिकी तंत्र की पारिस्थितिक अखंडता को बनाए रखते हुए"** आस-पास के गांवों के जीवन पर " **संभावित सामाजिक-आर्थिक परिवर्तनों " का मूल्यांकन करना है।**
- यह **खनन किए गए गड्ढों और उनकी विशेषताओं , पौधों और जानवरों के घटकों और उनसे जुड़े आवासों** सहित , के चित्रण और "स्थायी पर्यावरण-पर्यटन" को बढ़ावा देने पर भी ध्यान देगा।

अभ्यारण्य के बारे में

- इसका **क्षेत्रफल 32.71 वर्ग किमी है** और यह **दक्षिणी दिल्ली में रिज का हिस्सा है।**
- यह **पूर्वोत्तर का प्रतिनिधित्व करने वाला एकमात्र संरक्षित क्षेत्र है, जो देश की सबसे पुरानी पहाड़ी श्रृंखला, अरावली की भू-आकृति** के रूप में फैला हुआ है **।**
  - ✓ इस प्रकार यह **भौगोलिक रूप से एक ऐसे भू-आकृति का प्रतिनिधित्व करता है जिसका पहले राष्ट्रीय संरक्षित क्षेत्र नेटवर्क में प्रतिनिधित्व नहीं था।**
- वन्यजीव अभयारण्य में **वनस्पति** मुख्य **रूप से एक खुली छतदार कांटेदार झाड़ियाँ हैं** ।
  - ✓ वनस्पति- **पौधों की कुल 237 प्रजातियाँ** , जिनमें **पेड़ों की 85 प्रजातियाँ, झाड़ियों और जड़ी-बूटियों की 130 प्रजातियाँ, घास की 18 प्रजातियाँ और सेज की 4 प्रजातियाँ शामिल हैं।**
  - ✓ **धौ, पलाश, कंथारी , झरबेर अरावली पर्वतमाला की** कुछ मूल प्रजातियाँ हैं ।
- जीव-जंतुओं में **हॉग हिरण, नीलगाय, काला हिरण, सांभर, चित्तीदार हिरण, भारतीय सूअर, तेंदुए, धारीदार लकड़बग्घा, रीसस मकाक आदि शामिल हैं।**
- इस क्षेत्र का **उपयोग पहले क्वार्टजाइट और रेत के खनन के लिए किया जाता था, जिससे गहरे खनन गड्ढे पीछे** रह गए , जिनमें से एक, **नीली झील , अब एक मानव निर्मित झील बन गई है और यह उन मुख्य आकर्षणों में से एक है जिसे सरकार बढ़ावा देना चाहती है।**

9.20 काबोम्बा फुरकुटा

- **कोले वेटलैंड्स ,** उच्च मूल्य वाली जैव विविधता का एक **अंतरराष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण रामसर स्थल , विदेशी आक्रामक प्रजातियों के खतरे का सामना कर रहा है।**
- **Cabomba बड़े पैमाने पर फूल आने के कारण** लोकप्रिय रूप से **पिंक ब्लूम के नाम से मशहूर फरकुटा , जलकुंभी** और **साल्विनिया मोलेस्टा** के **अलावा ,** कोले के खेतों के लिए एक नया खतरा बन गया है ।

काबोम्बा फुरकुटा के बारे में

- **मध्य और दक्षिण अमेरिका का मूल** निवासी , **काबोम्बा फुरकुटा को एक मछलीघर पौधे के रूप में केरल लाया गया था और यह जंगल में भाग गया है।**
- जलमग्न **बारहमासी जलीय पौधा स्थिर से धीमी गति से बहने वाले मीठे पानी** में उगता है ।
- तेजी **से बढ़ रहा है कैबोम्बा एक दृश्य उपचार है,** लेकिन **सक्रिय तने के प्रसार के कारण जल निकायों में संभावित रूप से फैल जाता है, जिससे पानी में प्रकाश के प्रवेश में बाधा उत्पन्न होती है।**
- काबोम्बा , जिसे **अपनी वृद्धि के लिए बड़ी मात्रा में ऑक्सीजन की आवश्यकता होती है, जल निकायों और जल निकासी नहरों को अवरुद्ध कर देगा** ।
- यह **देशी जलीय पौधों की विविधता में गिरावट का कारण बनता है** और **मीठे पानी की मछलियों की उपज को प्रभावित करके आर्थिक नुकसान का कारण बनता है।**
- है कि **प्रजातियों को नियंत्रित करने** की कुंजी **उन्हें यांत्रिक रूप से जलाशय से निकालना और स्थलीय स्थानों में सुखाना है।**

9.21 रोडटेप योजना

- एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, सरकार ने **RoDTEP योजना के तहत निर्यात लाभ को एक और वर्ष** के लिए जून 2024 तक बढ़ा दिया है।

निर्यातित उत्पादों पर शुल्कों और करों में छूट की योजना (RODTEP) के बारे में

- RoDTEP **योजना सरकार द्वारा निर्यात पर शुल्क छूट योजना के** रूप में शुरू की गई थी और **1 जनवरी 2021 से लागू की जा रही है।**
- यह योजना करों, **शुल्कों और लेवी की प्रतिपूर्ति के लिए एक तंत्र प्रदान करती है , जो वर्तमान में केंद्रीय, राज्य और स्थानीय स्तर** पर **किसी अन्य तंत्र के तहत वापस नहीं किया जाता है** , लेकिन जो **निर्यात संस्थाओं द्वारा निर्माण और वितरण की प्रक्रिया** में खर्च किया जाता है। **निर्यातित उत्पाद.**
- **प्रोत्साहन** का भुगतान हस्तांतरणीय शुल्क क्रेडिट **स्क्रिप के रूप में किया जाता है** जिसका **उपयोग निर्यातकों द्वारा आयात शुल्क का भुगतान करने या बाजार में बेचने के लिए किया जा सकता है।**
- इसे **30 जून 2024 तक बढ़ा दिया गया है** .
- यह योजना **भारत से व्यापारिक निर्यात योजना का प्रतिस्थापन है जो पिछले साल समाप्त हो गई थी।**
- यह **एक डब्ल्यूटीओ-अनुपालक योजना है** और **वैश्विक सिद्धांत का पालन करती है कि करों/शुल्कों का निर्यात नहीं किया जाना चाहिए।**
- वर्तमान में, **10,342 से अधिक निर्यात वस्तुओं को RoDTEP लाभ मिलता है।**

10. सूचकांक और रिपोर्ट

10.1 ग्लोबल फाइनेंस सेंट्रल बैंकर रिपोर्ट कार्ड 2023

- **भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) के गवर्नर शक्तिकांत दास को** प्रतिष्ठित **ग्लोबल फाइनेंस सेंट्रल बैंकर रिपोर्ट कार्ड्स 2023 में 'A+' रेटिंग से सम्मानित किया गया** है ।
- 'ए+' ग्रेड अर्जित करने वाले अन्य बैंक गवर्नर हैं **थॉमस जे. जॉर्डन (स्विट्जरलैंड), गुयेन थी होंग (वियतनाम)।**
- सेंट्रल **बैंकर रिपोर्ट कार्ड** , **1994 से ग्लोबल फाइनेंस** द्वारा **प्रतिवर्ष प्रकाशित किया जाता है** , **जिसमें यूरोपीय संघ, पूर्वी कैरेबियन सेंट्रल बैंक, सेंट्रल अफ्रीकन स्टेट्स बैंक और सेंट्रल बैंक** सहित **101 प्रमुख देशों, क्षेत्रों और जिलों** के **केंद्रीय बैंक गवर्नरों को** ग्रेड **दिया जाता है । पश्चिम अफ़्रीकी राज्य.**

10.2 विश्व खाद्य मूल्य सूचकांक

- संयुक्त **राष्ट्र खाद्य और कृषि संगठन (एफएओ)** ने बताया कि खाद्य वस्तुओं के लिए विश्व खाद्य मूल्य सूचकांक अगस्त में दो साल के निचले स्तर पर गिर गया। इस गिरावट ने उस पलटाव को उलट दिया जो पिछले महीने देखा गया था।

विवरण

- **एफएओ का मूल्य सूचकांक** , जो विश्व स्तर पर व्यापारित खाद्य वस्तुओं को ट्रैक करता है, अगस्त में औसतन 121.4 अंक था, जबकि पिछले महीने के लिए यह संशोधित 124.0 अंक था। जुलाई की रीडिंग शुरू में 123.9 बताई गई थी, जो जून में दो साल के निचले स्तर से एक पलटाव का प्रतिनिधित्व करती है।
- अगस्त का आंकड़ा मार्च 2021 के बाद से सबसे कम था और यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के बाद मार्च 2022 में अब तक के उच्चतम स्तर से 24% की कमी दर्ज की गई।
- प्रतिबंधों के कारण एफएओ के चावल बेंचमार्क में 15 साल के उच्चतम स्तर पर उल्लेखनीय वृद्धि के बावजूद, समग्र सूचकांक में गिरावट डेयरी उत्पादों, वनस्पति तेल, मांस और अनाज की कीमतों में कमी के कारण हुई।

विश्व खाद्य मूल्य सूचकांक के बारे में

- **विश्व खाद्य मूल्य सूचकांक** एक प्रमुख मीट्रिक है जो विश्व स्तर पर कारोबार की जाने वाली खाद्य वस्तुओं की कीमतों को ट्रैक करता है। यह संयुक्त राष्ट्र के **खाद्य और कृषि संगठन (एफएओ) द्वारा** नियमित आधार पर, आमतौर पर मासिक या त्रैमासिक आधार पर प्रकाशित किया जाता है।
- **पांच कमोडिटी समूह मूल्य सूचकांकों (अनाज, सब्जी, डेयरी, मांस और चीनी)** का औसत शामिल होता है , जो औसत निर्यात शेयरों के साथ भारित होता है।

खाद्य एवं कृषि संगठन के बारे में

- **संयुक्त राष्ट्र का खाद्य और कृषि संगठन (एफएओ)** संयुक्त राष्ट्र की एक विशेष एजेंसी है जो भूख को हराने और पोषण और खाद्य सुरक्षा में सुधार के लिए अंतरराष्ट्रीय प्रयासों का नेतृत्व करती है।
- एफएओ **197 सदस्यीय राज्यों से बना है।**
- इसका मुख्यालय **रोम, इटली में है।**
- **को कृषि, वानिकी, मत्स्य पालन और भूमि और जल संसाधनों को** बेहतर बनाने और विकसित करने के लिए उनकी गतिविधियों का समन्वय करने में मदद करता है ।

- यह अनुसंधान भी करता है, परियोजनाओं को तकनीकी सहायता प्रदान करता है, शैक्षिक और प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित करता है, और **कृषि उत्पादन, उत्पादन और विकास पर डेटा एकत्र करता है।**

एफएओ द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट:

- **विश्व मत्स्य पालन और जलकृषि राज्य (सोफिया)।**
- **विश्व के वनों की स्थिति (एसओएफओ)।**
- **विश्व में खाद्य सुरक्षा और पोषण की स्थिति (एसओएफआई)।**
- **खाद्य एवं कृषि राज्य (एसओएफए)।**
- **कृषि वस्तु बाजार राज्य (एसओसीओ)।**

10.3 मुख्य अर्थशास्त्रियों की आउटलुक रिपोर्ट

- विश्व **आर्थिक मंच की** नवीनतम **मुख्य अर्थशास्त्री आउटलुक रिपोर्ट** हाल ही में प्रकाशित हुई थी।
- रिपोर्ट **नीति विकास और आर्थिक रुझानों में अंतर्दृष्टि** प्रदान करने के लिए **प्रमुख अर्थशास्त्रियों के साथ अनुसंधान, परामर्श और सर्वेक्षण को जोड़ती है ।**

प्रमुख निष्कर्ष

- लगभग **10 में से छह लोगों का** मानना है कि **वैश्विक आर्थिक चुनौतियाँ** संयुक्त राष्ट्र **सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) की दिशा में प्रगति में बाधा बन सकती हैं।**
- **लोगों में से लगभग 86% को** उम्मीद है कि **हालिया वैश्विक मुद्रास्फीति में कमी आएगी।**
- **60%** से अधिक मुख्य अर्थशास्त्रियों को **आने वाले वर्ष में वैश्विक अर्थव्यवस्था के कमजोर होने** का अनुमान है ।
- से अधिक **लोग इस वर्ष दक्षिण एशिया, विशेषकर भारत में मध्यम या मजबूत वृद्धि की उम्मीद करते हैं।**
- इस बीच, **चीन के लिए दृष्टिकोण** , जहां "मजबूत पलटाव की संभावनाएं अपस्फीति के दबाव के कारण धूमिल हो गई हैं", **मंद पड़ गई हैं।**

10.4 वैश्विक ऋण मॉनिटर 2023

- इसे **अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF)** द्वारा जारी किया जाता है ।

मुख्य विचार

- पिछले वर्ष कुल ऋण वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का 238 प्रतिशत था, जो **2019 की तुलना में 9 प्रतिशत अंक अधिक है।**
- **अमेरिकी डॉलर के संदर्भ** में , ऋण की **राशि 235 ट्रिलियन डॉलर** या 2021 में अपने स्तर से 200 बिलियन डॉलर अधिक है।
- **परिवारों** और **गैर-वित्तीय निगमों द्वारा निजी ऋण ने समग्र गिरावट में सबसे बड़ा योगदान** दिया ।
- ऐसा प्रतीत होता है कि वैश्विक ऋण **अपनी ऐतिहासिक वृद्धि की प्रवृत्ति पर लौट आया है।**
- हाल के दशकों में वैश्विक ऋण को बढ़ाने में **केंद्रीय भूमिका निभाई है क्योंकि उधार ने आर्थिक विकास को पीछे छोड़ दिया है।**

10.5 गैंडे की स्थिति रिपोर्ट 2023

- हाल ही में, **इंटरनेशनल राइनो फाउंडेशन (आईआरएफ) ने स्टेट ऑफ द राइनो, 2023 रिपोर्ट प्रकाशित की।**
- यह **अफ्रीका और एशिया में पांच जीवित गैंडा प्रजातियों** के लिए **वर्तमान जनसंख्या अनुमान और रुझान का दस्तावेजीकरण करता है ।**

प्रमुख निष्कर्ष

- वैश्विक **आबादी 26,000 से कुछ अधिक होने का अनुमान है।**
- रिपोर्ट में कहा गया है कि **भारत, भूटान और नेपाल** में ग्रेट **वन हॉर्नड राइनो (आईयूसीएन- कमजोर) की आबादी बढ़ रही है और अनुमान है कि यह 4,014 तक पहुंच जाएगी।**
  - ✓ सख्त **सुरक्षा और सीमा पार प्रबंधन ने पिछले दशक में गैंडों की आबादी को 20% तक बढ़ाने में मदद की है ।**
- रिपोर्ट में कहा गया है कि गंभीर **रूप से लुप्तप्राय** बताए गए **काले गैंडों की आबादी** बढ़ **रही है ;** जनसंख्या **6,195 अनुमानित है।**
  - ✓ **काले गैंडे** या **डाइसेरोस्बिकॉर्निस 12 अफ्रीकी देशों में फैले हुए** हैं ।
- हालाँकि, **सफेद गैंडों और सुमात्रा गैंडों** की आबादी कम हो रही है , अनुमानतः **लगभग 15,942** और **34 से 47 है** ।
  - ✓ **सफेद गैंडों या सेराटोथेरियमसिमम की संख्या लगभग 15,942 होने का** अनुमान है , जो उन्हें **अफ्रीका के 11 देशों में पाई जाने वाली सबसे अधिक आबादी वाली प्रजाति बनाती है।**
  - ✓ **IUCN के अनुसार सफेद गैंडा खतरे में है।**
  - ✓ सुमात्रा **राइनो गंभीर रूप से संकटग्रस्त है** ।
  - ✓ **सुमात्रा गैंडों** के संबंध में , रिपोर्ट में पाया गया कि इस **प्रजाति की चार अलग-अलग आबादी और 10 उप-आबादी हैं।**
  - ✓ लेकिन **ऐसा प्रतीत होता है कि एकांतप्रिय प्रजाति गहरे जंगलों में जा रही है और उन्हें देखे जाने** और पैरों के निशानों का **पता लगाना मुश्किल हो रहा है** ।
- **जावन गैंडों (आईयूसीएन- गंभीर रूप से लुप्तप्राय) की** आबादी **स्थिर होने का अनुमान है , लगभग 76** ।

धमकी

- **अवैध शिकार और निवास स्थान के नुकसान** के अलावा , **जलवायु परिवर्तन से प्रेरित सूखा** अफ्रीका में गैंडों की आबादी के लिए खतरा पैदा कर रहा है।
- दूसरी ओर, **एशिया में जलवायु व्यवधान से गैंडों की मृत्यु हो सकती है** ।
  - ✓ बढ़ी हुई वर्षा, लंबे मानसून और मौसमी बाढ़ के कारण पहले से ही ग्रेटर एक सींग वाले गैंडों के बीच बछड़ों के फंसने, डूबने या उनकी मां से अलग होने की समस्या हो रही है।
- प्रभाव **बढ़ने की आशंका है, जिससे मनुष्यों और संभावित रूप से गैंडों में बीमारियों का खतरा बढ़ जाएगा।**
- इसके अलावा **मौसम की स्थिति और परिदृश्य में बदलाव** से आक्रामक प्रजातियों का विस्तार हो सकता है **और गैंडे के भोजन पौधों पर कब्ज़ा हो सकता है, जिससे निवास स्थान का क्षरण हो सकता है।**

10.6 इंडिया एजिंग रिपोर्ट

- **इंडिया एजिंग रिपोर्ट 2023** हाल ही में जारी की गई।
- इसका निर्माण **संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष, भारत द्वारा अंतर्राष्ट्रीय जनसंख्या विज्ञान संस्थान** के सहयोग से किया गया है।
- **भारत में बुजुर्गों की देखभाल से जुड़ी चुनौतियों, अवसरों और संस्थागत प्रतिक्रियाओं** पर प्रकाश डालता है क्योंकि **2050 तक देश के बुजुर्गों की संख्या देश की आबादी का 20% होने की संभावना है।**

प्रमुख निष्कर्ष

- बुजुर्गों के लिए तीन **प्रमुख सरकारी योजनाएं इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना (आईजीएनओएपीएस) , इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विधवा पेंशन योजना (आईजीएनडब्ल्यूपीएस)** और **अन्नपूर्णा योजना हैं।**
  - ✓ **55%** बुजुर्ग वृद्धावस्था पेंशन योजना (IGNOAPS) के बारे में जानते हैं; विधवा पेंशन योजना (IGNWPS) के बारे में **44% ;** और **12%** अन्नपूर्णा योजना के बारे में.
- **MWPSC (माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण और कल्याण) अधिनियम** के बारे में जागरूकता अपेक्षाकृत बहुत कम , केवल **12% है।**
- यह ग्रामीण और शहरी असमानताओं के साथ- साथ **राज्य-वार भिन्नता का भी** हवाला देता है **कल्याणकारी योजनाओं के प्रति जागरूकता का सवाल है।**
- आईटी यह भी बताता है कि **विकलांग वृद्ध व्यक्तियों के लिए सामाजिक सुरक्षा योजनाओं तक पहुंच** बहुत **कम है** ।
  - ✓ रिपोर्ट के अनुसार **सुनने और देखने में अक्षमता वाले लगभग 32% बुजुर्गों ने सामाजिक बीमा योजना का लाभ उठाया।**

कुल बुजुर्ग आबादी में से, लगभग **2.5% में श्रवण हानि है** और **3.7% में दृष्टि हानि है।**

कल्याणकारी योजनाओं का लाभ न लेने का कारण

- व्यापक दस्तावेज़ीकरण सहित **अनेक प्रशासनिक प्रक्रियाएँ**
- **शारीरिक कमज़ोरियों, तकनीकी समझ की कमी आदि के कारण** इन अनिवार्य आवश्यकताओं को पूरा करने में असमर्थ होते हैं ।

आईआईपीएस मुंबई

- में स्थापित .
- इसे पहले **जनसांख्यिकी प्रशिक्षण और अनुसंधान केंद्र (डीटीआरसी) के नाम से जाना जाता था।**
- यह **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण में है।**

10.7 विश्व विश्वविद्यालय रैंकिंग 2024

- **टाइम्स हायर एजुकेशन (THE) ने वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग** के 2024 संस्करण के परिणामों की घोषणा की है ।
- टीएचई ने 2024 रैंकिंग के लिए 108 देशों और **क्षेत्रों के 1,904 विश्वविद्यालयों पर विचार किया है।**
- वैश्विक सूची में **ब्रिटेन की ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी शीर्ष स्थान** पर है , इसके **बाद स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी** और **एमआईटी दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं।**
- इस बार, **भारतीय विज्ञान संस्थान (IISc) बैंगलोर को 201-250 ब्रैकेट** में शामिल किया गया है ।

- **चार भारतीय विश्वविद्यालय - अन्ना विश्वविद्यालय, जामिया मिलिया इस्लामिया, महात्मा गांधी विश्वविद्यालय और शूलिनी यूनिवर्सिटी ऑफ बायोटेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट साइंसेज - 501-600 ब्रैकेट** में हैं ।
- इस वर्ष **देश की रैंक में उल्लेखनीय सुधार करते हुए रिकॉर्ड 91 भारतीय विश्वविद्यालयों ने सूची में जगह बनाई है ।**
  - ✓ **पिछले साल रैंकिंग में** भारत के **केवल 75 संस्थान शामिल थे।**
- **भारत** अब **2024 विश्व विश्वविद्यालय रैंकिंग में चौथा सबसे अच्छा प्रतिनिधित्व वाला देश बन गया है।**
  - ✓ भारत **छठे स्थान पर था।**

10.8 ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स (जीआईआई) 2023

- भारत ने **नवीनतम ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स (जीआईआई) 2023 में अपनी 40 वीं रैंक बरकरार रखी है** , जिससे यह **निम्न मध्यम आय वाले देश समूह में अग्रणी स्थान पर है** ।
- जीआईआई **132 वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं के नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र के प्रदर्शन और नवीनतम वैश्विक नवाचार रुझानों को ट्रैक** करता **है** ।
- जीआईआई **दुनिया भर की सरकारों के लिए अपने संबंधित देशों में नवाचार के नेतृत्व वाले सामाजिक और आर्थिक परिवर्तनों का आकलन करने** के लिए एक विश्वसनीय उपकरण है।
- इसे **कॉर्नेल यूनिवर्सिटी, इनसीड बिजनेस स्कूल और विश्व बौद्धिक संपदा संगठन (डब्ल्यूआईपीओ)** द्वारा **प्रतिवर्ष सह-प्रकाशित किया जाता है ।**
- **शीर्ष 5 रैंकर्स**
  - ✓ **स्विट्ज़रलैंड (लगातार 13 वें वर्ष)**
  - ✓ **स्वीडन**
  - ✓ **यूएसए**
  - ✓ **यूनाइटेड किंगडम**
  - ✓ **सिंगापुर**

भारत के बारे में निष्कर्ष

- देश **37 निम्न-मध्यम आय वर्ग में पहले स्थान पर** और **मध्य और दक्षिण अमेरिका की 10 अर्थव्यवस्थाओं में पहले स्थान पर है।**
- इसने **लगातार 13वें वर्ष नवाचार पर बेहतर प्रदर्शन करने का रिकॉर्ड बनाया है।**
  - ✓ **भारत** के साथ-साथ , मोल्दोवा गणराज्य **और वियतनाम** भी **लगातार 13 वर्षों से नवाचार में बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं।**
- भारत **प्रमुख संकेतकों में शीर्ष रैंकिंग रखता है** , जिसमें **आईसीटी सेवा निर्यात (5वें स्थान पर), वीसी प्राप्त (6), विज्ञान और इंजीनियरिंग में स्नातक (11) और वैश्विक कॉर्पोरेट आर एंड डी निवेशक (13वें स्थान पर) शामिल हैं।**

- अन्य पैरामीटर जहां **भारत ने काफी बेहतर प्रदर्शन किया, उनमें शामिल हैं - व्यापार के प्रतिशत के रूप में सांस्कृतिक और रचनात्मक सेवाओं का निर्यात (18वीं रैंक), अमूर्त संपत्ति की तीव्रता (8वीं रैंक), और समग्र बाजार परिष्कार (20वीं रैंक)।**
- व्यापक क्षेत्र जहां बहुत **अधिक सुधार की आवश्यकता है** वे हैं **बुनियादी ढांचा (84वीं रैंक), व्यावसायिक परिष्कार (57) और संस्थान (56)।**
  - ✓ इस वर्ष, **नीति आयोग भारतीय उद्योग परिसंघ और डब्ल्यूआईपीओ** के साथ साझेदारी में वस्तुतः **'जीआईआई 2023 के भारत लॉन्च' की** मेजबानी करेगा ।

डब्ल्यूआईपीओ के बारे में

- WIPO **1967** में बनाई गई **संयुक्त राष्ट्र की विशेष एजेंसियों में से एक है** ।
- उद्देश्य- **रचनात्मक गतिविधि को प्रोत्साहित करना, दुनिया भर में बौद्धिक संपदा की सुरक्षा को बढ़ावा देना।**
- WIPO **वर्तमान में 26 अंतर्राष्ट्रीय संधियों का प्रबंधन करता है।**
- सदस्य- **195 (1975 से भारत सहित)**
- मुख्यालय- **जिनेवा, स्विट्जरलैंड।**

डब्ल्यूआईपीओ **की उत्पत्ति यूनाइटेड इंटरनेशनल ब्यूरो फॉर द प्रोटेक्शन ऑफ इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी (बीआईआरपीआई) में** हुई **है, जिसे** 1893 **में स्थापित किया गया था**।

विश्व बौद्धिक संपदा दिवस 26 अप्रैल को **मनाया जाता है**।

डब्ल्यूआईपीओ **की उत्पत्ति यूनाइटेड इंटरनेशनल ब्यूरो फॉर द प्रोटेक्शन ऑफ इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी (बीआईआरपीआई) में** हुई **है, जिसे** 1893 **में स्थापित किया गया था**।

विश्व बौद्धिक संपदा दिवस 26 अप्रैल को **मनाया जाता है**।

CivilsTap HImachal

11. अंतर्राष्ट्रीय, शिखर सम्मेलन

11.1 अंतर्राष्ट्रीय वित्त निगम

- **इंटरनेशनल फाइनेंस कॉरपोरेशन (आईएफसी) ने 30 जून को समाप्त वित्तीय वर्ष में 30 परियोजनाओं में रिकॉर्ड 2.97 बिलियन डॉलर (24,561 करोड़ रुपये) देने का वादा किया है** , जो देश में उसके उधार के दोगुने से भी अधिक है।
- **भारत IFC का सबसे बड़ा देश पोर्टफोलियो बना हुआ है** और **अपने साझेदारों के साथ मिलकर, इसकी परियोजनाएं बड़े पैमाने पर प्रभाव डालने के लिए नवीन वित्तपोषण और जलवायु पहल चला रही हैं।**

अंतर्राष्ट्रीय वित्त निगम के बारे में

- यह **विशेष रूप से निजी क्षेत्र पर** केंद्रित **सबसे बड़ा वैश्विक विकास संस्थान है।**
- **इसकी स्थापना 1956 में हुई थी.**
- **मुख्यालय- वाशिंगटन डीसी, यूएसए**
- यह विश्व **बैंक समूह का सदस्य है।**
  - ✓ **विश्व बैंक समूह** में अन्य **संस्थाएँ हैं-**
  - ✓ **पुनर्निर्माण और विकास के लिए अंतर्राष्ट्रीय बैंक**
  - ✓ **अंतर्राष्ट्रीय विकास संघ**
  - ✓ **बहुपक्षीय निवेश गारंटी एजेंसी**
  - ✓ **निवेश विवादों के निपटान के लिए अंतर्राष्ट्रीय केंद्र** (भारत **सदस्य नहीं है**)।

11.2 मुफ़्त एसोसिएशन के अनुबंध

- कॉम्पेक्ट्स ऑफ फ्री एसोसिएशन **संयुक्त राज्य अमेरिका** , फेडरेटेड स्टेट्स ऑफ **माइक्रोनेशिया (एफएसएम), पलाऊ** गणराज्य और **मार्शल आइलैंड्स** गणराज्य (आरएमआई) के बीच संधियों की एक श्रृंखला है।
- इन संधियों को आंशिक रूप से **1946 से 1958 तक अमेरिका द्वारा मार्शल द्वीप और बिकनी और एनेवेटक एटोल पर** किए गए कई परमाणु हथियार परीक्षणों के कारण **जीवन, स्वास्थ्य, भूमि और संसाधनों के नुकसान के मुआवजे के रूप में स्थापित किया गया था** ।
- कॉम्पैक्ट **माइक्रोनेशिया के नागरिकों को अमेरिका में रहने और कानूनी रूप से काम करने की अनुमति देता है बिना वीज़ा के** , साथ ही **सामाजिक और स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच है** ।
- बदले में, **रणनीतिक महत्व के माने जाने वाले इन द्वीपों पर अमेरिका की एकमात्र पहुंच और पर्याप्त मात्रा में सैन्य और वीटो शक्ति है।**

11.3 अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन

- अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए) ने रवांडा सरकार द्वारा समर्थित **किगाली, रवांडा में अपनी 5वीं क्षेत्रीय बैठक की मेजबानी की , जिसमें 36 देशों और 15 देशों के मंत्रियों ने भाग लिया।**
- **कोमोरोस संघ और माली गणराज्य** में कुल **नौ सौर ऊर्जा प्रदर्शन परियोजनाओं का उद्घाटन किया गया** ।

✓ **इनमें से चार परियोजनाएं युगांडा में , दो कोमोरोस में** और **तीन माली में हैं** ।

के बारे में

- अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए) **अपने सदस्य देशों में ऊर्जा पहुंच लाने, ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने और ऊर्जा संक्रमण को चलाने के** साधन के रूप में **सौर ऊर्जा प्रौद्योगिकियों की बढ़ती तैनाती के लिए एक कार्य-उन्मुख, सदस्य-संचालित, सहयोगी मंच है।**
- आईएसए की कल्पना **सौर ऊर्जा समाधानों की तैनाती के माध्यम से जलवायु परिवर्तन के खिलाफ प्रयासों को** संगठित करने के लिए **भारत और फ्रांस के संयुक्त प्रयास के रूप में की गई थी** ।
- मुख्यालय- **गुरुग्राम**
- इसकी **संकल्पना 2015 में पेरिस में आयोजित जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन (यूएनएफसीसीसी) के 21वें पार्टियों के सम्मेलन (सीओपी21) के मौके पर की गई थी** ।
- वर्तमान में, **116 देशों ने आईएसए फ्रेमवर्क समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं** , जिनमें से **94 देशों ने आईएसए के पूर्ण सदस्य बनने के लिए अनुसमर्थन के आवश्यक दस्तावेज जमा कर दिए हैं।**
- **संयुक्त राष्ट्र के सभी सदस्य देश अब आईएसए में शामिल होने के पात्र** हैं ।
- आईएसए अपनी **'टुवर्ड्स 1000' रणनीति द्वारा निर्देशित है,** जिसका लक्ष्य **2030 तक सौर ऊर्जा समाधानों में 1,000 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश जुटाना है** , जबकि **स्वच्छ ऊर्जा समाधानों का उपयोग करके 1,000 मिलियन लोगों तक ऊर्जा पहुंच प्रदान करना है** और **परिणामस्वरूप 1,000 गीगावॉट सौर ऊर्जा क्षमता की स्थापना करना है। .**
  - ✓ इससे **हर साल 1,000 मिलियन टन CO2 के वैश्विक सौर उत्सर्जन को कम करने में मदद मिलेगी** ।
- वर्तमान में, **आईएसए के पास 9 व्यापक कार्यक्रम हैं** , प्रत्येक एक विशिष्ट अनुप्रयोग पर ध्यान केंद्रित करता है जो सौर ऊर्जा समाधानों की बड़े पैमाने पर तैनाती में मदद कर सकता है।
- **कार्यक्रमों के तहत गतिविधियाँ 3 प्राथमिकता वाले क्षेत्रों पर केंद्रित हैं - एनालिटिक्स और एडवोकेसी , क्षमता निर्माण,** और **प्रोग्रामेटिक समर्थन**

11.4 थर्मन शनमुगरत्नम ने सिंगापुर का राष्ट्रपति चुनाव जीता

- भारतीय मूल के अर्थशास्त्री **थर्मन शनमुगरत्नम सिंगापुर के राष्ट्रपति चुनाव में विजयी हुए हैं** ।
- उन्हें **डाले गए लगभग 70% वोट मिले ।**

11.5 सातो किल्मन वानुअतु के नये प्रधानमंत्री हैं

- **वानुअतु की संसद ने सातो किल्मन को देश का नया प्रधान मंत्री चुना है** ।
- यह तब हुआ जब **एक अदालत ने उनके पूर्ववर्ती के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव को बरकरार रखा** , जिन्होंने **प्रशांत द्वीप समूह में चीन-अमेरिका प्रतिद्वंद्विता के बीच अमेरिकी सहयोगियों के साथ घनिष्ठ संबंधों की मांग की थी।**

11.6 यूएनडब्ल्यूटीओ

- **भारत के पर्यटन मंत्रालय** के माध्यम से **संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन (यूएनडब्ल्यूटीओ)** और **भारत की जी20 प्रेसीडेंसी ने एक नया टूल लॉन्च करने के लिए हाथ मिलाया है** जो सतत **विकास लक्ष्यों (एसडीजी) की दिशा में पर्यटन नीतियों और पहलों के योगदान को आगे बढ़ाएगा।**
- जी **20 पर्यटन और एसडीजी डैशबोर्ड पर्यटन कार्य समूह के लिए निर्धारित पांच प्राथमिकता वाले क्षेत्रों के** आसपास **एसडीजी हासिल करने के माध्यम** के रूप में **पर्यटन के लिए गोवा रोडमैप** के **स्तंभों को** प्रदर्शित करता है , जो हैं: **हरित पर्यटन** ; **डिजिटलीकरण** ; **कौशल** ; **पर्यटन एमएसएमई** ; और **गंतव्य प्रबंधन** .

यूएनडब्ल्यूटीओ के बारे में

- विश्व **पर्यटन संगठन (यूएनडब्ल्यूटीओ) संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी** है जो **जिम्मेदार, टिकाऊ और सार्वभौमिक रूप से सुलभ पर्यटन को बढ़ावा देने** के लिए जिम्मेदार है ।
- यूएनडब्ल्यूटीओ में **159 सदस्य देश** , **6 सहयोगी सदस्य** , **2 पर्यवेक्षक** और **500 से अधिक संबद्ध सदस्य हैं।**
- **संगठनात्मक संरचना** :
  - ✓ महासभा **संगठन का सर्वोच्च** अंग है **।**
  - ✓ कार्यकारी **परिषद महासभा के निर्णयों और सिफारिशों के कार्यान्वयन** के लिए **महासचिव** के परामर्श से **सभी उपाय** करती है और विधानसभा को रिपोर्ट करती है।
- **यूएनडब्ल्यूटीओ मुख्यालय - मैड्रिड, स्पेन** ।
- प्राथमिकताओं में शामिल हैं-
  - ✓ **वैश्विक एजेंडे में पर्यटन को मुख्यधारा में लाना**
  - ✓ **सतत पर्यटन विकास को बढ़ावा देना**
  - ✓ **ज्ञान, शिक्षा और क्षमता निर्माण को बढ़ावा देना**
  - ✓ **पर्यटन प्रतिस्पर्धात्मकता में सुधार**
  - ✓ **गरीबी उन्मूलन और विकास में पर्यटन के योगदान को आगे बढ़ाना**
  - ✓ **साझेदारी बनाना**

11.7 वैश्विक जैव ईंधन गठबंधन (जीबीए)

- **भारत के प्रधान मंत्री ने नई दिल्ली में G20 शिखर सम्मेलन के मौके पर वैश्विक जैव ईंधन गठबंधन के शुभारंभ की घोषणा की।**

वैश्विक जैव ईंधन गठबंधन

- संगठनों और उद्योग का गठबंधन विकसित करने के लिए भारत के नेतृत्व वाली एक पहल है।
- कुल **19 देश और 12 अंतर्राष्ट्रीय संगठन** गठबंधन में शामिल होने के लिए सहमत हुए हैं, जिनमें G20 सदस्य और गैर-सदस्य देश दोनों शामिल हैं।
- **सदस्य:** अर्जेंटीना, ब्राजील, कनाडा, भारत, इटली, दक्षिण अफ्रीका, अमेरिका, बांग्लादेश, सिंगापुर, मॉरीशस, संयुक्त अरब अमीरात, आइसलैंड, केन्या, गुयाना, पैराग्वे, सेशेल्स, श्रीलंका, युगांडा और फिनलैंड ।
- **भारत, ब्राजील और अमेरिका** गठबंधन के संस्थापक सदस्य हैं।

- इस गठबंधन का उद्देश्य परिवहन क्षेत्र सहित सहयोग को सुविधाजनक बनाना और टिकाऊ जैव ईंधन के उपयोग को तेज करना होगा।
- भारत, अमेरिका और ब्राजील की हिस्सेदारी कुल **85 प्रतिशत** है, जिसमें अमेरिका की हिस्सेदारी 55 प्रतिशत है, इसके बाद **ब्राजील की 27 प्रतिशत और भारत की 3 प्रतिशत हिस्सेदारी है।**

जैव ईंधन क्या है?

- **जैव ईंधन** बायोमास से प्राप्त नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत हैं, जैसे कि फसल का ठूंठ, पौधों का अपशिष्ट और नगरपालिका ठोस अपशिष्ट।
- जैव ईंधन ठोस, तरल या गैसीय प्रकृति का हो सकता है।
- **ठोस:** लकड़ी, सूखे पौधों की सामग्री और खाद
- **तरल:** बायोएथेनॉल और बायोडीजल
- **गैसीय:** बायोगैस

जैव ईंधन की विभिन्न पीढ़ियाँ क्या हैं?

- **पहली पीढ़ी:** इसका उत्पादन उपभोज्य खाद्य पदार्थों से किया जाता है जिसमें बायो अल्कोहल के लिए स्टार्च (चावल और गेहूं), चीनी (चुकंदर और गन्ना), या बायोडीजल के लिए वनस्पति तेल शामिल होते हैं।
- **दूसरी पीढ़ी:** यह मुख्य रूप से गैर-खाद्य फीडस्टॉक जैसे वन/उद्योग/कृषि अपशिष्ट और अपशिष्ट या प्रयुक्त वनस्पति तेलों से प्राप्त किया जाता है।
- **तीसरी पीढ़ी:** इसे 'शैवाल ईंधन' के रूप में जाना जाता है और यह बायोडीजल और बायोअल्कोहल दोनों के रूप में शैवाल से प्राप्त होता है ।
- **चौथी पीढ़ी:** तीसरी पीढ़ी की तरह, 4जी जैव ईंधन गैर-कृषि योग्य भूमि का उपयोग करके बनाया जाता है। हालाँकि, तीसरे के विपरीत, उन्हें बायोमास के विनाश की आवश्यकता नहीं है।

11.8 भारत-मध्य पूर्व-यूरोप मेगा आर्थिक गलियारा

- प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली में भारत मंडपम कन्वेंशन सेंटर में जी20 शिखर सम्मेलन के मौके पर भारत-मध्य पूर्व-यूरोप मेगा आर्थिक गलियारे के शुभारंभ की घोषणा की।

कॉरिडोर के बारे में

- **भारत, मध्य पूर्व और यूरोप** के बीच आर्थिक संपर्क स्थापित करना है ।
- यह पाकिस्तान द्वारा भूमि पहुंच से इनकार करने और क्षेत्र में चीन की कनेक्टिविटी योजनाओं द्वारा उत्पन्न बाधाओं को संबोधित करेगा।
- आईएमईसी पर एमओयू पर **भारत, अमेरिका, सऊदी अरब, यूएई, यूरोपीय संघ, इटली, फ्रांस और जर्मनी ने हस्ताक्षर किए।**
- इस गलियारे में दो अलग-अलग गलियारे होंगे,
  - ✓ **पूर्वी गलियारा - भारत को अरब की खाड़ी से जोड़ेगा।**
  - ✓ **उत्तरी गलियारा- अरब की खाड़ी को यूरोप से जोड़ेगा।**
- गलियारे में रेलवे, जहाज-रेल पारगमन और सड़क परिवहन मार्ग शामिल हैं।

- रेल और शिपिंग कॉरिडोर **ग्लोबल इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट (पीजीआईआई) के लिए साझेदारी का हिस्सा है।**
- बेहतर कनेक्टिविटी को व्यापार बढ़ाने और देशों के बीच विश्वास बनाने के साधन के रूप में देखा जाता है।
- जी20 दिल्ली घोषणापत्र में यूक्रेन जैसे विवादास्पद मुद्दों को संबोधित किया गया और वैश्विक आर्थिक संकट पर संघर्षों के प्रभाव को स्वीकार किया गया।

वैश्विक अवसंरचना निवेश के लिए साझेदारी (पीजीआईआई)

- **बुनियादी ढाँचा योजना की** घोषणा पहली बार जून 2021 में यूके में G7 (या ग्रुप ऑफ़ सेवन) शिखर सम्मेलन के दौरान की गई थी।
- G7 देशों में यूनाइटेड **किंगडम, संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान और यूरोपीय संघ (EU) शामिल हैं।** अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन ने इसे बिल्ड बैक बेटर वर्ल्ड (B3W) फ्रेमवर्क कहा था। हालाँकि, इसमें बहुत अधिक प्रगति दर्ज नहीं की गई।
- **जर्मनी में G7 शिखर सम्मेलन** के दौरान , सार्वजनिक और निजी निवेश के माध्यम से विकासशील देशों में बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को वित्त पोषित करने में मदद करने के लिए पीजीआईआई को आधिकारिक तौर पर एक संयुक्त पहल के रूप में लॉन्च किया गया था।

चीन की बेल्ट एंड रोड पहल (बीआरआई):

- इसे चीन ने 2013 में लॉन्च किया था।
- BRI में दो मुख्य घटक शामिल हैं:
  - ✓ **सिल्क रोड इकोनॉमिक बेल्ट,** जो एक भूमि-आधारित नेटवर्क है जो चीन को मध्य एशिया और मध्य पूर्व के माध्यम से यूरोप से जोड़ता है
  - ✓ **21वीं सदी का समुद्री रेशम मार्ग** , जो एक समुद्र-आधारित नेटवर्क है जो चीन को दक्षिण चीन सागर और हिंद महासागर के माध्यम से दक्षिण पूर्व एशिया, दक्षिण एशिया, अफ्रीका और यूरोप से जोड़ता है।
- यह पहल **70 से अधिक देशों में परियोजनाओं के साथ कई महाद्वीपों तक फैली हुई है।**
- हालाँकि, भारत ने BRI का विरोध किया क्योंकि इसमें **चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा शामिल था** , जो चीन के काशगर को पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के माध्यम से पाकिस्तान के ग्वादर बंदरगाह से जोड़ता था।

11.9 विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) विवाद निपटान प्रणाली

- **जी20 नेताओं ने वर्ष 2024** तक विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के भीतर एक **"पूर्ण और अच्छी तरह से कार्यशील" विवाद निपटान प्रणाली** की दिशा में काम करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की है ।
- यह प्रतिबद्धता अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में एक महत्वपूर्ण विकास है, क्योंकि डब्ल्यूटीओ के विवाद निपटान तंत्र को दिसंबर 2019 में अपने अपीलीय निकाय की गैर-कार्यक्षमता के बाद से चुनौतियों का सामना करना पड़ा है।

विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के बारे में

- डब्ल्यूटीओ **की स्थापना 1 जनवरी, 1995 को टैरिफ और व्यापार पर सामान्य समझौते (जीएटीटी) को** प्रतिस्थापित करके की गई थी।
- यह एक **अंतर्राष्ट्रीय संगठन है** जो राष्ट्रों के बीच वैश्विक व्यापार को बढ़ावा देता है और नियंत्रित करता है।

- इसका मुख्य उद्देश्य टैरिफ और कोटा जैसी व्यापार बाधाओं को दूर करके और यह सुनिश्चित करके कि व्यापार विवादों को पारदर्शी और पूर्वानुमानित प्रक्रिया के माध्यम से हल किया जाता है, **मुक्त और निष्पक्ष व्यापार को बढ़ावा देना है।**
- डब्ल्यूटीओ के मुख्य कार्य हैं:
  - ✓ **अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के नियम निर्धारित करना ;**
  - ✓ **समझौतों पर बातचीत करना और उन्हें लागू करना ;**
  - ✓ **व्यापार वार्ता के लिए एक मंच प्रदान करना ;**
  - ✓ **राष्ट्रीय व्यापार नीतियों की निगरानी करना;**
- डब्ल्यूटीओ वैश्विक आर्थिक विकास को बढ़ावा देने और गरीबी को कम करने के लिए **विश्व बैंक** और **अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष** जैसे अन्य अंतरराष्ट्रीय संगठनों के साथ मिलकर काम करता है ।
- इसका मुख्यालय **जिनेवा, स्विट्जरलैंड में है** , और यह सर्वसम्मति-आधारित निर्णय लेने की प्रक्रिया पर काम करता है।

डब्ल्यूटीओ विवाद निपटान तंत्र के बारे में:

- विवाद निपटान समझौता (डीएसयू) विवादों के निपटारे पर मुख्य डब्ल्यूटीओ समझौता है।
- डब्ल्यूटीओ के सदस्यों के बीच विवादों से निपटने के लिए डब्ल्यूटीओ की सामान्य परिषद विवाद निपटान निकाय (डीएसबी) के रूप में बुलाई जाती है।
- डीएसबी के पास यह अधिकार है:
  - ✓ विवाद निपटान पैनल स्थापित करें;
  - ✓ मामलों को मध्यस्थता के लिए संदर्भित करना, पैनल अपनाना, अपीलीय निकाय और मध्यस्थता रिपोर्ट;
  - ✓ रिपोर्टों में निहित सिफ़ारिशों और निर्णयों के कार्यान्वयन पर निगरानी बनाए रखना ;
  - ✓ निर्णयों का अनुपालन न करने की स्थिति में रियायतों के निलंबन को अधिकृत करना ;
- **प्रक्रिया:**
  - ✓ आदर्श रूप से विवादों को बातचीत के माध्यम से हल किया जाता है।
  - ✓ यदि यह संभव नहीं है, तो डब्ल्यूटीओ सदस्य विवाद को निपटाने के लिए एक पैनल की स्थापना का अनुरोध कर सकते हैं।
  - ✓ पैनल एक रिपोर्ट जारी करेगा, जिसे बाद में कानून के सवालों पर डब्ल्यूटीओ के अपीलीय निकाय के समक्ष अपील की जा सकती है।
- **अपीलीय निकाय:**
  - ✓ अपीलों को स्थायी **सात सदस्यीय अपीलीय निकाय द्वारा नियंत्रित किया जाता है** जो डीएसबी द्वारा स्थापित किया गया है और मोटे तौर पर **डब्ल्यूटीओ सदस्यता की सीमा का प्रतिनिधित्व करता है।**
  - ✓ यह डब्ल्यूटीओ सदस्यों द्वारा लाए गए विवादों में पैनल द्वारा जारी रिपोर्टों की अपील सुनता है।
  - ✓ अपीलीय निकाय किसी पैनल के कानूनी निष्कर्षों और निष्कर्षों को बरकरार रख सकता है, संशोधित कर सकता है या उलट सकता है।
  - ✓ की सिफारिशों का पालन नहीं करता है , तो व्यापार मुआवजा या प्रतिबंध, उदाहरण के लिए सीमा शुल्क में वृद्धि के रूप में, पालन किया जा सकता है।

11.10 समुद्र के कानून के लिए अंतर्राष्ट्रीय न्यायाधिकरण

- **छोटे द्वीप राष्ट्र समुद्री प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन से सुरक्षा चाहते हैं और हाल ही में संयुक्त राष्ट्र समुद्री न्यायाधिकरण में अपील की है।**
- 9 एसआईडीएस देशों का एक समूह **समुद्र के कानून के लिए अंतर्राष्ट्रीय न्यायाधिकरण (आईटीएलओएस) से आग्रह करेगा** कि वह इस पर फैसला दे कि क्या समुद्री पर्यावरण द्वारा अवशोषित ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को प्रदूषण माना जाना चाहिए।
- इसे रोकने के लिए देशों के दायित्वों पर वह न्यायाधिकरण की सलाहकारी राय भी मांगेगा ।
- **लघु द्वीप विकासशील राज्य (एसआईडीएस)** - निचले द्वीप देशों का समूह, जहां लगभग 65 मिलियन लोग रहते हैं।
- **वैश्विक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन के 1% से भी कम** के लिए जिम्मेदार होने के बावजूद वे जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के प्रति बेहद संवेदनशील हैं।

समुद्री कानून के लिए अंतर्राष्ट्रीय न्यायाधिकरण के बारे में:

- **समुद्र के कानून पर 1982 के संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन** द्वारा स्थापित एक स्वतंत्र न्यायिक निकाय है ।
- **संघटन**
  - ✓ ट्रिब्यूनल 21 स्वतंत्र सदस्यों से बना है।
  - ✓ कन्वेंशन के राज्यों की पार्टियों द्वारा गुप्त मतदान द्वारा चुने गए सदस्य।
  - ✓ प्रत्येक राज्य पार्टी अधिकतम दो उम्मीदवारों को नामांकित कर सकती है।
- **क्षेत्राधिकार**
  - ✓ कन्वेंशन की व्याख्या या अनुप्रयोग से संबंधित किसी भी विवाद पर और किसी अन्य समझौते में विशेष रूप से प्रदान किए गए सभी मामलों पर इसका अधिकार क्षेत्र है जो ट्रिब्यूनल को क्षेत्राधिकार प्रदान करता है।
  - ✓ कन्वेंशन से संबंधित विवाद समुद्री क्षेत्रों के परिसीमन, नेविगेशन, समुद्र के जीवित संसाधनों के संरक्षण और प्रबंधन, समुद्री पर्यावरण की सुरक्षा और संरक्षण और समुद्री वैज्ञानिक अनुसंधान से संबंधित हो सकते हैं।
- ट्रिब्यूनल कन्वेंशन के पक्षकारों के लिए खुला है (यानी राज्य और अंतर्राष्ट्रीय संगठन जो कन्वेंशन के पक्षकार हैं)।
- यह राज्यों की पार्टियों के अलावा अन्य संस्थाओं के लिए भी खुला है, यानी, राज्य या अंतर सरकारी संगठन जो कन्वेंशन के पक्ष नहीं हैं, और राज्य उद्यमों और निजी संस्थाओं के लिए भी खुला है।
- ट्रिब्यूनल की सीट **जर्मनी के हैम्बर्ग शहर में है।**

11.11 G20 नेताओं को उपहार

- **नई दिल्ली में हाल ही में आयोजित जी20 शिखर सम्मेलन में अपने देशों का प्रतिनिधित्व करने वाले विभिन्न राष्ट्राध्यक्षों और नेताओं को भारत सरकार से एक विशेष उपहार हैम्पर मिला।**
- कुछ उत्पाद सदियों की परंपरा के उत्पाद हैं और उनकी अद्वितीय कारीगरी और गुणवत्ता के लिए दुनिया भर में पसंद किए जाते हैं।
- हैम्पर में निम्नलिखित उत्पाद थे:

उपहार का महत्व

शीशम की लकड़ी पीतल की पट्टी के साथ सैंडूक

- **सैंडूक** एक खज़ाने की पेटी के लिए हिंदी शब्द है।
- परंपरागत रूप से, यह ठोस पुरानी लकड़ी या धातु से बना एक मजबूत बक्सा होता है, जिसके शीर्ष पर एक ढक्कन होता है और हर तरफ अलंकरण होता है।
- दिया गया सैंडूक शीशम **(भारतीय रोज़वुड)** का उपयोग करके हस्तनिर्मित किया गया था , जो अपनी ताकत, स्थायित्व, विशिष्ट अनाज पैटर्न और समृद्ध रंग के लिए मूल्यवान है ।
- **पीतल की पैटी (पट्टी) को** नाजुक ढंग से उकेरा गया था और लकड़ी पर जड़ा गया था।

कश्मीरी केसर

- **केसर को** उसके अद्वितीय पाक और औषधीय महत्व के लिए सभी संस्कृतियों और सभ्यताओं में महत्व दिया गया है।
- **कश्मीरी केसर की** तीव्र सुगंधित प्रोफ़ाइल, जीवंत रंग और बेजोड़ शक्ति इसे अलग करती है।
- कश्मीर की ताज़ा हवा, प्रचुर मात्रा में सूरज की रोशनी और अच्छी जल निकासी वाली मिट्टी के कारण है , जो आवश्यक तेलों की उच्च सांद्रता के साथ केसर पैदा करती है।

पीको दार्जिलिंग और नीलगिरि चाय

- **पेको दार्जिलिंग और नीलगिरि चाय** भारत की चाय टेपेस्ट्री के दो शानदार रत्न हैं, जो चाय की खेती और जलसेक की नाजुक कला का प्रतीक हैं।
- **दार्जिलिंग चाय** दुनिया की सबसे मूल्यवान चाय है।
- **नीलगिरि चाय दक्षिणी भारत की सबसे शानदार पर्वत श्रृंखला से आती है, जिसकी खेती 1000-3000 फीट** की ऊंचाई पर पहाड़ों के हरे-भरे इलाके के बीच की जाती है।

अराकू कॉफ़ी

- **अराकू कॉफी** दुनिया की पहली टेरोइर मैप्ड कॉफी है, जो **आंध्र प्रदेश की अराकू घाटी में जैविक बागानों में उगाई गई है।**
- अराकू कॉफी अपनी अनूठी बनावट और स्वादों की एक सिम्फनी के लिए जानी जाती है जो एक चिकना, अच्छी तरह से संतुलित कप बनाती है।

सुंदरवन शहद

- **सुंदरबन** मधुमक्खियों की जंगली बस्तियों का घर है।
- सुंदरबन शहद का विशिष्ट और समृद्ध स्वाद क्षेत्र की जैव-विविधता को दर्शाता है।
- यह अन्य प्रकार के शहद की तुलना में कम चिपचिपा होता है।

कश्मीरी पश्मीना

- कश्मीरी **पश्मीना शॉल** अपने ताने-बाने में कई मनमोहक कहानियाँ बुनी हुई है।
- **फ़ारसी** में **'पश्म' का मतलब ऊन होता है।**
- प्राचीन दरबारों में, पश्मीना का उपयोग पद और कुलीनता के संकेतक के रूप में किया जाता था।

ज़िगराना इत्तर

- **ज़िघराना इत्र उत्तर प्रदेश के कन्नौज** की खुशबू का उत्कृष्ट नमूना है ।
- इत्र (इत्र) वनस्पति स्रोतों से प्राप्त एक आवश्यक तेल है।
- यह उत्कृष्ट इत्र निर्माण की सदियों पुरानी परंपरा को प्रदर्शित करता है।

खादी दुपट्टा

- का पर्याय , **खादी** एक पर्यावरण-अनुकूल वस्त्र सामग्री है जो हर मौसम में अपनी सुंदर बनावट और बहुमुखी प्रतिभा के लिए सबसे अधिक पसंद की जाती है।
- यह भारत के स्वतंत्रता संग्राम के सबसे महत्वपूर्ण प्रतीकों में से एक भी है।

सिक्का बक्सा

- इस वर्ष 26 जुलाई को विशेष **G20 डाक टिकट और सिक्के जारी किए।**
- प्रगति मैदान में भारत मंडपम के उद्घाटन के दौरान जी20 इंडिया के टिकट और सिक्के जारी किए गए।
- सिक्कों और टिकटों दोनों के डिज़ाइन भारत के G20 लोगो और **' वसुधैव' की थीम से प्रेरणा लेते हैं कुटुम्बकम ' या 'एक पृथ्वी'। एक परिवार. एक भविष्य'.**

एबोनी जाली बॉक्स में बनारसी सिल्क का स्टोल

- बेहद घनी और महीन बनावट वाली भारतीय आबनूस की लकड़ी पर नाजुक जाली या जेल के काम का उपयोग करके हस्तनिर्मित।

असम ने कदम लकड़ी के बक्से में चोरी की

- **मूगा सिल्क का उपयोग कर चुराया।**
- **कदम - कर्नाटक के कारीगरों द्वारा हस्तनिर्मित बर्फ़ के पेड़ की लकड़ी** ।

कांचीवरम ने कदम लकड़ी के बक्से में चोरी की

- शुद्ध शहतूत रेशम के धागों का उपयोग करके चुराया गया।

इक्कत ने सागौन की लकड़ी के डिब्बे में चोरी की

- **उत्कृष्ट इक्कत तकनीक** के साथ शहतूत रेशम का उपयोग करके ओडिशा के कारीगरों द्वारा चुराया गया ।
- **गुजरात** के कारीगरों द्वारा बॉक्स ।

11.12 वेस्ट कोस्ट रिफाइनरी परियोजना

- **भारत और सऊदी अरब हाल ही में 50 अरब डॉलर की वेस्ट कोस्ट रिफाइनरी परियोजना** के कार्यान्वयन में तेजी लाने पर सहमत हुए हैं ।
- **वेस्ट कोस्ट रिफाइनरी परियोजना की** पहली बार कल्पना **2014** में की गई थी, वेस्ट कोस्ट रिफाइनरी परियोजना, जिसे **रत्नागिरी रिफाइनरी और पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड (आरआरपीसीएल) के रूप में भी जाना जाता है, की** कल्पना **60 मिलियन टन प्रति वर्ष** की क्षमता के साथ **भारत की सबसे बड़ी ग्रीनफील्ड रिफाइनरी के रूप में की गई थी** और इसे बनने की उम्मीद है। दुनिया की सबसे बड़ी एकीकृत रिफाइनरी और पेट्रोकेमिकल सुविधा।
- **महाराष्ट्र के रत्नागिरी** में स्थापित की जानी है ।
- उम्मीद है कि पूरा होने पर रिफाइनरी **प्रतिदिन लगभग 1.2 मिलियन बैरल तेल का उत्पादन करेगी** , साथ ही विभिन्न पेट्रोलियम उत्पादों का उत्पादन किया जाएगा जो संलग्न पेट्रोकेमिकल संयंत्रों द्वारा उत्पादित किए जाएंगे।
- तेल और गैस क्षेत्र में भारत के तीन प्रमुख सरकारी स्वामित्व वाले सार्वजनिक उपक्रम **आरआरपीसीएल नामक एक संयुक्त उद्यम साझेदारी में एक साथ आए।**

- भारत की तीन राष्ट्रीय तेल कंपनियों **, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (IOCL), भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (BPCL), और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (HPCL) द्वारा 2017 में गठित एक 50:25:25 संयुक्त उद्यम है ।**
- **2019 में, सऊदी अरामको और अबू धाबी नेशनल ऑयल कंपनी (एडीएनओसी) ने** भी इसमें शामिल होने का फैसला किया, और सामूहिक रूप से इस परियोजना में **50 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल कर ली, जिसकी अनुमानित लागत** पूरी तरह से सेट-अप लागत में लगभग **3 लाख करोड़ रुपये है।**

भारत-सऊदी अरब रणनीतिक साझेदारी परिषद

- **प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी और सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान (एमबीएस) ने हाल ही में भारत-सऊदी अरब रणनीतिक साझेदारी परिषद (एसपीसी)** की पहली बैठक की अध्यक्षता की ।
- **2019 में स्थापित रणनीतिक** साझेदारी परिषद का उद्देश्य दोनों देशों के बीच संबंधों को बढ़ाना है और इसके दो मुख्य स्तंभ हैं: राजनीतिक, सुरक्षा, सामाजिक और सांस्कृतिक सहयोग समिति और अर्थव्यवस्था और निवेश समिति।
- इन समितियों में सहभागिता के चार स्तर हैं, जिनमें शिखर-स्तरीय बैठकें, मंत्री-स्तरीय चर्चाएँ, वरिष्ठ अधिकारियों की बैठकें और संयुक्त कार्य समूह शामिल हैं।
- **50 अरब डॉलर की वेस्ट कोस्ट रिफाइनरी परियोजना में** तेजी लाने पर सहमत हुए और गहन सहयोग के लिए ऊर्जा, रक्षा , सेमीकंडक्टर और स्थान जैसे क्षेत्रों की पहचान की ।
- वेस्ट कोस्ट रिफाइनरी परियोजना का लक्ष्य महाराष्ट्र के रत्नागिरी में एशिया की सबसे बड़ी रिफाइनरी स्थापित करना है।
- यह ARAMCO (सऊदी), ADNOC (UAE) और भारतीय कंपनियों के बीच एक त्रिपक्षीय परियोजना है।
- **भारत और सऊदी अरब ने क्राउन प्रिंस और सऊदी अरब के प्रधान मंत्री मोहम्मद बिन सलमान बिन अब्दुलअज़ीज़ अल सऊद की** राजकीय यात्रा के दौरान आठ समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं । ये हैं:
  - ✓ **ऊर्जा** के क्षेत्र में सहयोग पर समझौता ज्ञापन ।
  - ✓ दोनों पक्षों के आईटी मंत्रालयों के बीच डिजिटलीकरण और इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण के क्षेत्र में समझौता
  - ✓ **केंद्रीय सतर्कता आयोग** और उसके समकक्ष सऊदी निरीक्षण और भ्रष्टाचार विरोधी प्राधिकरण के बीच समझौता ।
  - ✓ **राष्ट्रीय अभिलेखागार** के बीच समझौता ।
  - ✓ भारत की ओर से इन्वेस्ट इंडिया और सऊदी की ओर से निवेश मंत्रालय के बीच समझौता।
  - ✓ दो **EXIM बैंकों के बीच समझौता**
  - ✓ **लघु और मध्यम उद्यम बैंक** , यानी सिडबी और सऊदी अरब के एसएमई बैंक के बीच समझौता
  - ✓ **अलवणीकरण** के क्षेत्र में समझौता ।

11.13 कानूनी माप विज्ञान का अंतर्राष्ट्रीय संगठन

- भारत अब **इंटरनेशनल ऑर्गनाइजेशन ऑफ लीगल मेट्रोलॉजी (OIML) सर्टिफिकेट जारी कर सकता है।**

लीगल मेट्रोलॉजी के अंतर्राष्ट्रीय संगठन के बारे में

- **1955** में स्थापित एक अंतरसरकारी संगठन है ।
- **इंटरनेशनल ऑर्गेनाइज़ेशन ऑफ़ लीगल मेट्रोलॉजी** एक अंतरसरकारी संधि संगठन है जो:

- ✓ मॉडल विनियम, मानक और संबंधित दस्तावेज़ विकसित करता है।
- ✓ **पारस्परिक मान्यता प्रणाली प्रदान करता है** जो वैश्विक बाजार में व्यापार बाधाओं और लागत को कम करता है।
- ✓ दुनिया भर में कानूनी मेट्रोलॉजी समुदाय के भीतर ज्ञान और दक्षताओं के आदान-प्रदान को **बढ़ावा देता है और सुविधा प्रदान करता है ,**
- ✓ एक मजबूत कानूनी मेट्रोलॉजी बुनियादी ढांचा आधुनिक अर्थव्यवस्था में जो योगदान दे सकता है, उसके बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए **अन्य मेट्रोलॉजी निकायों के साथ सहयोग करता है ।**

❖ इसका मुख्यालय **पेरिस, फ्रांस में है।**

❖ यह **विश्व व्यापार संगठन के व्यापार में तकनीकी बाधाएँ (टीबीटी) समझौते के** अर्थ में अंतर्राष्ट्रीय मानक-निर्धारण निकाय है।

❖ **सदस्य -** इसमें **63 सदस्य राज्य और 64 संबंधित सदस्य हैं** । **भारत 1956** में इसका सदस्य बना ।

❖ अंतर्राष्ट्रीय बाजार में वजन या माप बेचने के लिए ओआईएमएल पैटर्न अनुमोदन प्रमाणपत्र अनिवार्य है।

भारत और ओआईएमएल

❖ **भारत** अब दुनिया में कहीं भी बाट और माप बेचने के लिए ओआईएमएल प्रमाणपत्र जारी करने वाला प्राधिकरण बन गया है और उपभोक्ता मामले विभाग अब प्रमाणपत्र जारी कर सकता है।

❖ **भारत अब OIML अनुमोदन प्रमाणपत्र जारी करने वाला 13वां देश बन गया है।**

❖ अन्य देश - **ऑस्ट्रेलिया, स्विट्जरलैंड, चीन, चेक गणराज्य, जर्मनी, डेनमार्क, फ्रांस, यूनाइटेड किंगडम, जापान, नीदरलैंड, स्वीडन और स्लोवाकिया भी** यह प्रमाणपत्र जारी कर सकते हैं।

❖ **ओआईएमएल-सर्टिफिकेट सिस्टम** ओआईएमएल प्रमाणपत्र और उनके संबंधित ओआईएमएल प्रकार के मूल्यांकन/परीक्षण रिपोर्ट जारी करने, पंजीकरण करने और उपयोग करने के लिए एक प्रणाली है ।

❖ भारत के लिए लाभ - निर्यात में वृद्धि, विदेशी मुद्रा की कमाई और रोजगार का सृजन।

11.14 अंतर्राष्ट्रीय व्यापार कानून पर संयुक्त राष्ट्र आयोग (अनसिट्रल)

❖ **भारत ने अंतर्राष्ट्रीय व्यापार कानून पर संयुक्त राष्ट्र आयोग (UNCITRAL) के उद्घाटन दक्षिण एशिया सम्मेलन की** मेजबानी की।

❖ सम्मेलन का आयोजन **विदेश मंत्रालय, UNCITRAL और भारत के लिए संगठन की राष्ट्रीय समन्वय समिति** द्वारा संयुक्त रूप से किया गया था।

अनसिट्रल के बारे में

❖ UNCITRAL की **स्थापना 1966 में इस मान्यता** के साथ की गई थी कि **"राज्यों के बीच अंतर्राष्ट्रीय व्यापार सहयोग मैत्रीपूर्ण संबंधों को बढ़ावा देने और परिणामस्वरूप, शांति और सुरक्षा बनाए रखने में एक महत्वपूर्ण कारक है"।**

❖ UNCITRAL को " **अंतर्राष्ट्रीय व्यापार कानून के लिए समर्पित संयुक्त राष्ट्र प्रणाली के भीतर प्रमुख कानूनी इकाई** " के रूप में वर्णित किया गया है।

❖ इसका उद्देश्य **अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पर नियमों का आधुनिकीकरण और सामंजस्य बनाना है ।**

❖ मुख्यालय- **न्यूयॉर्क, यूएसए**

- **प्रत्येक वर्ष आमतौर पर गर्मियों में एक बार** होते हैं और **वैकल्पिक रूप से न्यूयॉर्क और वियना में वियना अंतर्राष्ट्रीय केंद्र में आयोजित किए जाते हैं।**
- **सदस्यता**
  - ✓ संयुक्त राष्ट्र महासभा **छह साल की अवधि के लिए सदस्यों का चुनाव करती है** ।
  - ✓ हालाँकि, ये एकसमान नहीं हैं, क्योंकि **आधे सदस्यों का कार्यकाल हर तीन साल में समाप्त हो जाता है** ।
  - ✓ UNCITRAL की सदस्यता **संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा निर्धारित की जाती है** ।
  - ✓ मूल सदस्यता में संयुक्त राष्ट्र के **29 सदस्य देश शामिल थे**
  - ✓ लेकिन 1973 में इस संख्या को 36 तक, 2002 में 60 राज्यों तक और फिर 2022 में **कुल 70 सदस्य देशों तक बढ़ा दिया गया** ।

11.15 लिप्टाको-गौरमा चार्टर

- **माली, बुर्किना फासो और नाइजर** के सैन्य नेताओं ने **एक पारस्परिक रक्षा समझौते** पर हस्ताक्षर किए ।
- लिप्टाको **-गौरमा चार्टर साहेल राज्यों के गठबंधन (एईएस) की** स्थापना करता है ।
- चार्टर हस्ताक्षरकर्ताओं को **उनमें से किसी एक पर हमले की स्थिति** में **सैन्य सहित एक-दूसरे की सहायता करने के लिए बाध्य करता है ।**
- यह **तीनों देशों को सशस्त्र विद्रोहों को रोकने या निपटाने के लिए काम करने के लिए भी बाध्य करता है।**
- इसका उद्देश्य " **हमारी आबादी के लाभ के लिए सामूहिक रक्षा और पारस्परिक सहायता की एक वास्तुकला स्थापित करना" है।**
- लिप्टाको **-गौरमा क्षेत्र** - जहां **माली, बुर्किना फासो और नाइजर की सीमाएं मिलती हैं - हाल के वर्षों में जिहाद द्वारा तबाह कर दिया गया है।**
  - ✓ इन तीनों देशों में **2020 से तख्तापलट हो चुका है।**

11.16 फाइव आइज़ एलायंस

- गठबंधन में शामिल हैं- **अमेरिका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और कनाडा।**
- ये साझेदार देश एकीकृत बहुपक्षीय **व्यवस्था में एक दूसरे के साथ व्यापक स्तर की खुफिया जानकारी साझा करते हैं**

11.17 एशियाई प्रीमियम

- **द्वारा अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा रूस से प्राप्त करना शुरू करने** के बाद **दुनिया के दूसरे सबसे बड़े तेल उत्पादक** सऊदी अरब ने **भारत को निर्यात पर लगने वाले प्रीमियम में कटौती कर दी** है ।
- **एशियाई प्रीमियम पेट्रोलियम निर्यातक देशों के संगठन (ओपेक) द्वारा एशियाई देशों से वास्तविक बिक्री मूल्य से ऊपर ली जाने वाली** एक अतिरिक्त राशि है ।

11.18 एल.69 ग्रुपिंग

- **संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार पर विचारों का आदान-प्रदान करने के लिए L.69 समूह के देशों** के विदेश मंत्रियों ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के 78वें सत्र के मौके पर एक बैठक की।
- नेताओं ने **यूएनएससी के विस्तार को निकाय को "अधिक प्रतिनिधित्वपूर्ण, वैध और प्रभावी" बनाने के लिए "आवश्यक" बताया।**
- L.69 समूह में **एशिया, अफ्रीका, लैटिन अमेरिका, कैरेबियन और प्रशांत (छोटे द्वीप विकासशील राज्य) के विकासशील देश शामिल हैं।**
- वे **यूएनएससी में व्यापक सुधार लाने** और बहुपक्षवाद **को मजबूत करने की साझा इच्छा से एकजुट हैं।**
- **भारत एक सदस्य है.**

11.19 अंतर्राष्ट्रीय कॉफ़ी संगठन

- **अंतर्राष्ट्रीय कॉफ़ी संगठन (ICO) , भारतीय कॉफ़ी बोर्ड** , **भारत सरकार, कर्नाटक सरकार और कॉफ़ी उद्योग के** सहयोग से , **बैंगलोर** में **5 वें विश्व कॉफ़ी सम्मेलन (WCC) की मेजबानी कर रहा है।**
- यह पहली **बार है** कि **भारत और एशिया में कोई वैश्विक कॉफी कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।**
- आयोजन का केंद्रीय **विषय 'सर्कुलर इकोनॉमी और रीजेनरेटिव एग्रीकल्चर के माध्यम से स्थिरता' होगा।**

अंतर्राष्ट्रीय कॉफी संगठन के बारे में

- यह कॉफ़ी के लिए **मुख्य अंतरसरकारी संगठन है, जो** अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के माध्यम से **विश्व कॉफ़ी क्षेत्र के सामने आने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए निर्यात और आयात करने वाली सरकारों को एक साथ लाता है।**
- अंतर्राष्ट्रीय कॉफी संगठन की **स्थापना 1963 में हुई थी** जब **पहला अंतर्राष्ट्रीय कॉफी समझौता (आईसीए) 1962 में पांच साल की अवधि** के लिए लागू हुआ था , और **तब से यह लगातार समझौतों के तहत काम करना जारी रखा है।**
- **सदस्यता** : **43 निर्यातक सदस्य (भारत सहित)** और **6 आयातक सदस्य।**
  - ✓ इसकी **सदस्य सरकारें विश्व कॉफी उत्पादन का 98%** और **विश्व खपत का 67%** प्रतिनिधित्व करती हैं ।
- **मिशन** - वैश्विक कॉफी क्षेत्र को मजबूत करना और कॉफी क्षेत्र में सभी प्रतिभागियों की बेहतरी के लिए बाजार-आधारित वातावरण में इसके स्थायी विस्तार को बढ़ावा देना।
- यह **अंतर्राष्ट्रीय कॉफी समझौते (आईसीए) का** प्रबंधन **करता है** , जो विकास सहयोग का एक महत्वपूर्ण साधन है।
  - ✓ नवीनतम **समझौता** , आईसीए 2007, **2 फरवरी 2011 को लागू हुआ।**

12. यादगार दिन

12.1 राष्ट्रीय शिक्षक दिवस- 5 सितम्बर

- भारत में राष्ट्रीय शिक्षक दिवस **प्रतिवर्ष 5 सितम्बर को मनाया जाता** है समाज में शिक्षकों के योगदान का सम्मान करना और जश्न मनाना।
- यह दिन **डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की स्मृति में श्रद्धांजलि के रूप में भी मनाया जाता है।**

डॉ. एस. राधाकृष्णन के बारे में

- **डॉ. एस. राधाकृष्णन का** जन्म **5 सितंबर, 1888 को तिरुत्तानी , मद्रास प्रेसीडेंसी में हुआ था।**
- वह **1962 से 1967 तक भारत के दूसरे राष्ट्रपति रहे।**
- **एक विद्वान, दार्शनिक और शिक्षक** थे ।
- **1921 से 1932 तक कलकत्ता विश्वविद्यालय में मानसिक और नैतिक विज्ञान के किंग जॉर्ज पंचम चेयर में** दर्शनशास्त्र **के प्रोफेसर** के प्रतिष्ठित पद पर कार्य किया । उनका योगदान **भारत से बाहर तक फैला हुआ था** ; उन्होंने **1926 में ब्रिटिश साम्राज्य के विश्वविद्यालयों की कांग्रेस** और उसी वर्ष **अमेरिका के हार्वर्ड विश्वविद्यालय में दर्शनशास्त्र की अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस** जैसे **अंतरराष्ट्रीय मंचों पर विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया ।**
- डॉ. राधाकृष्णन की प्रतिभा ने उन्हें साहित्य में 16 और **शांति में 11 नोबेल पुरस्कार नामांकन दिलाए।**

टिप्पणी:

- **विश्व शिक्षक दिवस 5 अक्टूबर को** मनाया जाता है । यह यूनेस्को, **यूनिसेफ और आईएलओ जैसे संगठनों के नेतृत्व में एक पहल है** ।

12.2 नीले आसमान के लिए स्वच्छ वायु का अंतर्राष्ट्रीय दिवस- 7 सितंबर

- **नीले आसमान के लिए अंतर्राष्ट्रीय स्वच्छ वायु दिवस** प्रतिवर्ष 7 सितंबर को मनाया **जाता है ।**
- इस वर्ष की थीम **'स्वच्छ वायु के लिए एक साथ' है** । इसका उद्देश्य वायु प्रदूषण पर काबू पाने के लिए मजबूत साझेदारी, बढ़े हुए निवेश और साझा जिम्मेदारी की तत्काल आवश्यकता को उजागर करना है।

12.3 अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस- 8 सितंबर

- **अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस प्रतिवर्ष 8 सितंबर को मनाया** जाता है ।
- यह दिन **संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) द्वारा** दुनिया भर में वैश्विक, क्षेत्रीय, देश और स्थानीय स्तर पर मनाया जाता है।
- **अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस पहली बार 1967 में मनाया गया** था ।
- इस वर्ष का **अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस दुनिया भर में 'संक्रमण में दुनिया के लिए साक्षरता को बढ़ावा देना: टिकाऊ और शांतिपूर्ण समाजों की नींव का निर्माण ' विषय के** तहत मनाया जाएगा ।

12.4 विश्व फिजियोथेरेपी दिवस- 8 सितंबर

- **विश्व फिजिकल थेरेपी दिवस या विश्व फिजियोथेरेपी दिवस 2023 हर साल [8] सितंबर** को मनाया जाता है ।
- इसका उद्देश्य लोगों के स्वास्थ्य और कल्याण में **भौतिक चिकित्सकों के महत्वपूर्ण योगदान के बारे में जागरूकता बढ़ाना है।**
- विश्व फिजियोथेरेपी दिवस 2023 का **विषय** " **ऑस्टियोआर्थराइटिस की रोकथाम और प्रबंधन" है** ।

12.5 हिंदी दिवस

- **1949 में भारत की संविधान सभा** द्वारा हिंदी को आधिकारिक भाषा के रूप में अपनाने के दिन को चिह्नित करने के लिए भारत में हर साल **14 सितंबर को हिंदी दिवस** या **राष्ट्रीय हिंदी दिवस मनाया जाता है।**
- **देवनागरी लिपि** में लिखी गई हिंदी को **14 सितंबर, 1949** को भारत गणराज्य की आधिकारिक भाषा के रूप में अपनाया गया था ।
- हिंदी के अलावा, अंग्रेजी अन्य आधिकारिक भाषा है **(संविधान का अनुच्छेद 343)।**
- आधिकारिक तौर पर पहला हिंदी दिवस **14 सितंबर 1953 को मनाया गया था।**
- **आधिकारिक तौर पर मान्यता प्राप्त 22** भारतीय भाषाओं में से आठवीं अनुसूची की भाषा है ।
- **अनुच्छेद 351 'हिन्दी भाषा के विकास हेतु निर्देश'** से संबंधित है ।

12.6 'वैशाली लोकतंत्र का उत्सव'

- **भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर)** भारत की समृद्ध लोकतांत्रिक परंपराओं का प्रदर्शन करते हुए **बिहार के नालंदा विश्वविद्यालय** में ' **लोकतंत्र महोत्सव**' आयोजित करेगी ।

लोकतंत्र का अंतर्राष्ट्रीय दिवस

- **2007** में संयुक्त **राष्ट्र महासभा ने** लोकतंत्र के सिद्धांतों को बढ़ावा देने और बनाए रखने के उद्देश्य से **15 सितंबर को अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस** के रूप में मनाने का संकल्प लिया ।
- इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस की थीम **, "अगली पीढ़ी को सशक्त बनाना" है।**

वैशाली का प्राचीन शहर:

- यह एक महान बौद्ध तीर्थस्थल और जैन धर्म के अंतिम **तीर्थंकर भगवान महावीर का जन्मस्थान है** । ऐसा माना जाता है कि यह विश्व का पहला गणतंत्र है।
- **बुद्ध ने** तीन बार इस स्थान का दौरा किया, अपना अंतिम उपदेश दिया और **यहीं वैशाली में अपने निर्वाण की घोषणा की।**
- की मृत्यु के बाद **दूसरी बौद्ध संगीति वैशाली में हुई।**

नालंदा विश्वविद्यालय

- यह उच्च शिक्षा का केंद्र था जिसने **5वीं शताब्दी ईस्वी से 12वीं शताब्दी ईस्वी तक** देश के विभिन्न हिस्सों के साथ-साथ दुनिया भर के विद्वानों को आकर्षित किया।
- यह वर्तमान **बिहार के राजगीर** में स्थित था ।

12.7 इंजीनियर दिवस

- भारत में, राष्ट्र के विकास में इंजीनियरों के योगदान को मान्यता देने के लिए , **1968** से हर साल **15 सितंबर को इंजीनियर दिवस** मनाया जाता है ।
- 2023 राष्ट्रीय इंजीनियर्स दिवस की थीम **'स्थायी भविष्य के लिए इंजीनियरिंग' है।**
- **एम विश्वेश्वरैया** की जयंती मनाने और विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उनके द्वारा किए गए योगदान को पहचानने के लिए हर साल **15 सितंबर** को पूरे भारत में इंजीनियर्स दिवस मनाया जाता है ।
- सर एमवी को " **आधुनिक मैसूर का जनक" माना जाता था।**
- **1955** में भारत के निर्माण में उनके असाधारण योगदान के लिए उन्हें **'भारत रत्न' से सम्मानित किया गया।**
- **1912 में, विश्वेश्वरैया को महाराजा कृष्णराज वाडियार चतुर्थ** द्वारा **मैसूर का दीवान** नियुक्त किया गया था ।

12.8 विश्व ओजोन दिवस

- **विश्व ओजोन दिवस या ओजोन परत के संरक्षण के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस प्रतिवर्ष 16 सितंबर को मनाया जाता है।**
- **थीम: मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल: ओजोन परत को ठीक करना और जलवायु परिवर्तन को कम करना।**
- **ओजोन परत** के महत्व और हमारे ग्रह पृथ्वी की रक्षा में इसके महत्वपूर्ण योगदान को उजागर करने के लिए समर्पित है ।
- **ओजोन परत ट्राइऑक्सीजन अणु (O3) से बनी होती है** और इसमें हानिकारक पराबैंगनी (UV) किरणों को अवशोषित करने की क्षमता होती है।
- **विश्व ओजोन दिवस को** मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल की याद में मनाया जाता है - एक पर्यावरण समझौता जो 1987 में क्लोरोफ्लोरोकार्बन (**सीएफसी), हैलोन्स, कार्बन टेट्राक्लोराइड और मिथाइल क्लोरोफॉर्म सहित ओजोन क्षयकारी पदार्थों (ओडीएस) के** खिलाफ स्थापित किया गया था।

12.9 विश्व बांस दिवस- 18 सितंबर

- दुनिया भर में बांस के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए **हर साल 18 सितंबर** को विश्व बांस दिवस मनाया जाता है ।
- विश्व बांस दिवस का उद्देश्य बांस के आर्थिक लाभों और उभरते उद्योगों **में इसकी खेती के महत्व के बारे में जनता के बीच जागरूकता बढ़ाना है।**

12.10 विश्व अल्जाइमर दिवस

- विश्व अल्जाइमर दिवस **प्रतिवर्ष 21 सितंबर को** मनाया जाता है **।**
- यह **एक वैश्विक पहल है जिसका उद्देश्य अल्जाइमर रोग के बारे में जागरूकता बढ़ाना और इससे जुड़े कलंक और मनोभ्रंश के अन्य रूपों को कम करना है।**
- अल्जाइमर दिवस 2023 की थीम **'नेवर टू अर्ली, नेवर टू लेट' है,** जो **जोखिम कारकों की पहचान करने और उन जोखिमों को कम करने के लिए सक्रिय कदम उठाने के महत्वपूर्ण महत्व पर जोर देती है ।**

अल्जाइमर रोग के बारे में

- अल्जाइमर रोग, मनोभ्रंश का सबसे प्रचलित प्रकार, **मनोभ्रंश के 60-70% मामलों के लिए जिम्मेदार है।**

- यह **एक प्रगतिशील मस्तिष्क विकार है** जो **स्मृति, संज्ञानात्मक कार्य और व्यवहार को प्रभावित करता है और धीरे-धीरे व्यक्ति के दैनिक जीवन को प्रभावित करता है।**

12.11 विश्व गैंडा दिवस- 22 सितंबर

- विश्व गैंडा दिवस **प्रतिवर्ष 22 सितंबर को मनाया जाता है** ।
- यह दिन **एक वार्षिक खतरे की घंटी है जो हमें गैंडों की सभी पांच प्रजातियों की सुरक्षा और संरक्षण की आवश्यकता के बारे में जागरूकता फैलाने के महत्व की याद दिलाती** है ।
- वर्तमान में, **गैंडों की तीन प्रजातियाँ** - **काली, जावन और सुमात्राण** - को **गंभीर रूप से लुप्तप्राय के रूप में वर्गीकृत किया गया है।**
  - ✓ **सफेद गैंडा-निकट संकटग्रस्त**
  - ✓ **एक सींग वाला गैंडा - असुरक्षित**

12.12 अंतर्राष्ट्रीय सांकेतिक भाषा दिवस- 23 सितंबर

- **बधिर व्यक्तियों के मानवाधिकारों को बनाए रखने में सांकेतिक भाषा की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए** प्रतिवर्ष 23 सितंबर को अंतर्राष्ट्रीय सांकेतिक भाषा दिवस मनाया **जाता है** ।
- **इस वर्ष की** थीम है **"एक ऐसी दुनिया जहां हर जगह बधिर लोग कहीं भी हस्ताक्षर कर सकते हैं!"** .

12.13 विश्व नदी दिवस

- **विश्व नदी दिवस** प्रतिवर्ष **सितंबर माह के चौथे रविवार को मनाया जाता है।**
- **24 सितम्बर को** **मनाया** गया ।
- इसका उद्देश्य **दुनिया की सभी नदियों और उनके महत्व के बारे में सार्वजनिक जागरूकता बढ़ाना है** ।
- वार्षिक वैश्विक कार्यक्रम इन महत्वपूर्ण प्राकृतिक संसाधनों के **संरक्षण और टिकाऊ प्रबंधन को भी बढ़ावा देता है** ।
- पहला **विश्व नदी दिवस 2005 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा जीवन के लिए जल दशक की शुरुआत** के बाद मनाया गया था ।
- इस तरह के उत्सव का **प्रस्ताव** प्रसिद्ध **कनाडाई नदी अधिवक्ता मार्क एंजेलो द्वारा शुरू किया गया था।**

12.14 विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस 2023- 26 सितंबर

- **मानव और उनके पर्यावरण के बीच जटिल संबंधों को उजागर करने** के लिए **प्रतिवर्ष 26 सितंबर को** **विश्व** **पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस** मनाया जाता है ।
- इंटरनेशनल **फेडरेशन ऑफ एनवायर्नमेंटल हेल्थ ने 2011 में** हर साल 26 सितंबर को विश्व पर्यावरणीय स्वास्थ्य दिवस मनाने की घोषणा की थी।
- इस वर्ष के विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस का **विषय** है - वैश्विक पर्यावरणीय सार्वजनिक स्वास्थ्य: **हर दिन हर किसी के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए खड़ा होना।**

12.15 विश्व पर्यटन दिवस- 27 सितंबर

- **विश्व पर्यटन दिवस 2023 प्रतिवर्ष 27 सितंबर को** विश्व **स्तर पर** मनाया जाता है ।
- विश्व पर्यटन दिवस की **स्थापना 1980 में संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन (यूएनडब्ल्यूटीओ) द्वारा की गई थी।**
- **विश्व पर्यटन दिवस 2023 का विषय** " पर्यटन **और हरित निवेश"** है ।
  - ✓ यह थीम **पर्यटन को अधिक टिकाऊ और पर्यावरण के अनुकूल बनाने** के महत्व पर जोर देती है ।

12.16 विश्व रेबीज दिवस 2023- 28 सितंबर

- विश्व रेबीज दिवस प्रतिवर्ष मनाया जाता है **28** सितंबर **.**
- फॉर **रेबीज कंट्रोल (जीएआरसी)** द्वारा स्थापित और **विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा मान्यता प्राप्त** इस दिवस **का उद्देश्य रेबीज से निपटने के प्रयासों को बढ़ावा देना और रोकथाम के महत्व पर प्रकाश डालना है।**
- इस वर्ष की थीम **"सभी के लिए 1, सभी के लिए एक स्वास्थ्य" है।**

रेबीज़ के बारे में

- रेबीज़ **एक वैक्सीन-रोकथाम योग्य** , **ज़ूनोटिक, वायरल बीमारी है** ।
- यह **राइबोन्यूक्लिक एसिड (आरएनए) वायरस के कारण होता है** जो पागल जानवर (कुत्ता, बिल्ली, बंदर **आदि) की लार में मौजूद होता है।**
- **लक्षणों** में **सिरदर्द, तेज़ बुखार, अत्यधिक लार आना, पक्षाघात, मानसिक गड़बड़ी और भ्रम शामिल हैं, जो अंततः मृत्यु का कारण बनते हैं।**
- इसकी **मृत्यु दर 100 % है** ।

12.17 सूचना तक सार्वभौमिक पहुंच के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस 2023- 28 सितंबर

- **सूचना तक सार्वभौमिक पहुंच के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस की** घोषणा **15 अक्टूबर 2019 को** 28 **सितंबर को होने वाली 74** वीं **संयुक्त राष्ट्र महासभा** में की गई थी **।**
- **28 सितंबर 2023** को **ऑक्सफोर्ड, यूनाइटेड किंगडम** में वैश्विक समारोह **"सूचना तक पहुंच के लिए ऑनलाइन स्थान के महत्व"** की **थीम** पर केंद्रित होगा ।

12.18 विश्व हृदय दिवस- 29 सितंबर

- **विश्व हृदय दिवस प्रतिवर्ष 29 सितंबर को** दुनिया भर में मनाया जाता है ।
- **विश्व हृदय दिवस** का विषय **"दिल का उपयोग करें, दिल को जानें "** है ।
- पहला **विश्व हृदय दिवस 1999 में मनाया गया था** ।
- की तारीख इसलिए चुनी गई क्योंकि यह **वर्ल्ड हार्ट फेडरेशन** की **स्थापना की सालगिरह का प्रतीक है** , जिसकी **स्थापना 1978 में हुई थी** ।
  - ✓ **वर्ल्ड हार्ट फेडरेशन** एक **वैश्विक गैर-सरकारी संगठन है जो हृदय रोग की रोकथाम और नियंत्रण के लिए समर्पित है।**

12.19 अंतर्राष्ट्रीय अनुवाद दिवस 2023- 30 सितंबर

- **अंतर्राष्ट्रीय अनुवाद दिवस (आईटीडी) हर साल 30 सितंबर को** मनाया जाता है **।**
- दुनिया भर में अनुवादकों की महत्वपूर्ण भूमिका को उजागर करने के लिए **इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ ट्रांसलेटर्स (FIT)** द्वारा यह दिन मनाया जाता है ।
- अंतर्राष्ट्रीय अनुवाद दिवस की स्थापना **2017 में** संयुक्त राष्ट्र द्वारा की गई थी।
- अंतर्राष्ट्रीय अनुवाद दिवस 2023 का **विषय** है **"अनुवाद मानवता के कई चेहरों को उजागर करता है।"**
- यूनेस्को के अनुसार, **"यह विषय विशेष रूप से स्वदेशी भाषा समुदायों से संबंधित अनुवाद के दायरे में शक्ति की गतिशीलता की जांच पर विशेष जोर देता है।"**

13. नियुक्ति

13.1 जया वर्मा सिन्हा को रेलवे बोर्ड का प्रमुख नियुक्त किया गया

- सरकार ने हाल ही में **जया वर्मा सिन्हा को रेलवे बोर्ड का अध्यक्ष** नियुक्त किया है।
  - ✓ बोर्ड **रेल मंत्रालय के लिए निर्णय लेने वाली शीर्ष संस्था है** ।
- **118 साल पुराने इतिहास में बोर्ड की प्रमुख बनने वाली** पहली महिला हैं ।

13.2 आर माधवन एफटीआईआई के अध्यक्ष हैं

- प्रसिद्ध अभिनेता **आर माधवन को भारतीय फिल्म एवं टेलीविजन संस्थान (एफटीआईआई), पुणे** के **नए अध्यक्ष के रूप में नामित किया गया है** ।

एफटीआईआई के बारे में

- **भारतीय फिल्म एवं टेलीविजन संस्थान (FTII) की** स्थापना **भारत सरकार द्वारा 1960 में पुणे में तत्कालीन प्रभात स्टूडियो के परिसर** में की गई थी ।
- इसे पहले **'फिल्म इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया' के नाम से जाना जाता था** । 1971 में, FTII को 'फिल्म एंड टेलीविज़न इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया' (FTII) के रूप में जाना जाने लगा।
- एफटीआईआई **सूचना और प्रसारण मंत्रालय** के तहत **एक स्वायत्त सोसायटी है, जो एक गवर्निंग काउंसिल और उसके नियुक्त निदेशक** द्वारा संचालित होती है ।

14. समाचार में व्यक्ति

14.1 श्री नारायण गुरु

- श्री नारायण गुरु की **169 वीं जयंती मनाई गई** ।

श्री नारायण गुरु के बारे में

- वह 19 वीं सदी के **आध्यात्मिक गुरु और समाज सुधारक थे।**
- उनका **जन्म 1856 में एक पिछड़े एझावा परिवार में** उस युग में हुआ था **जब ऐसे समुदायों के लोगों को** केरल के जाति-ग्रस्त समाज में सामाजिक अन्याय का सामना करना पड़ता था।
- वह **अद्वैत वेदांत के सबसे महान समर्थकों और पुनर्मूल्यांकनकर्ताओं में से एक बन गए** , **आदि शंकराचार्य** द्वारा **प्रस्तुत गैर-द्वैत का सिद्धांत ।**
- श्री नारायण गुरु ने **'मानव जाति के लिए एक जाति, एक धर्म और एक ईश्वर' का संदेश प्रचारित किया था।**
- **1888** में , उन्होंने **अरुविप्पुरम में भगवान शिव को समर्पित** एक मंदिर बनवाया जो उस समय के जाति-आधारित प्रतिबंधों के खिलाफ था।
- 1903 में, उन्होंने **संस्थापक और अध्यक्ष** के रूप में **श्री नारायण धर्म परिपालन योगम (एसएनडीपी) की स्थापना की** ।
- उन्होंने **जातिगत भेदभाव, अस्पृश्यता और असमानता** के खिलाफ आंदोलन का विरोध करने के लिए 1923-24 में **' वाइकोम सत्याग्रह' का भी नेतृत्व किया।**
- कलावनकोड में उन्होंने जिस मंदिर की प्रतिष्ठा की , उसमें उन्होंने **मूर्तियों के स्थान पर दर्पण रखे** ताकि यह दर्शाया जा सके कि परमात्मा **प्रत्येक व्यक्ति के भीतर है ।**
- उन्होंने **स्वच्छता, शिक्षा, भक्ति, कृषि, हस्तशिल्प और व्यापार** के **गुणों को** बढ़ावा देने के लिए **1924 में शिवगिरी फाउंडेशन की भी स्थापना की।**
- साहित्यिक योगदान - **अद्वैत दीपिका, आश्रम, थेवरप्पाथिंकंगल , ब्रह्मविद्या पंचकम** आदि.

14.2 मालती मेम

- **इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईएनजीसीए)** के उत्तर **पूर्व क्षेत्रीय केंद्र (एनईआरसी) ने हाल ही में मालती मेम का** मंचन किया ।
- यह एक बहुभाषी नाटक है जो **मध्य भारत की मूल निवासी आदिवासी मंगरी ओरंग के जीवन और क्रांतिकारी उत्साह पर आधारित है** ।

मंगरी ओरंग के बारे में

- मंगरी ओरंग **ब्रिटिश शासन से आजादी के लिए भारत के संघर्ष** के एक गुमनाम नायक हैं ।
- वह तेजपुर के **लालमाटी चाय बागान** में **एक महिला मजदूर थी ।**
- **औपनिवेशिक काल के दौरान विदेशी शराब और अफ़ीम के ख़िलाफ़ लड़ाई का नेतृत्व करने** के लिए उन्हें **1921 में गोली मार दी गई थी** ।
- उन्हें **स्वतंत्रता संग्राम में असम की पहली महिला शहीद माना जाता** है ।

- **साथी बागान कर्मचारी उन्हें मालती मेम कहकर बुलाते** थे , यह **दूसरा शब्द मेमसाहब का छोटा रूप है।**

14.3 पूर्व क्रिकेटर हीथ स्ट्रीक का निधन

- **जिम्बाब्वे के पूर्व क्रिकेट कप्तान हीथ स्ट्रीक का** कोलन और लीवर कैंसर से लंबी लड़ाई के बाद 49 वर्ष की आयु में निधन हो गया।
- वह **क्रिकेट के दिग्गज थे** , थे **विशेष रूप से एक तेज गेंदबाज के रूप में अपने कौशल के लिए जाने जाते हैं।**
- उन्होंने 28.14 की औसत से 216 विकेट लेकर **टेस्ट क्रिकेट में जिम्बाब्वे के सर्वकालिक अग्रणी विकेट लेने वाले गेंदबाज होने का गौरव हासिल किया।**

14.4 मालिनी राजुरकर का निधन

- प्रसिद्ध **हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायिका मालिनी राजुरकर का** हाल ही में निधन हो गया।
- **टप्पा और तराना शैली** पर **अपनी पकड़ के लिए** विख्यात हैं ।
- वह **ग्वालियर घराने की प्रतिपादक** और **'ख्याल' और 'टप्पा' शैली की अग्रणी समर्थकों में से एक थीं।**

14.5 पंडित दीन दयाल उपाध्याय

- **पीएम मोदी ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय की 107 वीं जयंती** पर नई दिल्ली में **उनकी 72 फीट ऊंची प्रतिमा का** अनावरण किया है .
- यह प्रतिमा **राष्ट्रीय राजधानी में दीनदयाल उपाध्याय मार्ग पर स्थापित की गई है।**

पंडित दीन दयाल उपाध्याय के बारे में

- पंडित दीनदयाल उपाध्याय का **जन्म 25 सितंबर 1916 को मथुरा में हुआ था।**
- वह भाजपा के अग्रदूत, **भारतीय जनसंघ (बीजेएस) के सह-संस्थापक** और **राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के विचारक थे।**
- उन्होंने **मासिक पत्रिका 'राष्ट्र धर्म'** , **साप्ताहिक 'पांचजन्य'** और **'स्वदेश' नामक दैनिक का नेतृत्व किया।**
- **दिसंबर 1967 में** वह जनसंघ के **अध्यक्ष बने ।**
- **"एकात्म मानववाद"** के सिद्धांत के लिए जाना जाता है, जिसे **"वर्गहीन, जातिविहीन और संघर्ष-मुक्त सामाजिक व्यवस्था" के रूप में परिभाषित किया गया है।**
- उपाध्याय को **गरीबों और कम भाग्यशाली लोगों के उत्थान के प्रयासों के लिए भी जाना जाता है** , और इसलिए उनकी **जयंती अंत्योदय के दिन मनाई जाती है** , जिसका अर्थ है **'अंतिम का उदय'** ।
  - ✓ भारत हर साल **25 सितंबर को** पंडित दीन दयाल उपाध्याय की जयंती के उपलक्ष्य में अंत्योदय **दिवस मनाता है।**

14.6 एमएस स्वामीनाथन का निधन

- **भारत में हरित क्रांति के जनक** मनकोम्बु **संबाशिवन स्वामीनाथन का** हाल ही में 98 वर्ष की आयु में निधन हो गया।

- उन्होंने **हरित क्रांति की शुरुआत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी** जिससे भारत को खाद्य असुरक्षा से निपटने में मदद मिली।

एमएस स्वामीनाथन के बारे में

- **उनका जन्म 1925 में कुंभकोणम , मद्रास प्रेसीडेंसी में हुआ था।**
- उन्होंने **सिविल सेवा की** परीक्षा **उत्तीर्ण की** लेकिन **स्वामीनाथन की रुचि कृषि में थी** और जल्द ही **उन्होंने इस क्षेत्र में अनुसंधान करना शुरू कर दिया।**
- उन्होंने **भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (ICAR) के महानिदेशक के रूप में कार्य किया** ।
- **फिलीपींस में अंतर्राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान के महानिदेशक** भी बने
- उन्होंने **1988 में एमएस स्वामीनाथन रिसर्च फाउंडेशन की स्थापना की।**
- **राष्ट्रीय किसान आयोग** के अध्यक्ष थे **2004 में** .

हरित क्रांति में योगदान

- वह **भारत की हरित क्रांति के वास्तुकार थे** ।
- स्वामीनाथन ने **फसल की किस्मों, विशेष रूप से चावल और गेहूं को बढ़ाने पर काम किया और आवास को कम करने और पैदावार बढ़ाने के लिए अर्ध-बौनी गेहूं की किस्मों** के विकास का बीड़ा उठाया ।
- भारतीय परिस्थितियों के लिए उपयुक्त **उच्च उपज देने वाली बौनी गेहूं की किस्मों को विकसित करने** के लिए **नॉर्मन बोरलॉग** के साथ सहयोग किया गया ।
- **हरित क्रांति के घटक** : अधिक उपज देने वाले किस्म (HYV) बीजों का उपयोग, उर्वरकों का अनुप्रयोग, खेती का मशीनीकरण, मूल्य प्रोत्साहन।
- **हरित क्रांति की चुनौतियों को** भी पहचाना , जिनमें स्थानीय फसल किस्मों का विस्थापन, मिट्टी की उर्वरता संरक्षण के मुद्दे और अंधाधुंध कीटनाशकों का उपयोग शामिल है।

पुरस्कार

- 1971 में **रेमन मैग्सेसे पुरस्कार , 1994 में यूएनईपी ससाकावा पर्यावरण पुरस्कार** , **1999 में यूनेस्को गांधी स्वर्ण पदक।**
- स्वामीनाथन को भारत के गेहूं और चावल उत्पादन में उनके योगदान के लिए **1987 में प्रथम विश्व खाद्य पुरस्कार विजेता से सम्मानित किया गया था।**
- उन्हें **पद्म भूषण और पद्म विभूषण प्राप्त हुआ** ।

15. पुरस्कार और सम्मान

15.1 आर रवि कन्नन ने 2023 रेमन मैग्सेसे पुरस्कार जीता

- **कछार कैंसर अस्पताल और अनुसंधान केंद्र (सीसीएचआरसी)** के **निदेशक** , सर्जिकल ऑन्कोलॉजिस्ट **आर. रवि कन्नन , 2023 रेमन मैग्सेसे पुरस्कार** के चार विजेताओं में से एक और **भारत से एकमात्र हैं।**
- उन्हें **जन-केंद्रित और गरीब-समर्थक स्वास्थ्य देखभाल के माध्यम से असम में कैंसर उपचार में क्रांति लाने का श्रेय दिया जाता है ।**

अन्य 3 विजेता हैं-
बांग्लादेश से **कोरवी रक्षंद**
तिमोर-लेस्ते से **यूजीनियो लिमोस**
फिलीपींस से मिरियम कोरोनेल-फेरर।

- डॉ. कन्नन के नेतृत्व में, **सीसीएचआरसी एक पूर्ण विकसित व्यापक कैंसर अस्पताल और अनुसंधान केंद्र बन गया ।**
- डॉ कन्नन को **2020 में स्वास्थ्य क्षेत्र में** उनके योगदान के लिए भारत के चौथे सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार **पद्म श्री से भी सम्मानित किया गया था** ।

रेमन मैग्सेसे पुरस्कार के बारे में

- इसे अक्सर **"एशिया का नोबेल पुरस्कार" कहा जाता है।**
- इसकी **स्थापना 1957 में हुई थी** और इसका नाम **फिलीपींस के तीसरे राष्ट्रपति (1953-57)** रेमन **मैगसेसे के नाम पर रखा गया था ।**
- **रेमन मैग्सेसे अवार्ड फाउंडेशन** (आरएमएएफ) **सामाजिक योगदान गतिविधियों के लिए हर साल एशिया में व्यक्तियों या संगठनों को सम्मानित करता है** ।
- पुरस्कार विजेताओं को **एक प्रमाण पत्र, रेमन मैग्सेसे की उभरी हुई छवि वाला एक पदक** और **नकद पुरस्कार प्रदान किया जाता है** ।

15.2 संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार

- संगीत नाटक अकादमी ने हाल ही में **भारत की आजादी के 75 साल पूरे होने के** उपलक्ष्य में 84 कलाकारों को **विशेष एकमुश्त पुरस्कार देने की घोषणा की** , जिनकी **उम्र 75 वर्ष से अधिक है** और **उन्हें अब तक अपने करियर में कोई राष्ट्रीय सम्मान नहीं दिया गया है ।**
- 'अमृत' पुरस्कार **उपराष्ट्रपति द्वारा दिए जाएंगे।**
- **संगीत नाटक अकादमी अमृत पुरस्कार प्रदर्शन कला** के क्षेत्र में प्रदर्शन करने वाले कलाकारों, **शिक्षकों और विद्वानों को देश द्वारा दिया जाने वाला एक राष्ट्रीय सम्मान** है ।
- प्राप्तकर्ताओं **का चयन अकादमी की सामान्य परिषद द्वारा** किया गया है, जिसमें प्रतिष्ठित संगीतकारों, नर्तकों, थिएटर कलाकारों और इन विषयों के विद्वानों के साथ-साथ केंद्र, राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के नामांकित व्यक्ति शामिल हैं।
- सम्मान में **रुपये की नकद राशि** दी जाती है । **1,00,000/- (एक लाख रुपये)** के अलावा **एक ताम्रपत्र और अंगवस्त्रम ।**

❖ ये पुरस्कार **विभिन्न श्रेणियों जैसे हिंदुस्तानी और कर्नाटक गायन और वाद्य, लोक, भरतनाट्यम और कथक जैसे शास्त्रीय नृत्य रूपों और नाटक लेखन और निर्देशन में दिए गए हैं।**

15.3 राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार

❖ सरकार ने विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार के क्षेत्र में राष्ट्रीय पुरस्कारों का एक नया सेट पेश किया है।

❖ **" राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार " (आरवीपी)** नामक इन पुरस्कारों का उद्देश्य **विज्ञान और प्रौद्योगिकी के विभिन्न क्षेत्रों में वैज्ञानिकों, प्रौद्योगिकीविदों और नवप्रवर्तकों** द्वारा किए गए **उल्लेखनीय योगदान को मान्यता देना है ।**

❖ **पात्रता**

- ✓ इन पुरस्कारों के लिए पात्रता सरकारी या निजी क्षेत्र के संगठनों में काम करने वाले वैज्ञानिकों, प्रौद्योगिकीविदों और नवप्रवर्तकों के साथ-साथ **स्वतंत्र रूप से काम करने वाले व्यक्तियों तक फैली हुई है** ।
- ✓ मान्यता के मानदंडों **में विज्ञान, प्रौद्योगिकी या प्रौद्योगिकी के नेतृत्व वाले नवाचार के किसी भी क्षेत्र में पथ-प्रदर्शक अनुसंधान, नवाचार या खोज के संदर्भ में विशिष्ट योगदान शामिल हैं।**
- ✓ **विदेश में रहने वाले भारतीय मूल के लोग** भी **इन पुरस्कारों के लिए पात्र हैं** ।

❖ राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार चार श्रेणियों में प्रदान किया जाएगा ।

- ✓ **'विज्ञान रत्न' पुरस्कार** विज्ञान और प्रौद्योगिकी के किसी भी क्षेत्र में **जीवन भर की उपलब्धियों का सम्मान** करेगा ।
- ✓ **'विज्ञान श्री' पुरस्कार** विज्ञान और प्रौद्योगिकी के किसी भी क्षेत्र में विशिष्ट योगदान को स्वीकार करेगा।
- ✓ **'विज्ञान युवा-शांति स्वरूप भटनागर' पुरस्कार का** उद्देश्य **45 वर्ष से कम आयु के** युवा वैज्ञानिकों को पहचानना और प्रोत्साहित करना है जिन्होंने विज्ञान और प्रौद्योगिकी के किसी भी क्षेत्र में असाधारण योगदान दिया है।
- ✓ अंत में, **'विज्ञान टीम' पुरस्कार तीन या अधिक वैज्ञानिकों , शोधकर्ताओं या नवप्रवर्तकों की** एक टीम को दिया जाएगा जिन्होंने विज्ञान और प्रौद्योगिकी के किसी भी क्षेत्र में असाधारण योगदान दिया है।

❖ पुरस्कारों **में 13 डोमेन शामिल होंगे** , जिनमें **भौतिकी, रसायन विज्ञान, जैविक विज्ञान, गणित और कंप्यूटर विज्ञान, पृथ्वी विज्ञान, चिकित्सा, इंजीनियरिंग विज्ञान, कृषि विज्ञान, पर्यावरण विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार, परमाणु ऊर्जा, अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी और अन्य शामिल हैं।**

❖ **भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार की** अध्यक्षता में राष्ट्रीय **विज्ञान पुरस्कार समिति (आरवीपीसी) जिसमें विज्ञान विभागों के सचिव, विज्ञान और इंजीनियरिंग अकादमियों के सदस्य और** विज्ञान और प्रौद्योगिकी के विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिष्ठित वैज्ञानिक और प्रौद्योगिकीविद् शामिल होंगे, **सभी** की **समीक्षा करेगी । नामांकन** .

❖ पुरस्कारों की **घोषणा 11 मई (राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस) को की जाएगी** और **23 अगस्त (राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस) पर प्रदान किया जाएगा।**

15.4 क्षेत्रीय अनुसंधान और अनुप्रयोग के लिए नॉर्मन ई बोरलॉग पुरस्कार

❖ **अंतर्राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान (आईआरआरआई)** की भारतीय **वैज्ञानिक डॉ. स्वाति नायक को फील्ड रिसर्च और एप्लिकेशन के लिए प्रतिष्ठित नॉर्मन ई बोरलॉग पुरस्कार के 2023 प्राप्तकर्ता के रूप में** नामित किया गया है ।

- ✓ सुश्री नायक को **डेस मोइनेस, आयोवा में 24-26 अक्टूबर को 2023 नॉर्मन ई. बोरलॉग इंटरनेशनल डायलॉग में एक समारोह के दौरान औपचारिक रूप से बोरलॉग फील्ड पुरस्कार प्राप्त होगा।**

- ❖ उन्हें **मांग-संचालित चावल बीज प्रणालियों** में छोटे किसानों को शामिल करने और **जलवायु-लचीला और पौष्टिक चावल किस्मों को अपनाने के लिए उनके अभिनव दृष्टिकोण के लिए पहचाना जाता है।**
- ❖ यह पुरस्कार **नोबेल पुरस्कार विजेता और हरित क्रांति के मुख्य वास्तुकार डॉ नॉर्मन बोरलॉग** की स्मृति में **40 वर्ष से कम आयु के असाधारण वैज्ञानिकों** और **खाद्य और पोषण सुरक्षा, भूख उन्मूलन के क्षेत्र में काम करने वाले व्यक्ति को दिया जाता है।**
- ❖ इसका **पुरस्कार $10,000 है और यह रॉकफेलर फाउंडेशन** द्वारा समर्थित है

15.5 53वां दादा साहेब फाल्के लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार

- ❖ महान अभिनेत्री **सुश्री वहीदा रहमान को वर्ष 2021 के लिए दादा साहब फाल्के लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार** से सम्मानित किया जाएगा ।
- ❖ **69वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह** के दौरान प्रदान किया जाएगा ।
- ❖ निम्नलिखित **सदस्य** दादा साहब फाल्के पुरस्कार चयन समिति का हिस्सा थे: **सुश्री आशा पारेख, श्री चिरंजीवी, श्री परेश रावल, श्री प्रोसेनजीत चटर्जी** और **श्री शेखर कपूर.**

पुरस्कार के बारे में

- ❖ भारत सरकार ने **1969 में दादा साहब फाल्के पुरस्कार की शुरुआत की** ।
- ❖ यह **सिनेमा के क्षेत्र में भारत का सर्वोच्च पुरस्कार है जो फिल्म महोत्सव निदेशालय द्वारा प्रतिवर्ष राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह में** प्रदान किया जाता है ।
- ❖ इसे **भारत के राष्ट्रपति द्वारा प्रस्तुत किया जाता है।**
- ❖ **अभिनेत्री देविका रानी पहली प्राप्तकर्ता** थीं ।
- ❖ इस पुरस्कार **में एक स्वर्ण कमल** पदक, **एक शॉल** और **₹10,00,000 का नकद पुरस्कार शामिल है।**

भारतीय सिनेमा के जनक **दादा साहब फाल्के** ने वर्ष **1913 में** पहली भारतीय फीचर फिल्म राजा हरिश्चंद्र **बनाई थी**।

अभिनेत्री के बारे में

- ❖ वहीदा रहमान ने पांच दशक से अधिक लंबे करियर में **90 से अधिक फिल्मों में काम किया है और उन्हें महत्वपूर्ण आलोचनात्मक प्रशंसा मिली है।**
- ❖ **गाइड (1965) और नील कमल (1968)** में अपनी भूमिकाओं के लिए **सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का फिल्मफेयर पुरस्कार** जीता ।
- ❖ **फिल्म रेशमा और शेरा में** उनकी भूमिका के लिए उन्होंने **राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार** जीता ।
- ❖ उन्हें 1972 में भारत सरकार द्वारा **पद्म श्री** से सम्मानित किया गया था, बाद **में 2011 में पद्म भूषण प्राप्त हुआ।**

16. खेल

16.1 मैक्स वेरस्टैपेन ने इटालियन ग्रां प्री 2023 जीता

- **रेड बुल के मैक्स वेरस्टैपेन ने इटालियन ग्रां प्री** जीत लिया है ।
- इसके साथ ही उन्होंने **फॉर्मूला 1 के इतिहास में लगातार सबसे ज्यादा 10 जीत का नया रिकॉर्ड बना लिया है** ।
- **सर्जियो पेरेज़ दूसरे** और **फेरारी के कार्लोस सैंज तीसरे स्थान पर रहे** ।

16.2 डेनिएल मैकगेही- प्रथम ट्रांसजेंडर क्रिकेटर

- 29 साल की डेनिएल मैकगैही **अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में खेलने वाली पहली ट्रांसजेंडर महिला खिलाड़ी बनने जा रही हैं** ।
- उसने **आईसीसी के अनुसार पुरुष से महिला (एमटीएफ) संक्रमण के लिए पात्रता मानदंडों को पूरा किया है।**
- उन्हें **महिला टी20 अमेरिका क्वालीफायर , टी20 विश्व कप 2024 के लिए मार्ग टूर्नामेंट के लिए कनाडा की टीम में नामित किया गया था।**
  - ✓ **वह मूल रूप से ऑस्ट्रेलिया की रहने वाली हैं.**

16.3 यूएस ओपन 2023

- **नोवाक जोकोविच ने** डेनियल मेदवेदेव को हराकर अपना **चौथा यूएस ओपन जीता** और रिकॉर्ड की बराबरी की **24वां ग्रैंड स्लैम एकल खिताब** , दो साल पहले फाइनल में रूसी से अपनी हार का बदला।
- सर्बियाई खिलाड़ी एक ही सीज़न में चार बार तीन ग्रैंड स्लैम जीतने वाले पहले व्यक्ति हैं, जिसने आर्थर ऐश स्टेडियम के अंदर सबसे उपयुक्त तरीकों से दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी के रूप में अपनी आसन्न वापसी का ताज पहनाया।

आयोजन	विजेताओं
पुरुष एकल	नोवाक जोकोविच
महिला एकल	कोको गॉफ़
पुरुष युगल	राजीव राम और जो सैलिसबरी
महिला युगल	गैब्रिएला डाब्रोव्स्की और एरिन राउटलिफ़

16.4 शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार

- देश के शीर्ष वार्षिक विज्ञान पुरस्कार, प्रतिष्ठित शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार की घोषणा दो साल के अंतराल के बाद की गई। इस वर्ष, सात विभिन्न वैज्ञानिक श्रेणियों में 12 वैज्ञानिकों को पुरस्कार के लिए चुना गया था।

विजेता:

नाम	संबंधन	अध्ययन का क्षेत्र
अश्वनी कुमार	सीएसआईआर-माइक्रोबियल प्रौद्योगिकी संस्थान	जैविक विज्ञान

मदिका सुब्बा रेड्डी	डीएनए फ़िंगरप्रिंटिंग डायग्नोस्टिक्स केंद्र, हैदराबाद	जैविक विज्ञान
अक्कत्तु बीजू	भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलुरु	रासायनिक विज्ञान
देबब्रत मैती	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, बॉम्बे	रासायनिक विज्ञान
-विमल मिश्रा	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गांधीनगर	पृथ्वी और वायुमंडलीय विज्ञान
दीप्ति रंजन साहू	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली	इंजीनियरिंग विज्ञान
रजनीश कुमार	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मद्रास	इंजीनियरिंग विज्ञान
अपूर्वा खरे	भारतीय विज्ञान संस्थान और	गणितीय विज्ञान
-नीरज कयाल	माइक्रोसॉफ्ट रिसर्च लैब इंडिया	गणितीय विज्ञान
दिप्यमान गांगुली	भारतीय रासायनिक जीवविज्ञान संस्थान, कोलकाता	चिकित्सीय विज्ञान
अनिंद्य दास	भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलुरु	भौतिक विज्ञान
बासुदेब दासगुप्ता	टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च	भौतिक विज्ञान

शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कारों के बारे में

- विज्ञान और प्रौद्योगिकी के लिए शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार एक प्रतिष्ठित पुरस्कार है जो युवा भारतीय वैज्ञानिकों और इंजीनियरों की उत्कृष्ट उपलब्धियों को मान्यता देता है।
- भारत के सबसे बड़े अनुसंधान और विकास संगठन, **वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) के संस्थापक-निदेशक डॉ. (सर) शांति स्वरूप भटनागर के नाम पर रखा गया है।**
- इसका उद्देश्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी के विभिन्न क्षेत्रों में भारतीय नागरिकों के अनुसंधान और विकासात्मक कार्यों का सम्मान करना है जिनमें सामाजिक और आर्थिक लाभ की संभावना है।
- शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार **सात वैज्ञानिक विषयों** में प्रदान किया जाता है , जिनमें भौतिकी, जीव विज्ञान, इंजीनियरिंग, गणित, चिकित्सा, रसायन विज्ञान और पृथ्वी विज्ञान शामिल हैं।
- **45 वर्ष** से कम आयु के किसी भी भारतीय नागरिक के लिए खुला है जो भारत में अनुसंधान में लगा हुआ है। भारत के प्रवासी नागरिक (ओसीआई) और भारत में काम करने वाले भारतीय मूल के व्यक्ति (पीआईओ) भी पात्र हैं।
- **सीएसआईआर शासी निकाय का सदस्य, किसी विश्वविद्यालय या राष्ट्रीय महत्व के संस्थान का कुलपति** , विज्ञान संकाय का डीन या पूर्व भटनागर पुरस्कार विजेता पुरस्कार के लिए उम्मीदवारों के नाम प्रस्तावित कर सकता है।
- पुरस्कार के लिए विचार किया जा रहा कार्य पुरस्कार के वर्ष से पहले के पांच वर्षों के दौरान भारत में किया जाना चाहिए।
- पुरस्कार में एक प्रशस्ति पत्र, एक पट्टिका और **रुपये का नकद पुरस्कार शामिल है। 5 लाख** . इसके अलावा, पुरस्कार विजेताओं को **रुपये का मासिक मानदेय मिलता है। 65 वर्ष की आयु तक पहुंचने तक 15,000 रु.**

16.5 जर्मनी ने सर्बिया को हराकर पहली बार बास्केटबॉल विश्व कप जीता

- **जर्मनी ने** मनीला में **सर्बिया को** हराकर अपना पहला पुरुष FIBA बास्केटबॉल विश्व कप 2023 का खिताब जीता ।
- **फिलीपींस, इंडोनेशिया और जापान** द्वारा सह-मेजबान है ।
- **जर्मनी 2006 में स्पेन** के बाद अपने अंतिम पदार्पण में **FIBA विश्व कप का ताज** जीतने वाली पहली टीम बन गई ।

16.6 कार्लोस सैन्ज़ ने सिंगापुर ग्रां प्री जीता

- फेरारी के **कार्लोस सैंज ने सिंगापुर ग्रां प्री** जीत ली है ।
- उन्होंने फॉर्मूला 1 लीडर **मैक्स वेरस्टैपेन के लगातार 10 जीत के रिकॉर्ड को समाप्त कर दिया** ।
- **मैक्लारेन के लैंडो नॉरिस दूसरे स्थान पर रहे** और **मर्सिडीज के लुईस हैमिल्टन तीसरे स्थान पर रहे।**

16.7 एशियाई खेलों में ईस्पोर्ट्स की शुरुआत

- **ईस्पोर्ट्स** , जिसे **जकार्ता में 2018 एशियाई खेलों में एक प्रदर्शन खेल के रूप में प्रदर्शित किया गया था, ने हांग्जो 2023 में** एक पदक खेल के रूप में अपनी आधिकारिक शुरुआत की ।
- कुल **सात ईस्पोर्ट्स मेडल इवेंट** -
  - ✓ **एफसी ऑनलाइन 4,**
  - ✓ **डोटा 2,**
  - ✓ **प्रसिद्ध व्यक्तियों के संघ,**
  - ✓ **स्ट्रीट फाइटर वी: चैंपियन संस्करण,**
  - ✓ **वीरता का अखाड़ा एशियाई खेल संस्करण,**
  - ✓ **ड्रीम थ्री किंगडम्स 2 और**
  - ✓ **पीस एलीट एशियन गेम्स संस्करण (जिसे PUBG मोबाइल के रूप में भी जाना जाता है)** - हांग्जो में निर्धारित हैं।
    - ➢ **पहले चार** का हिस्सा है .

ब्रेकिंग (ब्रेकडांस) को हांग्जो 2023 में **मान्यता प्राप्त और आधिकारिक खेल आयोजन के रूप में** उद्घाटन प्रदर्शन **भी किया जाता है।**

एशियाई खेलों के बारे में

- यह आयोजन **हर चार साल में एक बार आयोजित किया जाता है।**
- वे हैं **1982 से एशिया ओलंपिक परिषद (ओसीए) द्वारा आयोजित किया जाता है।**
- **प्रतीक - आपस में जुड़े हुए छल्लों के साथ उगता सूरज।**
- यह **अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति द्वारा मान्यता प्राप्त है** और **ओलंपिक के बाद दूसरा सबसे बड़ा बहु-खेल आयोजन है।**
- भारत **एशियाई खेल महासंघ के संस्थापक सदस्यों में से एक है** और **1951 में पहले एशियाई खेलों का मेजबान भी है।**
  - ✓ **एशियाई खेलों का 9 वां संस्करण** भी **1982** में **नई दिल्ली में आयोजित किया गया था।**

16.8 निशानेबाज एशियाई खेलों में चमके

- भारतीय निशानेबाज **सिफ्त कौर समरा ने महिलाओं की 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन स्पर्धा में स्वर्ण पदक** जीता ।
- **469.6 अंकों का विश्व और खेलों का रिकॉर्ड स्कोर** भी हासिल किया ।

- इसके अलावा, **मनु भाकर , ईशा सिंह और रिदम सांगवान की भारतीय तिकड़ी ने चीन के हांगझू में आयोजित एशियाई खेलों** में **महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक** हासिल किया ।

17. समाचारों में स्थान

17.1 तिमोर-लेस्ते

- **आसियान-भारत शिखर सम्मेलन** में , प्रधान मंत्री ने **डिलि, तिमोर-लेस्ते में एक भारतीय दूतावास स्थापित करने के निर्णय की घोषणा की।**
- **तिमोर लेस्ते** इसके पूर्ण सदस्य बनने से पहले, 2022 में एक पर्यवेक्षक के रूप में दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्र संघ (आसियान) में शामिल हुए।

आसियान

- **आसियान को** क्षेत्र में सबसे प्रभावशाली समूहों में से एक माना जाता है, और भारत और अमेरिका, चीन, जापान और ऑस्ट्रेलिया सहित कई अन्य देश इसके संवाद भागीदार हैं।
- **आसियान** तिमोर-लेस्ते को अपने 11वें सदस्य के रूप में स्वीकार करने पर सहमत है
- तिमोर-लेस्ते ने 2011 में आसियान की सदस्यता के लिए आवेदन किया था।
- इसे 2022 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा आधिकारिक तौर पर एक स्वतंत्र देश के रूप में मान्यता दी गई , जिससे यह **एशिया का सबसे युवा देश बन गया।**

17.2 कलइगनर मगलिर उरीमाई थोगै थिट्टम योजना

- **तमिलनाडु सरकार ने** सामाजिक कल्याण योजना **" कलैगनार " शुरू की है मगलिर उरीमाई थोगै थिट्टम "।**
- योजना के तहत, तमिलनाडु सरकार **कलैग्नार के माध्यम से 1.06 करोड़ से अधिक** महिला परिवार प्रमुखों को 1,000 रुपये की मासिक सहायता प्रदान करेगी। **मगलिर उरीमाई थोगै थिट्टम ।**
- लाभार्थियों को सीधे बैंक हस्तांतरण के माध्यम से वित्तीय सहायता प्राप्त होगी और आसान पहुंच के लिए **एटीएम कार्ड प्रदान किए जाएंगे।**
- सरकार प्रभावी कार्यान्वयन पर जोर देती है और लाभार्थियों के साथ संवाद करने के लिए एसएमएस सूचनाओं का उपयोग करेगी।

17.3 लॉघ नीघ झील

- एक पर्यावरण वैज्ञानिक ने चेतावनी दी है कि **लॉफ नेघ** में **जहरीले नीले-हरे शैवाल के प्रकोप को रोकने में 20 साल लग सकते हैं ।**
- मई के बाद से झील **सायनोबैक्टीरिया से अत्यधिक प्रदूषित हो गई है** , जो मनुष्यों और जानवरों के लिए जहरीला है।

लफ़ नेघ के बारे में

- यह **आयरलैंड या यूके की सबसे बड़ी मीठे पानी की झील है।**
- **इसका क्षेत्रफल लगभग 392 वर्ग किमी है।**

- यह **उत्तरी आयरलैंड के 40% लोगों को पानी की आपूर्ति करता है।**
- लॉफ नेघ **1976 में उत्तरी आयरलैंड में घोषित पहली रामसर साइट** थी ।

18. सामाजिक मुद्दे, स्वास्थ्य, शिक्षा

18.1 वैश्विक निधि

- ग्लोबल **फंड ने हाल ही में अत्याधुनिक एचआईवी दवा की कीमत में उल्लेखनीय कमी लाने** के लिए **जेनेरिक दवा निर्माताओं** के साथ एक समझौते की घोषणा की ।
- इस समझौते से **टीएलडी नामक उन्नत गोली प्रति व्यक्ति प्रति वर्ष 45 डॉलर से कम में उपलब्ध कराना संभव हो जाएगा।**

टीएलडी दवा के बारे में

- थ्री **-इन-वन गोली टेनोफोविर डिसप्रॉक्सिल फ्यूमरेट, लैमिवुडिन और डोलटेग्रेविर दवाओं को** एक साथ जोड़ती है ।
- डब्ल्यूएचओ ने इसे **वयस्कों और किशोरों** के लिए **पसंदीदा प्रथम-पंक्ति एचआईवी उपचार के रूप में अनुशंसित किया है** क्योंकि यह एड्स का कारण बनने वाले **वायरस को तेजी से दबाता है , इसके कम दुष्प्रभाव होते हैं** और **इसे लेना आसान होता है।**

ग्लोबल फंड के बारे में

- यह **एड्स, तपेदिक और मलेरिया से लड़ने** के लिए **2002 में स्थापित एक साझेदारी है।**
- **मुख्यालय- जिनेवा, स्विट्जरलैंड**
- ग्लोबल फंड **तीन साल के चक्र पर धन जुटाता है** , जिससे एड्स, **टीबी और मलेरिया के खिलाफ लड़ाई में दीर्घकालिक पूर्वानुमान लगाया जा सके।**
- **यह 120 देशों में संक्रामक रोगों से लड़ने के लिए प्रति वर्ष 4 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक का निवेश करता है।**
- **में दाता** के रूप में **ग्लोबल फंड में शामिल हुआ और अब तक** कुल 76.5 मिलियन अमेरिकी डॉलर **का योगदान दे चुका है ।**

18.2 राष्ट्रीय पोषण सप्ताह

- राष्ट्रीय पोषण सप्ताह **भारत में एक वार्षिक कार्यक्रम है जो 1 से 7** सितंबर तक होता है **।**
- यह **पोषण के महत्व के बारे में सार्वजनिक जागरूकता बढ़ाने के लिए मनाया जाता है।**
- **1982** में **भारत में पहली बार** राष्ट्रीय पोषण सप्ताह मनाया गया ।
- **यूनिसेफ के अनुसार, पोषण माह 2023 का विषय "स्वस्थ आहार सभी के लिए किफायती हो रहा है" है।**
- भारत में **सितंबर को राष्ट्रीय पोषण माह या राष्ट्रीय पोषण माह** के रूप में मनाया जाता है ।

18.3 दीक्षा के लिए पाल

- **इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) के** तहत राष्ट्रीय **ई-गवर्नेंस डिवीजन (एनईजीडी) वैयक्तिकृत अनुकूली शिक्षण (पीएएल) को एकीकृत करने के लिए तैयार** है । अपने मौजूदा **डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर फॉर नॉलेज शेयरिंग (दीक्षा) प्लेटफॉर्म में** ।
- PAL का **सॉफ़्टवेयर-आधारित दृष्टिकोण प्रत्येक छात्र को उनकी अद्वितीय आवश्यकताओं और क्षमताओं के आधार पर** पाठ्यक्रम के दौरान **व्यक्तिगत सीखने का अनुभव प्राप्त करने की अनुमति देगा** ।

दीक्षा के बारे में

- **दीक्षा शिक्षा मंत्रालय के अंतर्गत आता है।**
- **यह एक ऑनलाइन पोर्टल** और **एक मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से स्कूलों के लिए ई-सामग्री** प्रदान करता है ।
- इसमें **दृश्य या श्रवण बाधित शिक्षार्थियों के लिए सहायक प्रौद्योगिकियां भी शामिल हैं** ।
- हालाँकि, **दीक्षा एक स्थिर सामग्री भंडार है।**
- दीक्षा में **डिजिटलीकृत राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) की पाठ्यपुस्तकें शामिल हैं** राष्ट्रीय और राज्य बोर्डों का उपयोग किया ।
- इसके अलावा, DIKSHA **शिक्षण वीडियो, व्याख्याताओं और अभ्यास प्रश्नों के माध्यम से** 11,624 **शिक्षाविदों द्वारा 2.43 लाख योगदान की मेजबानी करता है** ।
- राष्ट्रीय **शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) ने दीक्षा के लिए पीएएल की सुविधा के लिए एमईआईटीवाई की विशेषज्ञता मांगी है** ।
  - ✓ कुछ राज्यों में, **निजी खिलाड़ी पहले से ही PAL का प्रबंधन कर रहे हैं** , जो **AI या आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर काम करता है** , लेकिन **बजट की कमी एक बाधा रही है।**

18.4 आरोग्य मैत्री क्यूब

- **भारत ने दुनिया का पहला आपदा अस्पताल- आरोग्य मैत्री क्यूब** बनाया है
- इसे **72 क्यूब्स में पैक करके** एयरलिफ्ट **किया जा सकता है** ।
- **प्रोजेक्ट भीष्म - सहयोग हित और मैत्री के लिए भारत स्वास्थ्य पहल के तहत** उत्पाद का निर्माण किया है - जिसमें तीन फ्रेम शामिल हैं, प्रत्येक में 12 मिनी-क्यूब हैं।
- ये क्यूब्स **40 गोलियों की चोटें, 25 बड़े रक्तस्राव, 25 बड़े जलने, लगभग 10 सिर की चोटों, लंबे अंगों के फ्रैक्चर, रीढ़ की हड्डी की चोटों, छाती की चोटों और रीढ़ की हड्डी के फ्रैक्चर सहित कई गंभीर चोटों को संभाल सकते हैं।**
- **रेफ्रिजरेटर** के अलावा , क्यूब्स में **एक पोर्टेबल वेंटिलेटर, अल्ट्रासाउंड मशीन, डिजिटल इमेजिंग रेडियोग्राफी मशीन, डिफाइब्रिलेटर, हाई-माउंटेड ओटी लाइट्स, स्ट्रेचर, आधुनिक सर्जिकल उपकरण** और **पोर्टेबल प्रयोगशाला सहित अन्य उच्च-स्तरीय उपकरण शामिल हैं।**
  - ✓ उत्पाद को **विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए भी तैयार किया जा सकता है।**
- जबकि भारत **पहले ही सद्भावना संकेत के रूप में म्यांमार को दो आरोग्य मैत्री क्यूब दान कर चुका है** , एक को **श्रीलंका को दान के लिए तैयार किया जा रहा है।**

- **सभी उपकरण रिचार्जेबल हैं** और **किट में एक पोर्टेबल जनरेटर है** , जिसमें **एक सौर पैनल-आधारित जनरेटर भी शामिल है।**
- संकट और आपदा के समय में, 'आरोग्य मैत्री' **जरूरतमंद लोगों को त्वरित चिकित्सा सहायता प्रदान कर सकती है, चाहे उनका स्थान कहीं भी हो** ।
  - ✓ **दूरदराज और आपदाग्रस्त क्षेत्रों में तुरंत तैनात होने की** इसकी क्षमता इसे **आपदा राहत प्रयासों में गेम-चेंजर बनाती है** ।

18.5 मालवीय मिशन - शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम

- **विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा** हाल ही में नई दिल्ली के कौशल भवन में मालवीय **मिशन - शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम** शुरू किया गया ।
- **कार्यक्रम का पोर्टल** भी लॉन्च किया गया और इसकी **सूचना विवरणिका** जारी की गई।
- **मानव संसाधन विकास केंद्रों (एचआरडीसी)** का भी नाम बदलकर **मदन मोहन मालवीय शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र कर दिया गया है।**

मालवीय मिशन - शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम के बारे में

- **शिक्षा मंत्रालय के** सहयोग से **विश्वविद्यालय अनुदान आयोग** द्वारा आयोजित , एमएमटीटीपी का उद्देश्य **शिक्षकों के लिए अनुरूप प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान करना है** ।
- यह **कार्यक्रम उच्च शिक्षण संस्थानों** में **संकाय सदस्यों की क्षमता निर्माण के लिए काम करेगा ।**
- कार्यक्रम **निरंतर व्यावसायिक विकास सुनिश्चित करेगा** और समयबद्ध तरीके से **भारत** भर में **111 मालवीय मिशन केंद्रों** के माध्यम से **HEI के 15 लाख शिक्षकों की क्षमता निर्माण में मदद करेगा।**
- **शिक्षकों के लिए करियर में प्रगति के रास्ते** सुनिश्चित करने के लिए मालवीय मिशन के तहत **क्षमता निर्माण को क्रेडिट ढांचे में शामिल किया जाएगा** ।

18.6 जापानी मस्तिष्कशोथ

- **आईसीएमआर-नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी, पुणे के** एक नए अध्ययन के अनुसार , जापानी एन्सेफलाइटिस के लिए **टीकाकरण टीकाकरण की प्रभावकारिता** लगभग **86.7% है ।**
- सरकार **चीनी निर्मित लाइव-एटेन्यूएटेड एसए 14-14-2 टीकों का उपयोग करती है**

जापानी एन्सेफलाइटिस के बारे में

- **1871** में **जापान में** जापानी एन्सेफलाइटिस का पहला **मामला दर्ज किया गया था** ।
- **जापानी एन्सेफलाइटिस भारत सहित** दक्षिण एशिया में **तीव्र एन्सेफलाइटिस सिंड्रोम का मुख्य कारण** है ।
- यह **एक फ्लेविवायरस के कारण होता है** जो **डेंगू, पीला बुखार और वेस्ट नाइल वायरस के समान जीनस से संबंधित है।**
- यह **क्यूलेक्स मच्छरों द्वारा फैलता है।**
- **वैश्विक स्तर पर प्रति वर्ष 68,000 मामले** सामने आते हैं ।

- प्रारंभिक लक्षणों में **बुखार, ठंड लगना, सिरदर्द, थकान, मतली और उल्टी शामिल हैं** जो **दौरे, कोमा और पक्षाघात** के साथ **मस्तिष्क की सूजन (एन्सेफलाइटिस) में बदल सकती हैं।**
- भारत में, जापानी एन्सेफलाइटिस के मामले **उत्तर-मध्य और उत्तर-पूर्वी क्षेत्रों** में **अधिक** , **दक्षिण में मध्यम से उच्च स्थानिक** और **उत्तर-पश्चिम क्षेत्र में कम बताए गए हैं।**
  - ✓ **ओडिशा, झारखंड, छत्तीसगढ़, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश उच्च बोझ वाले राज्य** हैं ।
- यह रोग **एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में नहीं फैलता है।**
- **बीमारी का कोई इलाज नहीं** है .

18.7 वैरिसेला जोस्टर विषाणु

- **भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद-राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान के वैज्ञानिकों ने** देश **में पहली बार वैरिसेला ज़ोस्टर वायरस (वीजेडवी) के क्लैड 9 संस्करण की उपस्थिति पाई है।**
- अब तक क्लैड **9 जर्मनी, यूके और यूएसए जैसे देशों में प्रचलन में सबसे आम स्ट्रेन** है ।

वैरिसेला ज़ोस्टर वायरस (VZV) के बारे में

- **विश्व स्वास्थ्य संगठन** के अनुसार , **वेरीसेला-ज़ोस्टर एक हर्पीस वायरस है जो चिकनपॉक्स का कारण बनता है** , जो **बचपन में होने वाली एक सामान्य बीमारी है** ।
  - ✓ **हर्पीस ज़ोस्टर (HZ)** , जिसे आमतौर पर **दाद के रूप में जाना जाता है** , **वैरिसेला ज़ोस्टर वायरस (VZV) के पुनर्सक्रियन के कारण होता है।**

चिकनपॉक्स के बारे में

- **वैरिसेला के** नाम से भी जाना जाता है ।
- यह एक **संक्रामक, वायरल बीमारी है** जिसमें **पूरे शरीर पर खुजली वाले लाल छाले दिखाई देते हैं** ।
- यह एक **अत्यधिक संक्रामक संक्रामक रोग है, जो मुख्य रूप से वैरिसेला-ज़ोस्टर वायरस के कारण होता है** , जो **सर्दी और अन्य फ्लू के समान ही फैलता है** -
  - ✓ के **संपर्क में आना** जिसे चिकनपॉक्स हो।
  - ✓ **छींकने या खांसने वाले संक्रमित व्यक्ति की हवा में सांस** लेना ।
  - ✓ के संपर्क में आ रहे हैं **संक्रमित बच्चे की आंख, नाक या मुंह से निकलने वाला तरल पदार्थ।**
- ऊष्मायन **अवधि 10 से 21 दिन है** ।

18.8 निपाह वायरस

- केरल **स्वास्थ्य विभाग ने** जिले में **"अप्राकृतिक" मौत के कारण मरने वाले दो लोगों के निपाह वायरस (एनआईवी) से संक्रमित होने का संदेह** होने के बाद कोझिकोड में स्वास्थ्य अलर्ट जारी किया।

निपाह वायरस (एनआईवी) के बारे में

- **निपाह वायरस** संक्रमण एक **ज़ूनोटिक बीमारी है** जो जानवरों से मनुष्यों में फैलती है।
- निपाह वायरस एन्सेफलाइटिस का कारण बनने वाला जीव **पैरामाइक्सोविरिडे** परिवार **, जीनस हेनिपावायरस का एक आरएनए या राइबोन्यूक्लिक एसिड वायरस है** , और हेंड्रा वायरस से निकटता से संबंधित है।

- मामले की मृत्यु दर **40% से 75% अनुमानित है। महामारी विज्ञान निगरानी और नैदानिक प्रबंधन** के लिए स्थानीय क्षमताओं के आधार पर यह दर प्रकोप के अनुसार भिन्न हो सकती है ।
- **सूअर** जैसे जानवरों में भी गंभीर बीमारी का कारण बन सकता है , जिसके परिणामस्वरूप किसानों को महत्वपूर्ण आर्थिक नुकसान हो सकता है।

इतिहास

- **निपाह वायरस** पहली बार **1999 में** मलेशिया में सुअर पालकों के बीच फैलने के दौरान पहचाना गया था जब मलेशियाई खेतों में सुअर उन चमगादड़ों के संपर्क में आए थे जो वनों की कटाई के कारण अपना निवास स्थान खो चुके थे।
- इसे 2001 में बांग्लादेश में भी मान्यता दी गई थी , और तब से उस देश में लगभग वार्षिक प्रकोप हुआ है।
- पूर्वी भारत में भी समय-समय पर इस बीमारी की पहचान की गई है।
- **बांग्लादेश और भारत** में बाद के प्रकोपों में , संक्रमित फल चमगादड़ों के मूत्र या लार से दूषित फल या फल उत्पादों (जैसे कच्चे खजूर का रस) का सेवन संक्रमण का सबसे संभावित स्रोत था।
- हस्तांतरण
- यह बीमारी **टेरोपस जीनस** के **फल चमगादड़ या 'फ्लाइंग फॉक्स' के माध्यम से फैलती है, जो निपाह और हेंड्रा वायरस** के प्राकृतिक भंडार मेजबान हैं ।
- यह वायरस चमगादड़ के मूत्र और संभावित रूप से **चमगादड़ के मल , लार और जन्म देने वाले तरल पदार्थ में मौजूद होता है।**
- यह वायरस जानवरों से लोगों में फैलता है और दूषित भोजन के माध्यम से या सीधे एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में भी फैल सकता है।
- संक्रमित रोगियों के परिवार और देखभाल करने वालों के बीच निपाह वायरस के **मानव-से-मानव संचरण की भी सूचना मिली है।**

18.9 स्क्रब सन्निपात

- **पश्चिमी ओडिशा में स्क्रब टाइफस, एक संक्रामक रोग का प्रकोप ।**

स्क्रब टाइफस के बारे में

- **ओरिएंटिया त्सुत्सुगामुशी नामक ज़ूनोटिक रिकेट्सियल जीवाणु** के कारण होता है , जो संक्रमित चिगर्स (लार्वा माइट्स) के काटने से मनुष्यों में फैलता है।
- रोग फैलाने वाले घुन आम तौर पर **झाड़ियों, जंगल और धान क्षेत्रों में पाए जाते हैं** , इसलिए इस बीमारी को जंगल या झाड़ी टाइफस भी कहा जाता है।
- स्क्रब टाइफस के लक्षणों में आमतौर पर **बुखार, सिरदर्द, शरीर में दर्द और कभी-कभी दाने शामिल होते हैं।**

स्क्रब टाइफस के प्रसार में जलवायु की भूमिका

- बीमारी फैलाने वाले **चिगर आमतौर पर कम तापमान और उच्च आर्द्रता की स्थिति में रहते हैं।**
- **2022 के एक** अध्ययन में **दक्षिण भारत में स्क्रब टाइफस के** मामलों की क्लस्टरिंग पर गौर किया गया , जिसमें पाया गया कि **स्क्रब टाइफस** की घटनाओं में तापमान, आर्द्रता और वर्षा की प्रमुख भूमिका थी।

- **चीन** में स्क्रब टाइफस के मामलों की जांच करने वाले **2017 के एक अध्ययन में** यह भी पाया गया कि औसत तापमान में **1 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि** उसी सप्ताह के दौरान स्क्रब टाइफस के मामलों में **3.8% की वृद्धि के साथ जुड़ी हुई थी।**

निदान और परीक्षण:

- **एलिसा** परीक्षण जैसे प्रयोगशाला परीक्षण, जो लगभग सभी जिला सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रयोगशालाओं में उपलब्ध है।

रोकथाम और उपचार:

- **स्क्रब टाइफस से बचाव के लिए कोई टीका** उपलब्ध नहीं है ।
- यह सुझाव दिया गया है कि संक्रमित चिगर्स के संपर्क से बचने से संक्रमण होने का खतरा बढ़ सकता है।
- टाइफस से संक्रमित हो जाता है तो उसका इलाज **एंटीबायोटिक डॉक्सीसाइक्लिन से करना चाहिए।**

18.10 सिकल सेल रोगी

- सरकार **5+ आयु वर्ग** के **सिकल-सेल रोग (एससीडी) रोगियों के लिए स्थायी विकलांगता प्रमाणपत्र की योजना बना रही है,** जो अब **तीन साल से रुका हुआ है।**
- केंद्र सरकार **2047** तक **भारत में सिकल सेल रोग (एससीडी) को "उन्मूलन" करने** के लिए अपने अभियान का प्रचार कर रही है।

पृष्ठभूमि

- **विकलांग व्यक्तियों के अधिकार अधिनियम, 2016 के** तहत विकलांगता की सूची में शामिल किया गया था , मरीज केवल एक वर्ष की वैधता के साथ विकलांगता प्रमाण पत्र प्राप्त कर सकते थे।
- बाद में , डीईपीडब्ल्यूडी ने अंततः एससीडी रोगियों के लिए विकलांगता प्रमाणपत्रों की वैधता को **तीन साल तक बढ़ा दिया, जिसके लिए न्यूनतम 25% विकलांगता की आवश्यकता होती है।**

विकलांगता प्रमाण पत्र के बारे में

- **भारत में विकलांगता प्रमाण पत्र** विकलांग व्यक्तियों को उनकी विकलांगता स्थिति की कानूनी मान्यता प्रदान करने के लिए जारी किए गए आधिकारिक दस्तावेज हैं।
- **विकलांग लोगों** के जीवन में सुधार लाने के उद्देश्य से विभिन्न सरकारी लाभों, आरक्षण और सहायता सेवाओं तक पहुँचने के लिए आवश्यक हैं।
- **विकलांगता प्रमाणपत्र** आम तौर पर राज्य या केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त मेडिकल बोर्ड या समितियों द्वारा जारी किए जाते हैं।
- इन बोर्डों में चिकित्सा पेशेवर शामिल होते हैं जो विकलांगता की सीमा और प्रकार का आकलन और प्रमाणित करते हैं।
- **विकलांगता प्रमाणपत्र** आमतौर पर एक निर्दिष्ट अवधि के लिए वैध होते हैं, जिसके बाद व्यक्तियों को यह निर्धारित करने के लिए पुनर्मूल्यांकन से गुजरना पड़ सकता है कि क्या उनकी विकलांगता स्थिति में कोई बदलाव हुआ है।
- **विकलांग व्यक्तियों के अधिकार अधिनियम, 2016 के** अनुपालन में जारी किए जाते हैं , जो भारत में विकलांग लोगों के अधिकारों और हितों की सुरक्षा के लिए एक कानूनी ढांचा प्रदान करता है।

महत्व:

- **विकलांगता प्रमाणपत्र शिक्षा और रोजगार में आरक्षण, वित्तीय सहायता, परिवहन रियायतें और सहायक उपकरणों** सहित विभिन्न सरकारी योजनाओं और लाभों तक पहुंचने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं ।

सिकल सेल रोग (एससीडी) के बारे में

- एससीडी एक क्रोनिक एकल जीन विकार है जो क्रोनिक एनीमिया, तीव्र दर्दनाक एपिसोड, अंग रोधगलन और क्रोनिक अंग क्षति और जीवन प्रत्याशा में महत्वपूर्ण कमी की विशेषता वाले दुर्बल प्रणालीगत सिंड्रोम का कारण बनता है।
- **लक्षण** : सिकल सेल रोग के लक्षण अलग-अलग हो सकते हैं, लेकिन कुछ सामान्य लक्षणों में शामिल हैं:
- **क्रोनिक एनीमिया :** थकान, कमजोरी और पीलापन की ओर ले जाता है।
- **दर्दनाक घटनाएँ (जिसे सिकल सेल संकट के रूप में भी जाना जाता है):** इससे हड्डियों, छाती, पीठ, हाथ और पैरों में अचानक और तीव्र दर्द हो सकता है।

इलाज:

- **रक्त आधान:** ये एनीमिया से राहत दिलाने और दर्द संकट के जोखिम को कम करने में मदद कर सकता है।
- **हाइड्रोक्सीयूरिया:** यह एक दवा है जो दर्दनाक घटनाओं की आवृत्ति को कम करने और बीमारी की कुछ दीर्घकालिक जटिलताओं को रोकने में मदद कर सकती है।
- इसका इलाज अस्थि मज्जा या **स्टेम सेल प्रत्यारोपण द्वारा भी किया जा सकता है।**

राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन:

- **केंद्रीय बजट 2023-2024 में राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन की घोषणा की गई थी।**
- **देश के 17 राज्यों के 278 जिलों** में लागू किया जाएगा ।

18.11 निपाह के लिए मोनोक्लोनल एंटीबॉडीज

- भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने बताया कि **भारत ने निपाह वायरस से निपटने** के लिए **मोनोक्लोनल एंटीबॉडी खुराक को फिर से स्टॉक करने** के लिए **ऑस्ट्रेलिया** से संपर्क किया है और जल्द ही 20 और खुराक की उम्मीद कर रहा है।
- मोनोक्लोनल एंटीबॉडी ने **चरण-एक परीक्षण पास कर लिया है और अब तक विश्व स्तर पर 14 व्यक्तियों को प्रशासित किया गया है।**
- मृत्यु **दर बहुत अधिक है - 40% से 70% के बीच** - जबकि COVID में मृत्यु दर 2% से 3% थी।

एंटीबॉडी के बारे में

- **संयुक्त राज्य अमेरिका में विकसित , एंटीबॉडी को एक तकनीकी-हस्तांतरण पहल के हिस्से के रूप में एक ऑस्ट्रेलियाई विश्वविद्यालय के साथ साझा किया गया था** ।
- **भारत को 2018 में ऑस्ट्रेलिया से मोनोक्लोनल एंटीबॉडी की कुछ खुराकें मिलीं** ।
- फिलहाल **सिर्फ 10 मरीजों के लिए खुराक उपलब्ध है.**

एंटीबॉडी प्रतिरक्षा प्रणाली द्वारा स्वाभाविक रूप से उत्पादित प्रोटीन **होते हैं** जो एक विशिष्ट विदेशी वस्तु (एंटीजन) को लक्षित करते हैं।

उन्हें **मोनोक्लोनल एंटीबॉडी** (एमएबी) कहा जाता है जब **वे एकल मूल कोशिका से प्राप्त क्लोन द्वारा निर्मित होते हैं।**

मोनोक्लोनल एंटीबॉडी का उपयोग **निदान, रोग उपचार और अनुसंधान के लिए किया जाता है।**

- **भारत में अब तक किसी ने भी एंटीबॉडी** नहीं दी है ।
- इसे **संक्रमण के प्रारंभिक चरण में प्रशासित किया** जाना चाहिए ।
- **निपाह का कोई अधिकृत उपचार नहीं** है ।

ऑस्ट्रेलिया में उपयोग करें

- मोनोक्लोनल **एंटीबॉडी का उपयोग ऑस्ट्रेलिया में हेंड्रा वायरस के लिए किया जाता है** , जो **एक चमगादड़ जनित वायरस है** जो **घोड़ों और मनुष्यों में अत्यधिक घातक संक्रमण से जुड़ा होता है** ।
- **घोड़ों** के बीच **कई बीमारियों का प्रकोप हेंड्रा वायरस के कारण** हुआ है ।
- **प्रति व्यक्ति** एंटीबॉडी की दो खुराक देनी **होती है** .

18.12 ब्रुसेला कैनिस

- **तीन ब्रिटिश नागरिक ब्रुसेला कैनिस से संक्रमित** हो गए हैं **।**

ब्रुसेला कैनिस के बारे में

- यह **कुत्तों में होने वाली एक संक्रामक और अत्यधिक संक्रामक बीमारी है जो ब्रूसेला कैनिस बैक्टीरिया** के कारण होती है ।
- यह **कुत्तों की एक लाइलाज बीमारी है जो पहले ब्रिटेन के कुत्तों में नहीं देखी गई थी।**
- यह **जीवाणु संक्रमण प्रभावित कुत्तों में बांझपन, गतिशीलता संबंधी समस्याएं और असुविधा पैदा कर सकता है।**
- ट्रांसमिशन:
  - ✓ **संक्रमित शरीर के तरल पदार्थ, जैसे मूत्र, योनि स्राव, या अन्य संक्रमित कुत्तों के प्रजनन तरल पदार्थ के** संपर्क के माध्यम से **ब्रुसेला कैनिस से संक्रमित होते हैं** ।
  - ✓ यह **संक्रमित शारीरिक तरल पदार्थ के संपर्क** से **मनुष्यों में फैल सकता है ।**
- मनुष्यों के लिए, **एंटीबायोटिक दवाओं के विस्तारित आहार** के माध्यम से **प्रभावी उपचार उपलब्ध है ।**

18.13 राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग को डब्ल्यूएफएमई मान्यता मिली

- राष्ट्रीय **चिकित्सा आयोग (एनएमसी) को 10 वर्षों के कार्यकाल के लिए वर्ल्ड फेडरेशन फॉर मेडिकल एजुकेशन (डब्ल्यूएफएमई) मान्यता का दर्जा** दिया गया **है ।**
  - ✓ राष्ट्रीय **चिकित्सा आयोग , एनएमसी , चिकित्सा शिक्षा और अभ्यास की देखरेख करने वाली भारत की प्रमुख नियामक संस्था** है ।
- यह भारतीय चिकित्सा स्नातकों **को संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड** जैसे अन्य देशों में **स्नातकोत्तर प्रशिक्षण** और **अभ्यास करने में सक्षम बनाएगा, जिन्हें डब्ल्यूएफएमई मान्यता की आवश्यकता है ।**
- इस विकास के बाद, **भारत के सभी 706 मौजूदा मेडिकल कॉलेज WFME मान्यता प्राप्त हो गए हैं।**
- इसके अलावा, **आने वाले 10 वर्षों में स्थापित होने वाले नए मेडिकल कॉलेज भी WFME मान्यता प्राप्त हो जाएंगे।**

वर्ल्ड फेडरेशन फॉर मेडिकल एजुकेशन के बारे में

- वर्ल्ड **फेडरेशन फॉर मेडिकल एजुकेशन (डब्ल्यूएफएमई)** एक **वैश्विक संगठन है जो दुनिया भर में चिकित्सा शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए समर्पित है।**

- **1972 में कोपेनहेगन में स्थापित।**
- **मुख्यालय - फ़र्नी-वोल्टेयर, फ़्रांस।**
- संगठन वर्तमान में **यूके और फ्रांस में पंजीकृत** है ।

18.14 आयुष्मान भारत पीएम-जय और एबीडीएम

- राष्ट्रीय **स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए) , स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय (एमओएचएफडब्ल्यू) ने आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी पीएम-जेएवाई) के पांच साल** और **आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम) के दो साल पूरे होने का** जश्न मनाने के लिए **'आरोग्य मंथन' का** आयोजन किया । **)** .
- दोनों **प्रमुख स्वास्थ्य देखभाल योजनाओं का** लक्ष्य **भारत में यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज (यूएचसी) के दृष्टिकोण को प्राप्त करने के लिए सुलभ, उपलब्ध, किफायती और स्केलेबल स्वास्थ्य सेवा प्रदान करना है।**

आयुष्मान भारत PM-JAY के बारे में

- आयुष्मान भारत PM-JAY 23 सितंबर **2018 को लॉन्च किया गया था** ।
- यह **दुनिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य बीमा योजना है।**
- यह सार्वजनिक और निजी **सूचीबद्ध अस्पतालों में माध्यमिक देखभाल और तृतीयक देखभाल** के लिए **प्रति परिवार 5 लाख रुपये की बीमा राशि प्रदान करता है।**
  - ✓ **परिवार के आकार, आयु या लिंग पर कोई प्रतिबंध नहीं है ।**
- योजना के लिए धन **साझा किया जाता है** -
  - ✓ अपनी विधायिका वाले सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के लिए **60:40 ,**
  - ✓ पूर्वोत्तर राज्यों और जम्मू-कश्मीर, हिमाचल और उत्तराखंड में **90:10**
  - ✓ विधानमंडल रहित केंद्रशासित प्रदेशों के लिए **100% केंद्रीय वित्त पोषण ।**
- **नतीजा**
  - ✓ **रुपये** के **निःशुल्क अस्पताल में भर्ती होने** के साथ । **69,000 करोड़ रुपये की** इस योजना ने **न केवल करोड़ों गरीबों और वंचित परिवारों के लिए अच्छा स्वास्थ्य सुनिश्चित किया है,** बल्कि **उनके परिवारों को विनाशकारी स्वास्थ्य देखभाल व्यय से भी बचाया है।**

आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम) के बारे में

- 27 सितंबर 2021 को लॉन्च की गई एबीडीएम सरकार की एक बहुत ही महत्वाकांक्षी योजना है, **जिसका उद्देश्य स्वास्थ्य देखभाल पारिस्थितिकी तंत्र के विभिन्न हितधारकों को जोड़ने वाला एक डिजिटल राजमार्ग बनाना है।**
- **प्रत्येक नागरिक के लिए एक डिजिटल हेल्थ आईडी बनाकर** हासिल किया जाएगा । फिर इस **आईडी को उनके स्वास्थ्य रिकॉर्ड से जोड़ा जाएगा** । यह **विभिन्न स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के बीच स्वास्थ्य रिकॉर्ड को निर्बाध रूप से साझा करने की अनुमति देगा।**
- राष्ट्रीय **स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए) एबीडीएम की कार्यान्वयन एजेंसी** है ।
- **नतीजा**
  - ✓ पिछले 2 वर्षों में 45 करोड़ से अधिक **आयुष्मान भारत स्वास्थ्य खाते (एबीएचए) बनाए गए हैं।**
  - ✓ इसके अलावा, 30 करोड़ से अधिक स्वास्थ्य रिकॉर्ड इन ABHA खातों से जुड़े हुए हैं।

- योजना **इसका उद्देश्य स्वास्थ्य सेवा वितरण को मजबूत करने के लिए डिजिटल प्रौद्योगिकियों का लाभ उठाना है।**

19. मिश्रित

19.1 भारत का पहला गांव

- आकाशवाणी दिल्ली ने **भारत की अध्यक्षता** और **'मेरी माटी मेरा देश ' अभियान के तहत हाल ही में नई दिल्ली में आयोजित जी -20 शिखर सम्मेलन की सफलता का जश्न** देश के **पहले गांव माणा, जिला चमोली, उत्तराखंड में मनाया।**
- यह गाँव **बद्रीनाथ शहर से** केवल 3 किमी दूर, **सरस्वती नदी के तट पर स्थित है।**
- यहां रहने वाले **लोग भोटिया समुदाय के हैं ।**
- इस स्थान का **संबंध महाभारत काल से है।**

19.2 ऑपरेशन पोलो

- **13 सितंबर, 1948 को, हैदराबाद** रियासत को एकीकृत करने के लिए भारत की सैन्य कार्रवाई जिसे **"ऑपरेशन पोलो" के नाम से जाना जाता है, शुरू की गई थी,** जो भारतीय इतिहास की एक महत्वपूर्ण घटना थी।
- **हैदराबाद के निज़ाम, मीर उस्मान अली शाह , कश्मीर** संघर्ष में भारत सरकार की व्यस्तता का लाभ उठाते हुए, आज़ादी के बाद **भारत या पाकिस्तान में** शामिल होने से झिझक रहे थे ।
- **नवंबर 1947** में हस्ताक्षरित एक स्टैंडस्टिल समझौते ने **हैदराबाद और भारत के बीच** एक वर्ष के लिए यथास्थिति बनाए रखी , जिससे **निज़ाम** को स्वतंत्र रूप से शासन जारी रखने की अनुमति मिली।
- हालाँकि, बढ़ते तनाव, सीमा पार छापे और एक स्वतंत्र राज्य स्थापित करने के इरादों ने भारत को कार्रवाई करने के लिए प्रेरित किया।
- ऑपरेशन में कई दिशाओं से सुनियोजित सैन्य आक्रमण देखा गया, जिसके परिणामस्वरूप अंततः **हैदराबाद राज्य की सेनाओं को आत्मसमर्पण करना पड़ा।**
- **सरदार वल्लभभाई पटेल** की निगरानी में चलाया गया यह महत्वपूर्ण अभियान **17 सितंबर, 1948** को युद्धविराम की घोषणा के साथ समाप्त हुआ, जिससे **18 सितंबर, 1948** तक हैदराबाद प्रभावी रूप से भारतीय नियंत्रण में आ गया ।

20. हिमाचल खबर

20.1 चंबा-चौरी टनल डीपीआर को मंजूरी दी गई

- हिमाचल सरकार ने **जोत दर्रे के नीचे प्रस्तावित चंबा- चौरी सुरंग** की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) को मंजूरी दे दी है ।
- चंबा- चुवाड़ी सुरंग **आकांक्षी चंबा जिले को बेहतर अवसर प्रदान करेगी** और **लोगों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के अलावा विकास गतिविधियों के मामले में इसे बहुत जरूरी प्रोत्साहन देगी।**

जोत पास के बारे में

- जोत दर्रा **समुद्र तल से 2880 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है।**
- जोत दर्रा **चुवाड़ी को देखता है घाटी** और **यह दर्रे के शीर्ष से 23 किलोमीटर दूर है** ।
- जोत **चंबा में सबसे अधिक ऊंचाई वाले पर्यटन स्थलों में से एक है** और **पठानकोट- नूरपुर - चौरी -चंबा खंड पर स्थित है।**

20.2 हिमाचल प्रदेश में स्क्रब टाइफस

- **हिमाचल प्रदेश में इस साल अब तक स्क्रब टाइफस से 732 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है,** जबकि इस बीमारी से पांच लोगों की मौत हो चुकी है।

स्क्रब टाइफस के बारे में

- स्क्रब टाइफस **एक मौसमी ज़ूनोटिक (पशु जनित रोग) है।**
- यह एक बैक्टीरिया - **ओरिएंटिया त्सुत्सुगामुशी के कारण होता है।**
- यह **संक्रमित चिगर्स (पिस्सू लार्वा माइट्स) के काटने से फैलता है।**
- स्क्रब टाइफस के सबसे **आम लक्षण बुखार, सिरदर्द, शरीर में दर्द और कभी-कभी दाने हैं।**
- **इलाज योग्य** होने के कारण , इसका **शीघ्र पता लगने से बीमारी को ठीक करने में मदद मिल सकती है।**

20.3 राज्य ने सहयोगात्मक प्रयास के तहत नवोन्मेषी सतत खाद्य प्रणाली मंच का शुभारंभ किया

- टिकाऊ कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देने और प्राकृतिक किसानों की आजीविका को ऊपर उठाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रगति में, हिमाचल प्रदेश राज्य एक सतत खाद्य प्रणाली प्लेटफार्म (**SusPNF) शुरू कर रहा है ।**
- यह सहयोगात्मक **प्रयास डॉ. वाईएस परमार बागवानी एवं वानिकी विश्वविद्यालय (यूएचएफ), नौणी , राज्य कृषि विभाग** और **किसान उत्पादक कंपनियों की विशेषज्ञता को एक साथ लाता है।**
- SusPNF **देश में अपनी तरह का पहला** संस्थान बनने जा रहा है ।
- **विश्वविद्यालय , राज्य कृषि विभाग की प्राकृतिक कृषि खुशहाल योजना (पीके3वाई)** और **राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) के** बीच **एक समझौता ज्ञापन का परिणाम** है ।

- इस सहयोग का प्राथमिक लक्ष्य प्राकृतिक किसानों को सशक्त बनाना और कृषि क्षेत्र में प्रगति लाना है , **जिससे अंततः स्थानीय समुदायों के लिए जीवन की गुणवत्ता में वृद्धि होगी।**

20.4 चंबा एनजीओ ने मणिमहेश के लिए हेलिकॉप्टर सेवा मांगी

- एक स्थानीय गैर सरकारी संगठन, चंबा वेलफेयर एसोसिएशन ने सीएम से **चंबा जिले से मणिमहेश तीर्थस्थल** तक सीधी हेलीकॉप्टर सेवा शुरू करने का आग्रह किया है ।
- वर्तमान में **भरमौर से पवित्र मणिमहेश झील से** 2-3 किमी नीचे **गौरीकुंड हेलीपैड तक हेलीकॉप्टर सेवा उपलब्ध है ।**

मणिमहेश यात्रा के बारे में

- मणिमहेश **झील भरमौर से 26 किलोमीटर दूर बुधिल घाटी** में स्थित है , जो **हिमाचल प्रदेश के** प्रमुख तीर्थ स्थलों में से एक **है** ।
- यह **झील कैलाश शिखर (18,564 फीट) की तलहटी में 13,000 फीट की ऊंचाई पर स्थित है।**
- हर साल, **भादों के महीने में चंद्रमा के प्रकाश पक्ष के आठवें दिन , इस झील पर एक मेला आयोजित किया जाता है, जो हजारों तीर्थयात्रियों को आकर्षित करता है जो पवित्र जल में डुबकी लगाने के लिए यहां इकट्ठा होते हैं।**
- **भगवान शिव इस मेले/ जात्रा के देवता** हैं ।
- है कि वे **कैलाश में निवास करते हैं** ।
- **कैलाश पर शिवलिंग के आकार की** एक चट्टान को **भगवान शिव का स्वरूप माना जाता है ।**
- **पहाड़ की तलहटी में स्थित बर्फ के मैदान** को **स्थानीय लोग शिव का चौगान** कहते हैं ।

20.5 स्वच्छ वायु अभियान के तहत परवाणू, काला अम्ब को मिला शीर्ष स्थान

- **परवाणू और काला अंब के** औद्योगिक **शहरों ने राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम** के तहत **राष्ट्रीय स्तर पर शीर्ष दो रैंक** में जगह बनाई है **श्रेणी 3** में **3 लाख से कम आबादी** वाले राज्य।
- **परवाणु ने 200 में से 193.6 अंक प्राप्त कर शीर्ष स्थान प्राप्त किया** जबकि **काला अम्ब ने 193 अंक** प्राप्त किये ।

20.6 रेणुका बांध परियोजना

- **रेणुका बांध परियोजना** का निर्माण कार्य जल्द ही शुरू होने की संभावना है। राज्य सरकार ने जल संसाधन सचिव के साथ बैठक में परियोजना के अंतिम डिजाइन और जमीन पर काम शुरू करने के लिए केंद्र से धन जारी करने की मांग की है।
- **प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी** दिसंबर, 2021 में परियोजना की आधारशिला रखी थी ।

परियोजना के बारे में

- **रेणुका बांध परियोजना** राज्य के **सिरमौर जिले में गिरी नदी पर** जल भंडारण परियोजना है ।
- परियोजना के लाभार्थी राज्य **दिल्ली, हरियाणा, यूपी, राजस्थान, उत्तराखंड और हिमाचल हैं** ।
- परियोजना पीक फ्लो के दौरान **40 मेगावाट** बिजली पैदा करेगी।

- समझौते के अनुसार, **सिंचाई या पेयजल घटक की लागत** का 90 **प्रतिशत केंद्र** सरकार द्वारा प्रदान किया जाएगा, जबकि शेष **10 प्रतिशत** लाभार्थी राज्यों द्वारा वहन किया जाएगा।

20.7 सरकार आपदा प्रभावितों को किराये के मकान उपलब्ध कराएगी

- **हिमाचल प्रदेश सरकार ने राहत शिविरों में रहने वाले आपदा प्रभावित लोगों** को किराए पर आवास प्रदान करने और इन आवासों के किराए का भुगतान करने का निर्णय लिया है।
- जुलाई से अब तक बारिश से जुड़ी घटनाओं में 13,000 से अधिक **घर पूरी तरह या आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गए हैं।**
- सीएम ने कहा कि **शिमला नगर निगम क्षेत्रों** में सड़कों की मरम्मत के लिए **10 करोड़ रुपये जारी किए जाएंगे।**

20.8 हिमाचल प्रदेश राहत शिविरों में आश्रय प्राप्त परिवारों को प्रति माह 5,000-10,000 रुपये देगा

- हिमाचल प्रदेश सरकार ने घोषणा की है कि राज्य के ग्रामीण और शहरी इलाकों में राहत शिविरों में रहने वाले परिवारों को **मासिक किराए के रूप में क्रमशः 5,000 रुपये से 10,000 रुपये प्रदान किए जाएंगे।**
- स्वीकार्य किराया **5,000 रुपये और शहरी क्षेत्रों में इसकी तलाश करने वालों के लिए 10,000 रुपये होगा** और परिवार की सबसे बड़ी महिला सदस्य को प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) मोड में भुगतान किया जाएगा।
- **31 मार्च 2024** तक लागू रहेगी ।

20.9 पर्यटन विकास पर 2,500 करोड़ रुपये खर्च किये जायेंगे

- **हिमाचल प्रदेश सरकार** साहसिक, धार्मिक और प्राकृतिक पर्यटन बुनियादी ढांचे पर ध्यान केंद्रित करके सालाना 5 करोड़ पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए महत्वपूर्ण प्रयास कर रही है।
- सरकार **एशियाई विकास बैंक (एडीबी) की सहायता से पर्यटन विकास पर 2,500 करोड़ रुपये खर्च करने की योजना बना रही है।**
- इस राशि का एक बड़ा हिस्सा, **1,300 करोड़ रुपये** , पहले ही स्वीकृत किया जा चुका है। इसके अतिरिक्त, चालू वित्तीय वर्ष में पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए **400 करोड़ रुपये** का बजट प्रावधान किया गया है
- राज्य ने पर्यटकों के लिए विदेशों में पाई जाने वाली हाई-टेक बसें शुरू करने की योजना बनाई है, ताकि पर्यटन स्थलों तक आरामदायक और सुंदर परिवहन प्रदान किया जा सके ।

20.10 सायर मेला

- **सोलन के अर्की में** तीन **दिवसीय राज्य स्तरीय सायर मेले का शुभारंभ** हुआ ।
- उत्सव के दौरान **रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है** और **सामानों की खरीद-फरोख्त के लिए स्टॉल भी लगाए जाते हैं।**
- यह **सांडों की लड़ाई के लिए भी प्रसिद्ध है और पर्यटक इस शानदार कार्यक्रम/मेले का आनंद ले सकते हैं** ।

20.11 सबसे कम उम्र के योग प्रशिक्षक

- **भारत के विश्व रिकॉर्ड** द्वारा प्रमाणित , **ऊना** की **9 वर्षीय ओजस्वी शेखावत देश की सबसे कम उम्र की योग प्रशिक्षक** बन गईं ।
- **दुनिया भर में** लगभग 3 लाख लोगों ने उनके ऑनलाइन योग सत्र को देखा और उसका अनुसरण किया है।

20.12 कैनाबिस की कानूनी खेती

- **हिमाचल में गैर-मादक प्रयोजन के लिए भांग की कानूनी खेती के विवादास्पद मुद्दे को** देखने के लिए सरकार द्वारा **गठित समिति ने** कड़े नियमों के तहत खेती को आगे बढ़ाने की सिफारिश की है।
- **राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी** की अध्यक्षता वाली समिति **ने** अपनी रिपोर्ट सीएम को सौंपी, जिन्होंने इसे विधानसभा में पेश किया।

उत्तराखंड भांग की खेती को वैध बनाने वाला पहला राज्य था।

- गैर-मादक **उपयोग-**
  - ✓ **भोजन, कपड़ा, कागज, निर्माण सामग्री, फर्नीचर, सौंदर्य प्रसाधन, जैव ईंधन, स्वास्थ्य देखभाल** उत्पाद
  - ✓ कैनबिडिओल यौगिक **कैंसर, मिर्गी, पुराने दर्द के इलाज में प्रभावी है**
- पैनल की सिफ़ारिशें
  - ✓ **एनडीपीएस अधिनियम, 1985 में संशोधन;**
  - ✓ **खेती के लिए एसओपी विकसित करना; और**
  - ✓ **एकल खिड़की प्रणाली के रूप में कार्य करने के लिए एक राज्य-स्तरीय प्राधिकरण का गठन**
  - ✓ **अनुसंधान, विकास के लिए बीज बैंकों** और एक कोष का निर्माण
  - ✓ विनियमन, निगरानी के लिए **विशेष उत्पाद शुल्क कर्मचारी ।**

20.13 हिमाचल प्रदेश लोकायुक्त (संशोधन) विधेयक 2023 पारित

- विधानसभा ने आज उच्च न्यायालय के न्यायाधीश को लोकायुक्त के रूप में नियुक्त करने के लिए **हिमाचल प्रदेश लोकायुक्त (संशोधन) विधेयक 2023 पारित कर दिया** ।
- लोकायुक्त अधिनियम के अनुसार , पहले **केवल एचसी मुख्य न्यायाधीश ही इस पद पर नियुक्ति के लिए पात्र थे** ।
- है **कि राज्य सरकार ने 2021 में अन्य एचसी न्यायाधीशों को लोकायुक्त के पद पर नियुक्ति के लिए पात्र बनाने के लिए कानून में प्रावधान किया था** ।
  - ✓ **इसके लिए कानून की धारा 7 में संशोधन करना पड़ा।**
- चलकर , **यदि किसी न्यायाधीश को लोकायुक्त के पद पर नियुक्त किया जाता है , तो वे पद के अनुरूप वेतन और भत्ते प्राप्त करने के पात्र होंगे।**

20.14 क्रिप्टो-मुद्रा धोखाधड़ी के लिए एसआईटी

- हिमाचल प्रदेश सरकार ने **राज्य में क्रिप्टोकरेंसी धोखाधड़ी के बढ़ते मामलों की जांच के लिए** एक शीर्ष पुलिस अधिकारी की अध्यक्षता में **एक विशेष जांच दल (एसआईटी) की स्थापना की घोषणा की।**

- एसआईटी **का नेतृत्व DIG (उत्तरी रेंज) अभिषेक दुल्लर करेंगे ।**
- **पिछले दो वर्षों** में **साइबर पुलिस स्टेशनों में छप्पन शिकायतें प्राप्त हुई हैं ।**
  - ✓ क्रिप्टोकरेंसी अपराधों की जाँच के लिए शिमला, मंडी और कांगड़ा में तीन **साइबर पुलिस स्टेशन स्थापित किए गए** थे ।

20.15 आईआईटी मंडी के शोधकर्ताओं ने पोर्क टेपवर्म के खिलाफ वैक्सीन का आविष्कार किया

- स्कूल ऑफ बायोसाइंसेज एंड बायोइंजीनियरिंग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. अमित प्रसाद के नेतृत्व में **भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मंडी के** शोधकर्ताओं ने **एक अभिनव प्रोटीन-आधारित** खोज करके पोर्क टेपवर्म (टी. **सोलियम) के खिलाफ लड़ाई में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर हासिल किया है। टीका।**
- पंजाब में दयानंद मेडिकल कॉलेज और अस्पताल और हिमाचल प्रदेश में सीएसआईआर-इंस्टीट्यूट फॉर हिमालयन बायोरिसोर्स टेक्नोलॉजी के वैज्ञानिकों के साथ सहयोग करते हुए, टीम ने चुनौतीपूर्ण संक्रामक रोगों के लिए टीका विकास के लिए एक तेज़, अधिक प्रभावी दृष्टिकोण पेश किया है।
- यह टेपवर्म **आंतों में संक्रमण** और **मस्तिष्क में गंभीर संक्रमण पैदा करने के लिए कुख्यात है, जिससे दौरे पड़ते हैं** ।
- विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने लंबे समय से **पोर्क टेपवर्म को खाद्य जनित मौतों में** एक प्रमुख योगदानकर्ता के रूप में मान्यता दी है , जिसके परिणामस्वरूप **विकलांगता-समायोजित जीवन-वर्ष में पर्याप्त नुकसान होता है।**
- यह **विकासशील देशों में मिर्गी के 30% मामलों के लिए जिम्मेदार है , जो खराब स्वच्छता और खुले में घूमने वाले सूअरों वाले क्षेत्रों में 45% -50% तक बढ़ जाता है** ।
  - ✓ उत्तर भारत में, मस्तिष्क संक्रमण का प्रसार **चिंताजनक रूप से 48.3% है।**
- जवाब में, **WHO का "प्राथमिकता उपेक्षित उष्णकटिबंधीय रोगों का 2030 रोडमैप" दुनिया भर में 1.5 बिलियन लोगों को प्रभावित करने वाले टी. सोलियम और संबंधित संक्रमणों को खत्म करने** के लिए समर्पित है ।

20.16 दलाई लामा ने बैजनाथ में खोला कॉलेज

- दलाई लामा ने **कांगड़ा जिले के बैजनाथ क्षेत्र** में ताशी जोंग मठ में **खंगार ड्रुक धमाका कॉलेज का उद्घाटन किया** ।
- कॉलेज **नालंदा परंपराओं के आधार पर बौद्ध धर्म में डिग्री प्रदान करेगा।**

CivilsTap Himachal Paid Initiatives

- HPAS Offline/Live Course — Live Fee 45000/- | Offline Fee 65000/-
- HPAS Online Course — Fee 25000/-
- HPAS Weekend Offline/Live Course — Live Fee 55000/- | Offline Fee 75000/-
- HPAS Hindi Medium Online Course — Fee 25000/-
- NT/Allied Online Course — Fee 12500/-
- NT/Allied Offline/ Live Course — Live Fee 25000/- | Offline Fee 38000/-
- HPAS Prelims + Mains Test Series — Fee 10000/-
- HP Govt. Combo Batch — Fee 4500/-
- HP Patwari Online Course — Fee 3000/-

Optional Test Series

- Sociology Optional Test Series — Fee 5000/-
- Geography Optional Test Series — Fee 5000/-
- History Optional Test Series — Fee 5000/-

CivilsTap Teaching Exam Paid Initiatives

- HP TGT Non-Medical Online Course — Fee 6000/-
- HP TGT Medical Online Course — Fee 6000/-
- HP TGT Arts & Commerce Online Course — Fee 5000/-
- PGT Online Course
- HP TET Online Course — Fee 2000/-

+91 7814622609

www.civilstaphimachal.com